॥श्रीगणेशाय नमः॥ अथ प्रथम राशि प्रारम्भः

॥ भूमिका पैशाची भाषा ॥ गीतिः ॥(१)

दुग्ग कत्तन पत्त पञ्जो हवति सता येव पीत पट्टुलो ॥ लोपउ भाव सुन्दल पामङ्गो नं नमिज्जते तेवो ॥१॥ सम्भुं कन्नप्प हत्तं चाटीसं च चसुहं कनाधिपतिं ॥ नत्थून फारतिं करोमि ग्रन्थउत्तलत्थकं कंम्म म्॥२॥ गीर्वाण भाषा ॥ अनुष्टुप् छन्दः सिन्धु ला ॥ वन्दे मदीय वक्तार स्वर्णादि दानस्म हासतिम् ॥ नेमुग्य तिमिर ध्वंसं विद्याभास्कितानमम् ॥३॥

(१) दुर्ग कादन पर प्रज्ञो भवति सदा एव पीत प्रावरणः सद् यया सुन्दर वामाङ्गो ननु नम्यते देवः ॥१॥ शम्भुं कन्दर्प पुर्वं चाण्डीशं गजमुख गणाधिपतिम् ॥ नत्वा भारतीं ... ग्रन्थम् ॥२॥

मुद्रयकुव तोस कु ...

मिश्र पवस्स राय १ रु अपर २ गुलाब रायन्न

बुध सिंह १ प्रबुद्धी न्द्रे प्रयाते पंच तत्व तामं
सत्तुरूस्मेद लिंह्येऽस्याऽमि थ्रिलोऽमूल्म
ला मन्त्राः ॥ ४ ॥ पालनवाद्गीन्दु १७९६ सं
ख्याम्ब्दि कमाह्यो नरायणे ॥ वत्सरा
नवै शाखेनयोद प्रयां नरेन्द्रता ॥ ५ ॥ प्रा
योद्ध जदे शीयाप्रा कृती मि थ्रिलभाषा ॥
मूलन्त्व कम् ॥ पानिग्यह्कलत्रउ ४ हिक
रिणायेसुत पंचक ५ उम्मेद १९८। ४ सधी
र। उम्मय २ खवासितहाँ इकन्नौर समुतल
व २ दुव २ किसुलासमनीर ॥ प्रथम १ खाहू
रुक्षादल पतिकीतनयागर्भराट पुरयान
॥ कसनवरात पर्कुँ खिन्मसिधाकरि खिस
नकुमरि १९८। १ परत्यौं न्व दुबात ॥ [illegible]
दूजी २ रासिनगर पति दु [illegible]
कुंदनकुमरि १९८। २ [illegible]

म॥बखतकुमारि १९८।३ ईडरेचीबलिज्जु
ग२करजुग२ अंचलजुग२जोरि। परनी
ईडरभूपपितृव्यकरामसुतातीजीरहोरि
॥७॥ अजितसिंहईडरपहुपुत्रीक्रमचो
थी४ तिमउदयकुमारि १९८।४ बिजय
नरेसजोधपुरबुज्झिरुब्याहीनृपहिंसने
हबिथारि॥ तनयबडो१इनमैंतीजीश्भ
वसिसुहिमरयोसु १९९।१ नमोतमनाम।
पुनिसुतहुवदूजो२ पतनीकेअजितसिंह
१९९।२ दूजोअभिराम॥८॥ तीजो३तनय
बहादुर १९९।३ तासहिक्रमसोदरएदु
वहिकुमार। पुत्रहुव२हिचौथी४पतनी
केसुतचौथो४तिनमैंसरदार १९९४॥
पुत्रत्रिलोकसिंह१९९।५ हुवपंचम५सि
सुवयहुवतासहुअवसान। पुत्रहु खवा
सिरूपरसराय२रुअपर२गुमानरायअ

सिंधान ॥९॥ दूजीकै संतति नव ५ विधि वि
य सुत सिव सिंह १ तथा अंगज २। कनि
द कुमारि १ बडी १ अरु अभकुमारि सुता न
ईद्र कुमरि २ स नाम ॥ जेठो जनक है
जय सिंह १ हिं जानाल जह कुल राजनीति
सुत तस सप्त ७ रत्न सिंह १ हि कमक दत्ये
कुल नियति प्रमानि ॥१०॥ दूजो २ सुत जैत
सिंह २।२ हिं जियत किसल कुल सह रसेते
जा नवल सिंह १ ताकै हुव १ नंदन सोम
करहुं दियसा नेज ॥ दीपसिंह १९८।६ हूत
भूपस होहर दियजि हिं पालकापर तिन्हं
। भये विवाह तास रव ८ भावी सुत हुव २ सो
हु २ सुता विधि संग ॥११॥ अनुपम कुमरि
१९८।१ बडी १ ठकुराइनि सावर दीप सिंह
१९८।६ हित सत्य । इंद्र सिंह द तनया साम
ताउ ति सील १ चरित्र २ गुन ३ रूप ४ रानत

॥अरुउम्मेदकुमरि गागरनीकूजीअभयसु
तारहोरि। तीजीतियईडर पतितनयागदि
तभवानकुमरिगुनगोरि ॥१२॥जादवसो
कपालतनया जिमफतैकुमरिच्चोथीनिज
नारि। नृपसावंतसुतारूपनगर अभयपंच
मसुकिसोरकुमारि ॥ परिनाईजुपितृव्य
बहादुरयहरहोरि हुणगढआसु। क
छिसीहोर छठी अमरकुमरि सतताउत्त
मानसुतासु ॥१३॥ अजितसुतासो
जी तियइनमैं अग्रजकी सालीजु छिमा
सुतजेठो सुरतान सिंहहुव तनयासुंदू
कुमरिहुवतासु ॥ तियच्चोथीजहौंनिज
बीतिसमूजीसुताबिसनकुमारि। परिना
[illegible]जबैर प्रतापसिंहसोभी जिलसुनि छि
छि अनुसारि ॥१४॥ अभि [illegible]
[illegible]

स।जोसबप्रभुभावीबिधिजानहुबन्नेमा
नस्रवसुनहुबिसेस।।पाइजनकपइहिँ
दुर्गतिपनकरिजोजोदुष्कररनकाम।पु
हविलईरुदईजिमपुत्रहिँगोचकसक
लसुनहुप्रभुरास।।१५।।दोहा।।पनपु
रनपटुबच्चनपटुबीरबररसद्दसबेस।बै
ठितखतखुथसिंहवैहुवउम्मेदनरेस।।
१६।।हरिगीतम्।।कोटेसदुरजनसल्लय
हसुनिसोविकहुहितहेरयोबवतेसपृथ्वी
सिंहसुतनिजबंधुबेथमप्रेरयो।।तिहिँख
गनिजकरबंधिश्योनृपभालतिलकहु
मंडयोनजरिकनिछावरिदानिकैँनिजथा
नपरिखईबैठयो।।१७।।तिमहीपुरोहि
तव्यासचारनभट्टनजरिनिबेदईभटव
र्गपुनिकछुहेजिन्हैँहमभूपभूपतितालई
गोस्वासिगोपियनाथनृपतबलैनमंत्रहिँ

कुलयेकरि नाँहिं आयउ नाँहिजेजयसिंह केभयभुल्लये ॥ १८ ॥ पादाकुलकम् ॥ कुम्भ दलेलका निवसुकामी गोपियनाथ नरिय गोस्वामी । कहियमैं नकोटापुर कोरौं दिन चउ मास कितकुनँहिं दोरौं ॥ १९ ॥ यहसुनि पुरबेघमनूप माता विपतिसीयलखिनी तिविधाता ॥ पुनि बिन्नतिपठई कोटापुरधा रकतैंहँ रामानुजमतधुर ॥ २० ॥ द्विजनाग रउपपदसहोदर बेणीरामसनामभट्टवर ॥ पठयोदलचुंडाउतितिनप्रति तुमसमदि ट्टिगिनकु सेवकतति ॥ २१ ॥ ममसुतकल्हि सचुनिजमारहिंबुंदियअप्पनआनबिथा रहिं ॥ जोयहनियतिजोगनहिंपावहिंतो पैतुमहिँसदासिरलावहिँ ॥ २२ ॥ जोतुम मंत्रहैनदिलहेरकु तोआवकुपुनहिंबाप्रे रकु ॥ बेणीयराममोधियहवन्नी बिरचिन्म

कुम्हक्षानि सिमनो ॥ २३ ॥ दैन लंन पक
योनैष नहुतस्यौ गोर्विंदना सजे देसुत । सि
हिंसमान रुउ पदेस लंन हियनल पउमै ल ।
हुजसि ससालिय ॥ २४ ॥ नहिहुं हियपति
मनिोष नौमितगे हकदेहु निवे दियपुराहि
तम्मझा नथक्सर्पितरा हिज्रकुरपुनिनरि
सिदस्वायउ क्षोमपुर ॥ २५ ॥ गहियजव
हिहुय सिंह नरन गतिउदसनैरहोत न
देयुसपति ॥ न्हवहसमासलौं हिंनहस्म
योउरज्ञासीसासोनम्नकुलायो ॥ २६ ॥ नस
नम्मस तज्ञल थार् निरंनरस्याथिनतुल
हिज्ञ तम्म गुरम्नंतर ॥ कुदमरलहज्ञ
मसान हिय म्नरनरउन्नदरियहम्मसहिल
स ॥ २७ ॥ विहुसेवकतुमदरविनासैक
सिहौंसैं दैनहुतक्सारौ ॥ हूमकहिदेवसिं
हुल हुनामउ ल सितजालितालय हिमला

पुठ ॥२८॥ अजितसिंहमरुईस अगमृतसु
तसपक द्रोतासकलुखकृत॥ द्रोदिस्त्रिय
पट्टपनय हीनौं तदनुजबखतजनकजि
यलीनौं ॥२९॥ पंचकुते तासौं लघुभाई।
उनकौं के दक्करनमति आई॥ भाजेसुनत
कितेकमहाभय। डारेकैद कितेकननि
र्दय ॥३०॥ रायसिंह आनंद आतदुव
ईडरपुर अधिराज जायहुव॥ इकईडर
तजिमालव आयो।जोरमें हंदपुर अम
लजमायो ॥३१॥ यहसुनि आनिलगे द
क्खिनदलकाढ्यो यह रद्दौर बंधिबल॥
आतुरपुर बेघमत ब आयो छेवसिंह अ
ति मोद दिखायो ॥३२॥ रुप्यय पंच नित्य
तिहिं दे करि धन्य अआतर किवलियहि
तथरि॥ तदनंतर सकरवटनबसअह।
१७९६ अगहनमास बिसद पंच सिअह॥३३॥

बेयम पति देव ज्‌ बपु छोर्‌यो। जिहिं जस देत
कपर्द न जोर्‌यो॥ पहसु दुनियसिंह तस पा
यो। राज सुनत हियलोभ रचायो॥ ३४॥ ता
के सिर दुव लक्ख २००००० दम्म किय। बलि
लिय तब हि उदै उर बुल्लिय॥ रस नव स
त इक्क मित बच्छर १७९६ बिसद माघ
मास सम पंचमि पर॥ ३५॥ दुनियसिंह ग
य राज सभा जब। अहरि राज सम्मुख भ
यउ तब॥ दंड लियउ वह दोस दबावन। अ
क्खिवय राज कियउ मैं पावन॥ ३६॥ इम
कहि भाल तिलक तस कीनौं। अच्छत पु
निय मंडि नवीनौं॥ निज हत्थहि तरवारि
बंधाई। सयन जोरि कहि भेय सवाई॥ ३७
॥ दोहा॥ नाम सवाई भेय तस कहिय राज
कर जोरि। पुर बेयम कौ रिक्ख पुनि।
बहु आयउ मन मोरि॥ ३८॥ इति श्रीवंश

भास्करे महा चंपू स्वरूपे दक्षिणायने दश
म राशौ उम्मेद सिंह चरित्रे प्रथमो मयूखः
॥१॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा॰मि॰॥दोहादि वृत्तोत्यादिनी चुलि
आला।इतबेघमबुंदीसअब।बयदस हा
यन मान विराजत॥हय विद्या सिक्ख
त कुलसि।नय दम धर्म्म निधान विरा
जत॥१॥तोमर असि पट्टिस तुपक।
चाप सायक चंड चलावत।खुरलीवि
तु विसैं खिनन।मन जाको ब्रह्मंड नसा
वत॥२॥ब्रह्ममुहूरतजगिबलि।संध्या
न्हावन आदिसुधारत॥सावित्री जप इक
सहँस१०००।अरु हरि नाम आदि उ
चारत॥३॥ब्रतसंजम उपवासविधि।
इक्कन टारत अप्प इलापति॥सच्चीसें
हित अनुसरैं गिनैन मूढन ग [illegible]

ति॥४॥स्वीयजनकबुधसिंहसठ। ञ्चति
ञ्चासवञ्चधिकारउपायो। सोमगकरि
उच्छिन्नसब। बैष्णवधर्मबिचारबढ
यो॥५॥हरिपूजननतिजुतहुलसि।
बिधिसहस्वोडसञ्चंगबनावैं॥पंचज
ञ्चकरचायपुनि। लघुभोजीमनजंगल
गावैं॥६॥स्मार। तस्मृतिसुनिभागवत
।वेस्ववचनधरिचेतबिचारैं॥मृगयार
सरत्तोमुदित। सिंहनस्वकुलसमेतबि
डारैं॥७॥पज्भटिका॥उम्मेदनृपति
बुधसिंहपट्ट। दसञ्चट्ठवेसञ्चतिकल
उकट्ट॥ञ्चरुमंजुबालससिजिमञ्चनूप
।भल्लबैनसवनसनहरलभूप॥८॥क
कोदिनिसामकरादिदीह। इमवहततर
कितुबलैनईह॥जिमसारदूलसि
सुनिसरुधोंसहथ्थीनहननमनभरतसैं

स ॥९॥ इम नृप हिं लैन बुंदिय उमंग ।
आयुध समस्त सइन अभंग ॥ बुध सिंह
सुत हिं सुनि इम समत्थ । सब मिलिय आ
नि भरसन्निवसत्थ ॥१०॥ धरि सब हिम
हा सिंहोत धर्म । भृत्या बितु अद्दरि भृत्य
कर्म ॥ जेबीरर हे नृप पास जाय । प लिआ
धिपत्य चिंतत उपाय ॥११॥ इम भूप बढ
त दिन दिन अमान । अब नौ निज लै बंकों
उप्मान ॥ इहिं बेर हिंदोल त सिंह रंच । हर
राज त हड्डा किय प्र पंच ॥१२॥ नृप अनु
ज दीप सिंहाभिधान । कियतास पृथक
परिखद विधान ॥ बडु नर न फोरि अ
प्पिय बिसास । सुनिय ह नृप माता कुब
सवास ॥१३॥ सुख सिंह महा सिंहोत बु
द्धि । अधिबिय सु लाह गति सम य बुद्धि
॥ अम पुन द्दुदहि अब बर्ष सहंत । नृप हु

भट इनहिं फोरन चहंत॥१४॥हम गेह कु
ती जो राज रीति।आपल्लि सु पे पलटी अनी
ति॥छोटेरु बडे बैठत समस्त।अंजलि बि
नु वुल्लत तिन्ह अत्रस्त॥१५॥ दोलत सिं
ह सु बिग्रह बढात।दुव बंधुन बिच अं
तर दिखात॥ ऐसे भट बहु बिरचत
अकाज।तस मात हम हिं यह उचित
आज॥१६॥ धारत तुम नयजुत स्वामि
धर्म्म।विश्वास रु तुमरो भक्ति बर्म्म॥
यातें समस्त एसे निकासि।बलिलेहु सु
हु हृदय न बिसासि॥१७॥रक्खिहै समस्त
जो राज रीति।तो हम हि बढनहै है प्रती
ति॥सुख सिंह महा सिंहोत बीर।धरि
हिय यहै हि किय धर्म धीर॥१८॥ दोल
त सिंहादिक वे कुबुद्धि।सब दिय बिडारि
किय रीति सुद्धि॥ नृप मात हिं पुनि

अक्खिय निदान। स्वनिलय निबाहहु चिंतकु सुजान॥१९॥ जयसिंह गिनकु अति उग्र जोर। दिल्लीरु दक्खिन कु सहतदे र॥ तस मात हम हिं इक मंत्र आय। नृप अनुज हेत बिरच हिं उपाय॥२०॥ जगतेस रान सन यह निवेदि। कच्छुले कु पटा भट तास भेदि॥ सुनि यह नरेस जन नी सुभाय। अबरान हिंतु चिंतिय उपाय॥२१॥ दोहा॥ इत मरुपति अभमल्ल नृप। सजि अनीक अमान। बीकानै अधीस सन चिंतिय लरन प्रयान॥ २२॥ षट्पदी॥ नृप अनंद अभिधान अग्ग बीकानैर पभृत तब काका सुत तास भटन गजसिंह भूप कृत॥ यह इक नव हय इंदु १७९१ भय उ जंगल धरभूपति॥ अबहय नव मुनि इन्दु १७९६ म

रुपतिहिँलरनकिन्नमति। यहसुनिन
रेसगजसिंहअवक्रूरमपतिभ्रतिपच्चदि
यहरिगजसहायतिमतुमकुलसिमम
सहायरक्खहुमहिय॥२३॥सुनियह
नृपजयसिंहरानअरुअप्यइक्कवनि
पठयेदोउन पच्चसजवमरुदेसकोध
सनिइन्हतुमगिनिअंकस्थविभवनि
जकरनविगारत॥उचितनीतिननरा
हमूढवनिवंधुनमारतहृतनृपनगर
उतवहअतुलदुरगजोधपुरपच्छदु
वविदुपच्छगिइसंपातिविधिधरिहै
नहिनउडानधुव॥२४॥यहक्कगर
हुतवंचिमरुपनैंकनमनैंमनअकवी
लसुरअसंकरानजुतवनतकिथिन
सुभटमोरगजसिंहताहिक्योंनहिस
मुझाऊँ॥मैंगुज्जरधरजैतवारअरिगर

दमिलौंऊँयहकहिकवंधलै दलअतु
लवीकानैरहिँविरिलियतरआवताव
तोपनतपियमनकुंदावतिंदुनमचि
य ॥२५॥ जिमदंतनविचजीहइच्छुजि
मजंत्रअरेहितइमआतुरगजसिंह
मच्चिसंकरडुवमोहितसुनिआरति
जयसिंहकुंचजैपुरसनकिन्नौं॥ सु
च्छोरानडुवेगलैनमरुधरपनलिन्नौं
दरकुंचचलियक्रूरमदुसहखंडचउ
दहहखलभलियसुरलोकचक्कडुट्टिय
सहजकिहिँसिरक्रूरमकोपकिय॥२६
॥नागराजफनफारियकमठरीढकच
ररक्किययसुधाभरविहरियमनकुंदा
रिमदररक्कियरविसुक्कियरजमेघ
दानदिग्गजगनसुक्किय॥मगरुक्किय
पवमाननाननअच्छरिचकिचुक्कियम

तुलितअनीकजयसिंहइमजायरुबिं
रियजोधपुररानइभयानयहसुनिर
चियमबलसेनहंकतमचुर ॥२७॥
दो० ॥ बिद्यो कूरमजोधपुर । जोरयोतो
पनजाल ॥ मनहुँभगालीदच्छमख ।
कियोसमयकराल ॥२८॥ सुनिमरु
पतिभ्रममस्तयहसत्थअलपतम
तजिँबेसबदलिआधीनिसांपैदो
निजपुरभजि ॥२९॥ इतकूरमनागो
रपुर । दिन्नौंपनपठाय ॥ बखतसिं
हआवहुतुम्हैं दैहैं तखतबढाय ॥३०
॥ हेरतहोबखतेसयह । भज्योत्वरि
ततजिमान ॥ जिहिँसठजनकनिघा
तकिय । आताति हिँचितकोन ॥३१॥
मजवआनिजयसिंहसौं मिल्योमूरु
भुवलोभ ॥ मरुपति हियमहसुनिअ

मितढयोअनुजसिरछोभ ॥३२॥जा
न्योअग्गहिकुम्मपहउभयलकदच
तुरंग॥पीछैआवतरानपुनिसहँस
असीदलसंग॥३३॥जित्तैंबिनुनहि
जीवनौंअरुजित्तनबहुदूर।ध्रुवहि
अनुजसिरछत्रधरिजैहैंस्वसुरजहू
र॥३४॥यातैंनतिहोउचितअबमँगँ
सुहिदैदम्म॥कूरमकुंचकराइयेकछु
दिनजीवनकम्म॥३५॥स्वसुरपितास
मनिगममतअरुसुतसमजामात॥
यहैगलीअबकढ्ढिकैंभुवरक्खहिंनि
जहात॥३६॥कूरमप्रतिकहिमुक
लियइमबिचारिअममल्ल।बंदनी
यतुमस्वसुरहोहमकरैंनरनहल्ल॥
३७॥जोमंगहुसोदैहिंगेलैजावहुनि
जगेह॥ममसोदरसरफोरिकैंअब

चितकरहुवराह ॥३८॥ षट्पदी ॥
नृपकूरमबाईसलकछवरुप्पयतवमं
गियइकिवसमयमरुईसअरिवलह
प्पयकियअंगियरद्धोरनयहजानि
वडुलवरज्योमरुभूपति ॥ दम्मदते
क्योंदेनमरनमंडहुनिसंकमतिमचि
वनतथापिअभमल्लसोंदंडदैनअ
कियउचितसोसवकबंधस्वीकार
कियदेसकालनिबलहुचित ॥३९॥
दोहा ॥ कूरमतवजामातकौंनृमितम्रा
निह्नमलाक ॥ निजतनयाकौंचोलके
लीनलखरुविकियसाक ॥४०॥ सेसल
कवयुनईसरहितिनमैंवडुभरिलि
ला ॥ अवसेसनहितओलिमैंनिजम
जानउनदिंन ॥४१॥ रतनसिंहअ
भिमानयहमरुपतिसचिवसुभाय

॥दमकेलकवन दम्पलैकूर गढेरनभा
य॥४२॥बंद्रेकेरूप्पयनिर रविपुलिकि
यकूर भरोस॥रतन सिंहतबउच्चरिय
देकुनलाहलकदोस॥४३॥जैसेरूप्पयकी
रकरि हमतैंकिन्नत लाल॥तैसेही तुम
दीजियो हमकौंकोउककाल॥४४॥य
हसुनिकुम्भसिराहिम्भरुम्भोलिमौंहिं
तिहिंडारि॥करियकुंचनिजगेहकों
बिनुरननिजयविचारि॥४५॥लिलि
खसुरजानातगिनिलभीबखलहिय
लाय॥सुहविगारिनागोरकौंकुम्भसिं
निंदलभाय॥४६॥महाराणम्रजाकरिं
हकियम्भातिदलभुलउकालु॥लगि
रनामसरवाडढिगमिलियराणकस्ल
ह॥४७॥रानरिंहूरमकविभरूनकि
यउजोधपुरजेर॥आमलुभायानदोहि

रकुबढहिंखरच्चबिनुबेर ॥ ४८ ॥ कहिय
रानआयउनिकटपुसकरतीरथराह ॥ यों
नअबहिफिरनौंउचितन्हायरुजेहैंगेह
॥ ४९ ॥ इमकहिगिनिन्हावनउचितपुस
कररानपधारि ॥ कूरमआयउआगरास
बाकरनसम्हारि ॥ ५० ॥ इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेद्वितीयोमयूखः ॥
२ ॥ ० ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ २ ॥ ० ॥
प्रा० मि० ॥ सच्चरणगद्यम् ॥ अगौंनादर
साहकेसमयजयसिंहदिल्लीनगयो । मुह
म्मदसाहनैंकिल्लारनथंभोरदेनौंकरि
बुलायोतथापिटरिबेकौंबहानौंलायो ॥
तदनंतरनादरसाहदिल्लीकीकतलक
रितमांमनादसाहीबेभवलूटिअपनैंमु
लकईरानसिधायो ॥ अरुमुहम्मदसाह

नैं सरवस्वके साथ अपनौं तेज हीगुमा
यो ॥ १ ॥ ऐसी अनेक बदफैली जयसिं
हनैं कीनी तथापि हिंदुस्थान मैं बरजो
रजान्यौं। अरु पहिलैं याकौं सवाद येहै
तेरजू ही राखै रु बिनय सौं बखान्यौं ॥
राजाधिराज राजराजेंद्र सवाई जयसिं
ह ऐसो उपटंक लिखायो। अरु आगैं
काहू कोन भयो ऐसो फरमान मैं स
नकार बिसेस बढायो ॥ २ ॥ यातैं जय
सिंह जोधपुर की फतै करि दरकूंच आ
गरा प्रबेस कीनौं। अरु रानौं जगतसिं
ह पुष्कर से महातीर्थ के स्नान कौ लाह
लीनौं ॥ तहाँ व्यास दौलतराम रानौं सौं
अरज करि मेवार के उदकीन की वेगा
र मिटाई। अरु अपनैं हाथ मैं उदक
झेलि दोऊन की कीर्ति चौतरफ चला

ई ॥ ३ ॥ आगैं ग्रन्थन की विपत्ति मैं यह
बेगारि जारी भई । अब ब्यास के प्रातं
कसौं न मास मेवार छोरि गई । या रीति
पुष्कर मैं पाप धोय राजा जगतसिंह उ
दैपुर प्रविष्ट भयो । अरु इहोर बखत
सिंह नैं पहिलाय हाथ जोरि अपनैं
अग्रज जोधपुर के राजा अभयसिंह
को प्रसाद लयो ॥ ४ ॥ कही स्वामी सों
द्रोह भयो सो अपराध मेरो माफ की
जिये । अरु अपनैं घर के बिगारे कछु
चाहि कैं ऊपर फौज बंधी को हुकम दीजिये ॥
राजा अभयसिंह यह बात बिचार मैं लीनी ।
अरु अर्थ सौं अनुज कैं बिगारिबे को सोरर
होय नकौं एकान्त मैं बुलाय फौजैं जयसिं
ह पैं जांगू कौं राजकी भूल कीनी ॥ ५ ॥ अद्
नव मन्न हके सात मार थारि मैं नरद्व रंग न

माये। नवकोटीनाथकेसेनाकेसंभार ह्वा
रहीभोगभोगीसकेअमाये॥ बैंडे हस्थीन
पैंलंबीलालरंगकीपताकाफरकानैंलगी
। मानौंरक्तबीजकेसमयकालिकाजिह्वा
कौंथरकानैंलगी॥६॥ कैधौंपिंगलनाग
राजगरुडकेआतंकबबिबेकौंबडेमात्रा
छंदकीपताकाबनाई। कैधौंअंधककेऊ
परत्रिलोचनकेत्रिसूलकीतीखीनौंकनज
रिआई॥ कैधौंचंदनकेदंडपैपलेटाडारि
रक्तरागराजमाननागराजफहरानौं। कै
धौंदुस्सासनं . . दंडतैंसेरंधीकीसारी
कौसमूहलहरानौं॥७॥ कैधौंप्रचंडप
वनकेपातसौंहोरीकीझारबढनैंलगी।
अरुनहवकीमेघमालामैंइंद्रके हित
चापसौंलागिचंचलाकीज्वालाकीकढनैंल
गी। कैधौंसुमेरुकेशृंगतैंसंध्यासेखगाम

वंतीके सीधे स्रोत छूटे। अरु कल्यकारस्क
रके क ध्वलैं साखाके ममू ह फेलि फूटे॥
॥८॥ ऐसें अनेक फल हैं फौलन पैं फक
रायको निकाई। अरु राजा राठौर जयसिं
हकौं जीतिबेकौं जैपुर पैं चंड चतुरंगिनी
चलाई॥ यारीति सों दरबखत सिंह स
हित राजा अभयसिंह बडी धकसौं मे
रता नगर आय मुकाम दीनें। अरु बाग
नके बिलासकी मरजी मानि मालाकारन
नैं प्रसून नके पूर नजरि कीनें॥९॥ तब
इन राजा राठौर अपनें उमरावनकौं बख
सीस बंटि दये। अरु राठौर उमराव अनें
क ऐंडी बैंडी तरहलपेटन पैं धारत भ
ये। तहाँ आउवा नगर के अधिराज चांप
उत राठौर कुसलसिंह राजासों प्रसन्नना
हिं लीनों। अरु कारन के पूछें अहंकार के

उफानअपुब्बउत्तरदीनौं ॥११॥ अज्ञानतैं
आपकौं प्रसूननकेपसारिबेमैं लज्जाकोले
सहू हमैं नजान्यौंपरैं। रट्ठोरनकेपाघअ
रुनासिकाकछवाहननैं छीनिलीनैंयातैं
अज्ञानकेप्रसूनलैंकैंकोनउामधारनक
रैं॥ यहैसुनतहीराजाअभयसिंहकोसो
दरानुजनागोरकोअधिराजरट्ठोरबख
तसिंहरिसायऊठिबुल्यो। अरुमेरसि
लैंयहभईऐसैंअगजसौंअकबीअरुजु
दोहीजुद्धकरिबेकौंजयसिंहपैंजनूलसौं
चंडचंद्रहासतुल्यो॥१२॥ अरुयातरफ
जोधपुरसौंफौजबंधीकारिरट्ठोरनकेव
लायबकौंसुनिबडेबिस्तारकोजकुथिनी
लैजयसिंहआगरासौंकुंचकीनौं। अरु
जोधपुरकीहीसीमामैंजायसज्जीभूतह्वै
निसाननपैंनिहावकोहुकमदीनौं॥बात

रफसौं रट्ठौर बखतसिंह अपनैं पाँच हजा
र पखरैतोंसैं बागैं उठाई। अरु धूलिकी धुं
धिमैं धकाय संजोगीच ककुच कीनके चाह
कीचौंपसियाई ॥१३॥ मकराकरमें खला
मही महानागके मस्तकके हजारैंपैं नच
न लगी। अरु बाराहकी तुंडापैं मचकन
कीमार मचनलगी॥ अतल बितल सुत
ल तलातल रसातल महातल पाताल
सातौंहीं धराके अधोभाग धूजिगये। अ
रु भूर्लोक भुवर्लोक स्वर्गलोक महर्लोक
जनलोक तपलोक सत्यलोक सहित ऊप
रके ओकबासी ब्याकुल भये ॥१४॥ ऐराव
त पुंडरीक बामन कुमुद अंजन पुष्पदं
त सार्वभौम सुप्रतीक आठौंही आसाके
अनेकपन कंपिकैं कातर कूककरी। अरु
पुरुहूत पावक परेतपति पुण्यजन पंज

न प्रभंजन पौलस्त्य पिनाकपाणि आरौं हीवो
कपालनकौंलोकरक्षामैं बिपत्तिविसेसजा
निपरी ॥ लवणोद इक्षुरसोद मद्योद आ
ज्योद क्षीरोद दधिमंडोद शुद्धोद सातौं
हीसमुद्रनक्षोभपायो। अरु अनूरुनैं अ
लनकी अवक्षेपनी ऐं चित्रआदित्यकौंअ
रजीअकिद अपुब्ब आहव आलोकन उ
छाहलगायो ॥ १५ ॥ अष्टापद अद्रिसौं
अतित्वर आय महानटमनोज्ञमुंडमा
लाको मिलापमान्यौं। अरुडाकिनीनडिं
डिमडमरूकडाहलादिनपैंडंकेडारि
हल्लीसकनच्छतान्यौं ॥ गोदनकेगूदन
केग्रासकौंगिद्धीगननगेनमैं गरुरीसौंग
हकानैं। अरुकरालकलहकेकोलाह
लकातरनकेकलापडहकानैं ॥ १६ ॥
बावनबीरचउसट्ठिजोगिनीनकेजालजु

ढ्कौ जलसौं जोयबेकौं जारी भये। अरु र
द्रोर कछवाह दोहू सेनाके सरदार तत्का
ल तुमुलयुद्धमैं तीरवे तोरसौं तत्ते तुरंग
न तोकिबेकौं तयारी भये॥ राजाजयसिं
ह जंगी होदेके हत्थीपैं आरूढ होय सं
ग्राम भुम्मिकी सीमाके समीप अपने अ
नीकके अंतर अतीव उच्छाहसौं उद्दल हो
य आनि खरो रह्यो। अरु रचनाविसेस
सौं सेनाको व्यूह बनायबो ईंदाहिनी दो
ऊ तरफ रखवासी के हत्थील गाय सरबी
रनकौं अवन करायबेकौं पंडितनसौं उ
च्चारनकौं आदेस कह्यो॥१७॥ सो आदे
स सुनिकैं दोऊ रखवासी के हत्थीन पैं पंडि
त राज रामायन लंकाकांड महाभारत
द्रोनपर्व कहनलगे॥ अरु बैंडे बीरनकौं
बंदीजन बीररसमैं बिरुदाय चतुरंगकी

चलाकीचहनलगे ॥ कछवाहकीसेनाको
संभार झेलिबेकौंपुहवीहूवासमयसमर्थ
नभई। अरुराजाजयसिंहअैसेअनीक
केउफानसौंरट्ठोरनपैंअवउठायबेकी
आज्ञादई ॥ १८ ॥ जासेनामैंसाहिपुराके
अधिराजरानाउतउम्मेदसिंहसेबाई
सराजासज्जीभूतखरे। अरुऔरहूअ
धीनहोयआहवथैंउमाहेअनेकसूरबी
रनकेसंघट्टअरे ॥ वासमयरट्ठौरवखत
सिंहपाँचहजारपखरैलनसौंबडेबेग
बाजीबीचडारे॥ अरुहैलारवसेनाकेस
मुद्रमैंपारपूगिबेकौंपोतकेप्रमानपधा
रे॥ १९॥ दोऊकटकनकेकंकटीक्रूरकाल
रूपबैंडेबीरकालिंगकुटिलकोसनतैंका
लायसकरालकरवालनकेकलापकाढि
कज्जलसेकारेकुंजरनकेकूटसेकुंभनपैं

गारनलगे। अरुधीरबीरधन्वदेसीबं
डीधकसौंधकायधूपकीधाराकोंधपा
यपंचरंगीध्वजादंडनकोंफारिडारन
लगे॥ पर्बतसौंमयूरकेमाफिककुंभी
नकेकलापनकेकलापनतैंपताकन
केपुंजउडनलगे। अरुगाढेगरूरीरद्दौर
नकेगंजेगिरनलगेगजराजगुडनलगे
॥२०॥ हयनकीहयच्छय कबंधनके
करालकरवालनतैंकटिकटिकलहमें
कूदतेकबंधनकेकंधनपैंपहरनठहर
नलगी। कैधौंहयग्रीवावतारकीहजार
नश्रुतिमालास्यकेलालित्यसौंछाकिलह
रनलगी॥ दोऊचमूकेमजबूतमगरूरी
महाबीरनकेमंडलाग्रनकीमारऐसैंम
चनलगी॥ मानौंहोलीकेहुलासमामर
फुरुलनकेपानितैंचर्चरीकीडंडेहुरि र

चनलगी ॥ २१ ॥ तिगनकोंतराकनपागरनकेप
लेटेदत्तसिंधुरनकेमुंडादंडऊरनलगे। ज्या
नौंजननेजयकेजिह्मगजज्ञमैंमंत्रनकेमा
रेपन्नगनकेपूरपरनलगे ॥ गिरिटोपनकों
ग्रहनकरिजोगिनीनकोजमातिबैंडेबीरन
केबपासौंभरनलगी। अरुलोहितकीलाली
मैंकालीकूदिकूदिसोसनीरंगधारनकरन
लगी ॥ २२ ॥ सच्चेसूरनकेसीसमहेसकीम
नोज्ञमुंडमालामैंगुंफेगयेतथापिदेहुदेहु
यौंदकालनलगे। तिनकोसोरसुनिअने
कअन्नपिसाचआयेमानिआतंकसौंभाल
चंद्रकेप्रानचालनलगे ॥ जावककेजंत्रजि
मसोनितकेसोतकोछछकैंकूटिकूटिछो
नीतलकायबकौंपूरनलगी। तिनकौंसा
किनीनकीसंहतिआननऊपरही
फेलिफेलिपानकरनलगी ॥ २३ ॥ कबंध

नकेकलापमानौंअपनेउत्तमांगकौंअंरवि
नसौंदेखिदेखिदावदेवेकौंदोरनलगे।अ
रुपैंनमंडलाग्रमारिमदमत्तमातंगनकेम
स्थ फोरनलगे॥सकंचुककंपंचफनंकेप
न्नगकेप्रमानबाहुलसमेतबाहुलबाहुतू
टनलगे।अरुअबमर्दकेआतंककातरन
कगाढकूटनलगे॥२४॥बागटल्लाकेइसा
रैंबेगवानबाजीजंगीहोदनकीवरब्बररुं
धलेनलगे।अरुसादीनकेसस्त्रसंपातक
रिनछन्नरहोयनिसादीनकेनैननैनलगे
॥वंकेकमनैंतकठोरकोदंडनकौंगोसपे
च्छोकीवरवरतानितानितीरमारनलगे।
ततीरकितेकआसमानमैंउडानलैकैस
रदकालकेसलभनकीसोभाधारनल
गे॥२५॥रट्ठोरबखतसिंहजयसिंहकौं
जोयंवकौंघनंहस्थीनकेहोदेहेगिडार।

अरु इलाखसेनाकेपारनिकसिबचेबीर
नसौंबेरीकीबरूथिनीमैंबडेबेगबाजीफे
रिडारे ॥ ऐसैंदूजीबेरपैलेनकौंपृतनामैं
पैठतदेखिराजाजयसिंहसाहिपुराकेअ
धिराजराजाउत्तउम्मेदसिंहसौंराजाक
हिबुल्यो। अरुबखतसिंहकौंपैनेलोह
चखायबेकोसिद्धांतखुल्यो ॥२६॥ आगैं
राजानकहतोरुअबकहोयातैंसाहिपु
राकेअधीसराजाउम्मेदसिंहबडीउम्मेद
सौंओटहोयकबंधनकोकलापकरेल्यो।
अरुमारवनकोभगरूरमारिखासीख
गनकीफागरे ॥वाजुद्द राजारट्ठो
रबखतसिंहकेच्यारिहज्जारसातसेपरख
रैतकारिपरे। अरुतीनसेपरखैरैतनसाहि
नउम्मेदसिंहकोअसि कह
किमरिबोहीमानिकरुवाहकेकादंबिनी

रूपकटकसौंटरिपरे॥२७॥यारीतिपला
यनहोयरट्ठोरबखतसिंहनागोरकोमा
र्गलीनों।अरुराजाअभयसिंहहूयाही
केबिगारिबेकौंआयोहोयानैंपछौं ध
पुरकौंकुंचकीनों॥ऐसैंहूंबरकछवाह
कीसेनाकोसमुद्रतरितीजोबेरकीताकत
नजानिबखतसिंहनिकसिनागोरआ
यो।अरुजाकेइष्टगिरिधरपरमेश्वरके
हाथीलध्यापातुरिखानैंसहितडेरनकौं
कछवाहकोकटकलूटिलायो॥२८॥त
बवहबखतसिंहकोइष्टपरमेश्वरनो
जयसिंहनैंनांहिपठायो।अरुपातुरि
र नेकौंपछौं जिकग्गरमैंकातरकहि
लिखायो॥कह्योअंतहपुरहमारेभेट
कीनौंपरंतुहमकोंतोअमुल्ककेगाहक
जानौं।यातैंतुमारोतुमअबेरिफेरिदुंद

हरसौंलरिबेकानहौंसआनों ।।२९।।या
रीतिअट्ठनवसत्रह १७९८ केसालराजा
जयसिंहराठौरनसौंजंगजीतिआयो।अ
रुयाजंगकौंजससाहिपुराकेअधिराज
रानाउतराजाउम्मेदसिंहपायो।।यानर
फबेधमनगररावराजाउम्मेदसिंहकी
माताचुंडाउतिअपनेनिर्वाहकोअवलं
बबिचारतव सतीननिकारे।अरुमुख
सिंहमहासिंहोनकेसंम्मतसौंअपने
छोटेपुत्रदीपसिंहकेअर्थरानाजगतसिं
हसौंपटालेबेकौंपुरोहितदयारामकौं
उदयपुरपठावनमैंकारनबिचारे।।३०।।
इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेद
क्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरि
त्रेतृतीयोमयूखः ।।३।। ।। ।।
।। ।। ।। ।। ।। ।।

॥प्रा॰ मि॰॥दो॰॥ कट्टियमास बाहुल विस
द प्रतिपद दिन अति प्यार ॥ सत्त रूप इक्क
त करिय कोटा नृप श्रिय द्वार ॥१॥ बिट्ठल
अरु नवनीत प्रिय बट्ठुरि द्वारिकानाथ
॥ कुल मथुराधीस गिनि गोकुलचंद्र सु
गाथ ॥२॥ मदन मोहन हु सत्त मित रा ब
ल्लभ कुल इष्ट ॥ कोटा नृप इक्कत करिय
अप्पन दहन अरिष्ट ॥३॥ रवर चित्त इम्म
इकलक व मित उच्छव रचिय अपार ॥
रान हिं तत्र निमंत्र दै बुल्ल्यो बिहित बि
चार ॥४॥ तहं राना कोटेस प्रति बिर
चिने ह मय बैन ॥ माधव निज भानेज हि
त अकबीजै पुर लैन ॥५॥ कोटेस हु तब
रान प्रति नय बच अक्खिय नून ॥ जब
मग्ग हैं जयसिंह तब अैहें पहु मिदु हून
॥६॥ बुंदिय मिल हिं उमेद को माधव को

जयनैर ॥ पैजोल्ल गजयसिंहप्रभुवदहु
नतोल्ल गबेर ॥ ७ ॥ कोटापतिअरुरान
दुवकियरहस्ययहबत्त ॥ इहिंतुमजावहु
उदयपुररानकरहुअनुरत्त ॥ ८ ॥ रानाउ
तिपीहरससुतरहतकुम्मसौंरुट्ठि ॥ इहिंरा
नकुकूरमअहितबप्पबहिनिहितबुद्धि
॥ ९ ॥ अप्पनपुबहिकुम्मअरिअबरान
कुअरिआहि ॥ यातैंकछुदीपहिंपटादे
हिंतुदेहिंसिराहि ॥ १० ॥ यहबिचारि
निजबिप्रवहदयारामसंबोधि ॥ पठयो
मतिगतिउदयपुरसमयदेसहितसो
धि ॥ ११ ॥ तानैंजायरुनक्कयोनगरस
लूमरिनाह ॥ जान्योंयाबिनुहोयनहि
सबहहिंहत्थसलाह ॥ १२ ॥ अकवी
सरिसिंहसौंबत्तयहैतबबिप्र ॥ बुंदीप
तिलघुपुत्रहितपटाचहंतहमछिप्र

॥१३॥ यह उदंत कहिरानसौं बिहितदि
वाव हु बग॥ दैंह हु बालनगिन हु कल्हि
कमैं गेतेग॥१४॥ सुनियह केसरि सिं
ह सठ मानिलोभ निजमित्त॥ संभर पर
उपकृत ममय च्चाह्योने हन चित्त॥१५॥
॥षट्प०॥ इहिं चुंडाउत अग्गमुकल्यमु
वलोभ सोधि मन सजि दलेल सन साम
प्रकट अहूरि किंकर पन रोर नामलघु
सुवन अप्पबुंदियपुररक्ख्यो॥ पयास
हूंस पैंतीस लेरु अधिपतिव ह अक्ख्यो
तिहिं लोभ अब कु उलटीत कत यहनसु
रो हित अहूरियबित्तु समयकहुन हम
सन ब नहिं कहियहेरु उपहास किय
॥१६॥ दो०॥ दयारामयह सुनि दरित
दुल्हि अवर आलंब॥ दोलतराम सु
सदुत सोध्यो दुरग गिरि संब॥१७॥

॥ष॰प॰॥ पहिलैं हीय हव्यास रिकोटाकि
हि कारन रहियरान ढिग आय मंत्रनयच
तुरमहामन तब हि पुरोहितताहिमिलिरु
अकिवयउ दंतसब॥ समयोदेनसहाय
अहिबुधसिंह सुत हिं अबाबिनुधनानि
बाहिसकतन विभवयातैं रान हिं करि
अरजकछु कुपटाल घुम्रातहितगिनि
विपत्तिकढ़ढ कुकरज॥१८॥दो॰॥ द्विज
बर दोलतराम सुनि अक्खियरानहिं एह
॥दीपसिंह हित दीजिये कछुक पटाकरि
नेह॥१९॥सुसुनिरानजयसिंहकोवि
त्योतहर प्रचंड॥ अकवीवहक्रूरमप्रतु
लदियमरुपकुजिहिंदंड॥२०॥कियेंमहि
तयहकुम्मकोविगरहिराजविसाल॥या
यातैंतुमउनसौंकहकुकढ़कुकछु विधिका
ल॥२१॥ यहउत्तरजगतेसदियसोसुनि

कुमर प्रताप। अकबी घर आये न कौं क्यों
नहि रक्खत आप॥२२॥ सत्रु कोउ आयें
सदन मानत आघ महंत॥ सुपक आप्प
ऐसे समय कूर मत्रा सक हंत॥२४॥ यह
कहि कुमर प्रताप तब पदा हजार पचीस
॥जनक कु सौं बरजोर बनि कियतयार ब
खसीस॥२४॥ नगर पदा विच मुख्य लि
खिला खेला अभिधान॥ अवर कु वस्तु
अनूप च उ चित्त करिय पहुँचान॥२५॥
इक कहु पान हय खास इक इक चामर ख
खेस॥ इक सिर पेच उमेद हित कियत
यार कुमरेस॥२६॥ सगता उत सुरतेस
सुत निडर उमेद सनाम॥ कियत यार बुं
देस प्रति बे ध समे जनकाम॥२७॥ षट्प॥
यह कुमार अतिजोर बढ्यो जुब्बन वयउ
र्घ्घ॥ मिजन कश्व मात्यभेदिका तलि

यमिलायभटभिल्लहदापुरभिन्नबंधिअ
प्पनरजधानी॥दखलराजविचडारिर
हैंउद्धतअभिमानीयहसोधिरानजगते
मअबपकारनपुत्तहिंकिन्नमततिनदि
ननभूपन्हुंदीसकोउदयनेरयहक्षिप्र
गत॥२८॥दो०॥नटतरानइमनिंदिद्धुत
ऊद्धतकुमरप्रताप॥संभगहिलसबकेंदत
बलिखिपटारू॥कियछाप॥२९॥लखि
सुतकोयहमतपनसोचिरानजगतेस
॥हेभटनिजअनुकूललेइकदिनचु
ल्लिअसेस॥३०॥कहियकेदममसत
करहुअनयप्रचारतएह॥निजनि
जसुतयाढिगरहततिनहिंपठावहु
गेह॥३१॥इहविचहीरातदिनन
करतरह्योअपकार॥पैहमविनुपै
सेनृपनकुंअनवरवकहनहार॥३२॥

यातैंअसअज्ञान हुत मेद हुगहि उ म
राव॥ अरुजोनँहिंतोअ ग्गिय ह सज
लन दहनस्वभाव॥ ३३॥ दृढ प्र पंच
इमरानकरिभ ट न सिक्खदियभाय
॥ इन निजपुत्रअनेकमिसदिन्ने घर
न पठाय॥ ३४॥ सगताउत दारूनगर
पतिमुरतेसस नाम ॥ स्वसुतहिअ
क्खियताकुनैं घरजावकुकछु काम
॥ ३५॥ यह उमेदसिंह सुकुमरजोकि
वे धमल्यार॥ ताहू सौं इमपितुक
ह्यियजावकुगेह कुमार॥ ३६॥ इहिं
कुमार मतिबलकछुक जान्योरानप्र
पंच॥ अक्खियस्वामि मतापअबजा
निन छोरौं रंच॥ ३७॥ तदनंतर इक
दिनय है रानकुमार प्र ताप॥ अलप
सत्थर हिजनककी परिखदपत्तोआ

प॥३८॥उपबन कृष्णविलासनृप बैठो
गहनउपाय॥ इहिं बिच कुमरप्रताप
यहडे ढीपकुंच्योआय॥३९॥प्रतिहा
रनअकिवयअरजलीं दुवच्चरपा
स॥लैजानअवरनहुकमचतुरअ
प्पनयच्चास॥४०॥ निजमत्थहिंतहं
रकिवतबलैअनुचरदुवसंग॥परि
खदपत्तप्रतापरैं हंरानहिंनमिरी
रंग॥४१॥अप्पमिसलवैठियउचि
तरचिसेनरुतबरान॥सुभटच्यारि
निजपुत्रसिरडारियभरतउडान॥४२
नाथनामलघुभ्रातनिजपुरबधोर
अधीस॥रानाउतभारतबहुरिनग
रजाजपुरईस॥४३॥चुंडाउतपुरदेव
गढपतिजसवंतसराव॥देलवाडपु
रपतिबहुरि कल्लाराघंवदेव॥४४॥

एभटरानअधीसकीसैंनहोतछलसो
र॥चंडपरेप्रतिमल्लचउजानिकुमरअ
तिजोर॥४५॥तिनकेपरतप्रतापतब
जनकगहनमतिजानि॥होकितेकपै
पितुहुकमकहिकोरियअसिपानि॥
४६॥इनतथापिमृढनअउनगहिदि
खायबलदिट्ठि॥नाथसिंहतसबाकु
गहिजानुमचकदियपिट्ठि॥४७॥
कहियपरापैंकतकुमरमल्लनलरत
उमाहि॥अज्जकहौंबहबलगयउहो
तनिबल्लकोचाहि॥४८॥कहिइम
कुमरहिंकैदकियचउभरकुबचप्र
चार॥सकनवअंक४९सहस्रगतबि
सदतीजरबिवार॥४९॥अ ँ प्रनु
चितकुमरकरिइहौंउचितअवधान
एकरनजानतपहिलकियखग्गरुखे

टकहान ॥५०॥ गहतअचानकइमकु
मरकुट्टियदक्कअपार ॥ डोढीपरनिज
सत्थसुनिभन्योबिकलभयभार ॥५१॥
कुमरजुकुमरतयारकियबेघमभेजन
बीर ॥ सगताउतउम्मेदसोधय्योसभावि
च धीर ॥५२॥ असिजारतमारतअरि
नरान लियउनियराय ॥ जिहिंपिछ्छत
तिहिंबपुजुगलकरतखंडअतिकाय
॥५३॥ ताहीकोकाकातबहिपिछ्योरा
नअचारि ॥ सुनतिपुब्बइकवारसद्दिम
रदसोकुलियमारि ॥५४॥ सुरतसिंह
तबतसजनकरोकनपिछ्योरान ॥ ति
हिंलखिकुमरउमेदतजिअसिबरक
सियअमान ॥५५॥ जानिधरमइहिंअ
सितजियइहिंमुररवकियरणह ॥ नमत
बेरनिजपुत्रसिरकह्योनृतननेह ॥५६॥

कुमर प्रतापसु कैदकरिइमरिवजिजन
कन्अमान॥पकरनवारेचउनकौंमुख्य
सचिव कियरान॥५७॥इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशम
राशौउम्मेदसिंहचरित्रेचतुर्थोमयूखः
॥४॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा० मि० ॥ चु० ॥ न्यपउमेदइतआ
ह्लिकिय मालव धरपुर गरगराटपति॥क
ह्लादलपतिकीसुताचिमनकुमरिअ
भिधान महामति॥१॥सकनवनवस
न्ह १७९६ समानवमीराधवलच्छल
गनकिय॥गुनबासर रहिस्वसुरगृह
बधमञ्चानिमिलानबकुरिदिय॥२॥
भतिदिलभुंदियतैनेनपदुबढतन्टपउ
म्मदवलापति॥सावजगतआसारके
कैसितपक्खवगदूजकलापति॥३॥

सोरठ्ठा॥सुनिबुंदियपहसोरचूकदले
लबिचारिकैं॥चुंडाउतबहरोरमारनके
घमसुक्कलिय॥४॥भोपसिंहतससंग
हरदाउतहड्डुदियउ॥जोपत्तिधोबड
डूंगसालसुतहितकरकुटिल॥५॥
दोउनबेघमआयद्विरदमत्तनिजको
रिदिय॥जान्यौंकौतुकपायसिसुउमेद
खेहैंलखन॥६॥तबहिंदगाबलता
हिमारिबुंदियमुक्कलहिं॥इमसठ
उभयउमाहिपहरतीनगजसंगफिरि
य॥७॥सोसुनिलखननआयसानु
कूलनृपकीनियत्ति॥छन्नगयेदुख
छायमुहबिगारिदुवसठहु मन॥८॥
॥दो०॥जयपुरनृपजयसिंहइतजि
त्तिमरुस्थलजुद्ध॥अद्वितीयअप्पहिं
समुझिमानगह्यियबनिमुद्ध॥९॥स

द्यपानहितगिनिमुदितनिसदिनर
चतअनंत॥निधुवनरुचिधप्पतन
हिनहूमहुवआगमअंत॥१०॥निस
रुदीहआसवनसारकवतहृदयअरू
ढ॥छोरतनहिकामुककगलमंजाना
रिनमूढ॥११॥ऐसीबिधिअवसान
केआगमहुवकछवाह॥राजामल
सिरराज्यकीरक्वोनिबहनराह॥१२॥
वैदनसनओखधिवलनअधिक
कानिआहार॥उभयघटीओदनअ
दनबढ्योकुम्मइहिंबार॥१३॥आग
मसकलअनंगकेसउणकान्तसुधा
य॥मोहनमेहनवृद्धिमुखसेयदवा
दरसाय॥१४॥बरज्योजदपिचिकि
त्सकनमन्योतदपिनमंद॥आराध
नअविरलअतुलआसवसुरनअ

नंद ॥१५॥ राजा मल इक दिन कहिय
क्यौं नृप करत कुजोग ॥ अक्खीतु मछ
त हम अभय भुगात अबय हभोग ॥१६
॥ कुंवर मत्तजयसिंह इम मन लगि मो
ह न मद्य ॥ अवर कोन मम समय है सो
धि गरब गहि सद्य ॥१७॥ रोला ॥ इक
दिन आसव मत्त होय कछवाह मूढम
ति उदयनेर लिखवाय पत्र पठयो रा
नां प्रति ॥ मम आदेस अमोघ चतुरज
ग ते स विचार हु बेघ मजे बुधसिंह नं
द निज देस निकार हु ॥१८॥ सुनिय
हकूर म कथित रान जग ते स भी रुव
नि दिय बेघम आदेस देस मम न जहु
भूप भनि ॥ यह सुनि भूप उमेदसिंह
अरु दीप भ्रात दुव कछु दिन कठिन
निकारि धरिय धर लैन चित धुव ॥१९॥

सकरखअभ्रबसुसोम१८००असितपं
चमिअसाढगतकोराजनपदक्रमि
यछोरिबेघमरनउद्धत॥सुनियहु
ज्जनसल्लभीरुकूरमभयभाखियनि
जढिगबुल्लियनौंहिदुक्कुनमधुकर
गढराखिय॥२०॥रहियतत्थचउमा
सभूपउम्मेदअनुजसहमृगयादिक
कौतुकअनेकरचिबीरमहामह॥
घाँटरुक्किगिरघेरिरुंडतुपकनन्र
पमारेअतिप्रगल्भआयधनसह्नि
मृगपतिबहुमारे॥२१॥रुचिरा॥
हुतकूरमनृपरोगबिबसिहुवदेहबि
कसिक्कमिपुंजपरे॥मासबहुतयह
दुकवसह्योअरुगूदपललतनुबि
कृतगरे॥इकअंगुलपरिमितलंबे
कृमिस्यामलपुनसवदेहधसेत्वच

लोहित पल मेद न खाव त अस्थिन अं
तर बिबिध बसे ॥२२॥ भस्म तल प सो
व त दुख भाजन नैंक न पीडित निंदल
हैं जिम बिकसत तर बूज पक्यो इम
बिग्रह रंच न गाढ गहैं ॥ सुप्त हि मूत्र ल
था मल मोचन निज कृत दुरित न चिं
ति करैं अनुज बिजय तिय मात सुता
दिक मारिय ते सब दिट्ठि परैं ॥ २३॥
इम अति कष्ट बिकल क्रूर मनृप सं
चित अघ भर भूरि भज्यो रवरख ब सु
स सि १८०० । बिक्रम सक इस गत बिस
द चतुर्दसि देह तज्यो ॥ कुव जे पुर घ
र घर हाहार व अंत ह पुर अति त्रास
पर्यो इम्बरिसिं ह त ब द्विपट्ट प सुल दे
खि निगम बिधि दाह कर्यो ॥ २४॥ दो०
॥ इम उमेद नृप भाग बल तजि गढ़ दे

कछवाह ॥ यहउ दंत दिस दिसउ डिग
कुवच्छरि घर नउछाह ॥ २५ ॥ यह कथ
मुनि कोटा अधिप सुमिय मन्नित जि
खेद ॥ मधुकर गढ तें अनुज जुत बु
ल्ल्यो निकट उ मेद ॥ २६ ॥ मधुकर गढ
सामंत हर हड्डु हरजन नाम ॥ किल्ला
पति कोटेस को जु हो भुजिष्या जाम ॥ २७
॥ मुख्य सचिव बुंदीस को कोटापति व
हु किन्न ॥ कोटा आयउ मेद नृप हयन
हेरन उ लिन्न ॥ २८ ॥ लेत हयन को
देस ल रिच्छ कर्वा भूप हिं एकु ॥ तुम
हित न हमर कवत कट कलगैं खरच्च
सुदेहु ॥ २९ ॥ मुनि नृप निज भूखन द
ये मोल लक्ख दुव दम्म ॥ इक्क किलं
गियकट कज्जु गकरन जंग मुव कम्म ॥
३० ॥ लोभी दुज्जन सल्ल सठ लखी वि

पत्तिनरंच ॥ इमभूखनबुंदीसके लिन्नें
कपटप्रपंच ॥ ३१ ॥ तदनंतर ईकस दल
सपठयो बुंदियसीम ॥ आयरुतिहिं
लुट्टियमुलकभेदमचायउभीम ॥ ३२ ॥
नृपतिईश्वरीसिंहकुवइतजेपुरलहि
मह ॥ अद्धाजुत करिजनककोंप्रेतकर
मविधिबहु ॥ ३३ ॥ इतिश्रीवंशभास्क
रेमहाचंपूरूपे दक्षिणायने दशम
राशौउम्मेदसिंहचरित्रे पंचमोमयू
खः ॥५॥ ॥ ॥ ॥
॥प्रा० मि०॥दो०॥ कोटापुरइत मंत्र कि
यदुज्जनसल्लउमेद ॥ इक्कतकरि
डेअखिलभारवियसंगरभेद ॥ १ ॥ क
हिभद बेणीरामसों कोटापतिकरजो
रि ॥ गिनततुम्हैंसबभूपगुरुछलरु
छोनिछककछोरि ॥ २ ॥ यातेंजेपुरराज

तुमबुंदियलेनउपाय॥कूरमजोयह
स्वीकरैं तोलरनौंन हितायः॥३॥हम
जावतश्रियद्वारपुनि मिलहिंरानसौंत
त्थ॥करहिंनहितकछवाहतोसज्ज
हिंउभयसमत्थ॥४॥यहसुनिभट्जे
पुरचलियदुजनसज्जश्रियद्वार॥ग्र
न्त्रकूटसद्धियसमयग्र्रधिकभक्तिउ
पचार॥५॥हीरकम॥पुनिरानहिं
पठयोदलग्र्रप्पमिलनग्र्राइयेमाध
वनिजभागिनेयहितकुहदयलाइ
ये॥बुंदियपुरलेनकोकुमंत्रमिलिरु
ठानिहैंढुंढाहरमेदिनिपरसज्जिसम
रतानिहैं॥६॥यहसुनिजगतेसरान
कुंचकरियबेगहीकोटापतिकेमिल
पनौंतिरीतिकेगही॥उदयनगरके
समीपसेनहिंफरमानदेनाहरमग

राभिधान थाँन तैं ह्वैंमिल्लानदै ॥७॥ को
टापति पाप पासप्रीतिपत्र प्रेरयो आ
व ह्वु मिलि ह्वैंदु ह्वाँ ह्विं जो तुम हित हेर
यो॥ कोटेसह्वु सुनत रा ह्नना हरसगरा
गयोरान ह्विं मिलि रीतिसह्वित मंत्र स
ह्वित मंडयो ॥८॥ अगैं अमरेसरान
को पुत्रियव्या ह्वि बरानाउ ति दुर्लभगि
नि चिंतित ज स चा ह्विबे॥ निजकरजय
सिंह कुम्मक मार लिखिकीस ही राना
उति पुत्र हो ह्विं ढुंढा हरईस ही ॥९॥
पह्विलैं इत नी लिखाय रान कुल नया
दई चिंत ह्वु पट्टनी ति अप्प तच्छन सद
जो भई॥ जिह्वु ह्वि जयसिंह पुत्र राज्य
अखिल अंगमन्यों माधव ह्वितक ह्वुद
योलन ति जु लह्वु मसोंन म्योँ॥१०॥ बुंदि
यद्दुव हत्थन गाह्वि कौर न ह्वु नाउ च्छौ अ

थन हि कारन दुवसज्जित दलकौं क
रें॥ दोउ नय यह मंत्र थप्पि इक्क तपूतना
करी बिप्र सुउत बेणिराम कूर मप्र तिउ
च्चरी॥११॥ छिन्निय जयसिंह सो हि बुंदि
यछ्छ दीजिये कूर मउपकार यह हि
कोप सिर कीजिये॥ राजा मल जु तनर
प बिप्र हिं तबच्छ कवइ बुंदियहम रोपि
च्छ कयौं करि काढि हैगई॥१२॥च्छविब
प्र सुनि रह बिप्र तुंद कनरि कढ्ढि हैंदु
दूर दल हंकि हड्डु जे पुर सिर चढ्ढि हैं
॥यह कहि द्विज च्छाय बत्त हड्डु नपति
सौंक ही सो सुनि च कुवान रान सज्जिय
पूतना सही॥१३॥ लंबित भुज दंड म
त्त हत्थि नसिर खुल्लये बीर कुनिज
निज समस्त बंधन बल बुल्लये॥ त्तं
काउ दकजि बेग सिंधु न खरल ग्गये

ब्बयडगमग्गिभोगभोगियभरभग्गये ॥
१४ ॥ संकुलिथरधूलिथुंघिरुंधिरुरवि
ढंकयोचिक्करिलखिचंडचेतदिग्गज
गनसंकयो ॥ दिकपालनकेकपाल
नाटसालसेचुभेबीरसुमगरूरमंडि
हूरनाहिलकेलुभे ॥ १५ ॥ सागरसब
लेहिलोरश्रोरश्रोरउज्कलेहाचक
गिरिकेसमस्तश्रंगश्रंगह्नैहले ॥ कोल
पतिसिनरानसेनउभययोंचलीसोसु
निकछवाहभूपइकतबलकैंबली
॥ १६ ॥ मंडियदरकुंचरानसम्मुहम
गरूरतैंमानकुंघनभहमासपायपव
नपूरतैं ॥ राजामल्लकग्गरलिखिमान
निकटपिल्लयो हलुनकेपच्छमांहिमान
सतुमक्योंलयो ॥ १७ ॥ जोहितहमसोंन
नैंसुश्रोरनमननौंबनैंश्रावतहमहू

जुरन्प्प प्पहिँ सिर हीमनैं ॥ मा० ध व निज
जा भिज हित बंटि पकुमिलौ जियेहहु
नसन भिन्न होय नैंक कुनपतीजिये ॥
१८ ॥ दो० ॥ यह दल अग्गदि मुक्कल्यो
राजामल सचिवेन ॥ सुनिन्रप ईश्वरि
सिंह जुत सम्मुह हंकियसेन ॥ १९ ॥
इत रानरु कोटेस दुव बेग सुक ग्गार बं
चि ॥ धाये सम्मुह खर रविधन सेना अलु
लित संचि ॥ २० ॥ नगर जाजपुर के नि
कट जा मोली इक गाम ॥ उत्तरि तें हं
भूप तिउभय किय चाली सम्मुकाम ॥
२१ ॥ सगताउत सावर अधिप इंद्रसिं
ह अभिधान ॥ तिहिं दब्यो इक रानको
नगर देवली थान ॥ २२ ॥ ताहित जन
अगतेस तब बहुतक हाई बत्त ॥ सग
ताउत मन्त्रीन सों मुर रिर हांजिम मत्त

॥२३॥ दुहिँ रानाँ अब देवलीरच्चन लैन गढ रारि। राना उत भारत सहित पठयो कटक प्रचारि ॥२४॥ दल हिं जात अब देवलीसुनि सावर पति पुत्त ॥ सालम नामसुसज्जि। बनि थस्यो लरन गढ थुत ॥२५॥ दिन पंचक पहिलैंय हैव्याहो सालमबीर ॥ कंकन मोचन हू न किय कुव जुज्झन हमगीर ॥२६॥ इतिश्री वंशभास्करे महाचंपूरूपे दक्षिणायने दशमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे षष्ठो मयूखः ॥६॥ ॥ ॥ ॥

॥प्रा० सि०॥ मुक्तादाम ॥ गह्यो जिहिँ अग्ग प्रताप कुमार बड़े कुव भारत सिंह तयार ॥ दयो तससंग अभंग अनीक सजे भट उद्धत चाहि समीक ॥१॥ सिरा हिक ह्यो सब सौं इमरान लैं लोग गढ घे

ररचो घमसान॥ चल्यो सुनि भारत सिं
हमचंड उमंगत हं कियसेन अखंड
॥२॥ भयो दिकपालन मोह भयानम
कंपत दिग्गज भुल्लिय प्रान॥ मच्चकि
यपन्नगकी फनमाल भचक्किय पक्कि
यसूकर भाल॥३॥ छक्किय अद्रिन
तेंकढि धातुल चक्कि यलोकक हैं ह
रघातु॥ सरक्किय एमउ दे पुर चक्क
फरक्किय हत्थिन पेंब हरक्क॥४॥
करक्किय कंकढ कीकटि कालि ढर
क्किय पक्खय अंगनढालि॥ खरक्किय
खप्परजोगिनि संग करक्किय नालन
अग्गि दसंग॥५॥ धुरक्किय अक्खव
र पक्खर घोर थरक्किय अच्छरि अंब
रओर॥ दरक्किय कोनिय दारिमरी
तिधरक्किय रवंड उचंड हमीति॥६॥

घमं किय घोर न घुग्घर माल चमं किय
सेलन सो चिस चाल॥ छमं किय अ
रि नेउर गेनरु मं किय भूखन लक्खन
लेन॥७॥ टमं किय त्रं विय बं बिय गज्जि
ठमं किय घंट मतंग न रज्जि॥डमं किय
डाहल डिंडिम लोल ढमं किय मद्दल
मद्दल ढोल॥८॥ ढ्रमं किय दुंदुभि दिग्घ
द्रमा मथमं किय धुज्जिर सातल धाम॥
उल्लट्टिय सेन कि सागर अंभ पलट्टिय
जानि पुरंदर जंभ॥९॥ चल्यो इम राना
महीपति चक्क लग्यो उडि पावक को
पल लक्क॥लयो गढ देवलि कागर ल
ख धमों ल्ल लोपन मुझि भुजाग॥१०॥
कहीत हं भार तसाल म काज मिलें गढ
कोरिल होम सुम्भाज॥यहै सुनि धीर
नबिन्न अबेर कहा इय साल जुरान

केर ॥११॥ उदैपुरकी दल्ल दुर्लभला
यइ हौंतुमसेभट पाकुनआय ॥ नकैंह
मजोतुमरीमनुहारिलजैंपितुमातल
गैंकुलगारि ॥१२॥ खरेतुमहूनयजा
नतरव्यातकैंसबसागतपाकुनआ
त ॥ अवैं इहिंकारनधर्महिंधारिप
थारिहुसीकरिमोमनुहारि ॥१३॥ इते
हमसावरकेपतिहंतकहौंतिनकों
सुखस्वर्गमिलंत ॥ परंतुकपाकरि
कैंतुमआयततोममबन्नतिमन्निहि
ताय ॥१४॥ गुरूतुमआसिखअरुकवडु
एडुसुपुत्रकस्वर्गसभासुखलेडु ॥ क
आयहसालमसिंहकहायरुप्योजि
मअंगदकौंरनराय ॥१५॥ ॥ ॥
रसीसुनिभारततोपनरारिहनीइन
लैनधनीहलकारि ॥ चलैंपविपात

क्रिगोलक्कचड दि पैंजिम मोरउ डैंधुज
दंड ॥१६॥ गिरैं गृह्मंड पफुट्टि लत्ता
वतप्येपुर तोप नकेतरकाव॥ नठे चहुँ
कोद निवानननीरपरीजलजंतुनदु
स्सह पीर ॥१७॥ घिरयोपुर देवलिकालल
धोरजम्योंहु डुंग्धोर प्रबीरनजोर ॥जैंस्स
रजजा व लि तोपतुपक्कचलैंक्कुतचंड म
चैंध मचक्क ॥१८॥ चुल्लहन हहनबद्द
बजारउडैं दम कैंबहु वृंदत्र्यगार ॥जरं
त किरंतबिजाजनपट्टगुडीजनुलगि
यरालगरट्ट॥१९॥ बनिकनध्यापनल्ल
गिघ्रलाव दहैं घनकाननज्योलनदा
व॥जरैं घृतत्रोदनतेल रुतूल दिवा
रियदीप कहोतदुकूल॥२०॥जरैंकट
छप्पर टप्परज्वालरुगेंजिमफग्गुनहो
रियमाल॥ खिकैंबहुध्रहनकंगुरह

द्दितरक्कतपत्थरछत्रिनतुद्दि॥२१॥पर्वैं
भजरैंबड्डुमंचकपाटघिरयोपुरपावक
दुस्सहघाट॥जरैंससिसालनज्वालन
जूहदगैंगहझंगनअग्गिदुरूहह॥२२
॥द्रवैंजरिनागरुबंगअदब्भउडैंलगि
पावकपारदअब्भ॥मनौंगढकोअघ
मेटनमानकरायउसालमअग्गिसना
न॥२३॥घनेदिनभोरनतोपनघोरवि
क्योगढगोलनमारदुओर॥कढ्योत
बसालमखुल्लिकपाटरुक्योरनबीर
वजावतझाट॥२४॥बजीसगताउत
कीहथबाहचलेकरओदनज्यौंसिसु
चाह॥उडैंहयखंधगिरैंअसवारकढैं
भटछत्तिनछेदिकटार॥२५॥तरक्कत
तोपनपैंतरवारिदिपैंमनुदेवलझल्ल
रिझारि॥कढैंफटिकंकटबीरनअंगत

जैंनिरमोककिभीमभुजंग॥२६॥च्चटक्क
तटोपसमस्तकवीरकिथौंजगदीसप्र
सादकरीर॥उलद्दतभ्रब्बनतुद्दतलं
गपलद्दतकेजिमरानपलंग॥२७॥रू
रैंगजसुंडिनझंडनझुंडरचैंघनघुम्म
तलंडवरुंड॥परैंद्दगरत्तफदक्कतपुं
जगिरैंजिमसीतसमैपकिगुंज॥२८॥
थरक्कहिं[illegible]छरिथद्दभरक्कहिं
भीरुकउब्बट[illegible]द्द॥परैंकटिपक्खर
बग्गपलानमरैंभटच्छाकिरजोगुन
मान॥२९॥उरज्झतधंत्रनगिद्धनने
कतरप्फतघायलमूढकितेक॥किल
क्कहिंकालियकूदिकरालखलक्कहिं
सोहितलोहितखाल॥३०॥झुल्लक्कहिं
घायछ[illegible]कातरत्तझलक्कहिं[illegible]न
जडमत्त॥ननक्कहिंकातरद्दूरझुनहिं

ललक्कहिं बावनश्रोचउसद्दि ॥ उल
द्दत हत्थिनतैंभटश्रौंहिं मनौंतिहरी
नटभगलमाँहिं ॥ उद्धद्दहिंश्रायुध
तुट्टहिंतोनसुलट्टहिंकेतउचट्टहिं
सोन ॥ ३२ ॥ दपट्टहिंबाजिनजुट्टहिं
दावरुपट्टहिंश्रौंतरितारुमकाव ॥
रुलक्कहिंडूक्कहिंडूक्करुमोरिपटक्क
हिंभूतनकोंरनरोरि ॥ ३३ ॥ श्रटक्क
हिंपाथरकाबनकेकगटक्कहिंगोद
नगिद्धश्रनेक ॥ खटक्कहिंहड्डुनपैं
लगिरवगच्छद्दक्कहिंकेउडिश्रंबरम
ग ॥ ३४ ॥ लटक्कहिंथक्कहिंरानश्र
नीकसटक्कहिंकेसठघोरसमीक ॥
बढ्योद्दमसालमबाजिउडायलयो
दुतभारतसिंहहिंजाय ॥ ३५ ॥ कह्यो
तुम मन्नियमोमनुहारिश्ररे दलसज्जि

वनैं उपकारि ॥ पितामह मोहि गिन्योसि
सुवर्ग दयोकरुणाकरि दुर्लभ स्वर्ग ॥३६
॥ बच्यो खिलतो मनञ्चायुष होरिमिलो तु
मकों सु घटीपलजोरि ॥ तज्यो ति हिंया
बिधि ञ्च्रकिब कुमार पस्योभ टञ्चोरनौं हैं
रनप्यार ॥३७॥ दुहत्थन मारत खग्गन
दाथ्यगयो बकु बैरिन केञ्चसुखाय ॥ घ
नीञ्चरिनारिन कंकन जारि घनं मदम
त्त मतंगन भांति ॥३८॥ तज्यो पहिलो
वह कंकन चाहि नयो बलिबंधियञ्च
च्छरिब्याहि ॥ तज्यो इम साल ममानुस
देह लयो सुर बिग्रह नूतन नेह ॥३९॥
उदेपुर के बड बीर पचास हनें ञ्चरुञ्च
ल्पगिनें उपहास ॥ परे निज बीर कुस
त्र ह संगमस्यो इमसाल भ स्वर्ग उमंग ॥
४०॥ दो०॥ रानाउ तमार तब हैंकूमरन

सालम मारि ॥ रानअमलकियदेवली
अप्पनबिजयउचारि ॥ ४१ ॥ सगताउ
तसावरअधिपमंदसुसुतहिं मराय
॥ जामोलीजगतेसकैंपामरलग्गोपा
य ॥ ४२ ॥ तदनंतर कछवाहनृपआ
यउ कट कअमान ॥ ग्रामनामपंडेरढि
ग दिन्नेसु दितमिलान ॥ ४३ ॥ बुंदिय
लैंय हसुनिबिदितकरियदलेलकुकु
च्च ॥ कूरमईश्वरिसिंहसौंउतहिमि
ल्योकककउच्च ॥ ४४ ॥ इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश
मराशौउम्मेदसिंहचरित्रेसप्तमोमयू
खः ॥ ७ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
॥ आ० मि० ॥ गगनांगनभ ॥ राजामल्ल
कूरमनृपसचिवतत्थगोरानपैंअ
विनयकरजोरिचढनकौंनकाजधम

सानपैं॥यहमुनिजयसिंहलिखित
लैरुरानबंच्योतहाँअप्रक्लियइहिंप
त्रमाँहिंजोंलिखीसुअबहेकहों॥१॥
सुल्लियसुनिकुम्भसचिवजवनईसय
हजानिकैंअप्रक्लियलिखिपत्रभूपक
हकुजेष्ठसुतमानिकैं॥याँयहनृपता
भईसुजवनइंद्रफरमानसोंलोपन
तिहिंकोसमस्थविरचिबैरबलवान
सों॥२॥अथकुनृपनीतिचतुरसम
यदेसहिमलाइयेकिहिंबिधिजवनेस
हिंतुसमरसज्जिजयपाइये॥नाथजु
निजअनुजताहितुमदयोसुपुनिपे
खियेगहगहसबकेयहेहिराजरीति
दृढदेखिये॥३॥अनुचरहमतोतथा
पिनृपसमंतसबरावरेअप्यहिंबहि
कायलरनलैचलेसुसठबावरे॥अब

ममबिनती बिचारि कुकमधर्म गद्दि दी
जिये माधवहि तरी तिरक्किवक छुसिवा
यभुव लीजिये ॥ ४ ॥ रान कुसुनत हिइती
क गिनि बलिष्ठ कछवाहकौं राजा मल्ल
इंद्रजाल बनि बिमूढ तजि राहकौं ॥ अ
क्खिय सरल कब्ब दम्मप क्कुमि माधव हिं
दीजिये सुनतहि द्रुत कुम्भसच्चिव लि
खिपटारु कहि लीजिये ॥ ५ ॥ टौंकन
गर को समस्त परगना सु लिखियौं द
यो रान हुब निमंद भागिनेय हित व
ह हीलयो ॥ तदनंतर यह उदंत सु
निन्प्रनिष्ट कोटेस हू रान हिं बहकयो
बिचारित जिय तत्थ मुदले सहू ॥ ६ ॥
॥ दो० ॥ राजामल कूरम सचिव मायाब
चन नमंडि ॥ दियमाधवहित टौंकपु
रलह नरान मतखंडि ॥ ७ ॥ तदनुरान

जगतेसअरुकोटापतिचहुवान॥दुवभूप
नकूरमसिविरकिन्नौंमिलनप्रयान॥८॥
द्वीपहितैंआवनउचितकुम्भहिंरानस
मीप॥पैतसपितुसुचमेटनौंमध्यौंप्रथम
महीप॥९॥यांतैंरानअरोहिअबकान
कलखवतरवान॥रतनछत्रछायितचल्यो
जहँदलकुम्भपिलान॥१०॥संगगमन
कोटेसहूकूरमडेरनकीन॥निजनिज
भटअंदरलयेकलहजईरुकुलीन॥११
॥तँहँकोटापतिकेभटनकियमटभीर
बिसेस॥कीलनसहितसिरायचेगिरिठ
लाठलठेस॥१२॥पिक्खतयहकोटेस
प्रतिकुम्भभयउप्रतिकूल॥तिमरानकु
अहितहितकियमनफट्टियसहमूल
॥१३॥दुमरानरुकोटेसदुवकूरमडेरन
पत्त॥रानचित्तपलट्योसमुझिकुवको

टेसबिरत्त॥१४॥तीनसहँसकछवाह
तहँसज्जितपिक्खिसिपाह॥कोटाप
तिसबसहिरह्योकिन्नीइजजुकुराह
॥१५॥कछुककालरहिसिक्खकरिइ
मदुवडेरनआयरानपटालसकूरम
हुपुनिआयउहितपाय॥१६॥अहदू
जेनृपरानअरुमिलिकूरमअतिमो
द॥बिकस्योसरितबनासबिचवार
नजुहबिनोद॥१७॥बुल्योनहिंको
टेसतँहँयातेंअनरिवबिसेस॥बिनु
हिसिक्खकोटागयउलदतबुंदिय
देस॥१८॥हूतरानहिंकूरमअधिप
अहरिसामउपाय॥टोंकनगरलघु
भ्रातहितअप्पिरुजेपुरआय॥१९॥
रानकुपत्तनवनहडामहिमानीइक
भ्रानि॥कितबकूरमनकोठग्योआयो

गृहभयग्गानि॥२०॥ष॰प॰॥मरुपतिसों
जयसिंहदम्मगुनईसलक्खलियत्ते
च्चवदुस्सरिसिंहपिक्खिसमयरुपच्छे
दियइतकोटापतिश्चनरिखसेनबुंदि
धसिरसज्जिय॥करिहडुनएकत्तधु
मरधरिउच्चगरज्जियबज्जियनिस्सा
नडाहलखिसमयहुउदंतज्जगउज्झलि
यसंमरउमेदकोटेससहक्कमतलेन
बुंदियबलिय॥२१॥दो॰॥नागरद्वि
जगोबिंदनिजसेनापतिकोटेस॥तब
हिजोधपुरमुक्कल्योलेनमदतिबल
देस॥२२॥ष॰प॰॥द्विजनागरगोबिंद
रानकोटेससेनपतिपठयोतबजोधपु
रमंडिकग्गरसहायमंतियहेसमच्छ
मरुईसलेनबुंदियदलपिच्छडुसिर
हडुनश्चासानकरदुकूरमच्छदिक्खि

लहु गोविंद विप्रयह पत्र गहि अभय सिं
हअवं तिक गयउ बहु दिन बितायअव
उचितभूपतिप्रतिहाजरिभयउ ॥२४॥
दो० ॥ कछुकव्याजमरुभूपकहिसेनदयो
नहिंसंग ॥ तरकिविप्रअजमेर तब आ
योसुरद्विअभंग ॥२५॥ फकरुद्दौलाना
मह कसबल नवाब सिपाह ॥
गुजरात प्रतिसूबा पतिकरि साहि ॥२६
॥ जवन पीरजारति करनआयोव अज
मेर ॥ तासोंमिलि गोविंद तब कियर
हस्य हितकेर ॥२७॥ कहिय विप्रइक
लक्खतुम हम सन रुप्पय लेहु ॥ सं
लहुअवतुरंगसजिलरि बुंदिय लेदेहु ॥
॥२८॥ यह अंगीकरि मिच्छवहभयउ
सहायअभंग ॥ साहिपुर पसीसोदमुनि
सजिउमेदहुवसंग ॥२९॥ पा० कु० ॥ दि

जतबलिखिकोटापठयोदलद्दततैंँह्म
आवतरनउक्कल॥गुज्जरधरसूबाप
तिसंगतिपुनिउमेदनृपसाहिपुराप
ति॥३०॥उततैँतुमदोऊनृपआवहु
चंडलरनचतुरंगचलावहु॥दुज्जन
सज्जउमेदभूपहुवहद्दनपतिसुनिल
रनसज्जहुव॥३१॥दो॰॥खुरलीपहुन
यभिज्जखम नरसचउहद्दहवेस॥निड
रसज्योउमेदनृपहुपहरजेठदिनेस
॥३२॥रसारसातलबोरिदियकनककै
नहुधकूर॥अबउमेदकिरिराजद्दहिं
सज्योउधारनसूर॥३३॥स्वसादीयकु
मरीसहितकोटामातहिंरकिव॥सानु
जभूपतिसज्जहुवअवनिलैननिजअ
किव॥३४॥सकइकनभबसुससि१८०१
समामिलिद्वादसिसुचिमांस॥कोटापुर

सज्जियकटकनिडर करनअरिनास॥
३५॥इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरू
पे क्षिणायने दशमराशौउम्मेद
चरित्रेअष्टमोमयूखः॥८॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥मा० मि०॥भु० प्र०॥सटाधूनिकैंसिंह
म्मेदसज्ज्योगदालेकिदुज्जोधपैंभीमग
ज्ज्यो॥बिडोजामनौंजंभपैंछोहछायोल
गोलंककैअंजनीकोलडायो॥१॥किधौं
कुंडलीपैंबलीपन्नगासीरिसानौंकिअं
धारपैंतेजरासी॥किधौंसिंधुकेसूनुपैं
संभुतंड्यौमनौंचंडपैंकालिकाकोपमं
ड्यो॥२॥जटाजूटतैंबीरभद्रेसजग्यो
महासेनकेक्रौंचकौंलैनलग्यो॥फटा
टोपकेरागपैंनागकिन्नौंकुबेलाअकेधुं
धूपैंदावदि । ॥ ॥कि

रामकुप्प्योकिधौंरामलंकेसकेप्राजिउप्प्यो
।।रच्योचापगांडीवटंकारसंज्योगज्योकेगु
डाकेसराधेयगंज्यो ।। ४ ।। सज्योकन्हकेस
हगोरीससत्थैंमुखोलंगरीजानिजैचंद्रस
त्थैं ।। धक्योसोरविबेसिंधुबातापिध्वंसी
च्पय्योहद्द पैंबालिज्यौंइंद्रच्पंसी ।। ५ ।। न
लाधीसभूलैनयौंभूपबड्ड्योचमूसंकु
लीभट्टज्यौंमेघचड्ड्यो ।। लगेसानफंफा
नधारालधारीभ्रमासक्तदज्जैंमरैंफूल
भारी ।। ६ ।। लरोगायनोबत्तिपैंघायलग्गे
भएक्रांतज्यैसप्पकेदप्पभग्गे ।। पताकाख
लीमत्तहत्थीनमत्थैंसजेडाकिनीप्रेतबे
तालसत्थैं ।। ७ ।। छुरीटोपसन्नाहढकिक्का
तथारैंदुबैंचापघाघौंनिसानौंउतारैं ।।
दराबीनप्रारूढकेतोपदग्गैंजदाज्वाल
कीमालज्यौंउज्झजग्गैं ।। ८ ।। समैकत्थको

भो ढिग्योरलसानभयो दीहकेभेसकेबेस
भान ॥धरैंकुंकुमीचेलकेसस्त्रधारीनचें
मोदकैंव्याहिबेस्वर्गनारी ॥९॥बनेंपिट्ठि
बेतंड हो दे बिसालीरचैंजी नबाजीन के
पक्खराली ॥धुजादंडहस्थीनपैंबेएउब
डूढे मनोंसेलकेश्रृंगपैंतालढडूढे ॥१०॥
लच्छीमेदनी रागसिंधून लग्गोन्नमैंभुम्मि
याँभुम्मि कोंछोरिभग्गे ॥ परीत्रासमेवास
आवाज पत्ती बढीयों बलाधीसकीजोर
बत्ती ॥११॥घुरैंगज्जदंतीखुलैंसज्जघोरे
डकेतीरचैंचारकेहत्थडोरे ॥जरीओप
कैंतोपजंजीरजालीकरैंपिक्खिउच्छाह
कालीकपाली ॥१२॥दो॰॥जगरटोपबाकु
लजटितकुलसिसूरअसिहत्थ ॥सजि
यसेनबुंदियसुपकुसहकोटेससमत्थ
॥१३॥ष॰प॰॥ गजमत्तनगरदायमिलि

गविरुदायमहाउतपालकाय्यआगमअभा
वजवपावदावजुतनटकछनीकछिनिछ
रमल्लरननिपुनमहाबल॥आडपेचर
चिअतुलअंगभसमीधरिउज्जलनय
रेखअलिकनागजतिलककारेमनकुं
पिसाचकुलइभपालगयउबिकराल
इभबारिनछिगडंकतबकुल॥१४॥
लगिदुकच्छलंगोटकठिनबजरंगतं
गकसिदंडअैंचिदसबीसफैंकिमुद्गर
बिद्याबसिरूपनबिबिधबनायअंग
उछटायअैंडभरि॥प्रानत्रानकारनपु
कारिकेसवप्रनामकरिगजबागहत्थ
निभरगुमरआयउसिरगोरअल
पमारुतप्रजातबंदरमनकुंमंदरपर
लिन्नियमलय॥१५॥इमकलापद
तआयअकिबिरुदनआधोरनफोज

नायक फीलफतेअप्पकुजसजोरनजयवं
जकभंजकक पाटबंकेगढगंजक॥अब
तेरे सिरयारभाररक्खियरनरंजकआ
रुहिमलंगि बिरुदायदुमरूटमिलाय
लियमदरूरनकहिजनकनामवुल्लि
यकुसलकुंभत्थलथप्पलिकरन॥१५॥
तुरतअंगफटकारिरंगरजमारिरुमाल
नआलिमेचकआमलनजालमंडिगजं
गालनकटबिचित्रकुरुबिंदबढुरिहरि
तालबिथारिय॥जंगीअंदुकजोरदोर
डुंगरपयडारियत्रिपदीनगत्तनद्विअ
तुललगिकलापजेवरलसियकुथडा
रिगुडनसन्नद्धकरिक्कमबरत्तहोदन
कसिय॥१६॥सकलहेतिसिरसज्जि
छिप्रअआलानकुरायउदेदेबिरुददुरू
दूधोरघनगज्जघुरायउबारीबाहिरबा

कडाकबलअचलड्ड गाये ।। बढिचररवि
नवारूदज्वाल बिकरालजगायेहिंजीर
लंबअैंचतकुल सिबलअमान हरवल
बढियमानकुंअपुब्बमेचकमुदिरकञ्ज
लगिरिजंगसकढिय ।। १७ ।।भद्रमंद म्रग
भव्यमिश्रन्हउजातिमहाबलबसाली
अअतिबेगसरतउछटावतअंरवल
बालपोतअरुदिककलभमकुनअति
कायक ।। जूहनाहजवजोरसज्जकुवस
मरसहायकगज्जितअनेकउद्दतगुम
रबकुसज्जितमदकलबलियगंभीरबे
द्दिपरिणातगजबचतुरंगनरच्छवचलि
य ।। १८ ।।कलिकब्यालअतिकोपकलि
कउपबाह्यकुलाचलईसादंतअनेक
बढिगघुम्मतसमीरबलरुरतअब्बनि
पटानभौंरकरटनमनजेकत ।। अरुकं

ढुक्कजिमउड्डलगातअंदुकऊननंकतफट
कारिसुंडिलमथुनफुहरिपच्छिननभ
च्छिरकतप्रकटबुंदीससेनअग्गातिब
दिग्गकमछाननतजिपीनकट ॥१९॥ अ
हिफनजिमआटोपरचतपुक्खरसिरर
क्खतदृगलघुदीरघदिट्ठिचलतमोचा
चलन्चक्खललंगरकनकबिरबानजटि
तअलिजेबजवाहर ॥ आधोरनआस
ननबीतमारतहंकतबरचूलिकाहरि
तचित्रितरुचिरअच्छिकूटपीतरुअरु
नबुंदीसढुक्कमहंकियबिबिधतोरजो
रबारनतरुन ॥२०॥ नीलहरितनिज्झा
नकतिकक्करटनक्कलमासनक्कतिक
अवग्रहकपिसअधिकरोगहितकति
आसनअतिकडारआरक्तबिसदबा
लित्थबिराजत ॥ पीतअरुनप्रतिमान

लखतसुर गुरुकुजला।जतबिदुदेसह
रिनपाला सबनिबातकुंभनीलकबिसद
बुंदी ससंगहरवलबढिँमातंगपदूमक
रतमद॥२१॥तलपनपीनरुतुंगछजत
रीढकपरछादितकच्छारेसमकठिनन्द
होदनघननादितझुकिकतिकनझंडाल
कतिनमेघाडंबरकसि॥सिंहासनकलि
सज्जलंबहिंजीरअवरलसिडाकनअ
माननिद्दिनडगतझगतजंगअमरख
झलकउम्मेदहुकमघुम्मतअतुलहंकि
यइमहत्थिनहलक॥२२॥मिलिअनेक
मंदुरनभीतिमंडियहयपालनफलक
खेहझटकारिदेहफटकारिदुसालनदे
खलीनबिरुदायअंसथप्पलिकरअोपि
त॥जंगीपक्खरजीनअैंचितंगनआरो
पितगजगाहमंडिचित्रितगहरलहर

दारलूमनललितग्र्यानियतुरंगकंपन
ग्रिनकृतकजाककंपनकलित ॥२३॥
गरुतरूपगजगाहउडतमानकुंउरग
सनपयनेउररवप्रचुरललितमंडत
बकुलासनखुरासाननाजिकतुखारभ
डेजभुम्भिभव॥बनायुजरुबाल्हीकजा
तकांबोजमहाजवकेकानगोजिकानकु
कतिकप्रोढहारधावनप्रबलहाजरिह
इंदनृपग्र्यगाकुवपलटतपलनलगा
तपल॥२४॥ग्र्याजानेयग्र्यनेकपारसीक
कुविनीतपथपंचभद्रजयपूरग्र्यष्टअंग
लसुलाभग्र्यथचक्रबाकजवचपलम
ल्लिलोचनग्र्यछेहमन॥कतिकियाहका
काहपीतखुंगाहसुद्दपनग्र्यालीलकपि
लबोल्लाहग्र्यरुहालकसोनहलाहहय
पंगुलकुलाहउकनाहपुनिबोरुखानग्र्य

तिरयसुवय॥२५॥सुभललाटअरुसीसकं
धमणिबंधकथितक्रमदेसनाभिहियदेस
भातिमुखतिकउत्तमभ्रमरंध्रजठरगल
रुचिरविहितआवर्त्तविराजतचंदकोस
जुतचपललखतनच्चतमनलाजतक
तिइंद्रपदमलच्छनकतिकचक्रवर्त्तिचिं
तामनिकइुवसउज्जलबलच्छोनियहयति
कवतमालयालनफनिक॥२६॥इकवि
जयआवर्त्तवहतइकसुकलमहाबल
इककुसुमआमोदइकचंदनमवउज्ज
लइकलोहितइकअसितइकसारंगसे
तइक॥पिंगइकइकपीतइकपाला
सएतइकखुरअगाभुम्मिसज्जितखल
तबलिगज्जतऊरधबदनचकुवानरा
जआयसचलियसहंसनहयजवजय
सदन॥२७॥दिपतपरुखचउदइदर

गव्हालिकरद्वारहय्यंगुलसतवपुउच्च
कुंभसंगरजयकारहवीससत्तमुखविहि
तकरनअंगुलखटकेतकचापउपमचा
लीसअवद्दमितकंधउपेतकचउवीसपि
हिआयतरुचिरकलिततीसअंगुलक
मरबालधिप्रलंबचालीसबसुचलधु
जासुद्धारतचमर ॥३८॥ चउदीरघचउ
रचत्यारिसुछमचउउन्नतच्यारिहस्व
न तच्यारिच्यारिआयतमुनीनमतमु
खभुजकेसनिगालसेफजीहरुओठका
कुद ॥ करनपुच्छपयकोष्ठप्रोथसफगो
थितथागुददुवकरनबंसअंतरदुकुन
कसउदरजानुककुदमुखकंधजानु
पंसुलिमहितलच्छनहयनमचालमु
द ॥३९॥ कतिकिसोरअतिजोरकतिक
ठुरनचकडंकतप्रोथबजतपवमानहु

लसिय्यंबर बढ्ढिहंकत धोरित बल्गित धा
वद्दु महिय्युतिय्यरु उत्तेरित ॥ उत्तेजित पु
निय्यट तपंचधार नमगप्रेरित कारत कु
लिंग नाल नरु पट्टिय्यतुलम्रसार तउ
ड्डुयन चातुरि मलंगधार तचपल पातुरि
...तिडारत पयन ॥ ४० ॥ रजत पत्त खुर
रजत ललितय्ययपक्क नाल लगिथित
जिमदेवत थंभचर नभ्र तिदृढलगैंन
चगि पुट्ठेग रद्दम्रपीन रुचिरछत्तियप
रिणाहित ॥ कंधकुटिल कोदंड सजव
धजकसत समाहित मारत मलंगसेन
नमुकुट एन नजव पारत अ्यलपउम्मेद
नृपतिय्रग्गलय्यट तमालकुलट भग्ग
लमलप ॥ ४१ ॥ नवचेरिनन खरालघ
लत घुम्मरनचि घेरिन फेटलगत जिन
फालफिरत हत्थियचक्रफेरिनतीमक

नीनियतरलसरलसच्चेमुखसोहत॥
मंजु प सम मखतूलमुकुर बिम्बहछविसो
हतरयजोरलैनसंगररच्चकभचकपा
स्थिहिमुम्मिभरच्चरननननमायमारत
मच्चकलच्चकजानिहिंडोललरा॥४२॥
चरखनतोपचढायचित्रमंडिगतिन
चारनसनिम्भ्रानननसिंदूरपूरसज्जिय
गहपारनदिपतलंबधुजदंडजीह
ग्भंतकजिमहल्लत॥इकनिमेसच्च
नेहच्चहनवफेरउगल्लतबिथुरात
ज्वालालालियबिखमच्चरिछत्तिनस
लियमउपिलम्भालियच्चनेकनालिय
च्चतुल्लकालियजिमचालियकुपित
॥४३॥कुंभीनसच्चाननकितीकमकर
रूपहूंदमुखकरभसरभकतिकोलब
दनधारंतरीसरुखहंकतखिनहरब

ह्ल होत दुन्दुर नर हल्लै भैंचत वखगन-म्
गा पिट्ठि मार त गज दल्लै म्रुय पिंड गिलत
धटि काउभ य बलि दै गैंन पब्ब य बच तल्
कियद लेल उप्पर हलकरवच टट्ट चक्क
न रच्च त ॥ ९४ ॥ सबम्रु नीक इमस ज्जि
म्रु ध्य हय राज म्रु रो हिय लिय कोटे स
हिंलार सार म्र क्विवयर न सो हिय घु
रिनो बति घन घाय कल हत्रंब कजय
कारन ॥ बजिक जाक बडबाक हाक म
ति हार हजारन संक मिम्रु नेक उद्दल
सुभट तरिन बै ठि चम्म लित र न बुध
सिंह सुव नम्रा दे सब सल गियम गाबु
दियलरन ॥ ९५ ॥ चम्म लित दमि लि
चक्क पंति छा दित जल पोतन की डाम
हु बिध करत सूर छे कत जव खोलन
उडुपन कति म्रारूढ तिदल कति भेल

तरंडन।।कतिकगारिबंदूकरचतकुंभी
रनखंडनदलभीरनीरबढिबढिदुदि
समरजादनलोपतमहतसजिसेतुम
नकुंदसकंधसिरबंदरजलअंदरब
हत।।४६।।अवधिराजउम्मेददीपसो
दरलछमनदुतिकोटापतिकपिराज
जिंडरसुग्रीवरचतनुतिसजिअंगद
सिवसिंहबेरिसज्जोतदेवसुव।।पव
नपुत्तसुखसिंहमहासिंहोतधीरधु
वतोकरुप्रयागनलनीलतिममिलि
हंकियजयजंगमनबुंदियबिदेहल
नयाअरथहठिदलेलरावनहनन
।।४७।।तरिद्रुमचम्मलितोयकटक
आरुहिकेकाननहंकियरनकुसिया
रबीरबेधतरवगबाननचालुकिकति
तहुवानजोधकूरमकतिजद्दव।।कति

सीसोदकबंधभदनमंडियघनभद्दव
कौतुकअनेकखुरलियकरतरनदुरू
हयंडितरजियबुधसिंहसुवनअलि
जोरबलसठदलेलउप्परसज्जिय॥
४८॥चलतरेनुरबिढंकिचक्कचकि
नबियोगबनिकुंभीनसकसमसतभो
गफट्टंतहंतभनिदिग्गजगनडगमग
तजगतसंकरसमाधिजिम॥उदधि
नीरउच्छलततुंगगिरिहलतसृंगतिम
जिमफलअनारकनरदजगधइमभी
रुनजलउत्तरिगदिसदिसजिहान
मंडिगदुमनप्रलयकालसंभ्रमपरि
ग॥४९॥प्रत्यागमरचिपवनफिरतल
गिल्लगिदलफटनकुंडगजनकंडाल
झुकतफहरातरुपेटनबलजंतुवहत
बेगरहतथकिथकिजिंहिअंतर॥च

लिगच्चक्कइमचंडदच्चिनिजओघदि
गंतरभयसुनिअपारगनभुम्मियन
जिततितबढिभज्जनजिकरपक्खरन
मातगेलनपक्कुमिनभनमातसेलन
निकर॥५०॥निजहठकच्छपनिठुरह
त्थवासुकिछबिछावततिममंदरतक्का
टभिदुरकरवालअमाचतदलकोटा
पतिदितिजअदितिसंभवदलअप्प
न॥उद्यमगतिअनुसारथोकसम्मलि
फलथप्पनजागरबिथारिगदअस्जि
ननकहिकहिगुनआगरकथनच
क्कुवानइंद्रनागरचढियमनुबुंदिय
सागरमथन॥५१॥मलयपौनपर
मानदिपतहंकियदलडुड्डरमिलि
यआनिमगमध्यकतिकपरभटनि
वेदिकरसकइकनभवसुसोम१८०१

मासअाषाढ पक्खसित ॥ तिथि द्वादसि
दल तुंग हलियर नमत्त लरन हित्त ।
छिति अप्पलैन रस बीर छकि द्रुत मुका
म इक बीच दिय बड अंतरीप जत लजा
लबि धिनृप बरबुंदिय बिंटि लिय ५२
॥ इति श्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपे
दक्षिणायने दशमराशौ उम्मेदसिंह
चरित्रे नवमो मयूखः ॥ ९ ॥ छ ॥
॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

प्रा०मि० ॥ ष०प० ॥ धकि पावक धमचक्क
जाल तोपन जजीरितज पिजपिक्कं द
नजाप पुरसुत धित पिक्कुव पीरित पर
त वप्र प्राकार गिरत कपिसिर उड्डिगो
लन ॥ बर तद्वार बाजार झार मारुत झक
झोलन बिरद रतग वाक्ष जालिय बकुल
झरत सोध मंडप झपट मान ढुंबि नास

भावकमच्चिगलंकापुर पावकल्लपट
॥१॥ डिगिपब्बयकोटिकूटतपिगउन्नत
तारागढबढ्ढिगकाल बिकरालरचिगसं
गररावनरढनैर परिगहट्टनारिसक
लपुरजनच्चतित्रासित॥जरतगेहब
ढ्ढिज्वालप्रबलबारूदप्रकासितढ्ढिज्ज
तनिवानपानियछिनकिकुवधूमित
दसभिमितहरितरुकिजीहदंतसंकट
रहृतद्रुमबुंदियदलच्चावरित॥२॥
कोटिगोलनपरिकूटगिरतजिततित
पुनिगोपुरगृहचत्वरशृंगाटप्रचुरप्रा
सादतच्यौपुर सिंहद्वार संजवनजरत
कुट्टिमघनज्वालन॥बीथीबिपणिब
जारदहलच्चिंगारदवालनच्चिपवरक
कोसच्चिवसधिच्छृदजजगतचंद्रसा
लउज्ज्वलनहोत्रीयकायमानन दहत

छबिअलातरचिउच्छलन ॥ ३ ॥ आथर
बनआतापमचतफुल्लिंगमहानसतपि
कटाहजिमतेलमनुजकुकतदुखमान
सआदेसनबपनीअनेकसिलगंतप्र
तिअय ॥ पाकपुदिनफलपद्दलगतजि
मअगिमहालयगत्तिकावद्धनगोसा
लगृहगंजाफक्कणाघोखगनमंदुराचतु
रसिलगतअपिलजालद्वारबेदिनज्व
लन ॥ ४ ॥ गृहआरिष्टयंत्रगृहबेसमंड
पअंगनबटलगिबासोकअलावचव
लएडूकचटच्चटउत्तरंगपुनिअररथं
भछत्रिनथहरावल ॥ परिघबिटंकप्र
घाएलगतपावकलहरावतनासारु
पटलबलभिननिकरइंद्रकोसदंतक
अतुलप्रग्रीवबकुरिजालकप्रथिलप्र
जरतइमगेहनबिपुल ॥ ५ ॥ कतिसह
अन्नकुहूलनिकरसोपाननिसैनि

नजरतसालभंजीनउडतवनिद्धार
सुनैंनिनपेटापुनिसंपुटककतिकब
रसिल्पकरंडक॥कंडनमुसलकलिं
जभंतिबाकुलचयभंडकइत्यादिसकलगृ
हउपकरनदगिअलावपावकदहतद्रंग
जनत्रसितयहलखिदुरनतहखाननका
ननहहत॥६॥तरुदेवलपुरतालकाल
कचमालकदंबितजरतविपंचिनजालन
गद्दंतनअवलंबितमंचबकुरिप्रतिमं
चसुघटविष्टरसिंहासन॥विरवरतबी
थिनबीचपरतअालयचहुँपासनत्रपु
नागद्रवतअतिसयतपितपारदउडत
अकासपथज्रुततूलरालगंधकजरत
करततोपकलकलअकथ॥७॥दो॰॥
कूमतोपनअातापअतिबुंदियनगर
विहाल॥सठदलेलअतिभयसहित
कलिवहमन्यौंकाल॥८॥तारागढचढि

गयत्वरितअंतहपुरजुतएह॥इमउ
मेदभूपतिअतुलमंड्योगोलनमेह॥
९॥साहिपुरपजुतसेनपतिइततैंवह
द्विजआय॥जंगकठिनलखितिहिंजव
नलियगुजरातपलाय॥१०॥स०ग०॥
यारीतिरावराजाउम्मेदसिंहवैरिनकेबि
डारिबेकौंबुंदीबिंटिलीनी।अरुलाकदा
रतोपनकौंलगायमहाप्रलयकेसाकिन
मारदीनी॥अकेबारूदकेउडानबज्रपा
तसेगोलेगिरनलगे।अरुतारागढके
प्राकारकंगुरेनकेकलापकिरनलगे॥
११॥जिनतोपनकेकलापकुलटानायि
काकेसमानसोभितभये।अरुगोलंदा
जनकौंजारजानिपूर्वानुरागकेप्रभावस
मीपलये॥जिनकैंअनंगकीआगिऐसी
किउदरमैंनमावैंयातैंआननकीओरउ
फनायकढैं।सोसमीपकेसंबनकौंबचा

यदूरकेदुर्गदाहिवेकोंबढैं।।१२।।जिन
कोंआहारपचैंतैंअपनेंस्वामीकोंआनं
दनाँहिंआवैं।अरुबमनकियेंतैंबिटबि
हूसकनसहितनायकमोदपावैं।।जेस्वि
नखिनमैंगर्भाधानधारिकैंप्रसूतिका
लकोबिलंबनाँहिंकरैं।परंतुजिनके
बालककुपुत्रयातैंहोतहीजनकजन
नीकोंछोरिबेरीनकेबृंदमैंबसिबेकोंकू
दिपरैं।।१३।।जिनकोंबत्तीसबत्तीसजा
रभोगैंतथापिअल्पसाधनजानिरति
जंगकेविजयकीपताकाउड़ावैं।।अरु
तृप्तिकेअभावबड़ेबेलनकेजोटजी
तिबेंड़ेहत्थीनकेटल्लेखावैं।।आगिदे
बेवारीहीजनायबेवारीदाईताकोंज
लदीसूँजनायबेमैंबधिरताकीवरव
सीसकरैं।ऐसीउनमत्तजानिकित
नैंकदरितदाईनकेसंदोहजनायबे

कीहौंमनधरैं ॥१४॥ जिनकेआननआ
रक्तमानौंबन्हिकेबमनहीसौंयहरंग
धरैं। अरुआलसऐसेकिअपनीसञ्ज्ञा
परसूतीहीआहारबिहारादिकर्मकरैं
॥ जेबलिष्ठऐसेसोकिअंगीकारतूसबि
नाअवक्षमहोयजावैं। अरुअंगीकार
तूसकरिजरायुथलीसौंजुदेहीपुत्रउ
पावैं॥१५॥ जिनकीतीखीनजरिकेक
टाक्षलागैं गढपर्बतआदिअंगमहूलै
टिपरैं। अरुचंडबेगचिरबेगऐसेसोकि
संप्रयोगसूरिनतैंकामकलहकौंजीति
जीतिगर्ज्जनाकरैं। ऐसीतोपनकेफेरघ
रफेरजारीभये। अरुपत्तनकेप्राकारकौं
दुबाजूकेकिङ्कणिगोलेआडअट्टिकेअं
तरबिहारकरनगये ॥१६॥ तारागढके
प्राकारकपिसिरबप्रनसमेतथहराय
तूटनलगे। कैधौंआखंडलकेअसिनि

सों उत्तुंग अद्रिन के कूद फूदन लगे॥ या
रीति तोपन बुंदीके बरणकों बेधि बेधि
घनें घंटापथन के समान पंथ कीनें॥ अ
रु रावराजा उम्मेदसिंह महाराव दुर्ज
नसाल हल्ले कों कुकम दै बारि बाह बीजु
रीसे खेटक खग्ग लीनें॥ २७॥ दक्खिन
की तरफ सों सज्जीभूत सेनासमेत दो
ऊ नरेस नगर पत्तन में पैठि चंद्रहास
चलाये॥ अरु पच्छिम की तरफ सों साहि
पुरा के अधिराज उम्मेदसिंह को टाके क
टके सगो बिंदराम तोरन कों तोरि हम
गीर हरोलन के झुंड हलाये। दोऊ तर
फ सों बरूथिनी बढि भीतर के भटन पैं
महाकालरूप मंडलाग्रन की मार दी
नी तिन कों दबते देखि दलेलसिंह ता
रागढ सों एक हजार सज्जे सूर बीर भेजि
सहर के स्वकीय सिपाहन की भीर कीनी।

॥१८॥ तिनमाहिँसौंकितेकबंदूकनके
चलाकतोगृहस्थनकेगेहनकेऊंचेअ
ट्टनकौंआरोहिपैलेनकौंपहिचानिगो
लीनतैंगजबकरनलगे। अरुसेसजे
असेसधाराधरहीसौंधापिबेकोसंक
ल्पसच्चोकरिपैलेनकीपृतनामैंपैठि
अश्वमेधअध्वरकेफलकेउपमानअ
पुनेअडोलअंघ्रिनकौंअंगदकीरीति
धरनलगे॥चिरकालसौंबिछुरेमित्रन
केमाफिककितनेकअछूतीअनीकेल
डाछातीसौंछातीभिरायमिलनलगे।
अरुपरस्परकेप्रहरनप्रपातअसि
तअंबुदमेंअज्झलनपैंझिलनलगे
॥१९॥ दो०॥ ससिअंबरबसुइक१८०१
समाबिक्रमसकगतबेर॥ बुंदियपु
रबाजारबिचकरिगबादअसिमेर २०
मु०दा०॥ अमावसिमावनमासअपेक

रंकककवड्डु ॥ गिटैंरसनाकढिग्गनग्राम
चटैंनचिनागिनिज्योंपयग्राम ॥ ३१ ॥ ल
गैंदृगमुच्छफरक्कतलीनमनोंउरकीब
नसोमुखमीन ॥ छलैंछतरत्तछछक्कन
छुट्टिफबैंजनुगग्गरिजावकफुट्टि ॥ ३२ ॥
रुकैंअसिमत्तदुहत्थनमारिमनोंरजक
लिसिलापटमारि ॥ छुटैफटिपेटियले
टियलंबतनैंपठजानिकुबिंदकदंब ॥
३३ ॥ मचैंरवटोपउडैंफटिमत्थअलाबु
वजानिअतीतनहत्थ ॥ कढैंदृगलगि
कनीनियकालमनोंकुबलोहितभौंरन
माल ॥ ३४ ॥ चलैंफटिढालबकत्तरचीर
सुज्यौंतरुताडनपत्तसमीर ॥ धसैंहिय
गोलियगावतगित्तमनोंपटवाबटवा
बिचबित्त ॥ ३५ ॥ रटैंफटिकोचकरीरन
नंकिकरैंघनबादनज्योंरुननंकि ॥ घवैं
हपमत्तबकैंछकिघायमनोंमदपामरजो

हजडाय ॥३६॥ कढ्ढैं बपुछ्छ किबरच्छिन
ब्रातलृगध्वजञ्जग किगज्ज मपात॥लौं
निकसैं छिकिपट्टिसलाल मनौंपरतीय
नकैंकरजाल॥३७॥सुहैंफट्टि हड्डुवच्छ
टसंधिचटक्कतप्रातगुलाबकिगंधि॥
उठैंबिनुमत्थकितेतनुतुंग थ्रेइत्थेच्छ
लसुंगतथुंग॥३८॥बबक्कतडाचकिते
कनबैनमनोंबडुदक्करटक्करमैन॥गि
रैंबरक्कतपंसुलिगातमनौंकठछप्प
रपत्थरपात॥३९॥छुटैंपलजानुकढ्ढैंन
लहड्डुमनौंरदबारनबंगरबड्डु॥लटक्क
तपायरकाबनरुक्किमनौंतपसिद्धप्रधो
मुखरुक्कि॥४०॥मलंगतछच्छिनकेक्कम
मप्पिमनौंनटपट्टरिपायमलप्पि॥छु
टैंघनघायकसायकसोंकउडैंसरघाय
नज्योंतजिओक॥४१॥छकेकतिबृत्त
फिरैंसुधिछ्छारिबनैंजनबालकभंभम

भोरि॥ गिरैंसर बिद्ध घनैंसिर तत्त मनौं
सरघान तजे मधुछत्त॥ ४२॥ सरैं घन
संगिन भिन्न सरीर कुमारन के जनु उज्ज
करीर॥ चकैंबहु प्रेत मिलैं गलबत्थ कि
घोर नमल्ल अपूरब कत्थ॥ ४३॥ जगावत
हाकर चाकन जंगल गावत भैरव नद्द
मलंग॥ घसैं चढि डाकिनि के मृतछत्ति
मनौं कि बिदूसक कौं तियमत्ति॥ ४४॥ फ
टैं पयदूक किते छक श्रोप किते दुकनैं
नलखैं भरि कोप॥ करैं कटि जीह किते
अप्रकूक मनौं किपरागिर प्रेरित मूक
॥ ४५॥ कमैं दूकप्रोठ किते इककान
घनैं मुख अछर द्वैं घमसान॥ किते दू
कहत्थ किते गत केस बनैं बहुरूप म
नौं नव बेस॥ ४६॥ मिलैं रसनाकढि
नकूट मूल फबैं भुजगी किलगी तिल

फूल॥कितेकरटेकिउठैं रनरत्तमनौं मद
छाकनपामरमत्त॥४७॥रहैं कतिगि
द्धनकौंगललायक रैंकतिदूरबचैंचत
हाय॥वदैंकतिमातपितातियबैन गि
रैंकतिमोहितउच्छलिनैन॥४८॥अवैं
धनसावनकोहतलुट्टिबरूथघटाहत
आयुधबुट्टि॥बहैंपुरबुंदियसोनबजा
रधभीजनुजोहिसरस्वतिधार॥४९॥
गिरैंजलबद्दलगंगसुगाथपुरस्त्रिय
भंसुबजासुनमाय॥वहीइमबेनिय
यत्तनबीचमिलिबकुसुन्भिजहोत्तद्दिमी
च॥५०॥बन्योंरनबुंदियसावनभद्द
धंभ्रसिज्जालमयोपुरदद्ध॥तुहट्टनल
गियलुत्थिनलुत्थिबिथ्थरिगहट्टनब
ट्टनबुत्थि॥५१॥समाकुलरुंडपरेखि
लिखंडढरेबनिजारनकेजनुदंड॥इ

ढुल्लाल डाहल कैंड मरूक घुरानत घाय
घूमैंज नुझूक॥५२॥ दटैं सिरमारच्छटैं
धातकंड पिटैं कतिजोरफटैं कतिमुंड
॥ चरैं सिर मंगि भरैं हरबै लछकैं कति
छौहहकैंरनछैल॥५३॥ लगैं कतिकं
ठलरत्थर पाय जगैं कतिप्रेत ठगैं भट
जाय॥ लखैं कति हूरच खैं मिलिलाह
नहैं नभ फूलर खैं गिनिनाह॥५४॥ कि
तैं कहुँ कोच खिरैं लगि खग्ग फिरैं कतिम
तभिरैं जनु फग्ग॥ चिरैं सिर बाढ गिरैं अ
तिचोट घिरैं नद सोन तिरैं कहुँ घाट॥
५६॥ जरैं उडि अग्गि फरैं अ सिजोर ढ
रैं भट केक टरैं जिम ढोर॥ दरैं कतिकुण
घरैं धकदाव भरैं कति धूरि करैं मृतभा
व॥५७॥ मरैं थकि स्वास परैं कहुँ मूढ अ
रैं कहुँ हूरबरैं नवऊढ॥ ररैं हरि केक
लरैं धकि रोस हरैं जिय केक सरैं तजि

ह्वास॥५८॥ फटैंघर प्रेत बटैं सिर फाँक
लटैं मनके कर्कटैं उर लाँक॥ खुलैं कहुँ
नैंन डुलैं कहुँ खग्ग रुलैं कहुँ उद्ध फुलैं छु
खग्ग॥५९॥ छुल कत घायन रत्तछ
कउरज्ज तके सलनैं प्रकनक्क॥ नक्क
तलंतिन सिंधुव तारद हक्कत भृतल दे
ल दरार॥६०॥ झनंकत पक्खर खेधित बं
ट घमंकत घुग्घर घंटन घंट॥ बढी कुण
पाव लिउ अवरवान मर्मों बल पत्तन दिग्घ
मसान॥६१॥ गवास्सन जालिनके पर डा
रि हीरन बुंदिय नारिन हारि॥ बढी घ
नमार मची हथ बाहरु क्योंर बिजंपत वा
ह सिराह॥६२॥ अथो नृप छोनिय लैं न
उमेद खिज्यो इम देत दलेलहिं खेद॥
बढे गढ सम्मुह छेकि बजार मिली तहँ स
चु हजार नमार॥६३॥ चले सर चंड छुट
ह त चाप मचाव त पंखन सोक अमाप

बहैंबरछीअसितोमरतोमबनेनरका
तरलोमबिलोम॥उरझूतअंचकटारन
तारिगहीजनुनागिनिअंकुसडारि॥लगैं
खरखंजरपंजरलीनमनौंप्रतिलोमघसैं
जलमीन॥६५॥चलैंफटिपातगदासि
रधीरमनौंतरबूजहनैंकरकीर॥चलैंत
जिय्यांनछुरीपलचाहमनौंपिचकारिन
वारिप्रबाह॥६६॥झरप्फरचिल्हनिगि
द्धनिझुंडमरोरतनंचुनखैंचतमुंड॥कि
लोलतस्यारसिवागनकेकनचैंबहुडा
किनिगेलनिसंक॥६७॥घनैंहलनंकल
घोलकघुम्मिभिरैंकतिभिम्मगिरैंछकिम्मु
म्मि॥कुसागलछुट्टलतुट्टलतंनभभक्क
लमारुतप्रोथनभंग॥६८॥परैंभुजबैंजर
जीनपलानकितेकजिकाबिनुलेतउडा
न॥बहेपुरतट्टिनरत्तझकारघपीवाहि

वीथिनबीथिनधार ॥ ६९ ॥ मनौंयहदुग्ग
छुधातुरपायदयोबलिमानवसंभररा
म ॥ समाकुलतुथ्थिनबुथ्थिनबद्दजहेप
लन्तिकुनहद्दनुहद्द ॥ ७० ॥ सह्योघन
घोरनकोकुरजीयलगौंग्ग्रवबुंदियम्मु
गतिहीय ॥ घनैंदिनभुग्गिबियोगजभ
रकिमोजनुसोमिलरंगसिंगार ॥ ७१ ॥
कलैललरवोलपकीलपकौतरम्मारिघु
ज्योंकतदुग्गपलायनधारि ॥ सुन्योंयह
जैपुरजामिपभारकियोनिजमंत्रियम्म
तलथ्थार ॥ ७२ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूरूपेदक्षिणायनेदशमराशौ
उम्मेदसिंहचरित्रेदशमोमयूख: ॥ १० ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा० भि० ॥ दो० ॥ जैपुरनृपईसरजबहि
सुनियहबुंदियसोर ॥ सजिदलदुक्कर

मुकल्यो देन सहाय सजोर ॥ १ ॥ राजाम
लको इक अनुज भ्रात नाम सिवदास ॥
सेनापति खत्री सु करि पठयो समर म
यास ॥ २ ॥ राजामल निज अनुज सन
किय तब मंत्र इकत्त ॥ कहिय अग्ग जय
सिंह नृप मो सन भयउ बिरत्त ॥ ३ ॥ यह
लखि मंद दलेल इहिं मन्नैं हम हिं निक
म्म ॥ अहलार देतो अयुत दिन्नैं तेन हि
हम्म ॥ ४ ॥ तीन बरस पाई तबहि अप्पुन
बिपत्ति अछेह ॥ मंगैं हूदम्मन मिले अप
दुन क्यो सठ एह ॥ ५ ॥ यातैं अब हि दले
लकौं दैन सहाय न अच्छ ॥ पहिलैं तु
म बरवाड पुर प्रबिस कुमारि बिपच्छ
॥ ६ ॥ सोरठा ॥ सुनि खत्रिय सिवदास
अग्रज हिं तुनि देस यह ॥ आनि प्रथ
म जय आस लरन लैन बरवाडलगि

॥ ७ ॥ प॰प॰ ॥ अग्गैंपुरबरबाडबीरद्दकभयउमहाबलरामसिंहरद्दोगजाहिअक्कतजगरुट्टलताकेकुलसिवसिंहभयोरनदानधुरंधर ॥ हड्डुनमुक्कुकमहरनसजिघतासनन्न्हकुसंगरहडनहनिँअनेकरहोरभटग्रामच्यारितसदब्बिलियअक्लखिवकबंधसिवसिंहहहिँकलहधरआरंभकिय ॥ ८ ॥ दो॰ ॥ जोमुक्कुकमसिंहोतकोग्राममपरैंहुगतास ॥ ताहिभजारतलुहितोबक्कुतनबिरचिबिनास ॥ ९ ॥ हड्डुनतबमुक्कुकमहरनअतिसाहसइहिँजानि ॥ बेटीअप्पहिँबैरमैंमंत्रसबनयहमानि ॥ १० ॥ जाईजुघियरामकीजडसालमकीजामि ॥ सिवसिंहहिँब्याहीमवनदोऊदिसहितधामि ॥ ११ ॥ नृपकूरमजयसिंहपुनिअतुलकपट

रत्निश्राउ॥दियउकड्डिसिवसिंहयह
ल्लियउछिनिबरवाड॥१२॥जयसिंह
हिंश्रबजानिमृतइहिंसिवसिंहकबं
ध॥लिन्नौंपुरबरवाडलरिबसिकरिकु
मप्रबंध॥१३॥राजामलयातैंश्रनुज
संक्योबुंदियजात॥पठयोइतसिवसिं
हपरबुल्यौतैंहँयहबात॥१४॥तुमसि
वदासतयारहुवबुंदियदैनसहाय॥
मग्गहिमध्यबरवाडपुरजात,हुताहि
हुराय॥१५॥इहिंकारनसिवदासश्र
रसजिदलप्रबलसेपाह॥गोपहिलै
बरवाडगढदिन्नौंतोपनदाह॥१६॥
इनबुंदियमंगरश्रतुलसज्यौसंभर
बार॥नगरजित्तिलिन्नैंनिकटभासाद
नप्राकार॥१७॥दक्खिनदिसमहल्ल
ननिकटभैरवनामकद्वार॥तासौंक

छुपछिमतरफकोटादलरखवार ॥१८॥
द्विजनागरगोविंदवहलरतकुतोहल
गि ॥ कनपद्दियगोलियलगियपथ्योख
सिहितपत्थि ॥१९॥ मरतबिमलहिजिनृप
उम्मयलंबतिसैनिनलाय ॥ घटियद्रक
जावलतजनिलिवँमहलछुराय ॥२०॥
न्हवहुकनारागढवच्चोजँहैं दलेलमय
जानि ॥ तिहिँसिरपुनिहल्लालरितपू
मूलरच्चोअरिपानि ॥२१॥ प०प० ॥ लै
लैखटकरखग्ग ऊटकपबयपरहं किय
नृपउमेदरहिमध्यसमुखहनुमतजि
मडंकियअवधियोहिनिदियजाग्रमथे
कंगुरकंगुरभट ॥ सुलरिवहलेलअम
लभज्योनारिनजुतलंपटनैनवामग
आतुरलगियसुल्लिद्वारपछिमप्पररं
अंधारमाससावनअमाउकिपुनिल

गियमेघझर ॥२२॥ जिननारिनसतख
नननअक्कपिक्वनअकुलावतजिनना
रिनजवजोरपवनपरसननहिंपावत
हक्कमदलसनअन्यजातजिनकोंअ
मलगाहिं ॥ कुचनओदलचकातभार
मानकुंकटिभगाहिंजिनपयमसूनपं
खुरिगडलरसबिलासम्रदुपनरजिग
लेतियदलेलनायकसहितझारनबि
नफहुतभजिग ॥२३॥ दो० ॥ मेरुसरित
दुकलानपुरजिमतिमलंघिदलेल ॥
मालहोतलहिनेनवामज्यौंबपुजिय
मेल ॥२४॥ पतनीद्रुक्कदलेलकीदा
सीजनदसमान ॥ बनबिचभज्जतथ
किरहियगयदूजेदिनथान ॥२५॥ दु
ज्जनसल्लउमेदइतबुंदियअमलबिथ
रि ॥ कंडेअप्पनगाढिदियबिजयपता

काथारि ॥२६॥ कोटापति अबलोभं करि
अनुचित जो किय अत्य ॥ सोपि कबकु
परामस बन्धु धरम अनय अनत्य ॥२७॥
पहिलैं हु हिं कोटापुर हि भूपति सों कुल
मित्र ॥ सुह्रद सादु बल कब के कटक निरि
लंगियलिद्ध ॥२८॥ तैसो ही अब तकि
कैं अंगमि तुं दिय अैन ॥ नृपउमेद प्रति
यह कहिय तुमतें राज दवैंन ॥२९॥ पु
रलो हित को परगना इम कहि भूप हिं
अप्पि ॥ अवर देस लिन्नों अखिल थ्या
नों अप्पन थप्पि ॥ ३० ॥ केसवपुर पट्ट
नि परम बकु रिबरुंध निनास ॥ राकुब
पुर ब्रजनाथ हित करिय भेट छल कास
॥ ३१ ॥ बुद्ध नृपति किय पुण्य जे ग्राम
दिक दियनां हिं ॥ इम बिसास घातक भ
यउ कोटापति छल मांहिं ॥ ३२ ॥ लर नु

अंतलुट्टियसहरइक्कपहरधनवंत
॥साहिपुरपउम्मेदलियदुवगजद्रव्य
अनंत॥ ३३ ॥देवसुवनसिवसिंहव
हुरैरिसल्लकुलजात ॥ लरिजिहिंपं
चदलेलकेगजलुट्टेबडगात॥ ३४ ॥
कोटापतिसिवसिंहसौंछिन्नैंतगजपं
च ॥ आदरविनुसठसिक्खदियरकै
कानिनरंच॥ ३५ ॥साहिपुरपकोटे
ससौंइकदिनअक्खियपह ॥ तुम
निलज्जअनुचिततकतनीतिधरमल
जितेहु॥ ३६ ॥हमजानीबुंदीससिर
करहिंकनकोटेस ॥ हमबिचारिआ
येहुहाँयहलजसमुननअसेस॥ ३७ ॥
अ०भा० ॥ म०द० ॥ दौसनिजतातको
उतारिदकोवैरतुमलीनैंमंगिकटको
किलौंआयौंबालहो। तिनहिंबिका

यफौजराखीसोतुमारीनौंहिंजातैंजंगजी
तिमनमानतनिहालहो ॥ प्रतिउपका
रकउमेदनृपजानौंनैरकोटाजिनखो
वकुकहावतनृपालहो ।जोतुमकहैंहू
स्वामिधर्मलथ्धरोगेतोबदुर्ज्जनकेसाल
नौं हिंसज्जनकेसालहो ॥ स्वा० मि० ॥३८॥
दो० ॥सुनियहकोटापतिसचिवत्वारन
भूपतिराम ॥ कुच्योसाहिपुरेससौंके
सैंकरहुकुनाम॥ ३९ ॥सेनानीगोविं
दसेलग्गोबुंदियअप्रत्थ ॥खरचदम्मल
क्खनपख्योक्यौंतुमबदतअकत्थ॥४०
॥यहसुनिसाहिपुरेसतबगोनिजनग
ररिसाय ॥कोटापतिबुंदियबिभव
लुट्टयोअखिलअघाय॥ ४१ ॥भट
मोहनसिंहोतनिजनगरपल्हायत
नाह ॥ तारागढरक्ख्योतनहिरूपसिं

हहितराह॥ ४२ ॥पुनिकिमोरसिंहोत
भटअनतापुरपअजीत॥एदुचकिल्ला
हारकियपदुरलधरमप्रतीत॥ ४३॥अ
वरहुनिजरकेवसचिवनिबहनराज्य
असंस॥अप्पुनलेबुंदियविभवकोटा
गयकोटस॥ ४४॥दुतखत्रियसिवदा
सलियपुरबरवाडहुवाय॥दियउक
हुछिरहोरबढ्जेपुरअमलबिधाय
॥ ४५॥ म०॥बरवाडसमरसिवदास
हानिजेपुरनरेसयहउचितजानि॥
धूल्लापुरपतिकूरमदलेलबुल्योराज
उतमंत्रमेल॥ ४६॥कहिउचितता
हिबुंदियसहायपठ्योदलेलढिग
समयपाय॥वहतबहिनेनवानगर
पलभिंढ्योदलेलहितबिबिधबत्त॥
४७॥अकबीपुनिईस्वरिसिंहराजदि
ल्लीपुरजावतकछुककाज॥जवनेस

हिंतुकामसुसुधारिबुंदीपरअ्रैहैंदल
विथारि॥ ४८ ॥ह्वैहैं तबअ्रप्पनअ्रम
लतत्थहहूसुउमेदगहिकरहिंहत्थ॥
पैजोलोंअ्रावैनकछवाहतोलोंनउचि
तअ्रबसमरचाह॥ ४९ ॥पूगेंनअ्रब
हिहमबीरहोयदुस्सहउमेदकोटसल्ला
य॥रोउद्दलेलयहमंत्रचाहिबकुमासार
हेपुरनेनवाहि॥५०॥इतजेपुरपतिदि
ल्लियमपत्तसेथोसुरतानजुबिबिधब
त्त॥बुंदियपुरबिग्रहहनकूरिअ्रकितनि
यसाहहुकमकरिसबनसत्किव॥५१॥
हमरहतकुम्मादिल्लियच्चभंगसेवंतस॥
हअ्रवनियउमंग॥इतअ्रभयसिंहसकु
टसगयकियचिरनिवासअ्रजमेरअ्राय
॥५२॥ममजनकुबयहनगरलिन्नय
हचिंतिमरुपतेंहैंबासकिन्न॥कूरसहूल
दिल्लियकपटधारिइकमंत्रसाहह्नैनें

विचारि ॥५३॥ राजामलमंत्रियनिजसि
खायदक्खिनदललावनदियपठाय॥
यहतबहिपत्तदक्खिनअमीककियसा
मबिरचिहितकथकितीक॥५४॥लिय
रामचंदपंडितमिलायसंध्याराणंजिय
सुनिसुभाय॥मरहट्टउभयदुमलियउ
कोरिकरिनेहदैनकियदम्मकोरि॥५५॥
इतनृपउमेदबुंदियबिचारिकोटेसलु
थअनुचितअकारि॥हमरेहिद्रव्यस
नरच्चियजुद्दलियबहुरिसुभिरचिक
पटलुद्द॥५६॥तसमातउचितनहिं
परसहायलैहैंवहमहिभुजबलदिख
य॥उम्मेदनृपतियहमंत्रलायअजमे
रमगडबुंदियबिहाय॥५७॥मरुधरन
रेसातनकियमिलापयहिपालउभय
रहिहितअमाप॥इतउदयनैरजगते

सरानबुंदीछुटीसुनिरख्यो निदान ॥५८

इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूरूत्तरायणेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेए

कादशोमयूख: ॥ ११ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा॰ मि॰ ॥ दो॰ ॥ उदयनेरजगतेसद्दतज

न्यों समयगनबोन ॥ बुंदियहडुनछिन्नि

लियहै जैपुरबलहीन ॥ १ ॥ यातैंभुवउ

द्यमकरनउचितकालअवआय ॥ भा

गिनेयहितदीजियेढुंढाहरवटवाय

॥ २ ॥ यहबिचारिकोटेसप्रतिपुनिपठ

येलिखिखिपत्त ॥ जीतैंजैपुरजंगजुरि

अवहमतुमअनुरत्त ॥ ३ ॥ सोधीदुर

जनसल्लतबडनकैगाढनरंच ॥ पहि

लैंहीफीकेपरेपरिपरिरानप्रपंच ॥ ४ ॥

यहबिचारिपछीलिखियरचहुकुंच

तुमरान॥ पिच्छैं हीहमऋातहैं जुरिजि
त्तहिं घमसान॥५॥ यहदलबंचिबिचा
रितबनिजभटरानबुलाय॥मरहट्टन
ढिगमुकलनदुवतयारकियदाय॥६॥
इक्कसलूमरिपुरऋधिपकेसरिसुवन
कुंवर॥बरवतसिंहकाकावढुरिकिय
तयारहितकेर॥७॥पा०कु०॥हुलकर
हितकमार लिरववायेकोटिदम्मतिहिं
हैं नकलाये॥ लिखियमलारभरोस
तिहारैं हमऋबजैपुरबिजयनिहारैं
॥८॥रामचंदपंडितइमफोरहुराणं
जोसनपुनिहितजोरहु॥कूरमतुम
हिंदैनजोकरिहैं तासौं द्विगुनद्रव्यह
ममरिहैं॥९॥कमारइमलिरववायद
येकरबरवतकुबेरदोऊपठयेबर॥दो
ऊतबदक्खिनदलपत्तेऋबसरपाय
मिलेऋनुरत्ते॥१०॥राणंजीसंध्यासुत

तत्थहजयानामसबरीतिसमत्थह ॥
वदत्तिपग्घनासौंबखतेसहमित्रभयो
जिमधनदमहेसह ॥ ११ ॥ यहसुनिरा
नसेनसजिदुद्दुरमाधवजुतहं किय
जैपुरपर ॥ नागोरपबखतेसकबंधह
अप्पनपुत्रियससुरकुतोवह ॥ १२ ॥
बिजयसिंहवाकोसुतब्याह्योस्वीयसु
तातातेंहितचाह्यो ॥ इहिंकारनजगते
मरानअबसत्थलेननागोरकटकसब
॥ १३ ॥ कनकमुक्तरुप्पयदुबलकवनप
ठयोबखतसिंहपैंहंहितपन ॥ अकिं
यखरचएहअबधारकुपततनानिज
ममभीरप्रचारकु ॥ १४ ॥ दुमतिलुब्ध
बखतेसबंचिदलपुरटलयोरुनौंहिं
पठ्योबल ॥ रानपचीससहंसदलर
ज्जियसेनसहंसदसमाधवसज्जिय
॥ १५ ॥ इमहजारपैंतीसअनीकनरा

नबहुरिमाधवइच्छतरन॥ कियदर
कुंच उदयपत्तन तजिसबकूरमसीमा
पहुंचेसजि॥ १६॥ टोडानगरपरग
नअंतरमाधवरानमिलानदयेबर॥
होदिल्लियतबतैंकूरमपतियातैंअ
वरसेनपठयोअप्रति॥ १७॥ हेमराज
बरवसीदलकंतसुअरुरूलायपति
सुतजसवंतसु॥ नागरचालईसपुनि
नारवसुभटनामसिरदारजोरजव॥
१८॥ इत्यादिकजैपुरभटआयेरानस
मुखसजिकपटरचाये॥ जान्योंकबुदि
नअंतरपारैंतोनृपईस्वरिसिंहपधा
रैं॥ १९॥ दो०॥ कगारपठयोकूरमनरा
ननिकट छलरक्खि॥ महिपतितुम
माधवअवरथअबनिदिवावहुअक्खि
॥ २०॥ छ०प०॥ अग्रगौंनृपजयसिंहरा

जमाधव हितअप्पियअवनूपईसरि
सिंहता हिमेटनमति थप्पिय यांतें नहिं
अनुकूलसुभटहमसबकूरमसन॥
अप्पकुआयसअप्पसोहिकरिहैंप्र
तीतिपनविनुखरचनोंहिंकारिजवैंनं
देकुखरचसवस्वीयकरिहमअबध्य
थानतुमरेंकुकमगहिहैंईश्वरिसिंह
लरि॥२१॥ढलप्रपंचयहमंडिपत्रपठ
योकछवाहनवंचिरानमतिमंदमन्निलि
यसत्यमुदितमनदम्मअयुतप्रनिदीह
कुम्मसेनहिंकरिदिन्नें॥कपटीकूरम
कटकलुख्मिदससदिननकलिन्नेंदिय
पत्रवहुरिदिल्लियनगरबुल्लियईसरि
सिंहदुतआमेरपहजावतअवहिरा
नोंआयउअनुजजुत॥२२॥यहसुनि
ईस्वरिसिंहमाहसनससनवसिकल

हिकरि आयउ दर कुंच गुमर अतिब
लबिसेसगहि निजदलसम्मलिहाय
पत्र पठयांगानोंप्रति॥ अगेंभोवहब
चनुक्यांसु चुक्कत अबदुम्मतिमंत्रिय
इतैंसुभर हट्ट दलराजामलसबफेरि
लियइक्कनमलारफुट्टिय अतुलकु
लकररायउपायहिय॥२३॥पा॰कु॰॥
रानसुभटकुलकरमिलवायेबलिसं
ध्यासुतमित्रबनाये॥रानसहायकरन
तिनधारीसोराजामलसबहिबिगारी
॥२४॥रानसुभटदाहूनिकसायेसुल्ह
बिगारिनिरखनभुव आये॥सुनिखत्रि
यतैसबमरहट्टन चलियरानसिरकुं
चकटट्टन॥२५॥कोटामुलकलुट्टतहि
आयेदुजनसज्जनदहिंहत्थदिखाये॥इ
मइहुत आयरानदलघेरयोफनपतिमा

नकुकुंडलफरयो ॥२६॥ व०प०॥मकद्द
कनभवसुसोम १८०१ माघमेचकपग्व
च्छंतरमरहद्दनदियमाररानबिंटिय
रचिसंगरधमितोपनधमचक्कभुम्मि
भोगनहुवमग्गिय॥ मंडेच्प्ररुनप्रजा
रिकुंदगोलनरुगमग्गियगजहयसि
थादहउट्टिगगरदप्रबलच्यचानकभ
यपरिगमंपतसिचानखरकोनगति
मेवारनमहउनरिग॥२७॥दो०॥च्या
यच्प्रचानकच्परधनिसमरहद्दनदि
यमार॥भीतरानव्याकुलभयउबलि
कियसामबिचार॥२८॥कहिपठईद
रिबर्नानसोंहू ञामितघनलेहु॥पि
कव्याहमसंगरप्रबलच्प्रबघरजाव
नदेहु॥२९॥यहउदंतमरहद्दसुनिरु
चिबसढंडिगरीस॥सामबिरचिकि

यरानसिरदम्मलक्खबाईस॥३०॥नृ
पकूरमच्छरु रानपुनिमरहट्टनमिल
वाय॥कियउसामदोऊनकैरसहित
कछुकरचाय॥३१॥माधवहूकेमिल
नकीरामचंद्रकियबत्त॥सोकुलकर
मलीनहीरकघ्योपृथकविरत्त॥३२॥
माधवहूयहसुनिकहियमैंदुंढाहर
राज॥कैसेंईश्वरिसिंहसोंसहैंमिल
नसमाज॥३३॥माधवरानबिगारिमु
हलदनुउदैपुरपत्त॥मरहट्टनजुत
कुम्मनृपघल्लोलुंदियपत्र॥३४॥सह
रदेमलेकियसकलअमलदलेल
अधीन॥तारागढभोनहिंतबहिबिं
ट्योजायबलीन॥३५॥ष॰प॰॥धमि
लोपनथमचक्क॥कोटतारागढकंपिग
हुकुप्रौढाभटदेखिजानिपरबल्लयह

जंपिग हमहड्डे बड बीर कढहिँ फहरा
तफतूहन ॥ भग्गे जिम निकसैँ न प्रबल
लग्यात कलंक पनओजानदेहु संजुनर
खत तोकबि कीरति पड्ढि हैँ नाँ तरिक
हैँ नहड्डे भरदअप्रहड्डे पंजरकड्ढि ढिहैँ ॥३५॥
सुनिकुलकार दिय बचन नरखत संजुत
हुमजावहु कछु दिनकूरमजोर नाँहिँ
बुंदिय तुमपावहु अजितसिंह अरुरू
पतबहि कोटेस सुभटहुव ॥ सजिबल
खुल्लिनिसान निकसि कोटा अप्रध्वगहु
वलुट्टिय दलेल बुंदिय सकल बुद्धसु
तहिँ चाहत निरखि कूरम समेत लहकिव
नकटक दिनहु वरक्किय लुट्टलखि
॥३६॥ जुतदलेल कछवाह तदनु ले
दलमरहट्ठन कोटाविंटिय जायरुट्ठि
लुट्टत मगरट्ठन ग्राम सगत पुर जाय अप्र

प्पउत्तरिचम्मलितद ॥ त्नियपत्त नगर
दायसैन संकुलि बढउ व्वन्द वज्जियनि
सानत्रं बकविरवमदुसह फैरतीपन
दगियन्नंदरन्नलावमज्विय मनकूंलं
कापुरवंदरलगिय ॥ ३७ ॥ ही॰ ॥ दक्खि
नदललैंदुरूहकूरमहठ हेरयोकोटापु
रजायघोरघत्तनघनघेरयो ॥ ह्वैबटद्द
लवंटिन्नप्पचम्मलिदिसतंडयोन्नद्द
सुद्दलपुब्बन्नोरजायजोरमंडयो ॥ ३८ ॥
तोपनधमचक्ककोटलोपनपुरलग
यागोलनगजबीनसारसंकुलिदवद्द
ग्गायो ॥ कच्छपफटिपिट्ठिनागरीढकब
रग्गक्कयोदंतुलितुटिकोलकोलकंकट
कुन्निकक्कयो ॥ ३९ ॥ न्नतलरुबितला
हिलोकन्नोदकिभयभग्गायेदिग्गज
दुगम गिसोचमोचनमदल्लगाये ॥

फौजन घन फेरभुम्मि जोजन दुव ढंकई
औजन भट भीर जंग मोजन दह ठिट्ठंकई
॥ ५० ॥ टोलन पबि पात डोल गोलन गढ
बिगारैं गज्जन पुर सोध गोरव छज्जन छट
के परैं ॥ मंडप फटि केलदाव खंभन ग
नउ छूटैं थंभन थहराय ओक ओकन
अनि उप्पटैं ॥ ५१ ॥ उड्डुत गढ खंड फेर
गोलन लगि खिरै कज्जन कटि पच्छ
जानि पब्बय कटि के परैं ॥ कोटरु कपिसी
स ओट उड्डुत छबि गैंनमैं चोटन पर चोट
लोट लग्गत पुर लैंनमैं ॥ ५२ ॥ गोपुर प
रि कूट अट्ट पट्टन परिबट्टके कापथ अ
तिपंथ होत चम्मालि तट घट्टके ॥ द्विप
थरु त्रिक ओच तुरुक रीति सुसब लुप्प
ई कुट्टिम ढिग छत्ति आनि छज्जिन मिलि
उप्पई ॥ ५३ ॥ अंगन घर अग्गि मोरि सं

गनअतिउच्छरैं जंगनअतिजोर दोरदं
गनगढबिगारैं ॥ अंदरअकब्बकिलो
कबंदरभयज्यौंदुरे मंदिरपुर तूटिअ
निचम्मलिजलकेघुरे ॥ ४४ ॥ डंबरउ
डिरविहअक्क अंबरसबलुक्कयेध्या
नसुसिवक्कुहितानअच्छरिगनचुक्क
ये ॥ चम्मलिजलछ्छिज्जिमीनसम्मलि
घनआवटेहुंगरडगमगिपक्कुउंबर
गलिकेफटे ॥ ४५ ॥ सागरजलसेतुच्छो
रिलोपनभुवलग्गयेकोपनइमकुम्म
सेनतोपनदवदग्गये ॥ संगरदुवमा
समंडिकूरमइमअंकुस्योसत्थहिमर
हट्ट पिक्खिदुज्जनसलसंकुस्यो ॥ ४६ ॥
॥ दो० ॥ राणांजीसंध्यासुवनजयानाम
अतिजोर ॥ ताकेंइकगुटिकालगिय
घनरनमंडतघोर ॥ ४७ ॥ यह्लखि

कुम्भदलेलसौं चविद क्खिनहितचा हि ॥ पंचग्रामजुतकापरनिद्रंगदिवायउता हि ॥ ४८ ॥ दक्खिनजोरदलेललखिदि यउकापरनिद्रंग ॥ पुरपट्टनिपुनिसौं कमैं भ्रप्पियराज्यउभंग ॥ ४९ ॥ तबप ट्टनिलियदक्खिनिनकियत्रिभागबानि कंत ॥ हूकहूकदुलकरसंधियाइकबि भागश्रियमंत ॥ ५० ॥ संवतदुवनभध्ध तिसमय १८०२ मेचकमाधवमास ॥ प ट्टनियमकोटामधनगिल्योगिनीम नग्रास ॥ ५१ ॥ ग्वालसुरभिगजपालग जचुक्किरजकप्परचेल ॥ जमीदेतकछु कजिमहिदिययहद्रंगदलेल ॥ ५२ ॥ मरिगयाहिरनकेसमयचुंडाउतिनृप मात ॥ कोटामध्यहिदाहकियपरभयजा निमपात ॥ ५३ ॥ मृतककर्मनिजमातकौ

किन्नौं लघुसुतदीप ॥ हो पुष्करु मरुभू
पसह मिलिउम्मेद महीप ॥ ५४ ॥ दीप
कुमरि अरु दीपलुव सोदर भगिनी आ
न ॥ सह झालियरानी सहो पुर कोटा दु
खपात ॥ ५५ ॥ कोटाइ मकूरमदई मरह
ट्टनजुतमार ॥ महाराव सठ भीत मन स
म्मुह भो न हिस्यार ॥ ५६ ॥ रुप्पय सोल
हलक्खलिय मरहट्टरु कछवाह ॥ च्यारि
लक्खपुनि बरस प्रति लैनैं किय द
मराह ॥ ५७ ॥ इम कोटा करि राज कोम
ददिय कुम्भउतारि ॥ कियउ कुच्च निज
निज घरन दुवदल बिजय बिचारि ॥
५८ ॥ इतिश्री वंशभास्करे महाचंपूरू
पे दक्षिणायने दशमराशौ उम्मेदसिंह
चरित्रे द्वादशो मयूखः ॥ १२ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

।।षा० मि० ।। दो० ।। इत पुक्कर उम्मेद नृप ला
तामरण उदंत ।। सुनि सब सड्डिय बेद बि
धि मन्निधर मदृढ संत ।। १ ।। खरच भीर नृ
प कौं बढ्ढत बिपति सकैं न निबाहि ।। प्रभु
संभरत उद्धरम पदु करैं सु अनुचित का
हि ।। २ ।। मिलैं जब हि सब सत्य कौं अ
प्प अ‍स नत बलेत ।। दुव दुव दिन लंघ
न बनैं इहिं लद पिन चेत ।। ३ ।। ष० प० ।। ऐसैं सन बे
रस हु सत्य पंति चोसर परिजाव तजो च्यं
जन सब अत्थ सो हि निज अत्थ लगावत
मोह तसुभट न चित्त बित्त अप्पत हित
जोरत ।। स्मरसु महिं जिम भृंग सुभटह
म नृपहिं न छोरत सब रतन फुट्टि घनघा
त जिम सूची मुख कहु उद्धरिय तेभ स्तु
मेद भूपहिं अतुल रहत बिंदिस ढ्डिहि
घरिय ।। ४ ।। भट प्रयाग अरु तोकन हू

रि कल्यानभ्रातत्रयवीरभवानीसिंहति
महिमजबूतधरममयसूरधीरसिव
सिंहबैरिसल्लोतमहाबल ॥ इत्यादिक
बडवीरनृपहिंसेवतमनउज्जलसबध
ननिवेदिसहृतहुकमबातजातजिमरा
मतदपि कैलैंनहानिय्यप्यनप्रथितरकैंव
हिय पतिकामरट ॥५॥ दो० ॥ ऐसेभट
नृप ढिगरहियअवरनबिपतिमपात
॥ तदपि अपधीरजअतुलसूरधरम
सरसात ॥६॥ परसहायअनुचितप
रखितजिबुंदियचक्कुवान ॥ सूरनिक
सिऐसेसमयबंधतलैनविधान ॥७॥
छ० प० ॥ मरुपतिहूअजमेरभिंटिभू
पहिंकरिअहदरसमुखजायसनमान
द्विदचिआन्योडेरनबरसहभोजनस
हबासबिहितरचिदेतबढायउ ॥ उभ

यमिलन आनंद पुण्यजस जगत पढाय
उबय अप्पजद पिसोलह बरस अकि
तद पिठौर नअलस सिखयो सुहालखु
रलीसु घररठौर हिं मृगया दिलस ॥ ८ ॥
दो० ॥ महपति कैं उमराव इक कर्मदास उत
रठौर ॥ बखतसिंह रनपहु बिदितरा
सिनमदसिरमोर ॥ ९ ॥ अकबीति हिं
मरुईस सौं कन्या सुभ ममगेह ॥ बुंदीस
हिं ब्याहनउ चित अप्पकरहु हितए
ह ॥ १० ॥ अभयसिंह अकिवयसुनत
तनया बुल्लहु अत्थ ॥ बुंदीसहिं हमब्या
हिहैं सुभ मुहूर्त हित सत्थ ॥ ११ ॥ बख
तसिंह सुनि बुल्लई तनया अप्पन त
त्थ ॥ परिनाई कहि धन्य पति संभरनु
पहिं समत्थ ॥ १२ ॥ संवत दृग नभ धृति
१८०२ समाराधतीज अवदात ॥ इमरा

निय कुंदन कुमरिब्या ह्यो नृप बिकव्यात
॥१३॥ इत दलेल कूरम उभय दै मरहट्ठ
न सिक्ख॥ गुमर जोर जै पुर गये तोर बिज
यर न तिक्ख॥१४॥ सुत खत्रिय सिवदास
को नंदराम अभिधान॥ बीरन जुत मेटन
बिघन रक्ख्यो बुंदिय थान॥१५॥ इत सं
भर यह ब्या ह करि आयो नगर भनाय॥
आलास नहि तजुत मिल्यो कर नजोरि नत
काय॥१६॥ सस्सूय ह जयसिंह की नृप बु
ध सिंह कलत्र॥ पलटी जो नय तजि प्रथ
म तिहिं मंड्यो हित तत्र॥१७॥ दुलह नि
दुल्लह अग्ग अति लिन्नैं निलय बधाय॥
कछु दिन रक्खे मोद करि मेटन वह अघ
माय॥१८॥ तदनु मातसन सिक्ख किय बुं
दिय सिर नृप सज्जि॥ दुलह निरक्खि वयत
अहीर सउज्जल हित रज्जि॥१९॥ कोटा

धीससहायसनपहिलैंबुंदियआय॥या
तैंनृपविक्रमअतुलसज्योपृथकरिसा
य॥२०॥हिंडोलीदरकुंचकरि दिन्नैंआ
निमिलान॥मैंनावारहखेटकेंआनिमि
लेछकआल॥२१॥दुवजीवाधनुहीकर
नदुवदुवपिट्ठिनिखंग॥कटिकटारब
लिबंसुरियसिरधवपच्चकिलंग॥२२॥
बायुहिंबाअरुकिमहिंकाअकहिंबु
झतआंक॥भजतलरतलरिपुनिभजत
लफिउडिचित्रकलांक॥२३॥संगाकेअ
रुसह्हकेगुंगाकेबलगात॥दामांकेअ
रुदेवकेजग्गूकेकुलजात॥२४॥मैंनांकु
लइत्यादिमिलिदुमकुवहाजरिआनि
पढुमीसिरसज्योनृपतिमनरनउच्छ
वमानि॥२५॥हिंडोलीपुरकीप्रजाजुग
लसामिसिरजोय॥सनयदम्मसोलह

सहंसनजरिकिन्ननतहोय॥२६॥नयप
दुसबनबिसासिनृपकियबुंदियसिरकु
च्च॥बजिसिंधुबज्जाहलबिसमइमहंकि
गमनउच्च॥२७॥नंदरामइतर्तेनिक
सिसहंसपंचसिखसंग॥पहुमीदबत
पक्खरनच्चबमघसतउतमंग॥२८॥बि
यदलच्यावतबीचडीमिलिगच्यानित
जिमोद॥गंज्जरकेघरियारगतिलग्योब
ज्जनलोह॥२९॥इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूखरूदेदक्षिणायनेदशमराशौउ
म्मेदसिंहचरित्रेत्रयोदशोमयूखः॥१२॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥प्रा॰मि॰॥च॰प॰॥दुवसेनबग्गलीनी
कलिकोपच्चंखिकीनी॥फनसेसनाग
फुहेदिगदंतिदंततुहे॥१॥बरकीबरा
हदड्डागिलिच्चंगकुम्मठड्ढा॥दिगपा

लकं पलग्गो पुट दुंदुभी तिभग्गे ॥ २ ॥ स
बसिंधु से तु लुप्पे क लिजानि बीर कुप्पे
॥ सिव की समाधि जग्गी नव माल आ
स लग्गी ॥ ३ ॥ कइलास छोरि काली च
ढि सिंह संग चाली ॥ चउसट्ठि चौं कि
आई घनखंडि नच्च घाई ॥ ४ ॥ दुवपं
च बीर दोरे जवड्डा कि नी न जोरे ॥ कलि
कार मोद पग्गे भहती बजान लग्गे ॥
५ ॥ गुन अच्छरी न गाये अति मोद रुं
ड आये ॥ नभ गिद्ध नीन छायो रबिरें
नु मैं लुकायो ॥ ६ ॥ चहुवान बाजिन
कंवल खि आखु जानि तक्के ॥ किल
कार बीर बज्जी समसेर मार सज्जी ॥ ७ ॥
फटि टोप जात फीके जिम पत्र जोगनी
के ॥ तरवारि धार धप्पैं अरि के न स्वर्ग
अप्पैं ॥ ८ ॥ करधूप भूप धायो इत नंद

रामश्रायो ॥ बिथुरीकजाकबांनीमि
लिबीरधीरमानी ॥ ९ ॥ बिबिश्रोरती
रबज्जेलरिबभीरुनीरलज्जे ॥ बरछीनबे
धलग्गैं परिसूरमुत्तिपग्गैं ॥ १० ॥ घट
केकटारकढ्ढैं मुखसूरनूरवड्ढैं ॥
फलिमेलपारफुट्टैं छकलोहश्रानछुट्टैं ॥ ११ ॥ फटिघायछिंछिहल्लैं जलजं
त्रनालिचल्लैं ॥ सिखनंदरामकेजेल
खिश्रादकैंकलेजे ॥ १२ ॥ फटिकोच
गातफट्टैं जिमकेलिगब्भकट्टैं ॥ गहि
कुंतनाभिगड्डैं धमनीनमूलहड्डैं ॥ १३ ॥
उलटंतसादिश्रालीहयहोतकेकखाली ॥ मगश्रौररवेहडुल्लेजमस्वर्गबहखु
ल्ले ॥ १४ ॥ गजमत्थफेटफुट्टैं जिमगो
त्रकूटतुट्टैं ॥ परिभीरुसोककूईपरभो
गज्यौंप्रसूई ॥ १५ ॥ गतिहीनकेकफी

केमन जानि संजमीके ॥ तजि प्रान जा
तस्थी तरु ठुंड जानि पच्छी ॥ १६ ॥ सु
धि भुल्लिके कबंधकैं जड जानि सीधु छकैं
॥ कटि जात अंत हीसौं जिम पाय जान्ह
वीसौं ॥ १७ ॥ तरवारि भाकलकैं जिम
संपिका सलकैं ॥ हुव रत्त रत्त अंग रज
तव्व जानि रंगे ॥ १८ ॥ दबि जात केक
ऐनी नरख्न्यात तीक्ष्ण ऐनी ॥ मिलि भेन
डाकिनीसौं हियमौं डिगाढ हीसौं ॥ १९ ॥
कुचति कवला सगड्डुं जिम बिन्दु कैं सुब
ड्डुं ॥ कति जोगिनीन छीकैं बढि जात लो
भ हीकैं ॥ २० ॥ सु हिपुच्छ भिंदनेमैं जलु
देन धुछि ऐमैं ॥ कति लै रुसंड लेटैं प्र
तिसे रजानि मेटैं ॥ २१ ॥ उदरप्प केक
सज्जैं कति पीडि तन रज्जैं ॥ द्रुम मच्च मेत
सो हैं मिलि च्यारि भाँति मोहैं ॥ २२ ॥ कु

वगामबीचडोकीदुवरत्तरत्तहोकी॥
भिरिनंदरामज्ज्योलखिखत्रिनीरलज्ज्यो
॥२३॥ सिखतासमम्मुहायेसलभाकि
दीपधाये॥तिन्हतक्किभूपनीरेपरि
बीचखग्गपीरे॥२४॥हठलग्गिहड्ड
मारैंदुवहत्थखग्गझारैं॥कढिबग्ग
वाजिफेरैंहठिनंदरामहेरैं॥२५॥भ
जिकैंछिप्योसुखत्रीजिमसेनलावपत्री
॥सिरखंडुदोदुसज्जेबिकरालबाढब
ज्जे॥२६॥अतिजंगसंकुल्योव्हांअवम
र्दोनक्योव्हां॥तरवारिकेकतुट्टैंघारि
यारजानिफुट्टैं॥२७॥निकसंतनैंनगो
टेफंदकैंकिभेकछोटे॥कतिचापखैंचि
मारैंजिमकालडाचफारैं॥२८॥बिचता
समल्लठड्डासुहिजानितिक्खदड्डा॥
झटिपेटअंतदीसीपलटीकिपन्नगी

सी ॥२६॥ चउफार ह्रीयमन्नेजिमकंज
च्यारि पंन्ने॥ फटिकालखंजरखुल्ले फ
बिज्यौंपलास फुल्ले॥३०॥सरलीन
तुंदकूपी बिलजानिनागरूपी॥कूम
भूपजंगमंड्यो सिखब्रातखग्ग खंड्यो
॥३१॥अवसिट्ठ केकलज्जे मुखअग्ग
भीतभज्जे॥ तिनपिट्ठि हट्ठ धायेनयको
सलौंभजाये॥३२॥दो॰॥राजामलसो
दरसुवन नंदरांमगायभज्जि॥ सिख
कितेकसम्मुह मरेनट्टेकतिजलल
ज्जि॥३३॥सानुकूलनृपकीनियति
लग्गेलोहनअंग॥अग्गिअग्गदवम
ज्झेभर किजिमलरिवबाजकुलंग॥३४॥
नागरद्विजनृपभृत्यइकनंदरायअ
भिधान॥सोकुसूरसम्मुहभयो कि
यौंहदघमसान॥३५॥मारेसिखबि

क्रम अमित जुरयो बिबिध जयकार॥
लग्गे बंभन बीर कैं सत्त कृपान समा
र॥३६॥ सोधि खेत नृप घायल नल
ये नृजान नहारि॥ बुंदिय आय रुम
दन जुत प्रबिस्यो अरर न फारि॥३७
उदयराम पकस्यो बनि कलये अयु
लह मदम्म॥ बैठो नृप बुंदिय तखत
करि निज हुक्म लकम्म॥३८॥ संबत
हुल्लन भधृति १८०२ समय सावन ती
ज बल च्छ॥ असिबर बल किन्नौं अ
मल अधिपति बुंदिय अच्छ॥३९॥
सुनि कछवाह दलेल सौं अकबी मम
दल संग॥ मारहु नाय उमेद कौं जु
रहु बडे बल जंग॥४०॥ सदि दले
ल जु लाल हिन क्यों किन अरज कर
जोरि॥ अंडहु तुम अप्पन अमल मैं

बुंदिय दिय छोरि ॥ ४२ ॥ ताके करलि
खवायतबकग्गरकूरमलीन ॥ नै
नवारु करउरनगररकबे तासअ
धीन ॥ ४३ ॥ अवर देस अप्पनकूर
न गिल्लन अजीरन ग्रास ॥ बुंदिय
परपिल्लिय विकटपूतनासहँसप
चास ॥ ४४ ॥ नाम नरायनदास इक
खत्रीरन दृग धीर ॥ बाजामलसिव
दास को भ्रातसज्यों बर बीर ॥ ४५ ॥
तिहिं करि कूरमसेनपति पठयो बुंदि
यलेन ॥ संगदये उमराव सब उद्दृत
जेरन ऐन ॥ ४५ ॥ इतिश्रीवंशभा
स्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने द
शमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे चतुर्द
शो मयूखः ॥ १४ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

सा॰सि॰॥मु॰दा॰॥ सज्योअवकूरम
भूपतिसेनलगेभटघुम्मनबुंदिय
लेन॥बच्योसमयोयहदुस्सहआ
यजहांफटिबालतजैंनिजमाय॥१॥
पितासुतकोंपतिकोंनिजनारितजैंव
हबन्तबनीभयकारि॥जनैंजननीजु
गिनैंसबठीकवहैनरआहिनमध्य
अनीक॥२॥वहैनरआतमसंबिद
धस्यवहैनरजोननतोमृगबच्य॥
वहैनरहीगुनतीननईसवहैअवनी
सनकोअवनीस॥३॥वहैजिमकू
टतथाइकसारवहैसबओरनसुद्ध
अपार॥वहैनरतीनअवस्थनएक
वहैसबघांसितधारनतेक॥४॥
वहैनरहीसबकृत्रिमसक्किववहैय
हमोघरहोविचरक्किव॥वहैदिव

हैगुनकोनहिंजोगवहैहैबिखईयक्
अन्यसुभोग॥५॥वहैहैअजइह्अना
दिअनंतगुनत्रयनारियकोवहकंत
॥वहैहैनहिंतोभवनाहकपायबिगार
तबालिसजुबनमाय॥६॥वहैहैइक
रंधतनाहकनारिवहैसठअन्नहिको
खयकारि॥वहैहैपयमातबिगारनहा
रवहैरहिअर्थकरैंभुवभार॥७॥भ
योनरनारिनलच्छनएहनहींकुचमु
च्छनसुंदरदेह॥हुतेनहिंयाबिधिकं
भटहायबडेमरनोकतयापिबलाय
॥८॥कह्योंहमह्यांकछुबोधबिचार
मुखेंवहबीरगिनैंसबसार॥कहामर
नोंअरुजीवनतासकहासुखदुक्खस
वैइकभास॥९॥वहैहिगिनैंनिजही
सबबत्तयहैरनतोभलहोवहूअन

॥ परंतु न हेइ मकूरम बीर गिरैं सुख च्छ्र
च्छरि स्वर्ग सरीर ॥ १० ॥ रुए हहिं केवल
सूरन धर्म सु हीतिन्ह रक्खि कसे दृढ
बर्म ॥ सजे भट कूरम मानज सूर खंगा
रजना थज पानिप पूर ॥ ११ ॥ कल्यान
जपूरन मल्ल कुलीन द्वितीय हु कुंभज
च्या जित्य दीन ॥ जथा बनबीर चतुर्भु
ज्जा तघनें सिव ब्रह्मजइष्ट्र घात ॥
१२ ॥ सजे बलिभद्र जसेर खजसत्य घनैं
सुरतानज संघ समत्थ ॥ नरूजरु कुंभ
जच्यच्छरि नाह कढे इन्ह च्यादि बडेक
छवाह ॥ १३ ॥ सज्यो दल ईसन रायन
हासल ये सब संग गज ग्यो बल जास ॥ च
ल्यो दल जैपुर कौंत जित त्त बढी रन जि
न्हैं जित्त हिं वत्त ॥ १३ ॥ खु ली गज पि
ट्ठि ध्वजा पचरंग चले हय मप्पत छोनि

मलंग ॥ भई समहँ आलिय कालिय गैल
बडे हित उग्र चले चढि बैल ॥ १४ ॥ च
ल्यो महतीगहि नारद चंलेगन बाव
न त्यों पल प्यार ॥ चली चँउसट्ठि मलंग
तचाल चल्यो गहि खप्पर खिनर पाल
॥ १५ ॥ चले गन डाकिनि जच्छ चुरेल पि
साच रुरक्कव सगुह्यक गैल ॥ चले कति
डंकत इक्कहिँ पाय चले कति दोउन भू
घमकाय ॥ १६ ॥ चले कति गंडतनन्द कु
लद्द चले कति चौंकि हसे अरट्ट अद्द ॥
चले गन गिद्धनि चिल्हनि घोर शृगाल
रुकंकम हास न सोर ॥ १७ ॥ गहे किय
सेन सिवा कियगोन चल्यो दल कुम्भप
रुद्द तपोन ॥ अटैं कति मंडिब रच्छिन
वार करैं कति लच्छ्यन बेध कदार ॥ १८ ॥
किते खुरली पटु सद्दुल खग्ग मिलैं रचि

केकतुपक्कनमग्ग ॥ बनैंकमनैंतनप
च्छिनबेधमसजैंकतिकुंतनकेलिसुमे
घ ॥ १९ ॥ दिपैंरसबीरगिनैंतृनदेह
छुहेनिजसाहसदेतनछेह ॥ छलैंछ
कहूरचहेकतिंछेलचलैंद्रुतमंडितकुं
कुमचेल ॥ २० ॥ मलप्पतबाजिनकेम
चक्कायधरालल दब्बतबेगधुजाय ॥ च
ल्यो दलदुन्दुरयोंदरकुच्चउठावतडुग्ग
लकोछकउच्च ॥ २१ ॥ लग्योभरभोग
पलट्टनसेसभयोगिलिच्चंगदरीकम
ठस ॥ लुटीलखिदड्ढदयोकिरितुंड
करैंरदकंपिगदिग्गजझुंड ॥ २२ ॥ उडे
रजुलिकेतनकुंभिनकंधडिगेडरड
क्कनभीरुनबंध ॥ छिप्योनिसचंदरु
नासरच्चकचहैंनिसघूकतथादिन
चक्क ॥ २३ ॥ सुपैसुधिनांनिसबासरसंधि

बन्यौं तमतोमप्रभा घन बंधि ॥ चले इत
सद्दलमद्दल चास मिले इत बद्दल भद्द लमास
॥ २४ ॥ छल्यो इत पानिप ओउत नीर
सहाय कर्यौं रस बीर समीर ॥ घुरै इत
नौबति ओउत गज्ज इतैं भुव पाय उतैं
नभ सज्ज ॥ २५ ॥ इन्हैं न चहैं रु उन्हैं
जगआस बनैं इत धर्म उतैं जलबास
॥ इतैं बहुरंग उतैं सित स्यामल सैं इत
ओउत बेग ललाम ॥ २६ ॥ लसैं इत अ
ग्र उतैं लहरू नदि पैं मुद सूर मयूर नद्द
न ॥ इतैं गजदंत उतैं बकपाँत इतैं उ
त दौर तअग्र दिखात ॥ २७ ॥ इतैं उ
त पक्खर दद्दुर बुल्लि इतैं उत गिद्ध रु
चातक फुल्लि ॥ इतैं उत खग्ग रु बिज्जु
न ओघ इतैं उत होत धरा नभ मोघ ॥
२८ ॥ इतैं उत ओज इरम्मद भासरु

गुनबृद्ध निब्रात बिलास ॥ करैं सरयों उ
तऊ मरजुत्त इतैं उत भूपनभंभनपुत्त
॥ २९ ॥ कहैं इत लैनमहीकछ बाहक
हैं उत पिक्किव ह्मैं यह चाह ॥ कहैं यह
नीति बिथार न कत्थ कहैं वह अन्नप्रच
रन अत्थ ॥ ३० ॥ कहैं इत हेमबअप्पन
भुम्मि कहैं उत अप्पन है घन घुम्मि ॥
कहैं इत हैं रबिढंकन हार कहैं उत ब
ह्मरज्यों न बिचार ॥ ३१ ॥ कहैं इत चा
पचढावन बत्त कहैं उत सज्जित आय
तअत्त ॥ इतैं रजअद्रि उडावन बाद
कहैं उत रक्खहिं संबरसाद ॥ ३२ ॥ क
हैं इत मंडहिं गोलिन गान कहैं उत मू
ककरैं करकान ॥ कहैं इत बानन छाव
नदेस कहैं उत बुंदन तैं न बिसेस ॥ ३३ ॥
कहैं इत आयुधबुद्धि अनल्प कहैं उत

बुद्धिकरैं हमकल्प ॥ इतैंप्रभुकुम्भउतैं
सुरईसइतैंउतसज्जितछोनियसीस
॥३४॥ बढेदलबद्दलयौंरचिबादसुमं
नितसंबरमंडनसाद ॥ दिपेप्रविसेह
तबुंदियदेसअपारेबिथुरेउतभुम्मिअ
सेस ॥३५॥ बन्योइमकूरमंसनप्रयान
सुन्योनृपबुंदियधर्मसयान ॥ उयारन
पैंजिमव्याहउछाहसजेमनबंछितज
निमनाह ॥३६॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौ
उम्मेदसिंहचरित्रेपंचदशोमयूखः ॥१५

॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥

॥ प्रा० मि० ॥ दो० ॥ लैंबुंदियनृपप्रअमल
गिरखमगपलाकनखुल्लि ॥ अबलाजु
तअनुजाअनुजकोदासनलियबुल्लि
॥१॥ दीपकुमरिअरुदीपहरिलबबुल्लि

छकतोरि ॥ रानीरुल्लियसहरुचिरजय
रनजुबनजोर ॥ २ ॥ कोटापतिनृपबित्त
लैदूनौंगरबदिखाय ॥ मनअरिउप्पर
मित्रबनिलियबुंदियछकलाय ॥ ३ ॥
सोलखिनृपछतघनसमुञ्झिउदासीन
रहिअत्थ ॥ भुजदंडनलियअप्पभुव
सजिअसुत्यागसमत्थ ॥ ४ ॥ गजबका
रकोटसगनिभयकारकुअबभूप ॥
सिरउठायमूढनसकतरदतोरेअदि
रूप ॥ ५ ॥ अंतहपुरसंजुतअनुजबु
ल्लेनृपदृहिंबेर ॥ कोटापतिकछुहुन
कह्योसंकितमनगिनिसेर ॥ ६ ॥ ति
नकुआयसिंख्योलरितनिजप्रभुघात
निसंक ॥ रुचिउपैतभूपतिरह्योआतप
रुधिरअंक ॥ ७ ॥ अहसोलहभुग्यो
अधिपरहिसूरनगतिराज ॥ सबलस

ज्योदिनसत्रहमसत्रुनबिसमसमाज ॥८॥असितभद्दपंचमिदिवसचल्यो अरिचतुरंग॥सत्तमिदिनभूपतिसु न्यौंजामिनिसुत्तैंजंग॥९॥रहसिनि वेदियनाजरनदासिनजुतहुलदाय ॥जगिपहिलैंरानियजप्योलखीअ द्रिनलाय॥१०॥सिंहनिअकिवर्यसिं हसौंकितसोवहुअबकंत॥जिनह त्थिनकुंभनजलजतेआवतघुमड़ं त॥११॥जिनहितलंघनलंघिकैंख ह्योओरनसंस॥सहजैंतेआवतसु नैंबारनभक्षनसंस॥१२॥लंबीहत्थ ललंकतनुउछटपरकवहुआज॥मू खनकडढहुभांवैंतेरोसिंहमृगराज ॥१३॥जिनकुंभननखनाहकेबनैंघ टाजिमबीज॥हमकोतुकबहपिकिव

हैंरखुल्लहुरंचकखीज॥ १४ ॥इतरमग
नभ्भपगधपैंनयनउघारतनोंहिं॥त्यों
हीजोयहतकिहोयोंहीतोनहभ्भांहिं
॥ १५ ॥भूरवनिकासहुभौंनतैंगंजिगज
नबलगइढ ॥कुंभसांनतिकवीकरहु
दड्ढारेघसिदड्ढ ॥ १६ ॥चकतरखु
लिनकबहुलइतसिवस्वानभ्भधप्प
॥सरभभगेसैंजियतसबभ्भबदृगखु
ल्लहुभ्भप्प ॥ १७ ॥रमनीकेसुनिबच
रुचिरभ्भैंडगुमरभ्भलसात॥सिंहक
ह्योजगिसिंहनीह्वोवनदेहुप्रभात॥
॥ १८ ॥ह्वांतह्वांतयहबत्तहुवककबा
कुनध्वनिकान॥उद्द्योतजिगलबांह
भ्भबचंडसरभचहुवान॥ १९ ॥इत
रानियबज्जतसुनैंगरुतगिद्धनिनगे
न॥बुल्लीभ्भबदेरनबहिनिचिततुम

रक्खहुचैन ॥२०॥ दैन हारगजकालि
कनगूदपलनश्रवगाह ॥ तिंहिंमम
कंतहिं नैंकतुमसज्जनदेहुसनाह ॥२१॥
बीरनकेबहुबिधिबपालाभजथारुचि
लेहु ॥ असिमुट्ठिरुहयपिट्ठिश्रवप
तिकौंपावनदेहु ॥२२॥ इमरानियइत
गिंहुनिनश्रकर्‌यौबिहितबिसास ॥
इतकेरश्रैंन्नीमुच्छनृपपगिरसबीर
प्रकास ॥२३॥ ष॰प॰ ॥ गहतमुच्छचहु
वानफौंकदारिमभुवफट्टहिंभुवफट्ट
तश्रतिभारश्रतलबितलादिउलट्ट
हिंश्रतलश्रादिउलटंतपानकच्छप
श्रहिछोरहिं ॥ पानतजतपातालि
बारिउच्छलिजगबोरहिंजलतलउ
फानबुड्डुतजगतभग्गहिंलोकप्रपंच
भुवप्रकटहिंकटाहभग्गतप्रलयम

गहिमुच्छबुधसिंहसुव॥२४॥नि०॥
कानभनकजबतैंपरीचढिकुम्मचला
यातबतैंसंभरतंडिकैंसिरप्रभल
गाया॥लाहजरूरीलग्गिकैंसंध्याक्र
मलायासाबित्रीजपइकसहँसरसभ
क्तिरचाया॥२५॥नित्यनिवेरयोप्रात
कोय्यनविग्रथपायासेनासौंरनसज्ज
कौंन्यादेसलगाया॥सोरनकीबौंसंकु
लनहुंघोरचलायाफट्टेकगारदेसमैं
फिरिदूतफिराया॥२६॥झंडेनाहिरग
ड्डिकैंधुजदंडरुकायाफूलरूरायासा
नपैंप्रसिबाढन्चिराया॥सिल्लहरवा
नौंरवुल्लिकैंबरहेतबटायाटोपबक
लरप्रोपकेदसतानदिपाया॥२७॥
केतौंछादनकुंकुमीरनमोदरंगाया
केतौंप्रच्छरिचाहिकैंसिरमोरबनाया

॥ नंबत्त हक्के कल्लरे बर बंब बजाया स
हनाइ न लग्गी ललक सिंधू सुनवाया
॥ २८ ॥ हड्डो ती हाजरि भई कटि बंध क
साया हूरों सूरों सत्थ ही वर साज बना
या ॥ यों जावक लग्गे चरन यों लंगर
लाया यों नेउर पग अंकुरे यों मक्कुन आ
या ॥ २९ ॥ यों अच्छोरु कउल्लसे यों दंस
दिपाया यों आहूत बिमान के यों बाजि
मँगाया ॥ यों राग न पाया प्रमुद यों सिं
धुन छाया यों कोन नलाया कर न यों सु
ट्ठि सिलाया ॥ ३० ॥ यों बीणा गन अग्ग
हे यों तेग तुलाया यों रसना आरोपयों
कटि बंध कसाया ॥ यों कुंकुम कुच लग्गि
यों दृढ छत्तिन छाया यों कंचुक मंडे कु
चन यों बख्ख बनाया ॥ ३१ ॥ यों बलया
वलि हत्थ यों दसतान दिपाया यों म

हलभुजबंधसौंसयसज्जसुहाया॥हा
रदवालीदोउघौंउरअंतरआया॥यौं
मुखबीरीओपयौंगंगोदअचाया॥३२॥
यौंमंडेनथनक्कयौंधकिकोपधमाया॥
यौंदृगरेखाअंजनीरजगुनयौंछाया
॥पिंजूसनताटंकयौंयौंकुंडलपाया
सोभासिरसीमंतयौंयौंटोपलगाया॥
३३॥यौंवरीनप्रसूनयौंतुररेनरुका
या॥यौंलगोमनमोहयौंमनमोहबिहा
या॥नेउरपक्खरनादत्यौंबिबिओर
बढ़ाया॥तिक्ख कडच्छासज्जयौंसि
तभल्लसजाया॥३४॥यौंखोडसशृंगा
रयौंउपचारबिधाया॥यौंमनछायामे
नयौंरनपैंउफनाया॥यौंछकपायाउर
बसीयौंनृपउमगाया॥यौंरंभाहुलसीइ
तैंबलपित्थलपाया॥३५॥यौंमनफु

म्लीमेनकायौंश्रमरउम्हायायौंसुघ
ताचीयौंप्रयागसुरागरचाया॥ एत्थसु
केसीसज्जयौंमरजादमुदायायौंबर
घोसानच्चियौंखगतोकतुकाया॥ ३६॥
यौंहरखादतश्रच्छरिनबलभूपबना
यागजबैंडेहूभपालगनबिरुदारमि
लाया॥ श्रंगगरहीमंजिकैंरनरंगल
गाया॥ प्पेकुंभसुबोलदेकुरुबिंदच
ढाया॥ ३७॥ मंडिकलमजंगालकीह
रितालमिलायाजंगहवद्दडारिकैंगु
डसाजसजाया॥ बंधिबरतौंसिरसि
रीधरिधूपधुमाया मोदकगंजमिला
यकैंजलदेगनपाया॥ ३८॥ हूभचाक
रमाकरउच्छटउडिश्रासनश्राया बा
रीबाहिरलैनकौंश्रालानछुराया॥ क
रिश्रगेंकरिणीनकौंरचिडाकडगाया

ककेगलहल्लरेकल्लरिकहनाया॥छो
रिदुबगोंमोरिकैंकरडोरिमिलायान
कबीपायननेउरीमगसोरमचाया॥
४३॥बाजीएनृपबंटिकैंसबबीरस
जायाअप्पचढेहयहंजपैंकरकंजतु
काया॥नाथाउतपित्थलअररयमग
डानमिलायाअमरसिंहरहोरकौंन
दराजचढाया॥४४॥सूरमखानीसिं
हकौंदिलयारदिवासामहलनकाज
प्रयागकौंखगराजखुलाया॥तोकम
हासिंहोतकौंरुपटैतमिलायामुहुक
महरमरजादकौंजयनाददिखाया
॥४५॥इत्यादिकहयबंटिकैंनृपबी
रबढायासोदरजुतसुडांतकौंकोटा
पहुंचायाढुंढारेदलढाहिबेबलअप्प
बनायाबेबेतुग्गसबंधिकैंकमनैंतक

साया ॥ ४६ ॥ बेबेखग्गनलग्गकसिक
रधूपधुनाया बेबेचापबजायकैंसिर
अब्भलगाया ॥ केकतुपकौंधारिकैं
अणुमारिउडाया सेलबरछीसज्जि
केअच्छीगतिआया ॥ ४७ ॥ अच्छेबा
जिउडायकैं मनआजिमिलाया बैंडा
रागअलापियाऐंडाछकछाया ॥ बे
दीजनरसबीरमैंभटछाकछकाया
ज्यौंगिरिनारीगानपैंसिरनागउठा
या ॥ ४८ ॥ कैजुबनबयब्याहपैंनाय
कहरखाया जानिमितंपचरंककौंन
वहीनिधिपाया ॥ अर्कउदेगिरिआ
तकैंबारिजबिकसाया पिक्खिमतंग
जथ्थूलकैंसद्दूलचलाया ॥ ४९ ॥ उत्त
रकैंप बमानतैं घनजानिघुराया जा
निदिवाकरजेठमैंबहुओजबढाया

॥इक्कवतजिमहिमकरउदैअंबुधिउ
फनायासोलहबेरकिसुक्रमैंतपनी
यतपाया॥५०॥पावकमारुतपायकै
हैतिनतुलसायाकामंदकमगलग्नि
कैबलभूपबढाया॥ज्यौंकरिणीकेजाल
पैंसुंडालसुहायाअंधकअग्रगौंआनि
केसिवजानिसजाया॥५१॥गोबर्द्धन
करलेनकौंजिमकह्नकसायाजानिज
टासुरजंगपैंभुजभीमबजाया॥कैग
जकेतनकदनकौंकपिकेतुकुपायाज्यौं
लंघनजलरासिकौंहणउमातुलसाया
॥५२॥कैरावनबधकाजपैंरघुराज
रिसायाकैबाहरप्रह्लादकीनरनाह
रआया॥जिमपकाइकबिंदुतैंदस
गुनदरसायाबढिअैसैंरसबीरमैंच
ढिभूपचलाया॥५३॥इतिश्रीवंशभा

स्फुरेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश
मराशौउम्मेदसिंहचरित्रेषोडशोम
यूखः॥१६॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥कुम्मकटकजबहीसु
न्यौंहठिहंकतहमगीर॥अरतब
हीपित्थलअमरभटआयेनृपभी
र॥१॥ष०प०॥जबकूरमजयसिंह
हईबुंदियदलेलकैंहंतबहिनग
रनिम्मानछोरिपित्थलरानांपंहउ
दयनेअतिधर्मगयोनिजबलना
याउत॥सुपक्कुरानसंग्रामजाहिर
कथ्योसनेहजुतउमरावस्वीयपंद्र
हअधरपालसोलिउप्परप्रथित
बैठारिउअब्बआदरबिरचिहरख्यान
पचालुकयहित॥२॥इकसमयचा

लुक्यनिडर पित्थलना थाउतर हतस
भाबिचरानजप्यो बुद्धहिं अधर्मजुत
खग्ग मुनिंदासुनतभीमउक्क्यो पित्थल्ल
मटपद्दासं हैं सपंचासछोरि हंक्यो बं
छितबट्ट ॥ हुतरानपहुँचिनतिजुत
कहियमाफकरहु अपराधममस
न्नीन तदपि पित्थलसुमति अकवी
तुमअकुसलअधम ॥ ३ ॥ दुजनस
ल्लकोटेससुनतयहसचिवपठायो
लिखिकंग्गारअतिललितबहुतस
तकारबढायो लिखीनगरनिम्मान
नाहइतहीतुमरोघर ॥ आवहु मि
लहिंसुअच्छ बंदिखैंहैं बीरनबरपि
त्थलसुबंचिउत्तरलिख्यो क्यों तुमह
ठमंडतघनैंममजनकहन्यौं आदो
निरनबलिबुंदियबैरियबनैं ॥ ४ ॥

अग्गानगरआदोनिभीमसालमजब
जुट्टियचालुकदेवीसिंहतबहिआसि
धारनतुट्टियकोटापतिपुनिकितवबै
रबुंदियपरलायउ॥दुवकारनदल
बीचमंडिपित्थलपहुंचायउसुनिदु
जनसल्लउत्तरलिखियजानहुनहिं
ममदोसखिजियममजनकहन्यौंतुमरो
जनकबुंदियसनपुनिबैरकिय॥५॥
दो॰॥नहिंरुचितोआवहुनहिनपरि
खद्दबिच्चममपास॥रहियेघरलहिये
रुचिरपटासहंसपंचास॥६॥इत्या
दिकउत्तरलिखिरुदुजनसल्लहित
दिट्ठि॥सचिवभेजिनिजसामकरिबु
ल्लोपित्थलनिट्ठि॥७॥अमरसिंहर
ट्ठौरहुतरुद्दलरामकुलीन॥कछवा
हनबरवाडलियनिकस्योतबछिति

क्षीन॥८॥निजसुतपंचकजुतनिडर स्त्रीजनअनुगसमेत॥सहि विपत्तिकोटासहरआयोनीतिउपेत॥९॥पटासहूंसपैंतीसमितकरिहितदियकोटेस॥डूमरकैंवपित्थलअमरदुवछलतिमिरदिनेस॥१०॥तेभटदुवबुंदीसपरकूरमदलसुनिआत॥तजिकोटापतिकेपटाआयेरनउमडात॥११॥जोधपुरपगजसिंहसुवकुमरअमररट्ठौर॥मरनआगरामंडयोतोरिसाहकोतोर॥१२॥अमरभीरआयेतबहिबल्लूरुभाऊबीर॥पातसाहकेतजिपटाहठिजुज्झनहमगीर॥१३॥तिमहिरानअमरेससुतकरनअनुजभटभीम॥रक्खिरुक्कमसरनैंरच्योसंगरकासीसीम॥१४॥

सगताउतमानसुसुनतछ्छिप्रउदेपु
रछोरि ॥ पर्ह्युंच्यो कासीभीमपैंहंमस्वे
साहदलमोरि ॥ १५ ॥ इमहि बीरपि
त्थलअमरकोंदासनकरिकुव्व ॥ स
मरबेरबुंदीससोंआनिमिलेछकउ
व्व ॥ १६ ॥ अमरसिंहरट्ठौरकीपतनी
केसरिकपूर ॥ दुक्खहुतोबहुदिननतैं
संकोतरपिनसूर ॥ १७ ॥ उतरतच
मु लिआपण प्रियाभईगतप्रान ॥
सोहुअमररट्ठौरसुनिनमुख्योजंग
निदान ॥ १८ ॥ अभयसिंहजेठेतन
यपछोगेहपठायँअप्पच्यारिसुत
जुतअडरअमरसुबुंदियआय ॥ १९
॥ सुहुक्कमहरत्यौंहीमरदमेटनअ
पमरजाद ॥ सूरतुपकसजिपंचस
तआयोनहदतनाद ॥ १९ ॥ सबमटहि

यलाये सु पट्टुव क्रुध्ध हरिवुंदीस ॥ स
हित भीति बंटी सिलह सज्यो जै पुरसी
स ॥ २० ॥ नाथाउत पित्यल निडर स
ज्यो न गुरु सघार ॥ भ्रकवी दुच्छ क्रुजै
जियन लेहुव है यह लाह ॥ २१ ॥ सत
बारह हू मत्र न सजिसादीपर गसमे
त ॥ उडह निकित तत्थ मरपुर खजि
चिंत्यो रन खेल ॥ २२ ॥ तजि बुंदिय उत्त
रतरफ हंक्यो न्त्रप हुसियार ॥ पहुमी
छाई पक्खर न सेलन गगन मझार ॥
२३ ॥ कोस तीन उप्पर कट्ट कमि सेउभ
यर न मोद ॥ उत्तर दक्खिन के ग्रंथ
उमजानि पयोद ॥ २४ ॥ इति श्री वंश
भास्करे महाचंपू स्वरूपे दक्षिणायने
दशम राशौ उम्मेदसिंहचरित्रे सप्तद
शो मयूख: ॥ १७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

श्री॰मि॰॥मु॰दा॰॥उयोरसबीरछयोनृ
पअंगचल्योअबसम्मुहलैचतुरंग॥
चल्योभटपित्थलसंकितसेसचल्यो
सुतच्यारिनतैंअमरेस॥१॥चल्योम
रजादनमाबतनागचलेभटसोदरनो
कप्रयाग॥भवानियसिंहचल्योभटभू
पहनुमानचल्योरनरावनरूप॥२॥च
ल्योहररावुतदेविमृगेसचल्योसग
ताउतत्योंअचलेस॥चलेभटभारत
अर्जुनचंडउदैहरिचालुकओजअ
खंड॥३॥चल्योनरनाहरनाहरबी
रचल्योनवलेसहठीहमगीर॥चल्यो
भटकर्णमहारनचाहिअजीतचल्यो
कछुवाहउमाहि॥४॥चलेइन्हआ
दिबडेबरबीरधपावनसत्रुनखग्ग
नधीर॥चल्योइमबुंदियभूपतिच

क्वचितंडनपिट्ठिरवुलीबहरक्क॥५॥
अडंबरभोरजअंबरओघमच्यो
द्विध्वांतबन्योंरविमोघ॥भयोनिस
चारनआनँदभुल्लिडरेडिगिचक्कि
यचक्कहुडुल्लि॥६॥चलेदूतवारह
सेरनरीसमिलेउतगज्जिहजारपची
स॥तच्योभवमोहभज्योकरतेगउठे
भटराजियवाजियवेग॥७॥धमंध
मिभुम्मिधुजीहयधारघमंघमिघु
ग्घरपक्खरभार॥डमंडमिडाहलडिं
डिमडक्कढमंढमिसिंधुरघंटढम
क्क॥८॥नरायनपिक्खियहुंदियमा
हकह्योजुरियाहिगहोकक्कवाह॥दू
तीकहतैंदुहुंघौंउमरावमिलेतिमि
लेपयसक्करभाव॥८॥कज्योअसि
दडुनअड्डनवाढगज्योभयभीरुन

वीरनगाढ॥दपट्टतलक्कवनभक्क
नक्कायकपट्टततक्कवनकौंकमकाय
॥९॥लकछ्लकिछुट्टियवानविथार
धक्कट्टकिघायनसौनितधार॥कगज्झ
किज्झायुधभाकगमग्गिधगद्धगिउद्ध
यसद्दग्गानज्झग्गि॥१०॥कटक्कटिकं
कट्टवंकट्टबाढखटक्कबटिखावनडा
ढिनिडाढ॥चटच्चटिउच्छटिहड्डुन
संधिगाहग्गाटिगिद्धवपाचयबंधि॥
॥११॥खवनक्कवनिटोपनपैंखुरतार
मनभ्मनिगालिनध्वानभयार॥रूप
रूपिसेननपच्छतिकुंडलपड्डपिलु
ड्डलसिंधुरसुंड॥१२॥रुमंरुमिमारदु
धारनकाटघमंघमिसेलनठेलनआ
ट॥लगेंच्छसिकुंभनफौंकचलावब
ढ्डरदसब्बुवतंतिवनाव॥१३॥भुजं

तरहातकटारनभिन्नखिचैंपरिपंज
रखंजरखिन्न॥कढेंखरतोमरदंस
नदारिफबैंपृथुरोमकिजालियफारि
॥१४॥चलैंचमकैंअसिअोजअपा
रछपाकरबानकलाछबिदार॥नटु
कहिंलुत्थिनपैंनगिलुत्थिउछट्टहि
कहहिंबुत्थिनबुत्थि॥१५॥उलट्ट
हिंघारनतैंभटआयरबैंमैंग्रहजानि
कबृतरखाय॥छुलकहिंछिहब
कहिंघायछुटंजलजंत्रकिजावककाय॥१६॥चलैंटकिजानुनकंपसभि
न्नस्तनंधयकैंलिकिअंगनकिन्न॥
कितंभुवलुट्टतजातअचेतखिचैंज
तुकोटिसडैलनखेत॥१७॥परेक
तिऊरधहत्थपसारिकिधौंहरिमं
दिरबंदनकारि॥बबक्कतकेगिरि

कर बेसम नौंन मिगातरिगात मद्देस
॥१८॥ भ्रट कतपायरकाव नड्डूल
ट कतजानि भ्रधो मुखसिद्ध॥कटे
सिर भ्रब्भफिरैं भ्रमकारि कुलाल्लकिंच
कद्धिंभंडउतारि॥१९॥थरत्थर कात
रकंपकुद्दारबिनौं तियज्यौं नर पोसतु
षार॥उडैं फटि पेट फद कत भ्रंतक
रंडु नतें कि भुजंग कढंत॥२०॥बनैं
नटके भट केरन बादसुज्यौं भ्रटके ज
गदीस प्रसाद॥रचैं दुवहत्थन के भ्र
सिधार किधौंकर खत्तियक दृकुठार
॥२१॥सरैं क्षतजात छिदे उरसैं कि
नखातरजोगुन कील हरैं कि॥गुटी
दृगभ्रोर कढैं दृग लेरु किधौं भ्र लि
कोमलकोरकलेरु॥२२॥धसैं कढि के
दृगसोनितधार बनैं पथ्थरोमनवारि

बिहार ॥ सिचानकअंतहिंलैनभग्गा
तअचानकगोतगुढीसमखात ॥२४॥
दिसाबिदिसाननिसाननन्हभनैंज
नुघोरबलाहकभद्द ॥ तुटीलगिटोप
बजैंतरवारिमनोंहरिमंदिरझल्लरि
झारि ॥२४॥ भई हलमल्लचलच्चलभु
म्मिघ्ध्योबलनागनिसासनघुम्मि ॥
इचैंधनुसिंजिनिबेगबिसालकिधोंर
नथंभतजंभतकाल ॥२५॥ मचैंघन
लोहितफुट्टतमत्थहसैंलखिजुग्गि
निखप्परहत्थ ॥ समप्पतहेरिसंभुग
नसीसअपूरबहारबनावतईस ॥
॥२६॥ थेइत्थेइघुम्मतडाकिनिमत्त
तमासनप्रेतमलंगततत्त ॥ कितेरस
पानपिसाचकरंतरमैंकतिलोहिततुं
दभरंत ॥२७॥ करैंकतिआमिखतैं

अनुरागबनावतकेमुखभेदबिभाग ॥ करैंमृदुकीकसजिम्मनकेकअहारतकोशिकग्रासअनेक॥२८॥ खरेकतिघम्मरसुक्कहिंखातुभयेरनदुल्लभसत्तहिंधातु॥ रचैंसिवहासनचैंभयकारजबैंजियबुंदियकोजयकार॥ २९॥ चहकचहतंतिनसिंधुवसद्दमच्चो रनअंगनयौंअवमद्द॥ गहक्कहिं चक्कहिं गिद्धनिगोदबपालहिमंडतकंकबिनोद॥३०॥ निकासतचिल्हनिचंचुननैंनगहैं हियसेनगहक्कतगैन॥ किलोलहिं स्यारसिबाकिलकारिचरैंपलमंडलमंडलचारि॥३१॥ उठीरनअंगनखग्गानअग्गिलसीअटवीनवज्यौंदवलग्गि॥ जरैंगजढालनतालनजूहज

रैंगजसुंडितमालनजूह ॥ ३१ ॥ कटे
पयकुंभिनतिंदुवृतत्तजरैंगजउन्न
तपब्बयजत्त ॥ बरैं हयबालधितेज
नतंबलगैंलटियालकिदर्भकदंब
॥ ३३ ॥ सिखाबलिसूरनकीत्नगुच्छ
मलीमसकासमुडड्ढियमुच्छ ॥ जरैं
छगणावलिखेटकजालबरैंअसि
कोसपृथग्विधज्याल ॥ ३४ ॥ दहैंद्रुमदु
च्छदछल्लिदुकूलकिरैंचिनगीसुहि
पानकुकूल ॥ जरैंतँहतोमरतेलचि
सारतचैंगवलावलिरूपतुखार ॥ ३५ ॥
प्रजारियभूपतियागलिअग्गि किली
रनरंगमिलीरुगमग्गि ॥ अपूरबफे
लियज्वालअलातबचैंत्नरूजलके
जरिजात ॥ ३६ ॥ अनूरुहिंआतुरअ
किवयअकूचढेरनबुंदियजैपुरचक्क

॥तुरंगमरुक्कहुखंचिखलीनकुतूह
लपिक्खहुबीरवलीन॥३७॥दिसानि
दिसानकसानुदिखाँहिंमच्योदवग्री
खमभहनमाँहिं॥निहारहुहोतन्ध
नीकननासतपैंभुरतक्कहुचक्कत
सास॥३८॥प्रतिलोमानुलोमाईम
॥लुदैनरसीसरबीसमलालतुलेह
थजेमहलेसुकराल॥लराकसुलेह
मजेयहलेतुललामसबीरसरीरन
हेतु॥३९॥अस्मात्सजातीयेष्वेवप्र
सिद्धंगीतनामकंमदेप्रीयंछंदोला
न्तानिकूटवद्धः॥उम्मेदभूपतिअंग
मैंरसबीरसकुलिरंगमैंबरबीरबार
हंसमबीरनचक्कलेचहुवान।जयनैर
सम्भुहजोरसौंमिलिखग्गझारियभो
रसौंबरगुमरअसिबरसमरलगिफ

रकुनरछरतरह्नुनरहतकरजवह्रख
रसरगजरजयधरअडरभरभिलि
कचरघनकर॥अमरपुरसन्निहकर
दरबरउह्नरपरमिलि।मुखरपल्लखर
खचरचयअरखपरखरभरपहरहू
कबजिटकरधरपरधौंरहमघमसा।
न।करबासतोकप्रथागहैंअमरसर
क्खिनभागहैंमरजादपित्थलेअग्ग
मंडियबीचअप्पनबाजिबिरुदालि
बंदिनबित्थरेअतिबेगसम्मुहउप्प
रेबजिकटकदमनकरचकधमचक
अटकदकतकमुलकअकवकअ
छकछकमटललकअतिधकतुपक
चलिहकसलकड्कटकगरकरंगक
कफरकबहरकचमकखुरसुचिरुम
कचकमककिलकडकलगिअजक

च उ च क पुल क स क क र घ म क प र ख र
क अ र क र ज ढ क आ जि ॥ अति मोद
जुग्गिनि उल्लसैं हर देबिनारद त्यों ह
सैं डर देत लेतड कार डाकिनि प्रेत हे
त प्र सार। क मनैत तीरन तानिकैं प
खरैं त बेध त पानिकैं बुध तनय हित
जय प्रणायन वबयरु पयरन सुम अ
भय अति सय बिषय चय सुवबलय
बिसमय मलयमयभयसमयनिर
दयउदयर बिनयनिलय अतिरय
अजयखयकर अखयजय अयउ
भयसयपयहृदय अपचयकटयभ
टस्मयनिचयहयगयमारहीनसुमा
र॥ तुरगीरचैंकतितेहरीकिमुअद्रि
लंघितके हरीफटिमत्थभेजनज्जुत्थ
फैलतनूतनकिनवनीत। छिकिदो

पवाकुलउच्छटैंकटिकालिकंकटकी
कटैंभटगरटमिलिघटपुरटच्छटप
टकुघटघटपरिअवटकटिकटक
पटतटअतिरूपटरनअटउबटब
टरटबिकटरह्वचटपलटनठगति
उलटरूटघटउछटखगरूटनिपट
अघटटह्वपटदियमिलिनिकटम
तिभटरपटमचिरनमकटरजबट
जुरतचाहतजीत ॥ ५० ॥ अंत्यानुप्रा
सिनीरोला ॥ बुंदीजैपुरउलटिबीर
आयेतिअरवारैं गायकसिंधूतारप्या
मअलापउचारैं ॥ भुम्मिमचक्कैंकट
कभारफननागपसारैं ऐरावततैंसु
मतीकलगचीहचिकारैं ॥ ५१ ॥ दह्व
किदहकिदोलेयराजकिरिराजपुका
रैंलवणोदकसौंसुद्दनीरलगबट्टन

बिचारैं॥बलसूदनसौं बामदेव लग्ग
अज कउसारैं बड वामुखसौंब्रमलो
कलगंसो कसम्हारैं॥४२॥इम हड्डैक्रु
रमअभंगबलजंगबिथारैं बज्जैंआ
युधनिस्शितबाढअपरिबाढउ तारैं॥
फूटैं सिर तर बूज फाँकक ढि लॉँकुढा
रैं हत्थिनंमत्थैंचंद्रहासदुव हत्थनका
रैं॥४३॥सुंडादंडनखंडखेरिअहि
रूपउ तारैं केउद्दंतसंग्रहि कलापह
ठिहं तनिकारैं॥सेकिममालाकारसो
भअतिजोरउपारैं आधोरनघुम्मैंअ
चेतकपिज्योंद्रुमकारैं॥४४॥कुंभन
तैंगजभद्रकेकमुत्ताहलढारैं मानों
मेचकबारिबाहडिगिसीकरडारैं॥च
उसट्ठीमारैं मलंगवावनबबकारैंहा
कहकारैं केकजानिगजमारगलारैं

॥४५॥फुट्टैं बकतर सिंगि फेट बधु कै
धिबि ह्वारैं टकर नतैं नागोद टोप बल
खगन बिदारैं॥रुक्कै पायर का बजोर
सादी सिसकारैं सज्ज्व कज्ज्वल खनस्रू
रज्य सिपर खउ घारैं॥४६॥करतुट्टैं
जैसैं पृदाकु फन पंच उफारैं अंत्राव
लि उर झैं कटार जनु बडिस बिसारैं
छुरिका छल्लिन छेदि छेदि मस्कार छ
बिमारैं॥४७॥बुंदीजे पुरलाज बाद
परि उभय प्रहारैं अमरपुरे कीसीम
अंत नर कुणप निहारैं॥लोहितलं
वीछच्छ कछूटि प्रेत नजकपारैंसाय
कभय दायकदुसार घायक घटसा
रैं॥४८॥सरिताभोवह्न संपरायजल
सौनितधारैंबुंदीजे पुरतट बिलंद
घटबिकट किनारैं॥फुल्लिकसेसयह

दय फाँक छबि अतुल अपारैं उतप
लग न लोचन अनूप क्रुवबिकच ह
जारैं ॥ ४९ ॥ दुंदिंदिर उप्पर अनेक गु
टिका गुंजारैं गजन दंतक दिगिरेसु
कर हाटकितारैं ॥ तंबेरम कुंभीरतु
ल्य बलवान बिहारैं बाजीगन अवहा
र बेस मिलितास मरारैं ॥ ५० ॥ सुंडि
पतित अंकुस समेत बनि बडिसबि
सारैं जिरह गिरीआनायजानि पल
कर्द्दम पारैं ॥ कटिक टिउद्दुतकाल
खंजसुहिकमठ सिधारैं बुक्का चय
द्दुर बिडंबि बक्रु फदक बिथारैं ॥
५१ ॥ अंत्रावलि अलगई रूप संच
य संचारैं जल नीलीनि भसि चय
जाल इत तिर तन अपारैं ॥ जत्थ ज
लौका जूह की सुधम नीछबिधारैं

गंडकसंचय अंगुलीनबनिच पललि
हारैं ॥५२॥ हत्थनिहाकानिकरहाय
करिचलतकितोरैं कंटलिलकलिच
रैं कुलीन श्रुतिसीपसुढारैं ॥ संखलनख
रु संबूकसंखकीकस अनुकारैं आ
स्थिचूर्णसिकता अनूपनरसरनिहा
रैं ॥५३॥ आवरणक आवर्त्तरूप अ
टिचक्रउथारैं धूमलहरिउट्ठैं अने
क अतिबातइसारैं ॥ कुंभकरीकेत
कबाकधुवपीतनधारैं छेदीगिरत
हयच्छटासुसारससंचारैं ॥५४॥ चा
मरबनिचकांगरूपबकटोपनिहारैं
घनकारंडवगजनघंटगिरिगिरि
गुंजारैं ॥ उच्छलसुआ टीकपालस
मकिलकारैंगज अंगुलिकटिक
टिगिरीसुसिखरीनसुहारैं ॥५५॥

कातरबीरणातंबकेककढिलगिकि
नारैं अंगगाटककरसूकसंघबिचदेत
बहारैं॥ऊरुपतितसिसुमारन्अाभ
गलउद्रन्अपारैं घुंटकघनसालूकसो
भधरपातितधारैं॥५६॥निडरपरा
कमपृथुलनावनयमंगनिहारैलंबे
केतनबरदवानपवमानप्रसारैं॥
प्यारेदुल्लभप्रानरूपन्अातरकरिडा
रैंबीरनियामकरसबिसेससुहिपा
रउतारैं॥५७॥उट्टैं घायललपनरु
ग्गबुदबुदन्अनुकारैं मज्जामेदन्अने
कन्अो घडिंडीरदिकारैं॥अैसीदुस्त
रन्अापगासुकुवस्रोतहजारैं बुंदीजे
पुरउभयबीरतिंहिंतिरनबिचारैं
॥५८॥दो॰॥अैसीदुस्तरन्अापगाब
हेतिरनबरबीर॥इतउतकेन्अाह

वअडर धाराधर करधीर ॥५९॥ छ॰प॰
॥इतपित्थलचालुक्यअसहकूरम
मतापउतइतकबंधअमरेसउतसु
जहवदलेलद्दुतइतमयागचढुवा
नसुरतउतकुम्भसुमंतह ॥इतमर
जादअसंकउतसुकूरमजसवंतहद
ततोरूविजयकछवाहउतइतउन
कुम्भअजीतद्दुवइतदेवहद्दुहम्मी
रउतहरखिकुम्महमगीरद्दुव॥६०॥
दो॰॥हद्दुभवानीसिंहइतउतमाध
वकछवाहइतसगताउतअचलउ
तसंकरकुम्मसिपाह॥६१॥च्यारि
मररद्वोरसुतअबतिनकेअभिधा
न॥इतभैरवअंगदअचलउतकछ
वाहअमान॥६२॥इतकबंधनवले
सउतभटकूरमभूपाल॥इतसत्तमा

लकबंधउ तज्जुनकुम्मअवाल॥
॥६३॥अडरसिबाईसिंहदूतरनपं
डितइहौर॥अभयसिंहकछवाहउ
तमिलिउभयभटमोर॥६४॥इतसु
भटहूंदीसकोसुव निपुनजगराम॥
उदयसिंहपरमारउ तकुपितभि
र्योजयकाम॥६५॥उभयउभयदूल्या
हिजुरिअनीभ्रमरउमराव॥किन्नां
रजरबिमल्लकविवरनैंविरुदवहा
व॥६६॥प०॥चालुकबरपित्थलजं
गजाहनाथउतपुरनिम्मानजाह॥
पैंसबिपदलिमादीपचीससजिव
लियकुम्मपरतापसीस॥६७॥उत
तैंप्रतापहयसतउपेतरविजित्या
गैंसमुहबीरखेत॥पित्थलउरमा
रियभालपंचरनबीरयहदुसंक्यो

नरंच ॥ ६८ ॥ मारकसिर झारियमंडल
ग्गकटिटोपकछुकसिरखगियखग्ग
॥ तससुभटडूहांडकवारकिन्नकर
सब्बसांगदसुकरियभिन्न ॥ ६९ ॥ दै
जातचलियपित्थलकपानसिरभि
न्नहोयञ्चरिभुवसयान ॥ पुनिहनि
प्रतापकेसुभटसत्तञ्चायोउडायह
यडूतउमत्त ॥ ७० ॥ हयखंधतेगझा
रियप्रतापहयगिरतभयोपयचार
ञ्चाप ॥ हयहीनतिमहिकरसब्बही
नपुनिहनियकुम्मभटनवप्रवीन
॥ ७१ ॥ इहिंविचप्रतापझारियकृपा
नपित्थलकव्योसुतिलतिलप्रमान
॥ सन्नाहलयोंनहिप्रथमसूरपानि
पदिखायतेंसोहिपूर ॥ ७२ ॥ सन्नह
ञ्चरितेरहसुभटसत्थुसजिडकजो

कपट्टुंच्योसमत्थ॥ रट्ठोरअमरजट्ट
वट्टलेल खिजिईतमंड्योबीरखेल॥
७३॥ तेतीसपदगढ्ढतकतितुरंगउ
तसतरुसढ्ढिअनुक्रमअभंग॥ ल
खिकहियपरस्परवाहवाहबाहद्दु
तुमबाहहुनवसिपाह॥ ७४॥ भिरि
अथमरचियसेलनभचक्करभिदाव
धावकावनरचक्क॥ इमफिरतबा
जिदोउअउडानिदुवभंडदंडभृतच
कजानि॥ ७५॥ ननुकेदिनेसअरुजा
मिनीसगरदायफिरतहाटकगिरी
स॥ आबर्त्तउदधिजिमदुवजिहाज
बलिकिमुकपोतपरउभयबाज॥ ७६॥
दुवपत्रपातचक्कफिघिरंतकल्याकि
उभयफुंद्दियफिरंत॥ दुवलदुवजा
लिनदसिरदिखायइमफिरियवीर

वाजिनउड्डाय॥७७॥अमरेसमुक्कि
तोमरअभंगजद्दवहयबेध्योनिडर
जंग॥हयगिरतअपरआरुह्दिदले
लमास्योकबंधउरसुभरसेल॥७८॥
सहिसेलअमरहनिसत्रुसत्तमास्यो
दलेलअसिबरउमत्त॥जद्दवहिंमा
रिअमौंजगामभिंडोभटेससीसोद
स्यां॥७९॥दोउनरूपानकारियदुह
त्थमृडमालमज्झगयउभयमत्थ॥
अरिनवपचीसनिजभटउपेतरद्दो
रगयोनिर्ज्जरनिकेत॥८०॥इतभट
प्रयागइकहिअभंगसुरतेसउतसु
हयसहिसंग॥मिलिउभयजंगमंडि
यअमानबदिवाहवाहसिवकियब
खान॥८१॥पहुप्रथमतुपककारिय
प्रयागअरिदोयहनियजिमआखुना

ग॥ डक्कराय बाजि पुनि तुपक डारिक ठिहिं तु काल नागिनि निकारि॥ ८२॥ सुरतेस निकट पहुंच्यो प्रयाग फिरि मंडल खेल्यो हेति फाग॥ जेजे भट पिल्ले सुरत जत्थ ते ते प्रयाग सब हनिय तत्थ॥ ८३॥ इम फिरत हड्डु हैवर उताल जिम अनिल लग्गि तृन बिपिन ज्याल॥ तियमृगिय सुरत जिम नर तुरंग इम सुरत हड्डु दव्यो अभंग॥ ८४॥ आघात खग्ग दै दै अनूप कियबहुत कुम्भ आलक्ष रूप॥ खट सुभट सुरत पिल्ले रिसाय पहुंचे प्रयाग पर रनरिसाय॥ ८५॥ अभिमन्यु लख्यो खट रथिन आजि बिफुरयो प्रयाग इम दपटि बाजि॥ दुव मारि च्यारि घाय लगि राय खट्ट असि म हारतिन के

हुरवाय ॥ ८६ ॥ सुरतेसमसीस हं कियं
सजोरमान हुलरविजिह्मगमत्तमोर
॥ इकजवनन्यानि इहिं बिच्चउमाहि
वेध्योप्रयागसितसंगिबाहिं ॥ ८७ ॥ ज
हिं संगिसहित घोटकउडायकढ्यो
सुमिच्छसुनिपिहुलकाय ॥ यहँसुर
तसिंहकियरवग्गवारमारयो भया ॥
मृडजानिमार ॥ ८८ ॥ ढुंढत जिहिं
हारेकंकढेंक नहिंमिलियलुत्थिप
लचरननेंक ॥ अवसिद्धरहियन
हिंलेनअग्गिलुत्थिसुप्रयागगय
अपसिनलग्गि ॥ ८९ ॥ हनिपंचच्यारि
घायलबिधायपत्तोप्रयागनिर्ज्जर
निकाय ॥ मरजादसुमुक्कमच्छअन्व
वायसतपंचपदगसादीसजाय ॥
९० ॥ इतचलियपिक्खिजसवंतऔ

रघुरधरकलायपतिकुमरधीर॥व
हहूसजिखढसयअश्ववारहमगी
रपद्दिकत्योंहीहजार॥९१॥मरजा
दसीसधारतमरोरआयोराजाउत
रचतरोर॥मरजादमत्थतकिलीर
लीनदपदायवाजिकछवाहदीन॥
९२॥मरजादसुभटइकनाममान
कूरमहयमारयोदेकपान॥जसवंत
अफरहयचढिजरूरसमसेरहन्यों
वहमानसूर॥९३॥कूरमनिजजद
नसुभटदोयहड्डुसिरहूलेकुपितहो
य॥दैचक्रदुदुंनमरजादबिंटिभाल
नप्रहारकियभिंटिभिंटि॥९४॥दु
लहइुदुकुनतोमरबिदारिजदवन
लयोमरजादजारि॥रट्ठोरबकुरिपि
कोरिसायखगमारिदइइलियसोड

खाय॥९५॥पठयं इम कूरम दस सि
पाह लिन्नेति मारि लगि बिजय ला
ह॥ हड्डा सुमेरु पठयो ब हारि दिन्नौं
कपान तिहिं खंध दोरि॥९६॥उपवी
तउ तरि मरजाद अंस बे ठेन नुत्र भि
ह्नि पष्षि वंस॥हट्टिं घायभ यो संभर
अचेत रिक्ख्य रिय मोह दरि परि य
खेत॥९७॥तजि मोह बढुरि विनु
हीतुरंग जस वंत हिंतु किय उद्दिजं
ग॥पुनि मारि अह कूरम भ बीर तुत्ता
सतल्प संगर सधीर॥९८॥इम खाय
सत्रुन कों नवीस बलि कारि अ कतया
यलब तीस॥ विंटियत ब अच्छरि
डारि बाँह्हि मर जाद पत्त इम नाक मा
हि॥९९॥चौरासी निज भट रहिय
खेत सत दोय भये घायल सुचेत॥

हूत तोक सिंह मिलि छो हयअंगउ त
बिजयसिंह कूर मअप्रभंग ॥ १०० ॥ दु
वद पटिबी तिरीतिन दिखायदुव
करतवार असि घायदाय ॥ रनचत्व
रद्रुवजयरवंभरूपदुवस्वामिधर्मध
रमटलामूप ॥ १०१ ॥ दुवद्दिर दइ कंधे
सुक दिखात दुव सिंह जानिइकब
सख्यात ॥ यँहँ तोक चंड असि बरच
लायत तिवज्र बिजय दिन्नौं गिराय ॥
१०२ ॥ इत अजित अजित कछवाह
दोय द्विथियार मार मिलिमत्त होय ॥
गोलिन लगि दोउ न हय गिरंत क्षेप
टिक जुरे बलवंत हंत ॥ १०३ ॥ अात
पि उभय जिमजुरत जुद्धकेधौंचरना
युध उरकि क्रुद्ध ॥ जिमचौटिनखर
खरकोनजंग दक्षाय्यकं कजनुअतु

लदंग॥ १०४॥भिरिइमभवीरबनिछि
न्नभिन्नकरिकित्तिदुहुनदिवबासकि
न्न॥इतदेवसिंहहड्डाउदार हरदाउ
तसत्रुनगिलनहार॥१०५॥हम्मीर
कुम्मसिर बिरचिहाकजमकतलक
रतश्चायोकजाक॥मिलिउभयभाइ
पदसुदिरमानश्रासार हेतिवरख
तप्रमान॥१०६॥हम्मीरइहाँकरि
श्रसिप्रहार हदेबनराख्यो अम्ब
वारतबपदिक होयरचिनटमलंग
सारसनमट किश्रैंच्योसुसंग॥१०७॥
पयचारउभयइमबनिप्रवीरहह
पुब्बजुरिगदेवरुहमीर॥हलकारि
खग्गझारतदुहत्थललकारिहोत
पुनिलुत्थिबत्थ॥१०८॥तुट्टियलगि
दोउनश्रसितनंकिकहारतबहिम

रियफनंकि॥ छममल्लजुद्ध पुनिरचि
च्चछ्छेहदुव बीर गिरिंद्द मच्छरि दह
॥१०९॥ षं०प०॥सुभरभवानिसिंह
महासिंहौ तउमंडिद्दतउ तमाधव
कछवाहहालियनिजस्वामि विजय
हिलखुर नच्चग्गाभुवखुंदिमुंदिप
ग्गसहस्समुख॥तुमुलफरितरवा
रिधारिमंडियरावनरुखमिटिग्गुम
रपि द्विकच्छपमुरकिढुरकिनिट्ठि
ढवढ बिगभीरुनभटसधिकरि
भिरतदिकारिगनचिकारिद बिग
॥११०॥ जिमच्चाखंडलजंभसब्बसा
चीराधासुतस्वामीतारकसूरभीम
कीचकबलच्चद्भुतपुनि हलहेलि
लंबसूनसायकच्चरुसंबर॥च्चं
निनंदनच्चक्षबज्जतुंडरुकाकोदर

मैनाकस्वमाजितसुरमहिषन्प्राज्ञ
गवीन्प्रंधकन्परनइहिंगीतिरूप
टिन्त्राहवन्प्रजिरबीलिकपटिल
ग्गेलरन॥१११॥कूरमकोकरवाल
हइुक्रिक्ष्योतोमरपरकटतकुंतन्प
सिकट्टिन्प्रनखिक्तारियइहिंन्प्रनस
रकूरमकोसिरकट्टिनिडरकियरुद्र
निवेदन॥ इमन्प्रसतरहिन्प्रप्पन्प्रपरि
नमंडियउच्छेदनबरबाजिनावरखे
यकबलियकुच्छेयकदियबलिकर
टजयधारिफिरिगजानियजगतभि
रिगभवानियसिंहभट॥११२॥हूल
सगताउतन्प्रचलसिंहकूरमउतसं
करइतभवीरलवन्प्रंसउतसुकुस
वंसभयंकरइतबुंदियधरन्परस्उ
तसुदुंढाहरतालक॥उदयनेरइत

ओपउ तसु जैपुर उज्जालक इत इ
कउ तसु दस हय अधिप इत सिव
रसक बिजउ उत कलिकार फुरे हि
य सुम बिकसि निकसि जुरे कलिका
र नुत ॥११३॥ दो॰ ॥ दसदस के लिम
हार कुंवर हे तिं घायल रंग ॥ आयु
भये बल भान यहं हं मेटी त्रिदिव उमं
ग ॥११४॥ इत भैरव अमरेस सुत
रन को बिदर ठोर ॥ अर अमान कछ
वा हउत जवीं जुरि गअ प्रति जोर ॥११५
॥ कूरम रहग्गा कबंध कैं दिन्नों तमकि
म दंध ॥ कढि वा कुल कर अद्ध कटि
कै टोल गि मणि बंध ॥११६॥ ऐसैं हीं
इक अंस पर खायउ भय लस रवग्ग
॥ मार्यो कुम्भ अमान कौं इमर ठोरउ
इग्ग ॥११७॥ पुनि कूरम भगवंत प्र

तिजुख्योमलंगतमत्त॥दोउनच्चसि
नरछाकछकितजेकलेवरतत्त॥११८॥
हलकबंधनबलेसउतभटद्रमभूपा
ल॥न्यरहुजनजोरेउभयकरतिच्छ
नकरवाल॥११९॥सानोंमहवमेघमें
चपलाजुगचमकाय॥कटकेदुमकम
कायदुवदुवलदेधनघाय॥१२०॥
हमहिंवीरसनमानइतउतच्चर्जुन
कछवाहतिलतिलकटिपहुंचेत
विषलेदुवच्छच्छरिलाह॥१२१॥च्च
डरसिवाईसिंहइतसूरच्चभयउत
सज्जि॥परेखेतघायलउभयरुहिर
छछकतरज्जि॥१२२॥इतभट्टसुबुं
दीसकोजयगाहकजगराम॥उदय
सिंहपरमारसिरधप्योप्रसारनधा
म॥१२३॥कुंतड्डकपरमारकोखाय

म्हारिय खग्ग ॥ किन्नौं प्रबल करोदि
या धारि सिर खंध धलग्ग ॥ १२४ ॥
उदयसिंहकौं मारि इम विंध्यो जद्दव
बग्घ ॥ केहू छोरि दिय पत्त दुव अच्छ
रि मंडिय अग्घ ॥ १२५ ॥ ज्यौं संगर क
न उज्झे कै चंदल ल्यो असि चंड ॥ हम
नु त्यो जगराम यैं हैं खंड बलकारि बहु
खंड ॥ १२६ ॥ इत्यादिक इत उत लर
त हुव सुभट विसेस ॥ बिच असिम
रत हुव सुबड पहर चंड दिनेस ॥
१२७ ॥ मु० दा० ॥ चल्यो इत भूपति भ
रत सु भग्गि जरैं अरि घायल डारन ल
ग्ग ॥ इतैं उत घोर मचैं अब मद्द इतैं
उत आवहिं आवहिं नद्द ॥ १२८ ॥ इ
तैं उत मुंड नचावित घुम्मिहि तैं उत
ढेलत घायल घुम्मि ॥ इतैं उत सु

लिलुत्थिय नलुत्थिय इतैंउत बाढ बिसि
रतबुत्थिय ॥१२९॥ इतैंउत खंजर हो
त दुसार इतैंउत कुहत पहिस पार
॥ इतैंउत होत तुपक्कन मग्ग इतैंउ
त बेधत सेलन अग्ग ॥१३०॥ इतैंउ
त तीरन दंक्कत गैन इतैंउत सद्दत
संगिन मैन ॥ इतैंउत उग्र रचैं रनशो
र इतैंउत पातगदान्न अतिजोर ॥१३१
॥ इतैंउत चापन चढ्ढत चक्क इतैंउ
त धूपन कीय सचक्क ॥ इतैंउत याग
तिन्नायुध बुद्धि इतैंउत सुद्धि न मार
त मुद्धि ॥१३२॥ इतैंउत मौंहँन कुंच
त मुच्छ इतैंउत उड्डत गोदन गुच्छ ॥
इतैंउत अच्छन लाल लीह इतैंउ
त कातरकी सुरि जीह ॥१३३॥ इतैं
उत तुट्टत संकुलि सीस इतैंउत स्र

ररिझावतईस॥इतैंउतडाकिनि
खीझतखेतइतैंउतपानिमसारत
प्रेत॥१३४॥इतैंउतडोलतच्चंचन
च्यालइतैंउतफुट्टतकंठकपाल॥इ
तैंउतधावतसोनितधारइतैंउतकी
कसकूंदकच्छपपार॥१३५॥इतैंउतनैं
नढछुट्टतकड्ढिइतैंउतबाढफट्ट
क्कतवड्ढि॥इतैंउतटोपनकत्तर
ट्टकइतैंउतहुल्लरवहूरवहूक॥१३६
॥इतैंउतगावनगावनहारइतैंउ
तजच्छजपैंजयकार॥इतैंउतनार
दच्छकवतवाहइतैंउतसाकिनिदे
तसिराह॥१३७॥इतैंउतचौंकिफि
रैंचउसट्ठिइतैंउतसूरनसज्जसमृ
द्धि॥इतैंउततंडवमंडतरुंडइतैंउ
तकुक्कतमुंडनरुंड॥१३८॥इतैंउत

बाहुकुबाहुकु लुस्लिइ तैंउत मारल तेग
नतुल्लि ॥ इतैंउत बाजिनवग्गतमासह
तैंउत कुट्टतगौवरग्राम ॥१३९॥ इतैंउ
तपक्खरघंटन घोर इतैंउत अग्गिसि
लग्गत सोर ॥ इतैंउत बद्दलके अनुका
र इतैंउत लोहित छुट्टत बार ॥ १४० ॥ इ
तैंउत चापसु लासवचाप इतैंउत गज्ज
सुगज्ज अमाप ॥ इतैंउत सीकर गोलि
नगोट इतैंउत दंतिन दंतव कोट ॥१४१
इतैंउत ओजइरम्मद धारि इतैंउत (
त्यों तडिता तरवारि ॥ इतैंउत झेल झ
हरवल्ल इतैंउत घुग्घर रद्दुर गल्ल ॥
१४२ ॥ इतैंउत बीरसु उप्पर बात इतैं
उत सूर मयूर सुहात ॥ इतैंउत चात
कघंटन आलि इतैंउत अस्थि किरैं
करकालि ॥ १४३ ॥ इतैंउत कातर भी

लिउदासइतैंउत दूरदूषीबलब्रास
॥इतैंउतजोगन ह्वैचिनगीनइतैंउत
स्यामघटाकरटीन॥१४४॥रच्योनृप
यौंरनधाउसरूपधपावतसत्रुनतैंनि
जधूप॥लयोढिगजायनरायनदास
प्रहारनमाररचीचहुंपास॥१४५॥भ
ज्योगजखत्रियकोलखिभारभयोतवकु
ह्निऱहैप्रसवार॥इतैबिचकूरमबिक्र
मआयदईतरवारिघनैंकरिदाय॥१४६
॥भयोतिहिंहंजकहैपयभिन्नतऊन
पढायहनैंअरितिन्न॥भिर्योवहवि
क्रमआनिवहोरिलयोनृपकूरमको
सिरतोरि॥१४७॥यहैलखिकूरमभै
रवआनिजुर्योनृपतैंदलमारतजा
नि॥महीपतिउप्परखग्गसुमोच
लयोकढुपंसुलिपैंकटिकोच॥१४८॥

करीपुनिहंजहयच्छटचोटकस्योक
छुपैनरुक्योनृपघोट ॥ चलीनृपकीत
पकीतरवारिलयोवहभैरवमारतमा
रि ॥ १४९ ॥ इतेविचकुम्ममिल्योमहला
पहयेसरच्यारिचटद्दुतचाप ॥ लगेनृ
पकेदुवदारितदंसलगेहयकेदुव
दाहिनअंस ॥ १५० ॥ रुक्योनहिरंच
तऊनृपओजचल्योअरिमारतफार
तफोज ॥ तहांपुरपीलपतीचहुवान
भिरेदुवथानतथासुरतान ॥ १५१ ॥ न
रूहरत्योंहरनाथततीयहन्हेंनृपरु
क्कियगाढगरीय ॥ उभैचहुवाननका
रियखग्गकरेतिनकेसिरभूपअलग्ग
॥ १५२ ॥ तथासहिनारबकीतरवारिल
योहरनाथहुकोहयमारि ॥ घनीइम
जैपुरबारनजारिकरीनृपजंगिनिकं

कनमारि ॥१५३॥ जहाँ हरदाउत हून
गराजलख्यो नृपको भट तुंदियलाज ॥ क
हारहखी दुरह्यो नृपपास लख्यो सहदे
लतरामरखवास ॥१५४॥ मरे भट भूप
तिके सत तीन भये सत पंच कघायन
खीन ॥ तथा सट भीरु भजे सत च्यारि र
चीइम जैपुरतैं नृपरारि ॥१५५॥ तथा
सत च्यारि मरे च्चरि तत्त परे पुनि घाय
लइ सत सत्त ॥ नरायन खेत खरोभ्र
घथोय घनौं दल क्यौं न तहौं जय होय
॥१५६॥ कह्यो नृप तुंदियपैं धकधारि
मरैं तब कौन करैं पुनि रारि ॥ इतैं कछ
वाह नखेजिय खेत लख्यो रन भ्रंगन
चित्र उपेत ॥१५७॥ कहैं तरफैं भट दह
दत सास लरैं कडुं लुत्थि करैं कडुं हा
स ॥ बकैं कडुं घायल इसुधि हीनज

कैंकहुँजानुनमुक्कातकीन ॥१५८॥ छुरै
कहुँन्येत्रन डारतग्गीव फिरैंकहुँनैंन
चलैंकदिजीव ॥ करैंकहुँसुंडिनकेउ
पधानरटैंहरिकौंरनतल्पसयान ॥
१५९ ॥ लगैंकहुँमत्तपरासुनन्योटहु
रैंकहुँलेनकबूतरलोट ॥ मरैंकहुँब
छुकरैंउनमत्तधरैंकहुँसीसकलेजन
छत्त ॥ १६० ॥ गिरैंकहुँपायपटक्कतभु
म्मिरहेकहुँरुद्दिरकाबनरुम्मि ॥ लरैं
कहुँभूतनतैंभरिबत्थनरैंकहुँजावक
जंत्रसमत्थ ॥ १६१ ॥ परेकहुँबीरन्यधो
मुखमूरिहुरेकहुँगाफिलचहलधूरि ॥
दबेकहुँकुक्कतहत्थिनहेठजरेकहुँप
त्थर्मैंदबजेठ ॥ १६२ ॥ रहेकहुँकुंजर
कुंभनलग्गिमनौंजुवतीनन्यनन्यजग
जग्गि ॥ तिरैंकहुँसोनितआकुलकात

भिरैंक कुंभेदत गिन्हनगात ॥१६३॥ क
रैंक कुंदंतन तैंकटकहजरैंक कुंजुगि
निपैंरहपद ॥ पटैंक कुंकषाक ह्यो व
हन्नानभनैंक कुंसांख्य बनैं भगवान
॥१६४॥ चखैंक कुंलोहितओठनचबि
दुरैंक कुंकंकनपंखनदबि ॥ अटैंक कुं
आतुरइकहिपाय हटैंक कुंपीडितजं
पतहाय ॥१६५॥ कहैंक कुंबैद्यबुलाव
नवल्लचहैंक कुंअच्छरिकों रसरत्त ॥ रु
लैंक कुंघोरनपैंमृतरुंडरुलैंक कुंतं
डवमंडतरुंड ॥१६६॥ खिजैंक कुंचि
ल्हनिपैंपलखातलसैंक कुंफेरुनमा
रु तलात ॥ गहैंक कुंस्वाननतोरतमू
द्वबुनैंक कुंसाकिनिकेहितसूद ॥१६७॥
नटैंक कुंअंतकदूतनभीतगिनैंक कुंरीझ
लड़ाकिनिगीन ॥ मिटैंक कुंप्रानअपा

ननमेलसिंटैंकडुंग्रोतनिहारलसेल
॥१६८॥लखैंकडुंनाकजुरावनबि
ख्खकहैंकडुंकायनतोमरतिबख॥न
येकडुंदुल्लहचिंततनारिकहैंकडुंपु
न्हहिपुचपुकारि॥१६९॥डिगैंकडुंलि
डिगहैंलयपुच्छमिलैंकडुंउद्विमरो
रतसुच्छ॥जकैंकडुंबाजिरलकातजो
नहलैंकडुंहथ्थियसुंडिबिहीन॥१७०
॥छुरेकडुंच्यानकडुंदभिफुहिडरेक
डुंकेतननतेगनलुहि॥गिरेकडुंपहि
सखग्गकमानगिरेकडुंखेटकतोमर
बान॥१७१॥गिरेकडुंबाडुलकंकटदो
पगिरेकडुंकोसउरंगमच्योप॥गिरेक
डुंगंजकमेलकखंडढरेबनिजारनके
जनुटंड॥१७२॥गिरेकडुंपक्खरबग्ग
खलीनगिरेकडुंतंगखरेरखगारलीन

गिरेकडुंहुल्लनजेयजगाह गिरेकडुंपो
थलजांघलखाह॥१७३॥गिरेकडुंगेव
रसोहिअसाप गिरेकडुंअंकुसघंट
कलाप॥गिरेकडुंपुष्करआसनकान
गिरेकडुंपेचकओप्रतिमान॥१७४॥
गिरेकडुंकुंललमुच्छकुघाट गिरेक
डुंमुंडरुतुंडललाट॥गिरेकडुंनेत्र
रदच्छदलल्ल गिरेकडुंनकथ्वनिग्र
हगल्ल॥१७५॥गिरेकडुंकाकुदजिभ्भ
नजूह गिरेकडुंमल्लकदड्डसमूह॥गि
रेकडुंबीतनत्योंरुकफाटि गिरेकडुंका
कलकंठककाटि॥१७६॥गिरेकडुंकू
र्परखंडिककंध गिरेकडुंजत्रुभुजाम
लिबंध॥गिरेकडुंअंगुलअंगुलिटूक
गिरेकडुंज्योंकरत्योंकरमूक॥१७७॥
गिरेकडुंअंगुलिरीढकतोम गिरेकडुं

पुष्कसकालिकल्लोम॥ गिरेकद्धुं ना
भिपुरीततिगंज गिरेकद्धुं फुल्लिफबैं
हियकंज॥१७८॥ गिरेकद्धुं त्यौंत्रिकस
त्थिनसंघ गिरेकद्धुंजानुजुदेजुगजंघ
॥गिरेकद्धुं पिंडियगोहिरकुट्टि गिरे
कद्धुंपडियघुंटकतुट्टि॥१७९॥लख्ये
कछवाहनयौंरनथ्थानधरेसबघाय
लखोजिनृजान॥निकारियसल्यज
थासुरकारचिकित्सकबुल्लिरच्योउ
पचार॥१८०॥मरेतिनकेबिधिसौंकि
यदाहबनैंतिमप्रेतक्रियानिरबाह॥
दिवावतयौंजयदुंदुभिडंकचल्योप्र
बद्धुंदियजैपुरचक्क॥१८१॥बियारत
बद्दनम्प्रप्पलम्भानउब्बतसत्रुनसी
मम्प्रमान॥जयोनृपकूरसम्प्रकवत
जोधकथंचितभेजुसम्भावलकोध॥

१८२॥महाबलजोजयकेहुकमनम्रमारतभ्योइककुंदियपत्त॥फुरीफुनिफेइकपेपचरंगदिसाबिदिसानसुन्योंयहदंग॥१८३॥भयोमनमोदितकूरमनाहसबसैनहिंभ्रपियवाहतिराह॥करेगजवाजिपटाबरवसीसगिन्योंजयसिंहजभूपहिंईस॥१८४॥इयेसबभूपनफौंजयपत्रलिखोवहहम्मज्योतजिहम्म॥सुन्यावहिंजोतुमरीभुवमांहिंततोहुतकछुडरकछुनांहि॥१८५॥लईइमबुंदियउम्मदलोरिजिलागढकोटसजेबलजोरि॥किधोसबदेसनरायनदासतलग्योकरलेनसमैनहुलास॥१८६॥इतैंभ्रबजोहुवभूपचरित्रसुनौंनृपरामरचौंवहचित्र॥पचासलहस्सनमैंभ्रसिजारि

छयोनृपपूरवफौजनिफारि॥१८७॥इ
तिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षि
णायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रे
अष्टादशो१८मयूख:॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥रनसमुद्रतरिनृपक
ढिय अचल एरल्थरहिसंग॥कोसतो
नपहुंच्यतकमियतजिअसुहंजतुर
ग॥१॥असितुपकनवपुमिलअति
चलिह्नकचरनविहीन॥लहपग्रथको
सनिवाहयोकदिनहंजहयकीन॥२॥
भूपकुअंगविसल्यकरिसहियअमि
उपचार॥ससपलभोजीरत्तिरहिवि
रच्चियप्रालविलार॥३॥गिरिनसंधि
अंतरकियउपूरवओरप्रयान॥ढवि
गइंद्रगढनगरदिगचित्तनिडरत्ढु

वान॥४॥इंद्रगढाधिपदेवप्रतिकहिप
ठईनरनाह॥हयहमरोगतमानहुव
होजिहिंलरनउछाह॥५॥तातैंप्रहवक्क
देवतुमरखासाहयइकरखुल्लि॥अवर
नचाहैंहमकुदनभुजनकुमाईभुल्लि
॥६॥सुनियहदेवसिटायसत्रसित
हुरायउचेत॥यहैनजानीहमअनुगत
उइकअप्रसहिलेत॥७॥इमअधर्म
अहरिअधर्मजैपुरगिनिबरजोर॥
पच्छीयोंकहिमुकलियमूढतजहुसु
वमोर॥८॥जिमतुमखोईनिजपहु
मिविदुमतिदर्पवढाय॥तिमहमरी
खोवनतकतअप्रमलेनयहैंआय॥
९॥निठुरदैनसुनिसहिनृपतिलिखे
अवलनकछुलौंहिं॥जोतुमयहरखायो
जहरदेहैंलहरकनैंहिं॥१०॥इमक

ह्रायनृपवर करियकोटामीमप्रयान॥च
म्मलिलंघिमुकामकियग्रामरानपुरथा
न॥११॥प०॥रनसिंधुतरिगच्छवानरा
ग्यकछवाहभटनअसिवरचखाय॥गि
रिपारियान्हेनिनविहारिउपनद्धिथा
यवपुसल्ल्यतारि॥१२॥इमहायइंद्रग
ढपुरसमीपदेवाह्ननटायनृपवंसदी
प॥उल्लंघिभरितचम्मलिअमानको
टागरानपुरदियमिलान॥१३॥अरसु
भटअल्पनृपसंगआयरनदुसहको
नअसुतजिरहाय॥अबमिलियआ
निसबअनुगअत्थअवरकअनेक
सुनिरनसमत्थ॥१४॥उतकुम्मभटन
लह्हिविजयजंगबुंदियप्रबेसकियअ
तिउमंग॥जिनरच्चियन्हटथप्पिरनृप
हिंअप्पिआयत्तविरचितिनदमनअ

प्पि ॥ १५ ॥ कोटेस हिं तुपुनियह कहाय
तुम चतुर नीति अहरिहि ताय ॥ बुधसिं
हसु तुहित करुन लैं हिंसत दोयदम्मह
मनित्य दैहिं ॥ १६ ॥ मध्यस्थ होय तुम
साम लाय तिहिं देकु कुम्म नृपपय लगा
य ॥ कोटेसलुब्धसुनि पापभीत मंजार
पायपय होत सीत ॥ १७ ॥ स्वीकरिय हैकु
जड छत्न साम दिन प्रति लिय मास न हि
सत दाम ॥ नृप अंतिक पठये तेकु नां हिं
उलटी रिवल बंचन बुद्धि आंहिं ॥ १८ ॥
कोटेस बकु रिकिय यह कुकर्म इम को
न कीन अकव हिं अधर्म ॥ इत सुनिय
रान जगतेस बत्त बुंदीस सूरर नरचिय
रत्त ॥ १९ ॥ दुव बेर कूरमन फौज फारि
भर छीगति भविस्यो वढु बिदारि ॥ करव
लकारि हद दारि कीन बलि कढियजा

निह्लयपयविहीन॥२०॥अबग्रामरान
पुरधाममाँहिं छलछामतदपिनतिन
मनाँहिं॥हयहंजजोकिपयभिन्नहैन
छोरैनकुनलतौसञ्जुसैन॥२१॥मनमि
न्नबाजिबित्तुअबनरेसबांछतकछुदु
र्मनहयविसेस॥यहसुनतरानहिय
मोदआयअपहिंसिरादिबीरत्वभाय
॥२२॥हयखासनामजिहिंहोनहार
साखतिचामीकरसजिसुढार॥सिरु
पावउच्चइकरुचिररंगतरवारिखास
इकतासमंग॥२३॥उम्मेदनृपतिहि
तदियपठायसोकरियनृपकुगिनिहि
तसुभाय॥इमहोतसरदरितुमऊ
आयदकगगनउभयनिर्मलदिखाय
॥२४॥ष०प०॥गरजिमेघउग्घरियभ
रियनवनीरनिवाननपिलरनकअप

जोयबिरचिनृपनिगमविधाननपुनिकु
लदैवियपूजिसद्धिकत्तियव्रतसंजम॥
अबआगमहेमंतकिनअगहनमृगया
कमआखेटथानकोटेसकेकतिमृगरा
जविहीनकियसद्दियपरकिवआयुध
सकलरानपुरसुइमनृपरहिय॥२५॥
॥दो०॥ईडरियाउपटंकइतरामसिंहर
ठौर॥होजोतबपुरबनहडासुनिनृप
त्रिक्रमसौर॥२६॥ताकैहोइकपुत्रिका
नखतकुमरिअभिधान॥ताकोरचिस
गपनत्वरितसंभरहिंतुसयान॥२७॥
पठयोडोलारानपुरसचिवसुभटदैसं
ग॥उपयमकरनउमेदसौंजानिबीरब
रजंग॥२८॥साचिवभटनतबभीतिस
हअरहिसानपुरआय॥कन्यावहबुंदी
सवैंहैंअर्पितदईपरिनाय॥२९॥कन्या

केकाकाकु कीबिसुतारूपबिसाल॥रान
रुमाधवएकुदुवथ्यादेपूरबकाल॥३०॥
सगेउचितयातैंसमुझिपरनिनृपकु
मुदपात॥सकगुननभधृति १८०७ल
गनसुभदेजिसहाम्यवदात॥३१॥रं
ग्योनहिँश्रृंगाररसअबहिँबीरअनु
सारि॥बकुरिबक्योमनबप्पकोधरनी
परअकधारि॥३२॥कुलहनिकोटामु
कुलियजत्थअनुजतियजामि॥अप्प
नमनरनउम्महोइकुछतजयअगामि
३३॥बुंदियपरबुधसिंहसुतहिँसु
निबकुरिचलावतकोटपतिलगिलो
भकहियइमभुम्मिनआवतहमउप
मयहकरतलेतमरहद्दनसम्भालैंबि
बुधलजैहैलालनिद्धिलैहोयहचमा
लिदैइषसोंहँमअकिबद्धतबुंदीस

ह्रिंरह्यो बरजिसतदीयदम्मकछवा
हसनभेटहोतयह लोभभजि॥३४॥
दो॰॥बंधुबर्गउमरावनिजअजबसिं
हअभिधान॥कोटलपुरपतिभेजि
करिअटक्यो नृपप्रस्थान॥३५॥छ॰प॰
॥माधानीअजबेसआयभूपहिंदम
अकिवयगिनतअप्परनसुगमचंड
असिबरनहिंचकिवयअप्पनपरिक
रअप्रलपद्दुसहजेपुरवहदाहत॥सिं
हनआगससस हिंचिन्हअनुचित
असुबाहतयातेंनतुमहिंजावनउ
चितकोटापतियहहितधरतदृढमं
त्रबुल्लिदकिवनदलनजतनलैनबु
द्दियकरत॥३६॥सुनतएहगिनिसत्य
भूपकोटेसभरोसैंजान्योंकाकरतम
हतउद्यमयहमोसैंतोइनकीअबदे

खिवकुरिवनि हे सुविचारहिं ॥ सुमिरीय
हनसयान कुहक निजकाम विचारहिं
नृपरहिय होतउ घोगलखिमास सत्त
बिनुभुवजलन म्हगया मसल्ल कोलमु
लककंज तसिं हबरा हगनं ॥ ३७ ॥ दो०
॥ मधुकरद्रुग्ग सुकाम किय श्रीरलम
तनरेस ॥ महदूवारन दानतैं हंबरनी
किन्हि बिसेस ॥ ३८ ॥ अमरपुराकेजंग
कोकाव्यजथा मतिठानि ॥ गीतछंद म
रुबानिगत नृप हिं सुनायो आनि ॥ ३९
॥ सुनतमृप बरवसीस किय रीझितर
लहयराय ॥ खासजरियपोसाकजुनि
कुंडलकटकसु भाय ॥ ४० ॥ सनमान्यों
कबिराव कहिडेरातास पधारि ॥ भयो
नकुरिहत्थियकुकमनूतनकाव्य नि
हारि ॥ ४१ ॥ सोगजकुंदियतरलतजन

ऋष्यकिराजे आनि ॥ तब दिन्नौं यह अ
त्य ह भ्रमाश्री लिखि यव खानि ॥ ४३ ॥ ष॰
प॰ ॥ संवत बेदखबसु सोम १८०४ मास सा
वन तदनंतर भैंसरोरगढ सोम रमि
ग आखेट भूप बर पुनि भट्ट वसित प
छ आयबे घम एकादसि भयो जानि दु
रभिच्छ बिपति चिंत तदिन हुव बसि ह
रियाव नाम गजराज निज उदय नेरवि
क्रय कर न मुक्त्यो पुरोहित सोय तब
दयाराम द्विज धर्मधन ॥ ४३ ॥ दो॰ ॥ जा
य पुरोहित उदयपुर गज बिक्रय तंहं
ठानि ॥ दम्म सहँस दुव मुल्ल के प्रथस
मय भ्रमानि ॥ ४४ ॥ बिन्नु भुव सोलह ब
रस तैं भुकतैं आपति भार ॥ अब अ बु
द्धि कति दिन नटि कहिं दम्म ति दो सजा
र ॥ ४५ ॥ पद्धरी ॥ सांवन स्रू को गयउ बे

रदुनच्चलपबुट्टिघनज्यों हींभहवनाल
घोरहाकारउट्टिघनहद्दोतियमैवारलं
गच्योदलजुवदेसन॥वनियच्चानिइ
हिंदैरविट्टिनिरबाहनरेसनन्नपतब
हिचिंतिच्चापतियरमर्खायभटनसं
कुतसज्जियमनजोरपैपैठिवुट्टियमुल
कैनोलोपुरलुट्टिलिय॥४६॥दो॰॥
गैनोनोवरुलुट्टिइमच्चतिविपत्ति
चहुवान॥तदनुदुग्गरनथंभकोसो
माकरियप्रयान॥४७॥नगरनामखं
डारिठिगकछुदिनविरचिमुकाम॥
कोटपतिकोसोभसुनिठगमच्यों च
ठाम॥४८॥ञतसुपुरोहितउदयपु
रदयारामच्चभिधान॥पुब्बहिरानच्च
पोनहोलैनिदेसचहुवान॥४९॥च्च
तजातनृपदिगरह्योस्वामिधरमभोन

भाव॥तातैंवचनसंगतसदयोकृतो
दरियाव॥५०॥इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेएकोनविंशोम
यूखः॥१९॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा॰मि॰॥ष॰प॰॥दयारामद्विजसहित
रानइकदिनरहस्यकियसाहिपुरप
सीसोदबारउम्मेदकुबुल्लियस्वीयसु
भटपुनिच्यारिप्रथमभारतसेनापति
॥कुरगच्छगादेवलियहठनजिहिंवि
यसालमहतिदेवगढअधिपजसवं
तपुनिसंगाउतचौंडाजननपतिदेल
वाडरूल्लाप्रथितराघवदेवनिसंकर
न॥१॥दो॰॥रायसिंहरूल्लाबकुरिनग
रसादडीनाह॥इनजुतरानरहस्य

कियच्चितजैंपुरजयचाह ॥२॥ ष०प०
॥कहियगानकोटेसकितवदुववेल
दलिगयअबपुनिदूकातहोनचहू
परवायदूतअथवंचककोविसवास
कारनकाकोच्चितचाहत ॥दयारामसुनि
कहियअरजकरजोरिउमाहतमति
अनूपातमियहारवहुअननकूटसद्ध
नसमथतलचलननतथअप्पनउचि
तमाथवसहितनिहारिनय॥३॥हरि
मतिभाकेअग्गतबहिकोटेसहिंअ
क्खहिंतुमवंचकचलबुद्धिमित्रभाव
हिहमरक्खहिंजोअबदूकातहोलत
लोहरिदूतसपथ्यकरि। सदासामलि
खिदेडुअबनडुरपडुकूरमअरि
छदइमलिखायकोटेसकोपुनिमस
नमरहहकारिखंडुवनलारहुलकर

तनयबुल्लकुसमरसहायबरि॥ ४॥ दो०॥
दयारामद्दमव्भरजकरि थप्योयह दृढमं
त्र॥सुपक्कुरानसुनिस्वीकरियसुभ टन
सहितस्वतंत्र॥५॥सो०॥तदनंतरन्नृप
रानदेवकरनकहूंदूरकरि॥पंचोलीसु
प्रधाननामभवानीदासकिय॥६॥प०
प०॥इतजैपुरपहिलैंहिमरिगरवत्रि
यराजामलकोबिदकेसबदासक्कुतोसु
ततासमंत्रबलतबन्नृपईसरिसिंहकि
नवहसुचिवसिरोमनि॥पिसुननर
नतिहिंपिद्दिभूपप्रतिइमच्चुगलीभु
नि॥हेन्नृपच्चमात्यकेसवकितवमन्नैंतु
महिंनमंत्रमदयाकेउमेदमाधवच्भर
ब्बलन्नैंच्चावतजाततहं॥७॥सुनिय
हईसरिसिंहमूढतत्वनपहिचानि
कोकनककथितबिधायइंसमारनम

तमानियरवतझूठे लिखिरवलनन्तु पाहिं
दिनइकबताये ॥ मूरखसच्चे मन्त्रिमाहें
ओगुनबहुगायेकेसवसुमंत्रिनुलवाय
कैंकुनृपलाञ्छ्नपहासकरिअकवीकुमंत्रि
एदललरवकुसुनिकेसवलियनैंनभरि
॥ ८ ॥ दो॰ ॥ अकवीकेसवअबहिनृपनि
श्चयकरकुनिदान ॥ जोएदलमेरे लिखेले
कुलतोममप्रान ॥ ९ ॥ कूरमतबनिश्चय
करियनिकसेपत्रअसत्य ॥ बिनुआगस
जोमारतोहोतोससचिवहत्य ॥ १० ॥ तद
पिकुमतिलियसचिवपनकेसवकरियव
कील ॥ पठयोदक्खिननन्दपैंहेंसिखई
मन्त्रिकुसील ॥ ११ ॥ नहानीउपदंकइक
हरगोबिंदसनाम ॥ कियउमुसाहबन
निकवहकूरमनृपहितकाम ॥ १२ ॥ ष॰
प॰ ॥ पुत्तीइकतिहिंगेहरूपजुद्धनसु

नमत्तीबत्तीबयछबितासपासकूरमन्नृ
पपत्तीकत्तीसमसुनिकढिगछेकिपंच
हिसरछत्ती॥ दुत्तीदासियभेजिमेमया
सियगरघत्तीलंपटहिंकामजुत्तीलग
तरतउत्तीचिरचंडरयसुत्तीसमीपचा
हीसुनककुत्तीजिमकत्तीसमय॥१३॥
॥दो॰॥ मगनपुब्बअनुरागमैंलगन
मिलनहुतलग्गि॥ कुम्मपुरंदरकेकि
रीअंदरवम्महअग्गि॥१४॥ दूतीजन
पठवायद्रुतसामउपायपसारि॥ आ
नीनृपढिगअंगनाबानीबिनयबिथा
रि॥१५॥ राजकाजभुल्ल्योरसिकछईम
दनसिरछाँहैं॥ कूरमडारीकंठअबब
निकसुताकैबाँहैं॥१६॥ रत्तिजुतियनृप
ढिगरहतप्रातजातनिजगेह॥ दिनबि
तितहिंदेखेंबिनादुमनरहैंथकिदेह

॥१७॥प्यारीकौंदिनबिच्चप्रकटजोरुल्लै निजपास॥जनकतासतोजानिकैंबिर चैंराज्यबिनास॥१८॥बिनुदेखैंनिमि खनबैनैंदेखनदुल्लभदीह॥यातैंबि रच्चिउपायइककलोपीलज्जालीह॥१९॥ जैंपुरपिक्खनब्याजकरिप्यारीपिक्खन काज॥बनवाईमहलननृपुरजलुंगन कौसिरताज॥२०॥जातैंसबजैपुरनग रदिट्ठिपरतञ्रधन्नाय॥तकैंप्यारिय जायतैंहँलनमदनदुसछाय॥२१॥षट्प॰ ॥सककृतनभबसुसोम१८०४बिसदब ड्डलपडिवाएरदरसनहितकोटेसग यउन्निपद्वारउमैंगिह्मरकरनसानन्न नुकूलपत्तलिखिभेजिउदैपुर॥उल्लि यमाधवसहितधरासंगरथंभनपुर सुनिपत्तरानमाधवसहितमुदितहो

अप्पाय उमिलन गुनकोस रा हसम्मुहगा यउ मिलिय थीति अनुकूल मन ॥२२॥ दो॰॥ तीन हि नृपनय रीति तक्कि रचि मिलाप पहु प्यार ॥ हरि मंदिर राकन्न हु वकरन मंत्र श्री द्वार ॥२३॥ कहि यरान कोटेस प्रति बच्चन तुमारो मोघ ॥ बदले मुख हि इ कोबन अदह रि कैं अघ मोघ ॥ २४॥ यातें अब लग रावरो बनें न मन विस्वास ॥ कोटापति यह सुनि कहिय कुवपल तें अपहास ॥२५॥ अब गोवर्द्धन नाथ यह इष्ट सारिव थ रप्पाहि ॥ कब हु न बदलैं सपथ करि अप्रैसें कहियउ माहि ॥२६॥ सपथ अप्पि वद्दुमरान करबचन दैन लगिहद्दु ॥ अट किरानत नहहु कैं हं अक्किवय दें असि अद्दु ॥२७॥ तुमरी बुंदिय आत कै केइन कोजय नैर

॥तातैं लेहु रु देहु तुम बचन दोहु तजि बैर॥ २८॥ मैं परमारथ तकि मन करत हुहु न प कार॥ यातैं लेन न उचित अरु देन कि बच नउदार॥२९॥ यह कहि दोउन हत्थ गहि द्यो बचन निजरान॥ सुनि माधव को है समिथ दिय लिय बचन निदान॥३०॥ रा न बचन लिन कोन लिय तिन कौं दिय गहि लेग॥ तिम भट सचिवन को हुतें हैं बचन दिवायउ बेग॥३१॥ किय रहस्य स्त्रिय द्वार हू मञ्च्रधिप नमन धन अप्पि॥ मरहट्ठन चिंतिय मिलन जैपुर स नरन थप्पि॥३२॥ गन वकील रुमान तब रानाउत किय त्या र॥ मरहट्ठन ढिग मुक्कलन उभय भुमिउ पकार॥३३॥ माधव दूत स संग दिय निज वकील नरनाह॥ गोगाउत हम्मीर कुल पे मसिंह कछवाह॥३४॥ माधव दम्म हि ल

क्खदियकुलकरहि ततससंग॥उभयव
कीलनभेजिहमच्छाये निजनिजढंग॥३५॥
छ॰प॰॥ रानवकीलखुमानप्रेममाधववव
कीलहुवनगरकालपीजायसेनदक्खिन
सम्मिलिहुवहुवहिलक्खदैदम्मतुषकुल
करमल्लारकिय॥जेपुरसमरसहायतनय
खंडुवतसमंगियसुनियहमल्लारसुतस
न्नकरिरनसहायलगिमुकलनराणंजि
रामचंद्रसुतवहिंच्चकिवयउचितसह
यनन॥३६॥रामचंद्रइमकहियधरहु
स्रुतिकथमल्लारधुवच्छपननपतिश्रीमं
तच्छग्गानयसिंहमिनहुवजेपुरसनाहि
तकरनवचवतिनदियकूरमकर॥वह
तुमभेटतच्छज्जधनियक्क ह्लिलोभ
धरईस्वरीसिंहसम्मलिसबहिहैंपति
किंकरतुमरुहमसमुझायरानमाधवस

वनदवकुअरिनअनंडदम॥३७॥ धवि
कुलकरयहसुनतमुब्विअसिवरकर
मंडिगअधरकंपअंकुरिगतानिमुकुन
घनतंडिगकहियअग्गजयसिंहलिखि
तहत्थनकरिअप्पिय॥रानाउतिभवपू
तथिरसुजैपुरपतिथप्पियजयसिंहवु
चनयहरविलिहमअमाधवसिरछत्रहिं
धरसलग्गातयहैनअच्छीतुमहिंकुटि
लतुल्लिअनुचितकरत॥३८॥ राजाम
लकुरकवलवड्डुतचक्विय तुमस्वानन
जातैंअटकतजंगविरच्चिनय हीनविधा
ननतुमजावड्डुतिनसंगहमसुमाधव
सहायकुव॥ कहिइमअक्खियकुसुंथ
मकिआनकनिसानधुवदलसुभटपं
चमरहट्टमिलिदुक्कुंदिसरिसमोचनक
रियपरगनापंचमाधवअरथहैनअ

किवहितअनुसरिय॥३९॥रामचंद्रप्रति
कहियबकुरिकुलकरमल्लारकुबंदिदि
वावतअवनिकछुकमाधवहितकार
कुतिमुंदियरहिहैनलग्गिसंभरहि
तलैहैं॥अबबरजकुजोएसदेसतिल
मत्त नदैहैं यहममन्निसबनपठयेतबहि
निजवकीलजैपुरसजबसाहसमिटाय
सामहिँकरनसमुझावनकूरमकितव
॥४०॥दो॰॥रामरायमुनसीनिजसुराम
चंद्रपठवाय॥निम्मराजकटक्वायहसु
पठयोकुलकरराय॥४१॥तिनजायरुकू
रमनृपहिंबुंदियछोरनअक्खिव॥पंचपर
गनांअनुजहितबंदिदैनरसरकिव॥४२॥
हूतकुलकरअप्पनतनयसंवडूनामकवी
र॥पठयोमाधवरानप्रतिहितसहायह
मीर॥४३॥छ॰प॰॥सजिअनीकदर

कुंचचलियरवंडुवमलारसुवबजिन्ध्राव
कवंबीलभचकिबि वरियदरारिमुवका
कोटरफनफदियकोलरंतुलिबररक्खि
य॥मुररक्खियबप्पुकमठचोटरीढकचर
रक्खियगढगढनबत्तफुट्टियसहजबढि
बिन्नारभूपनबि ट्टत मल्लारसुवनजाव
तलरनम न गनसहायहित॥४४॥इ
मरवंडुवदर कुज्ञ्च्याथकोटामिलानदिय
मल्लारावलरिचिनभयजायसम्मुहबधाय
लियचारनभूपतिरा ममुख्यनिज मन्त्रिव
संगकरि॥दियअनीकतिनसत्थधीरसु
भटनहरोलधरिपुनिमिलिय आयन्त्र
परानपहँबुंदीसकुतँहँबुल्लिलियसजि
से लरनमाधवसहिततजिमेवारप्र
यानकिय॥४५॥इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूरूपदक्षिणायनेदशमराशौउ

१०
म्मेदसिंहचरित्रे विंशोमयूखः ॥२०॥ ❀ ॥
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥
आ० मि० ॥ ष० प० ॥ सककृत नभ वसु सोम
१८०४ मास फग्गुन पख उज्जल नृप माध
व उम्मेद सहित खंडु वच्चढि सबल रान
कूरम कस बसंग लहिरु दर कुञ्च चलायउ
॥ अति गरूर जलु गरुर च्यहिन उप्परउफ
नायउ ततैंहु सुनत कछ्वाह कोचंडक
रकस सम्मुह चलिय दिस दिसन बत्तफु
हियहु सहस्र खंड च्च उद्दह रवल मलिय ॥
१ ॥ दो० ॥ नहानी उपपद बनिक हरगो
विंदन्न भूप ॥ च्च उम्र वय वद लैलैन चल्यो ॥
मिरलउ दैपुर भूप ॥ २ ॥ ष० प० ॥ दगितो
पनल मिलाय मचिगदु व दल मिलि
संगार डुत मेवारन मुकुन्दइत सुदंकन
कूंढाहर राज मट्टल पुर सीमभीमपति

भटभटमिटन॥हयउठायहरवल्लुवल्लि
गहुवदिसच्चरिविटनजिमबिप्पनिम्मन्न
नसुनिचलतइमहिच्चरगिगिनाठरल्लगि
यसाकिनीप्रेतखेचरसकतिलाभच्चन
न॰ नलगिय॥३॥खेत्रपालखि
लखिलिय मिलियनारदमहतीरव
कालीगनकिलकिलियमिलियबनि
सहसच्चानिमवपिलियच्चग्रहुवदल
नझिलियच्चसिबाढबाढझरि॥ गिलि
यगोदगिद्धलिनखिलियखूबियहि
यच्चच्छरिबहिच्चंधकारछादितबिय
तच्चयवहितविरच्चिपतंगपफुल्लुहियह
रोलकुलकरभटनकूरमकटकबहिर
बक्कु॥४॥यहउठायकुलकरसमेतह
डुनपतिहंकियच्चतिबलतेगउताल
झरतटोपनझननंकियकातिकमारिम्म

वह्लायढारिढक्कुरढुंढारन॥पोखेनृपप
त्तचर नवक्कुलपलमेदबिथारन अप्रसि
बाढ च किवइकुबेर अरिलग्गेप्रतिमग
नीरलजिमिलि सिचानआवतमन
ढुंपारावतगनभरकिभजि॥५॥जिम
पारदमिलि अग्गिपिकिवनिजकढव
होतडुमसेनापतिगजसहितबनिक
मंड्यौअग्गदतिमबुल्यौरनिरतअमु
तमुच्छनमुहधारत॥वनिकवैनयहसु
नतफिरेक्रूरमअप्रतिआरतलियसब
नबिंदिपुनिबनिकगजपैनलगतअ
ग्गैंच्चरनजोगिंदचित्तसबिकल्पजिम
रहियरुकिपिक्खतमरन॥६॥तमि
रघोरततमध्यपारअप्पनभदभानन
माधव दलमांहिंपिकिवपचरंगनि
सानन जैपुरकेतिन्हजानिरानदलभ

जिगभीतअप्रति ॥ कोटादलपुनिभजि
गसहितचारनसेनापति तहँभयउ
सोर कोटाभजिगसुनिपित्थलबुल्यो।
सुचवहिहमभुजनआहिकोटाअरिवल
तिनठउँअगोलकहि ॥ ७ ॥ कोकिलपु
रपतिकुमरभटनपित्थलचूडामनिमहारा
वउमरावविदितबुल्योअंगदबनिचारन
मअगनहारअज्योकालरअचिन्हनहिं ॥ पे
हमहडुनपथ्यलआडडुंगरअवलंबहिं
यहअक्विसेनभज्जतमुख्योजिसअनि
मिषउलटेउदकरूपटायबाजिपबिजि
मपख्योढुंढाहरसिरधारिधक ॥ ८ ॥ भज
तसेनलखिसजवपिट्टिलग्गियजेपुर
दलमुरिपित्थलतिनमध्यखग्गझारि
यरविमंडलाजिमबिरेकओषधियउद
रइममथियसत्रुसब ॥ कातिकके पिलु

कलकत कनिकछ्छकातबक्कातबंनस
आपसव्यकरिआइबिज्जजमान
मकरतद्विजतिमकियअनेकपरबस
कुमरसमरबिथारियनामनिज॥९॥
मनरतिमसैलोटगिरतहैवरतिभी
वरजिमतोमरतिमखग्गबिहसिजार
तकुमारबरलटकतउरगिरकाबकाति
झमटकतप्रमत्तगति॥खटकतहहुन
आहमनहुंचटकतगुलाबततिघुम्म
तअचेतघायनकतिककतिकआयस
यनपरियकछवाहकटकसब्भजब
सुवगजबसिंहगहुरिकरिय॥१०॥हुहि
तुहिसिरउडतकडतसरकुहिबकार
रहिरछिछिछिनभच्चदतबदतकलकल
धरअंबरकालीखप्परभरतफिर
।सिरलग्ग

यघुम्मतइतनारद पित्थलन्प्रनीकफा
रतवढिगमरदउतारतगजन मदछा
किनिडरात फारतवदनकिलकारतभै
रवभयद॥ ११॥घनैंरिपुनरमनीलका
रिकंकनकुवेसकियघनैंरिपुनरमलीन
निलकंठनपरवानदियघनैंहयनघन
घायकियउमैंहूंसोदागर॥घनेगज
नसिरफारिरंगमुत्तिनकियआगरभुजदं
डभीरिबासुकिउरगमंदरअसिगहिउ
अमन पित्थलकुमारनागरकियउहुंबा
हरसागरमथन॥ १२॥ पहरइकइम
कुमरलरिगधारनघपायथकफहिंम
सिरचोफारवदनचोफारलोहछकमन
ढुंवीरविधिपरखिहर रिवअहैतछाप
दिय॥इमसोभितछकिकुमरपयोप
लचारदानप्रियथायुहिसमत्थअरुपि

रहिय बीर निंदब सुबिप्फुरिय अच्छरि २
उमाहिं आइय बरन चउमुख लखिल १
ज्जित मुरिय ॥ १३ ॥ इम कुलकर बुंदीस उ
भय क्रूर मदल अंतर आरत खग्ग न रूप
टिद पटिबिथुरात दिगंत रइतप हिलैं
दल भजि गतहि सुनिकें जैपुर पति ॥ क
रिआय उदर कुंच गज बठ्ठार तस बेग ग
जत बकुरि हड्डु कुलकर अप सिन दल सत्रु
न पुनि ठिल्लिय तहँ परियरत्ति बिस
तारि तमडुव दिस मुररि मिलान दिय ॥
॥ १४ ॥ दो० ॥ खेल रखो जि बुंदीस नृप हेरि
य पित्य लजाय ॥ रिति काधरि आनिय
सिबिर लैक्खन कथित बिधाय ॥ १५ ॥ कुल
कर हड्डुहू नपुनि कियउ मंत्र मिलिर
नि ॥ अप्पन जीत भजंत अरि प्रभु अनु १
कौसप पत्ति ॥ १६ ॥ अब आवत जैपुर न

पतिससजिपुनिकटकमसार॥यातैंनद्विर
हनौंउचितमुरिचल्लकुमेवार॥१७॥कहि
यहमातहिकुंचकरिचल्लिकुलकरचकुवा
न॥सबफौजनजुतसाहिपुरदिन्नेंप्रान
मिलान॥१८॥इतिश्रीवंशभास्करेमहा
चंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मे
दसिंहचरित्रेएकविंशोमयूख:॥२१॥—
॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

प्रा०मि०॥दो०॥यहउदंतथियहारसबनु
नियरानजगतेस॥पठयोकटकसहाय
पुनिबलनिजनिकटविसेस॥१॥तख्त
तरानजयसिंहसुबबाबानिजपदवीर
पुनिकुसालसिंहरसुरघसगताउतधुर
धीर॥२॥रायसिंहरसलाजहुरिनगरसा
दईनाह॥पुनिकुंदीसहुरोहितसुरस्या
रामचितचाह॥३॥ष०प०॥इमचारित

१०

करि मुख्य रान पृतना पुनि पिल्लिय सज
वसा हि पुर आय मुदित निज दल सह
मिल्लिय उत तैं ईश्वरि सिंह पिट्ठि दब
तक्कुत आयउ ॥ भिल्लह ढ्ढा पुर लुट्टि कह
रैं मेवार मचायउ धनवंत बनिक कारा प
ट्टकि कुप्पि नगर श्रीहत करिय बाटिका
मनकुंज उखारि बल्लरिन चपल आनि बस्त
न धरिय ॥ ४ ॥ मेवार न किय मंत्र सुनत
अह बत्तनी तिसह कटक प्रचुर कछवा
हन्न अल पक्ख अप्पन अनीक यह कुलक रको
पाप कुउ भय बिस्तर बिनु आये ॥ वित्तर
हितु बुंदीस अवनि हित प्रसभ अमाये
या तैं न संपराय हिउ चितर हि है अवनि
लरैं न तिल सकुटुंब सकल नृप जुत क
रहिं कुंभिल मेरु निवास किल ॥ ५ ॥ तरव

रमम्र

तिसुनियहखंडुवसामन्तनरिवकुंभोहु
लकरतप्रति त्तुत्र्योपुनिभुजयोकिसजव
आयेसंगरत्नम॥अबजोसामउपायल
तोतुममांहिंनांहिंहम सुनितरवलसिं
हकुलकरक्षितदयारामतेंहंमुकलि
य अकितियवहैननयसमयपडुसमुभा
वडुकहिप्रभुरप्रिय॥६॥तवहिजाय
भूदेवकहियबुंदीसपुरोहिततुमदि
ल्लियतियजारकुमरखंडुवचिंतडुचित
अवसरकोपडुहांनस्वामिसाडुवकुल
रानां॥तुरकनतेंतिनवेररवुहिसवगाय
उरवजानांसज्जहिंजुअज्जरनकुम्भसह
तोतुमढिगकुअनीकमितकछुदिनवि
हायदलइक्ककरिवडुरिसत्रुजित्तहिंवि
दित॥७॥दो॰॥विरुदावतइमफुल्लिस
ठसुनिदिल्लियतियलाम॥बुल्योहम

हिंत टस्थकरिकरक्कु बिप्रसबकाम ॥ ८ ॥
ष० प० ॥ सुनिसत्वरयह बिप्रश्मानिअक्खि
यतखलेसहिं कुलककरसम्मतश्माहिमि
लक्कतुअकुम्मनरेसहिं तबहिजायत
खलेतसश्मरजकूरमप्रतिअक्खिवय ॥ मर
हडुन आदेसकहकु इहिं दिनकिहिंन
क्खिय तसमात धारिखंड्डबकथितत्तुम
भुव हमप नल्लरन तिहिं हतुम्माहियह
लोलत सन्नृपल्लु हक्कुमेवारनन ॥ ९ ॥ न
तिधूरबयहसुनतकुम्मअनुकंपबिह
सिकिय भिल्लहडापुर बनिकथनिकप
करतिछोरिदियउपालंभ लिखबायप
च पठयोरानांप्रति ॥ कियपच्छेदरकुंच
गन्दरबिढकिमुदिरगति सुचिपक्ख
चैतविक्रमसक गपन्नग बान बसु चंद्र १
८०५ मिलनृप कियप्रवेस जेपुर नगरमे

कछुघट्टिबुंदिय तुल्य अट्टरसी कह्यो
अवआपसम्मुहइक्कगट्टिय बैरि होयक
उन्नख्यो ॥ हम मत्थ हत्थ लगाय हैं लघु
स्वारकआर मंडिहैं अब तैं सने हवहैंजु
अप्पनसोकदापिनखंडिहैं ॥२॥ कोट्टे
सतवसुनि एहरान हिंमेलस्यौ करिजु
ल्यैतबरानपुनिअयहारआय मिले
रूपनजुरन्नयो ॥ रससैंवसम्म लिहैन
केपुनि पत्र सोउन मंडयैव्वहिंगामढि
कोलाडुङ्गर काबजाय रुखंडये ॥३॥
तवद्दीजुसाहिपुराचमूसुसमस्तजाय
मिलीतहाँजुदीसडेरनरानखंडुवभी
मनंद्वगयेजहाँ ॥ तबइंद्रगढ्ढखतोलि
वलावनिआदितीसमिलायकैंपुनिरा
नसोंमिलिन्नपवैठियइंद्रगट्टियआ
यवें ॥४॥ घट्टिकाउभैहिसमारहीम

नुहारिमोदमईभईपुनिपानगंधनिवेदि
सर्बनसिकवंडरनकोंदई॥खंडूरुमाध
वतत्थहीपलटायपग्घसखाभये पुनि
तत्थतेंचढिसर्बहीगुलगामपारह्वलों
गये॥५॥खारीनदीतटदेंमिलानसबें
घनेदिनह्वेंरहेतबकुम्मबीरहुसज्ज्ह्वें
दरकुंचसज्जुहउआहे॥त्रयकोसअंतर
देंमिलानयहँकछाहयरानपेंक्योंवेन
चुक्किकरारकेंपुनिसज्जहुवघमसान
पें॥६॥तुमअातनाथपटाग्जुयावतसो
हिमाधवकोंमिलेंघररीतिचूकिरुअ
प्पकोंअबकोलबेनकहेंगिलें॥तब
रानअविलंबअप्पजानतरीतिघरघ
रभिन्नहेतुमरेपिताजयसिंहराज्यस
बेहियाकेंहेंदिन्नहें॥७॥हमकिहना
थप्रसन्नज्योंतुमत्योंहिमाधवकोंकरे

निजतातमंडितपत्रअक्वरलुप्पिलोभ
नअदरो॥ईहिरीतिहोतजवाबजानि
रकुप्पिखंडुवउअवीरनकाजमोहिबु
लायकैअबसामकीतुमजोधरी॥८॥तु
मलेंहिसंगरसज्जितोहमप्रीतिरीति
बिसारिहैंकछवाहहिंतुनतोलरोहर
नम्रमअसिकारिहैं॥तंहरानबत्तकु
मरप्रीतरक्तेसलैंयहअकवईअब
आपसामकरोनग्रोरनबुद्विखंडुवकी
मई॥९॥तबरानआदिसमस्तकाजन
सज्जजुजनकोकरीरननंकितंतिनसिं
धकोजनंकिपक्वरघुम्रघरी॥सुनिकु
म्मसत्रुनसज्जहोतबिचारिखंडुवभीर
कोंजयजानिसंसयमुक्तल्योहरनाथ
लारबवीरकों॥१०॥कहिमासकलिय
गवाहमहूउदेपुरआयहैअरुअ

प्पमाधवभ्रो उमेदहुडूनलायमिला
यहैं॥ तेंहँनम्रताजुतपि किन्नकुंदिय
हडुभूपहिंअप्पिहैं दसलक्खरुप्पय
हैं समाधवअत्यदैं थिर थप्पिलैं॥११॥
यहबत्तनारवअप्पायकैंनृपरानअग्रादि
नतैं कहिंकोटदसता हिसिरा हिंतुंदिय
सोयहाविनक्षोत्रहौ॥ सुनिएहडुज्ज
नसज्जकौं तबबीर खंडुवनिंदयो हृहिं
रीति सेउनके विरोध बिसेसबेगनक्षौं
भयो॥१२॥ दुरभिक्षकारनसेनमैं मन
घासरुप्पयको बिकैं अरुअन्नकी कुम
हर्घताकरि लोकनि हुनकैं दिवैं॥ दलि
नित्यदम्महजारबारहरानकैं बूंदमैं ल
गैं पुनिहोतसामजबाबजो निमटैं हिसा
बनकीथगैं॥१३॥ कोटसंकेवलबैनत
त्थअनीलि मंडिमरोरतैं टनसकदजा

यरुरान रलमांहिंलुहियजोरतैं॥
तबकुम्मबैनकहेजुमलिरुरानअक्खि
यहेभलैंतबदेकुपेअबतैंहिहाकिम
नस्यमामकमुक्कलैं॥१४॥यहबत्तकू
रमस्वीकरीतबरानआयसत्यौंदयोन
गरीबतीपतिचोंडबंसियमेघबुंदियभे
जयो॥टोडामहाजनदेव्चंदपठायरा
नस्युसीमयोयहजानिमाधवमित्रसं
डुवकुंचवंदोउनकोठयो॥१५॥करिकुम्म
कुम्भनरानतैंनिजधामरामपुरालयो
कतिदीहखंडुबतत्थरहिपुनिबप्पके
ढिगघुग्गयो॥इतकुंचईश्वरीसिंहहू
निजधामजैपुरत्यौंकियेकोदेसभेजि
वकीलअक्खियमोहिबुंदियदीजिये
॥१६॥तबलैवकीलहिंसंगकूरमस्वी
यपत्रनसंचयोरुकहीतजोअबरान

संगततोकरैंतुमउच्चरयो॥नहिंतोककलि
यमासमैंतुमतैंकुसंगरजोरिहैंपहिवेंक
रीजिमिधूमितोपननेरचमलिवोरिहैं
॥१७॥कोटेसरानरुभूपएइतउमरेगुल
गामतैंपुरधुंधरीतटदेंमिलानरहेनिसा
सुखसामतैं॥तैंहजोपुरोहितरानकेढि
गहोसुसंभरसंगयोतबदयारामजुविप्र
रानजुभूपकोंहिततैंदयो॥१८॥निज
विमलेदुवहइभूपतिनंदगामगयेतबैं
बुंदीसचमलिवारहीरहिसगतपुरग
ढमैंजबैं॥तैंहसाचिवहरजनहडुकोंसि
विकासमप्पियसंभरीअरुदेसमैंतहसी
लकारनसिरखताहिदईरवरी॥१९॥अ
चलेसमाधानीसहिततबदेसहरजन
संचरयोसीलोरपुरढिगकुम्भसुभटलआ
यरनतिनसोंकरयो॥अचलेसकेगुटि

२०

कालगी पर दोऊ सत्रुन नौं जये पुनि फौज
जैपुर तैं चली लव क्षोनि नृप तिपैं गये ॥
२०॥ सक वेद नभ वसु सोम १८०४ प्रमह हुव
कस्या भ्रूघ सि जंग भो पुनि नृप आनउब
गनै पुर सेन हुं दिय संजभो ॥ रन कोऊ नु
प बुहो रिगीर दलेल नाहर मुक्कलेरन
आन हुं दिय किन्न पैन पु धाय दोउन कौं व
ले ॥२१॥ तब ही सगनत पुर च्छु हिकैं उपना
हुलोउ नैकैं लियो आसोज मैं सुत कूडरे
हिदुवै भयो सुन हीं जियो ॥ कूत जे पुर सा
लम नंद हि लिय ब्रोरि जै पुर पुग यो भट
नाहि कूर मर किव हुं दिय सी मसौं हिं पत
यो ॥ २२॥ पुनि मनमैं नृप कुमहुं दिय
ग्राम ली हयनेर ह्यो कौ टैस केर व कीज
[illegible] नपरि स्वद मैं कह्यो ॥ [illegible]
[illegible] जुह्यो यरुमात माधव रौं पछो

यक्नाँहिं तोर नसज्ज होय रुलैन हमकौं
हैं मुकलो ॥ ५३ ॥ कोटे सय हसुनि इक्कौ
निजसेन पसान थैं करयो लवनाय बाहिर
मोरकै गलज्जाल तोपन को जरयो ॥ उतए
हमाय बहुरु नीतनु और रामपुरासरयो
दलसंगलै निजभील कैकढि नैर करयाव
निपरयो ॥ ५४ ॥ इत कुमसुंदियदो कुम्भ
तनमाँहिं हिलबिसमारयो परताप कौँ
दलेलकौं इक थालभोजन कारयो ॥ सुद
लेल ठोकगिनीन डीढिय अम्बनग्राम यज्ञ
जतैं सुनिकुंचटुंदुभि बज्जयो नृप कुम्भकौ
रनसाजतौं ॥ ५५ ॥ सुनि ताहि फोजन हीरसौ
सबनंदगाम दिसा चलौ अम्बकुम्भ हूकि
यबिपासुपुंजन अग्गिपुंजन संजलौ ॥ ति
हिं बेर दिल्लियसाह के पर मानलगि गु
बेगहीतुमसच्यप्रानज्जि दिल्लीमैं मलरौं

इरानिनतैंसही ॥२६॥ इकसाहअहमद

हैपठानजुसाहनादरमारिकैंईरानपति

बनिलंघिअटकरुआतइतधकधारि

कैं ॥ तसमातआवकुआतहीरनथंभद्

ग्गहिंपायहोअरुजित्तिअहमदसाहकों

दिल्लीसतोरबढायहो ॥२७॥ तजिनंदगा

महिंबंधिजोहुतकुम्मदिल्लियत्योंचढ्यो

परतापअोरदलेलसोदरदोकुसंगहिले

चल्यो ॥ मच्छुरागयेतबरोगकोमिसकैंदले

ललहाँरह्योपहिलैंहिअन्नतज्योकुतो

अवमानछोरनहीचह्यो ॥२८॥ गंगोदमि

ट्टियपानकैंरुबिभूतिविप्रनदैदईमलरी

तिदेहदलेललैंनंतजितत्थहीगतिसोल

ई ॥ परतापअप्रजतासजुतकछवाहदि

ल्लियपुग्गयोअरजीनिबेदिरुतत्थहद

रनथंभआवनकोलयो ॥२९॥ तबसाह

दैहैंन दैहैंयोंकछु हूनकुम्महिंउच्चस्यो
तेंहँकुम्मअकिववजीरसोंहठसोहिधाव
नकोधस्यो॥सुनिकुम्महितुवजीरअकिव
यनोंहिंअप्पभरोसहैंचलिहोनजोतुम
तोकहायहसाहकेसिरदोसहैं॥३०॥ध
हअकिवअहमदसाहसाहतनूजसं
वजीरह्वैकियकुव्वकुम्महिंछोरिअनी
कजुक्कनजीरह्वै॥तबकुम्मसीयअभात्य
सौंकथगेहन्यालनकीकहीसुनिमंत्रिअ
किवयसंगचह्यकुगेहकीनअबैरही॥
३१॥तबकुम्मसंगहिकुव्वकैंदलपिट्ठि
वनअहस्योदरकुंचहेकिमुकामयोंतत
लंजनैतटपैंकस्यो॥तोंहुंकुम्महितुवजी
रचिंतियआदितैंममबैरहैंगहियाहि
दंडहिंबेगहीअवनोंहियहुंजयनेरहै
॥३२॥सुहिकुम्मभीरुनिसीथमेंसुनिच्चो

रिढ़ैरनकौंभज्योदरकुंचरत्तिकदीहकैं
जयलैरलैहहुल्यौलज्यो॥प्रतापसाह
मलंद संगहिम्मअजैपुरमैंभस्योप्रक
जोनरायमदासरक्खियलैहलाहलसो
पस्यो॥३३॥यहवीरखत्रियवग्गहीदु
वधीससंगरजित्तयेसंधानभाजनकी
कुलीपरस्वामिसंगअज्योगयो॥तसला
जलैबिरवज्यालहीतिहिंबीरबिग्रहछो
र्यो॥सुनिकुमसौनकुजौंलयोपरकाल
तैंबलतैंरयो॥३४॥सुलतसाहअहमद
साहसाहदूरानैंतैंडलसंजुस्योयहजा
निदिल्लियईसनैंनिजहत्थकग्गरप्रे
र्स्यो॥सुहिमन्दक्खिनदेसमैंथियमं
तअंतिमसुकस्यो॥तुमभीरआवकुर्यां
लानिनदेहदिल्लियकोदल्यो॥३५॥
थियमंतनपरजुनहिंकैंकालकवबा(

हिनिलैच ढ्योअजिवंषुप्रानकुन्योंप्र
चानकथोसकोसनलोंबढ्यो।।हुयंकैवु
लानललैतरारनधोंमधारनदोंयरैंमु
मडीघराचनुकारबारनगञ्जडारनबि
ल्यैरैं।।२६।।उडिभूलिवीरनिमुकावुय
रिचक्कचक्कियबिन्दुरलबिभ्रद्रिमुम्म
नमुम्मिकैगजजालिसैंगलञ्चुंकुरे।।चु१
ढिसंगनानउचालञ्योपरमान सञ्जित
संधियाहदचारकुलनरमुलञ्जामति
वारकन्नलञ्चीलिख्यि।।२७।।तज्जिनैरमुखि
मसज्जियौंक्षियमंतिउचारहूंव पेद्धुवमी
रपकनरक्षायसेलनञ्योधर्मवरहूंक१
यो।।नरकुचनरिनर्दसालिभलीञ्जुवं
लियलोंघयेञ्चरहेनुचम कुररिहीआञ्च
वबुद्धिसंगाहितलये।।२८।।ञ्चसबारप
चहज्जरसौतवकुम्मसमालिञ्जोमनेलं

हुंकुम्भाईरननपैंमलारप्रधाननन्हहिंले
गयो॥जयसिंहमंडितपत्रकीसमुझाय
कहलिखिदईपुनिनैरबुंदियलैनकीतिं
हिंबुन्दिहुडूरकेदई॥३९॥गजबाजिमा
धवमेदकिन्नसुलैरुसंगरपैंछल्योइत
कुम्भकेसवलासरवत्तियनन्हसम्मुहमु
कल्यो॥तिंहिंसामईस्वरिसिंहसौंप्रिय
मंतसौकनकारयोदरकुंचकैंपुनिलंघि
नमलिसिनप्रगाप्रचारयो॥४०॥इम
जायजैपुरसीमम्मैंनगरीनिवाइयऊतरे
रुवकीलबुंदियभूपकेढिगहेतिन्हैंचु
लतेकरे॥लिखिपत्रसंगदयेरुभूपहिं
केम्प्रानक्युँयोंकह्योतबछिप्रचारनदान
क्षायप्रयानभूपतिकोचह्यो॥४१॥दल
नन्हकेरुमल्लारकेसबप्रीतिपुञ्जनिवेद
सेनचलाहिंभूपसिराहिचारनकौंरुचा

चालनकोंभये॥ सकपंचऋषिवरऽब्द
क १८०५ रुचैत उज्जलद्वादसीरविवा
रनाडिय पिंगलाजलतल्यैंगदऽक्ष
सी॥४२॥ऋमपंचदक्खिनऽग्धि कतव
दिरम्भूपतिहिंच द्योलजिनिर मधुकर
कुमकोंधधारिबुंदियपैंब द्यो॥ तेंहिं
पेल्कोतजिवामदक्खिनऋोरसुदहि
उत्तरीकरिऽब्दसुंदिरुकन्नेपैंथरिगक्षि
सम्मुहभोकरी॥४३॥दिससांतबुक्षि
यपिकरीऋलुंकूलपिंगलिकाभइद
मसोंनबुंदियलेनकेबनिश्रीतिभूप
तिकोंदई॥तवलंघिचम्मलिसंभरी
दलकुंचउत्तरहकयेसुनिश्रातताम
लारखंडवपुन्नसम्मुह ह्वैगये॥४४॥ऋ
यकोसपैंमिलिजाय श्रीतिबढाय सम्मु
लिलेसुरेष्वियमंतहमिलिकैंप्रवोधि

यवंबजित्तनकेसुरे ॥ सुतसाहअहमद
साहनैंइतजंगसत्तुननैंरच्योहरिमंथ
मनाभ्रकरावत्यौंतरकावतापनकोमच्यो
॥ ४५ ॥ अतलादिभूपुटधुज्जिकैंफन
मालपन्नगचंपयो अतिचंडगोलन
पालतैंब्रह्मंडकोलनकंपयो ॥ रुच
जीरसंगरहोतमोंहिनिमाजकारनउ
नरच्योमनसूरतापनस्वामिनैंतहँस्वा
मिद्रोहरजूकस्यो ॥ ४६ ॥ बलतापस्ती
यनजीरकोंहनिअप्पतत्थबजीरभो
सुतसाहअहमदसाहयहलखिका
लचिंतरुधीरभो ॥ कहिमाफअप्पस
दैपरंतुअब्बैंदुरानिनकोंहनोंसुनियैं
सदादलपुंजहमनसूरजंगरच्योघनैं
॥ ४७ ॥ बहुबारतापनमारदैरुइरान
कोदलजित्तयोद्रुतहीमहानदलंघि

अहमदसाहभीरुमज्योगयो॥सुतसा
हअहमदसाहतबजयपायदिल्लिय
संचर्यो मनसूरकौंहिवजीरदिल्लिथई
सहूतबहीकरयो॥४८॥पुनिसाहचिं
तियजैभयोमरहट्टकौंअबबुल्लनौंप
वायकग्गारमंडिअक्रिवयनौंबन्धाव
ढुह्यौंघलैं॥मिलनौंहिहोयजरूरतौ
दलतुच्छलैयहँहिआवनौंनहितौलगै
तुमरेतिदम्भहिलैरुदक्रिवनजावनैं
॥४९॥त्रियमंलकग्गारवंचिजोदल
तुच्छकौनहिस्यौंकरीअयसेनदक्खल
गैतिलैकरिद्देसजावनअद्दूरी॥लव
साहनैंदुववीसलक्खलगैतिरुप्पय
मुक्कलेदलमाँहिंनन्हनिद्देसहूतवदे
सचालनकेचले॥५०॥तैंहँनन्हहिं
तुमलारअप्पकिवयवत्तवुंदियकुल्लई

अरुमुल्लिमाधवकौंकहातुमसोंकजैपुर
तैंलई॥सुनतैंहिईश्वरिसिंहपैंतबन
न्हककगारमुकल्योतुमनैंकहासिसुजा
निपुब्बकुमारखंडुवकोकल्यो॥५१॥सु
निपत्तईसरिसिंहधुज्जिरुपुब्बबत्त
सुखीकरीरुलिखीभईपहिलैंसु ही
तबतैंहिहेममध्यहरी॥जुउमेदमाध
वसोंकहीसुमहीभलैंतुमलीजिये
हरिसौंहहेमुहिंअप्पमन्निरुकुंचद
किखनकीजिये॥५२॥सुनतैंहियह
तबनन्हआयसकुंचदुंदुभिकोदयो
रुकहीनरेसहिंहकिमंडकुआनदे
समिल्योगयो॥सुकहीमलारकुभूप
संभरभुम्मिचालतहीलहोयहड्डनते
हमसंगहैंजयनेरजित्तनउम्महो॥
५३॥सुहिमन्निमंत्रउम्मेदमाधवन

न्हसम्म लिहीन्वढे दलभार झोकन ओक,
ओकन लोकसोकन मैं बढे ॥ कुसलेसन
मरुलायके पतिखास है परयोत बै पति
जानि माधव कों रुअकि वय अप्पं कंबस
हैं सबै ॥ ५४ ॥ सुलयो रुसत्थ हि सबै हंकि
य लंघि जैपुर ग्राम के लखिल कव दक्खि
न सेनकों अरि ओद के ढिग धाम के ॥ दल
के प्रयान अमान हत्थिन दान पद्धति सिं
चई बढि फैलगैल न भांति सैलन रीति
के डुक कीलई ॥ ५५ ॥ दलभेट मारुत पै
टलै प्रति मग्ग ह्वारुत भग्गयो बन जंतु
घोरन ओर ओरन प्रान छोरन लग्गयो
॥ करियौं प्रयान मिलान आनि बनास कै
तटपैं करयो तहँ भूप डेरन आयकुलव
रने हन्तन विस्तरयो ॥ ५६ ॥ सिरुपाव
देयमहर्घ ओहयखास दोय निवेदयेपु

१० २

निरूपपरिकरसबकौंसिरुपावउच्चदये
नयं॥रुकहीचलोहमसत्यसंधसदेस
आनबिथारिहैंनदनैंजुतोकुसमत्थहैं
ततकालजेपुरमारिहैं॥५७॥पुनिकुंव
कैंकहिनैरवाबियसीमबुंदियसंचरेम
रहुहुलुहनइंद्रगढलरिआीलपूरब
त्योंदरे॥दरसालदम्महजारसोलहब
नअरगढथंकरेतिवढेहिहायनपंचतें
नाहिदेवकछिबनकेभरे॥५८॥तसमा
तलासवदुग्गकौंमरहद्दलुटनउम्मेहे
सुउमेदमाधवजानिहैतिन्हअहुआ(
निरवेररहे॥श्रियमंतआनदईरुअक्कि
यकालदम्मदिवायहैंअरुनांहिसीक
तकहतोहनिकैंहमेंदलजायहैं॥५९॥
इमरोकिसर्वनदोऊसत्थहिआनिडेर
नपुग्गयेतहँदम्मवासवदुग्गकेदसही

हजारचढिदये ॥ रुकरायमाफहगीरसी
चरिभूपताहिवचायकैंलकैंदरिकाधुर
सीमकिन्नमुकामसबैलचायकैं ॥ ६० ॥
तबहीतहाँसनबाघसंतुवस्योयर्वीरम
लारनैंपठयोयहैपुरलैनभूपतिच्चानक
रनकारनै ॥ तैंहूंकुम्पहाकिमहैतिलैंच्चु
रिजंगसंतुवतैंकयोसुरिंबाघसंतुवनी
उदंतमलारतैंसचउच्चरयो ॥ ६१ ॥ सुनतैं
हिकुलकरखिज्जिबुंदियभूपतैंकोहम्
कुलीनहिंसिक्खसुभटनदेकुलुमक्म
सैनजैपुरपैंहलो ॥ यहच्चक्खिदकैंखिय
मंतसौंहुतसिक्खसंगरकोलई सुनिनिं
दिकुम्महिंनन्दहूरिखिजिसिक्खजैपुरपैंद
ई ॥ ६२ ॥ च्चरुदैनसत्यविसासनन्दउमेदडे
रनपैंगयोविसवासभूपहिंयौंलिपूरबैंक
मंजुलबल्लयोबलबीरबीसहजारतैंतम

संग यह मलार है सुहि लैरु अप्पहिं भुम्मि। अप्पहि कुम्भ कदक्कु ठार है॥६३॥ यह अ
क्खि बंदे गज बाजि सूप हिं नन्द हं कनकों भ
यो रु मलार हू तियगोतमा सुत पुत्र दक्खिव
न भेजयो॥ यह गोत्तमा मर रुद्र युग व भोज
राज सुता कुती जा मातकों सुत हीन जिहिं स
वह व्ययं दैरु रखी नुती॥६४॥ तब गोतमा सु
मलार स्यो हियजो पतिव्रत मैं रही तिहिं ता
सस्रूरियस्यू नरी बलतैं इती प्रभुता लही॥
सु पतिव्रता अरु पुत्र खंडु वनन्द संग हि सु
कालपु नि लै हजार असी चमू चढि नन्द द
क्खिन कों चले॥६५॥ तब तीन हड्डु मला
रसा थ वनन्द के पकुंचान कों कुबसंगप ह
नि चम्बली तट दिक्ख आनि मिलान कों॥
तहँ नन्द के सब दास खत्तिय बुद्धि कुम्भ अ
मात्य कों तस हत्थ इलकर हत्थ दे कहिया

हि दिल्लि नित्रात्यकों ॥८९॥ यहसुन्यौं पैहलैं
बुद्धिविप्रन बुद्धि दैनसमत्थ है अरुतच्छ प
च्छतते पिशुसन श्रीतिलाय कृपत्थ हैं ॥ सु
नियौं मल्हार कुअप्पकर्व्वइ उम्मरसा मिलता सबै
तहैं दूनहिं भूप पैतिलहिं कुम्भ दैनकहीसुभूंद
नदेतहैं ॥९०॥ तसमात लासच अमात्य जो यह
कुम्भसम्मति सिद्ध है अबहीं लतो पति कच्छ
हैं हमलाय छत्रियलिन्न हैं ॥ परपत्रयासन
लेखिदेहु समस्तशुद्दिय खोरि ले सुनिरच्छ है
सच्चदास लिखिदिय लेहुनूतन जोरि कै ॥९१
॥ सुमल्हार भूपहिं दिन्न औ सबनन्दकौं पढ़ं
चायकैं तबकै अरिपत्तन ही बही रिपु काल मं
डिय आयकैं ॥ लिखि तल उदैपुर जोधपुर
कोटा दुहुं कुलक प्रेषये सबसेन संजहु अत्थ
छिन्नहिं स्त्रील जैपुर देसये ॥९२॥ तबकै रि
कावि चराकि बनि जमल अमान भूपति मंडहूं

करियौंचढेसबकुंचकैंखुरघातछोनियखं
डई॥मगमांहिबुंदियग्रामआयउतेकुभू
पतिकेकरेदरकुंचसज्जितसेनकैंजयनेर
सम्मुहउप्परे॥७०॥कइलासलौंयहवत्त
ह्वैसिवकूजरङ्गवआरुहेडमरूकडाकिनि
लेभजीसुनिप्रेतहेंकियसामुहे॥कलिका
रमोदितह्वैहसेकिलकारिजुग्गिनिउच्छ
लीगहकायगिद्धनिगोदकौंचहकायचि
ल्हनिकूचली॥७१॥डगमग्गिसेलनसा
नुतैंवनजंतुगेलनविक्कवैंफनमालपन्न
गपहरीसननन्निम्मूनटउच्छरें॥लहरैंहि
डोरनकोकनिंदतनीरसिंधुनसेतुभे बि
सुरैंमवासनआसपासनबासनासनहे
तुभे॥७२॥रुक्कबंधरक्कवसनारिसन्निभ
नारिकच्छपकीधसीकलिकाअगत्थियय
कीपिटैंतिमदंतुलीकिरिकीनसी॥भय

बग्घकेंपितछागज्योंदिगनागत्योंमदमोच
येभटभर्गभासतआत्मभूकटमर्गनासतसे
चये॥७३॥खुरधूलिधुंधरिनोंहिंप्राचियत्यों
अवाचियसुज्झईतिमहीप्रतीचियओउदी
चियमानवीचियउज्झई॥पवमानथक्कि
यअक्कटक्किय चक्कचक्कियबिच्छुरेपक्
खिसुरक्किय खंडफिरावचक्कियत्यों
फुरे॥७४॥सुरलोककुक्कियरासरुक्कि
यतानचुक्कियअच्छरीजियभीरुमुक्कि
यक्यों नचैंसबनीरसुक्कियमच्छरी॥इम
सेनहंकतसत्रुसंकतकेसकंकतकेभयेप्र
तिभामनकलबाजिडंकतभुम्मिढंकतह
ल्लये॥७५॥भटकुंकुमीकरिचैलकेप्रभुगे
लजित्तनउम्महैंकतिबाजिराजनमारि ता
जनमाजिआजिनकोंचहैं॥कतिउच्चरैंसि
रकुम्मकोधनुखेत्रलोष्ठविधायहैंकतियों

कहिहैं सन औरमैं जअर्थ नैरनावमनसायहैं ॥ ७६ ॥
कहुँउच्छूँरमम बैलईस्वरिसिंहपिद्धिस्यो
हिहैं कङ्कुं सिंहकोन कहंतञ्योगुन चितक
रनकोहिहैं ॥ कङ्कुं सिंहनीजयसिंहकोकुम
ञ्योतरञ्कुहियों बदैं कङ्कुंयोंपलायनमोसंदे
कलोगचरको हिदुम्मेहैं ॥ ७७ ॥ इमबीरबु
सातवीरस्तुसलसेनपित्तसंबोरउनियार
नारखारसैं चलबैनदीतटउत्तरे ॥ दखिनी
नतें हसनजेनरकनलामतेसबल्ल्हयेति
नमों हिफूलहतावचोन्यकेप्रतापनलों
लये ॥ ७८ ॥ परत्योंनरेसक्रमालत्लहजन
लहुसुनरलीलर्सों तसमातफूलहताव
चोन्यकानिरक्तियमेलल्यो ॥ कनहद
नावसुकामकिमुनिकुंदकरिउनियार
तैंनावजनकेग्रामलुदलबीरहकेकिवि
ग्रारतें ॥ कृतिलंडिखंडतमाननरकंडलञ्चा

नमंडतअप्पनीटोडारुमालपुरारुहौंवहु
रायमाधवकोंयोधनी॥यहजानिदुअरिसिं
हअक्खियजेदयेतिदयेसबैंसुनियौंमला
रकहायपच्छियनोंबिसासरह्योअबैं॥८०॥
तबकुम्भकग्गारमुक्कलेचढुवानभूपहिंफो
रिबेतिउम्मेदकेंचिरुनोंमुखोपदुजंगदुद्द
रजोरिबे॥सुनिकुंवसंडिरुपिप्पलपुरजा
यबाहिनिउत्तरिउमरावतीननआयकैंतें
हैंभीरमाधवकीकरी॥८१॥जगतेसलेन
पुरेसज्ञानतथासिवापुरकोधनीरुनित्यौं
हिजालमडोडरीपतिउम्रस्योवदलीअनी
॥खंगारवंसियकुम्भकेउमरावबेथवतीन
येअसवारपंद्रहसैलियेंमिलितत्थमाधव
केभये॥८२॥सुनिपिप्पलूसनकुम्भकेंबढि
सेनजैपुरत्यौंसरीतेंहेंबोधिपादपकैंतरैंडु
कथातसंभरतैंटरी॥तसक्विनकल्पद्रुती

नुसारवसुतु द्विभूपतिपैं चलीलखिताहि
हूहुनकोसिरोमनिबाजिपैंकिकढ्यावली
॥८३॥ द्विजदानभोजनतांनिमित्तअनेक
आदरतैंकरसबसेनसम्मलिहंकिवैंपु
निजायफागियउत्तरे॥ चढिंकंतहाँसन
दूसरेदिनदच्छिजेपुरकीमहीपुरनामला
वलसानजायमुकाममंडियबेगही॥८४॥
रहेतैंघनेंदिनमिलयेतंहमंत्रजित्तनको
भयोदलभीरच्यारिहजारतत्थहिरानको
हूलपुग्गायो॥तिहिंमांहिंमालिकरानबं
सियसंभुभारतभ्रातहोरुभनानिदासप्रध
नपुत्रगुलाबकायथजातहो॥८५॥कुलि
मेघबेघमनाहभूपउमेदसाहिपुराक्तो
जसवंतदेवगढेसत्योंमिथुरातआलवउ
लतो॥इनआदिलैदलरानकेभटभीरछ
लकरकीमयेपुनिदेहजारहबंधकेभटआ

निततत्थहिपुग्गये॥८६॥ तिनमांहिंमा
लिकदूदहरमरसेरमेरतियाजथामनरू
पसचिवरुऊदहरक ल्यानसेर अमेलथ्या॥
तेंहैं अप्प अप्प विथारि आयसधारिदैरन
उत्तरेइमपिक्खिसूरन आनि कूरन घुघ्घही
मनतेंबरे॥८७॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौ उ
म्मेदसिंहचरित्रेत्रयोविंशो २३ मयूख:॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥ दो०॥ नगरलदानों हीसुन्यों सा
हमुहम्मदनास॥ सकसरनभ वसुससि
१८०५ समामेचकसावनमास॥१॥ पंच
तिनहिंमुकामनतैंमलारनिजभटवंगमा
धरसेंहैंसअद्दुदलसंगदैरुपठयोजैपुर
परतिहिंजायरुजयनेरहारअरनतोम
रहनि॥ बलवायेप्रतिवीरमीरु अबसम

ताको सुत वैदेत गयन अहमदसाह अनूप॥ नहमन सरत अलीसचिव र करयो पुनि अघ रूप॥२॥

रबहोडूभनि कोटकेनिकटमालिनकुटि
यनादिनसहितप्रजारिदियकूरमङ्कतुंग
प्रासादचढियहचरित्रआतुरलखिय॥
३॥तबनृपईश्वरिसिंहकटकपिस्योति
नउप्परसेखाउतसिवसिंहबिदितनिक
स्योबारलयरयहकूरमनिजत्रसनबेरढुं
ढुमिक्रजवावै॥लक्खनरंकजिमायप्रीति
ओदनलबपावैंतिहिंखुल्लिअररजयने
रकेसजबबाजिसम्मुहकियउमरहट्टभ
टनजयकारमिलिदुसहमारखग्गनदि
यउ॥४॥सीकरपतिकोलोहकटकदकिव
लसिरबग्योधारिय दोयघमसानभुकति
गंग॥धरभज्योपंचकोसपङ्कुंचायमुखोप्र
तिमम सेखाउत॥जायनिवेदियबिजयनृ
पहिंबंदीनबिरुदनुतअरुकहियजोन
भाजुनचढहूतोसत्रुनसनहारिहैंनृपक

हियजहँ अप्पनमिलरुसंगरवढुरिसुधा
रिहैं ॥५॥ दो० ॥ पठयेयहकहिभरतपुरक
गगारजहँसमीप ॥ आवढुसूरजमल्लइत
मंडतजुद्धमहीप ॥ ६ ॥ गहियढिगलेवैबि
हैंतुमहिंबीरअप्रतिआघ ॥ हिमदक्खिन
सिरहोढुअबढुपहरजेठनिदाघ ॥ ७ ॥ इ
मकग्गरढुतबंचिकैंचढिगजहरबिमल्ल
॥ जयपत्तनजरकुंचजवआयोकटकउप
ल्ल ॥ ८ ॥ नगरलदानोंतैंकियउइतसबद
लनप्रयान ॥ सावनउज्ज्वलभूतसकमिलि
सरनभधृति१८०५मान ॥ ९ ॥ हद्दपूरबढु
लकरएचेबगरूनगरमुकाम ॥ तहँसनलि
यउमलारलबदमहजारदमदाम ॥ १० ॥ रा
नकटकअंतरगयउपुनिदक्खिनदलराय
॥ भिन्नभिन्नसबभटदक्खिनीदितडेरनजा
य ॥ ११ ॥ साहिपुरेसहिंआदिदैसबहिर

यानउमराव॥इक्कइक्कहयनजरिकरिछुहे
लरनबढाव॥१२॥तदनंतरमरुधरकटक
पठ्यौकुलकरनाथ॥अभयसिंहभटबर
अखिलसंबोधेहितसाथ॥१३॥खासादु
वद्वयदुवहयीसारवतिपुरटसमान॥चा
रुकरमसुबिनीतचउपीनरुरजतपलान
॥१४॥त्यौंहिक्रमेलकदिग्घतनुभारवाह
पंचास॥मरुपतिएतेमुक्कलेप्रियसखकुल
करपास॥१५॥तेसबअत्थनिवेदयेसेर
सिंहमनरूप॥इकइकहयपुनिअप्पने
अप्पेभेटअनूप॥१६॥तिनहिमुकामन
पंचसतकोटाकेअसवार॥आयेसम्मलि
आकुरनचिंततविजयबिचार॥१७॥अ
खयरामकायत्थअरुनगरनागदहना
थ॥माधानीमोहनकुलजजोधमुकवर
नसाथ॥१८॥तिनहूकोसनमानकिय

कुलकरडेरनजाय॥इकइकघोटक अथ्थे प्रचुरभीतिउनपाय॥१९॥रुचिरा॥तँहँमा धवकूककपटबिथारिय अग्गजपरिकर कोरनकोँ कन्हवकीलबङ्करिगो गाउतमि लिकूरमथनमोरनकोँ॥प्रतिउत्तरसमुझैँ तिमकुम्मरजैपुरसचिवननामरचेँदेँचर हत्थकहिय अग्गजचरइनहिँलखैँतब मोदमचे॥२०॥यहसुनिचरदललहिजे पुरगतजानिपरायनहत्थपर्योईश्वरि सिंहकुलखितिनपत्रनदैअप्रतिआकुल सोककर्यो॥जिनअभिधानलिखेउन पत्रनतिनप्रतिअक्रियतुमकुपदोहर गोबिंदप्रमुखसुनिबुल्लियउनढलकित तुमलरनचढो॥२१॥ईश्वरिसिंहसुसुनि गहिमोनरुज्जहसहितदलनलरनचढे सहयनबारनगनबंदितबैलकलंकव

ढ्ढलबजे॥इतबगरुवबुधसिंहसुवनन्दृ
पसमुदकबंधनसिविरगयोमारवमुदि
तमिलेनतिपूरबघोटकइकइकभेटमयो
॥२२॥इतपंडितपढ्ढैंच्योगंगाधरसुनिपु
रअररनसेलहनैंपुरजनपकरिसहरब
हिरागतबिदितनिडारियमुंडिघनैं॥इ
अरिसिंहसुसुनिसज्जितकरितीससहं
सनिजकटकचढ्योसंगहिजहअधिप
रबिमल्लढुबाहिनिगाहिनिहंकिबढ्यो
॥२३॥सकसरनभबसुससि१८०५सम्मि
तसमभहअसितगतदोजिदिनाँकिरि
रदतुहिद्धुहिअहिसलरुबसुमतिफुहि
यसमयबिनाँ॥हाकप्रचुरदिसदिसप्र
तिहारनहयनहजारनजूहजुरेअसह
अचानकअनउपमानकघनरवआन
कनिकरघुरे॥२४॥इतिश्रीवंशभास्करे

महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउ
म्मेदसिंहचरित्रेचतुर्विंशोमयूख:॥ २४॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥स्तुग्ध्रा॰॥मनहू॰॥बावनबरनतैंसरस्वती
कोसरनस्वेदिजाकोबरस्युज्यौंदुसासन
केकरतैंदुंदस्तुपदतैंज्यौंप्रपंचितप्रसरपुं
ज्वीजन्यसुधातैंबरबुंदैंबारिधरतैं॥धारि
धितैंबीचिम्मारतंडतैंमरीचिमितत्तुरल
तरंगास्वोलगंगागिरिबरतैंगौतमतैंन्याय
राजराजतैंज्यौंरायचंप्रसैंकूरमकटककेज्यौं
जैपुरनगरतैं॥१॥आवतहीपंडितप्रधान
तंतेगंगाधरकौरैसेचस्वायलोहसुख्योन
जिखतुहैंलागोपीठिकूरमबिनांश्रमबि
जयजानिजहनममेतुसज्जसंगरसचेतुहैं
॥बडिसबपाकेलोभलीनभहामीनजैसे
डोरिखैंचिबेतैंनीरतीरआनिलेतुहैंजैसे

रन्नेसआनिडारयोयोंमलारपैंज्योंडाकि
निकेडेराडावरेकोंडारिदेतुहैं ॥२॥ आव
तसुनतढुंढाहरकोकटककइतअपरअ
नीकहियपंकजखिलतुहैंबुंदीपतिमा
धवमलारअसवारहोतसिसकतुसेस
अंगकच्छपगिलतुहैं ॥ सिंधूरागलागें
रेलें [illegible] खवागें अनुरागें आनिहाडितानि
बागें बढि आगें कोंमिलतुहैं नयनगुल
लीआबीछननैंछाबीभूमिएडिनकीदा
बीनोंअँगूठनमिलतुहै ॥३॥ बाननभ
अहिभू १८०५ समानसकबिक्रमकेभद्दव
चउत्थौस्यामभालनमिलनकोंनेरबग
रुकेरपेतपेचौंसेनसज्जकरिमंड्योमग
रहैकिसम्मुहमिलनकों ॥ आसिकअ
[illegible] कच्छपकोरिवनीकेफनफोरतफनी
[illegible] पारन [illegible] मिलनकोंहाडाछत्रधार

औरमाधवमलाररलागेराकुंद्रहैकैंकूरमकुला
निधि गिलनकों॥४॥चढतचमूंकेंचोंकि
चेंडीचहकायगनगिद्वीगहकायरवरखे
चपालखिल्लीपैंतरलतुखारसारएकवर
अपारनादप्रचुरप्रसारजोनअंतकारद्वि
ल्लीपैं॥घुमंडिघटालेहद्दुकुलकरवाले
बीरकालेभुजभालेचालेदीढिमनमिल्ली
पैंकूदतकलावानागपेचपलटावादेत
कूरमपेंकावादेतदावादेतदिल्लीपैं॥५॥
प्रथममिलापरचितोपनकोतापकपिले
सकेसोसापबापकालको बिथारयोत्यों
रकिकरालसोरज्वालबिकरालफैलिकला
लनबिसालज्वालमालजगजारयोत्यों॥
गोलनकेगोनपीलुमत्तेपोनपूलेकरिलो
नोंभोनतत्तेकरिप्रलयप्रसारयोत्योंनालि
नकोनादयोंनिहारयोबगरूकंजगमंद

२

कोमारयोज्यों पयोनिधिपुकारयोत्यों ॥ ६ ॥

घ॰ ग्स॰ ॥ परतपलीतेघोरजामजुगबीते
छूटि फेरनपैफेरनर ह्वैबरमरतजातसिल
गलसोरश्रोरश्रोरजातबरजोरजिलह्ल
ह्सीजंबूद्वीपकीजरतजात ॥ जंगबगरू
केघोसकोसनमकुमिकैधिधूमधोरनी
कीधुंधिधूसरपरतजातसक्खीकरिस्थर
जसमचखीतोपलकबीगजमकवीपरले
लेकालानलफॉसीकूरतजात ॥ ७ ॥ गानन
नगोलेधमसाननउडाननलेधाननकि
साननत्योंप्राननछुटतजातदाहनदुस
हश्रवगाहनविजयमेगयंडकच्छवाहन
सिपाहनचुनतजात ॥ दगिदगिदावता
अग्रतुलश्रलाचलागिजगिद्धकलारजार
भारसीभुनतजाततावोंतिनतोपनप्र
भाजलभुनतत्योंहीतोपनझेताकेहश्रवा

जनसुनतजात॥८॥प्रा॰मि॰॥मुन्दा॰॥रची
बगरूइमतोपनरारिझगेश्रयगोलकपाव
कझारि॥भयेकचमालमईसबभोनगिरैंब
डुबारनगोलनगोन॥९॥उडैंबरहैबर
त्योंश्रसवारबहैंजममग्गकिनैरबजार॥
उडैंबगिसोरझलाझलश्रभ्रगिरैंसुनिग
ज्जतगाजिनिगज्ज॥१०॥हलैंभुवपन्नग
सीसहजारनचैंकिरितुंडमचक्कनमार
॥नचैंजिममारुतवारिधिनावभयोइम
छोनियतंडवभाव॥११॥भयेजडजोगि
यछुटिसमाधिवढ्योसबश्रोरप्रजागर
व्याधि॥भग्योंनिधिलोकबनावनभारक
रीहरिसौंकुतजायपुकार॥१२॥लगेंश्रय
गोलकमंडतलोपउडैंध्वजदंडमयूरनश्र
प॥थरत्थरभूजिमपीपरिनीरसरैंजिम
ग्रीषमतप्तसमीर॥१३॥उडैहयश्रभ्रक

मैंगतिचक्कमनौंइन्द्रपच्छनकट्टियसक्क॥
रचैंवकुरेवलमलंगतरुंड बनैंचतुरीप
रिमुंडनमुंड॥१४॥छिकैंगजमत्तनिका
रिनमारिदरीगिरिसन्निभहोतदरारि॥
उडैंवकुसंगकरूरअघायबिनाश्रमहूरन
लुब्धजाय॥१५॥कटैंजितगोलकबाह
लिगार बनैंलितआयतपंथकजार॥मनौं
सुचैगीपन्चरकवनन्चकलैंगकटिगोलक
खेतलक॥१६॥जगैंकतिपुंजपताकन
ज्वालकरैंजिमारुतहोरियझाल॥म
चीनगाहकूरउलूकमेहगिरैंनकुसोध
अगारकगेह॥१७॥हसैंनलिपंहूनप
लगहारकरावतडाकिनिलेतडकार॥
मनंतहिंनागिनियोंउचरंतकहोकिम्मसे
उधसंकतकंत॥१८॥नहींभरिरंभनस्पृह
कक्षादिनहोंसपगूहनथोरअनादि॥ल

ललाटकआदिकचुंबननोंहिंनबोलनैं
रसनारननोंहि ॥ २६ ॥ नकअनहिंलैभन
अपतनाहउतैंनहिंक्यौंरतिकेलिउ ला
हि ॥ नल्लहक्आदिबनैंरदनोदमलैंकिम
नाथप्रीतियमोद ॥ २७ ॥ नञ्लेषपरिरंभन
आदिहिच्यारिनक्यौंनबहुकलहैहम
नारि ॥ कहीयहबागिनिसेसहिंकत्यव
घोतबनागप्रियाभरिवत्थ ॥ २८ ॥ इतैंभुव
बुंदियकोअधिराजउतैंदृढजैपुरभूपति
आज ॥ लरैंडुवसज्जचमूरचिलामधुजैंद्ध
हिंकारनअप्पनधाम ॥ २९ ॥ सुन्योंद्धमना
गिनिसंगरसोररहीचुपरुद्धिकयधोहन
रोर ॥ कहैंरसनाजिमदोयहजारपरैंति
मनागिनिकोंदुखपार ॥ ३० ॥ बराहहिंद्व
करिकाइतचुट्ठिडिगेकिमसंतुलितारत
इत्ति ॥ कयोतबलंडुटिकैंनहिंभेलवयो

सुहिकुम्मदुलीप्रतिबोल॥२४॥भयेअध
लोककुयोंभरभीतबनैंअहमंडमनौंवि
परील॥अरेइमद्दिदलखमानखेरिल
योमरकहुनकूरमघेरि॥२५॥ष॰प॰॥इ
मतरुइहडुकुंओरतोपपटमदनवितान
नआतपक्कुवृतपिअक्कनककाकुवस्वेदि
तआनइहिंअंतरआसारमुद्दिरउज्ज
लिअलिमंडिय॥बक्कुसुखसीतलबात
तेबइआलपभवखंडियइवघटियहोय
सातालदमाढक्कपनपनपुनिगहिय
धक्कुयमलदिनबगरूपक्कुमिबारिरुहिर
अमुलिबहिय॥२६॥दो॰॥मरहट्टेरुक
तमुदिरजुरेबक्कुरिजुज्झार॥इकऊंचेथ
लपरचढेमाधवहड्डुमलार॥२७॥तोपत
होंसननिगुनखटमाधवकीचलवाय॥
कूरमपतिकेगजनिकटगोलेलगिय

जाय॥२८॥गोइतनैंरविचरमगिरि स्यार्थं
समयविधाय॥भीमनिसाआगमभयोदि
सदिसतिमिरदिखाय॥२९॥फिरनकोव
तवडुवव्हलनअकिवयरोकक्कजंग॥म
नसूरनसोसुनिसुरेआयासितलखिअं
ग॥३०॥छुट्टितिमिरकरिसबननहिल
ह्योडेरनराह॥लरतक्कुतेतत्थहिरहेत
जितजितुरगसिपाह॥३१॥तीनतीनदि
नकोअसनरक्ख्योकलिनलगाय॥ति
हिंकरिभूखेतक्खक्कुवस्वरसखिसमुदा
य॥३२॥बग्गाहोरिवाजीनकोगहिगहि
करनकराल॥सज्जहिरहिंबैठेसवनक
ह्योजामिनिकाल॥३३॥माधवक्कूइक
ग्राममैंरहिकर्षुकगृहरत्ति॥बदलिनाम
तापैंहवंबचेबितईनिंदबिपत्ति॥३४॥क
वचसेऊउपधानकरपक्कमिपृथुलपल्लं

क॥ सुनोतें हैं जयसिंह सुत आसिका मिनि
धरिअंक॥ ३५॥ सोव नन्हाव न अ सन की
कहांके लिकातीन॥ बुंदीसक्कुइक खेत बि
च खिन दाकी नीरवीन॥ ३६॥ कुलकर कैपदु
चीहठनइक रावटी आनि॥ बित्तीकठिन
बिधाबरीचटकनकुवचहकानि॥ ३७॥
नित्यनियम मंड्यो नृपति उद्विसबनसन
अग्ग॥ एते बिच पिकत्यो अडर माधव
आवल मग्ग॥ ३८॥ ष०प०॥ सकगुननभ
धृति १८०३ समय मित्र माधव खंडु वक्कव
बदलीदोउ न पग्घ धरिसुर क्कीड व्वनधु
वइहिं दिन वहउ षीरवकुम्भ आयउधार
न करि॥ जयिन्नृपहिं तुज्जुहारइक्कतरुत
रुमायउत्तरि द्विजदयाराम पठयो नृपति
पुक्कनकच्छकच्छवाहपैंहैंतिहिंजायल
खियजयसिंहसुवच्चबतदद्दमउद्दत्तद्दं

॥३९॥ दो॰ ॥ ऐसोहूआवत समय घोर म्रचत घमसान॥ भूपतिहू निजभूख कोंदेत मोट बलिदान॥ ४०॥ इत कुहहु नृपनित्य करिबे अध्वदेव करवाय॥ जथालाभ लित्रतअरुस ज्योकवच सुमाय॥ ४१॥ इहिं अंतरजैपुर अधिप चढ्योचमू जुत चंड॥ अप्रभुपति पर इंद्र सम्बैबेगे सजि बेतंड॥ ४२॥ इत उम्मेद माधव अरहिहय चढि समिलिहोय॥ कुलकर ढिगआये कुलसि दलहिं प्रचारत सोय॥ ४३॥ नृपम लारह रवचल्लक्के जयपुर सम्मुह जंग॥ कुंतभ्रमातअसव्य करफेरत तरलतुरंग॥ ४४॥ परे पलीते तोपपरि अतुलद गी अरराय॥ बासवकेधों बज्र लैघल्लैं अद्रिन घाय॥ ४५॥ ष॰प॰॥ तोपनलग्गात अग्गिबालरी ढकवर रक्कियदर रक्कियकरि दइ

कमटखुप्परिकररक्कियपत्तनाबिचकरि
पंथक्कढलगोलेसकसककरि॥मनक्कुसं
घमायूरधसतकाननकेकाधरिमल्लार
पिट्ठिकोदाचमुपहोमोहनसिंहोतभट
वहजोधनागदहपुरअधिपगोलालगि
गयबिहिलबट॥४६॥ऐसेकठिनअने
हनहियमाधवमलारकेंहँहमकिहिं
लेररहेसु।त्वरितसुनिदियउत्तरतेंहँ॥
रेरवकुवहतुंदीसबीरकिहिगेरबिहार
ललितसेकनहिंलालइहाँनिकसत
अमुआरतमेरेहिकहेंरहनौंजुमतआ
निरहकुलोसमउदरसुनियहसिटाय
माधवसलजइवप्रदोषपंकजकहर॥
४७॥दो०॥इततेंगंगाधरसुदूजीअनिप
बनाय।पेलीघाँसनउडिपरियजेपुरद
लविचजाय॥४८॥ष०प०॥गंगाधरहय

गरककरेक्रूरमदलअंतररिद्धिनबन्धि
गरिदुभीमगज्जिगरज्जिगभरफटललो
यचोफारकटतकीरकितरजन॥खुर
खुरतारनखुदतधरनिधारनलमिध्
जनभयकारमुंडमुंडनभिरतरुंडफिर
तबनबन्धिरखभासरीदसाभीरुनभई
सिद्धालहुननसमरसुरख॥४९॥तंतेकीतर
वारिविरवभजेसुरदलबग्गीतडितगालि
अतितेजमुदिरमदवग्गामग्गीघेरघोर
विघमसानतुसुलतुवपहरकहरलप॥
नैंकडिगननन्द्रियउई अरीसिंहअने
कपकूरनलतबद्रियहुलकारियहल
नकीवसुकालिदुतहिभेदेरुपायदार च
क्केकरडुमुकामनुकामाकेदि॥५०॥दो०॥
यहलखिकुलकरकटकअजानीकुम्म
नजाय॥सउचाविकवपुकर्मसबभट

निबिर कुभाय ॥५१॥ तबतनाय कूकरावटी (
तजिकढिवंयमलार ॥ नित्यनियमवस्तुक
मैनिजवियबलागितिहिँबार ॥५२॥ पीर
निकहिजतुल्लिपुनि इंद्रदत्त अभिधान
॥ आसासन बैयारितिहिँसुनत भागवत
यान ॥५३॥ अप्पपरम टनउत्तरन समय अ
किवयदूतन आय ॥ उत स्योन हिकूरस अ
धिपजानैँ हमसुजिजाय ॥५४॥ कुलकेरा
वसुपटनकहियउतरकुकोउन अज्ज ॥
कूरम हमजान्यौँ कितवलेसन सुलहतल
ज्ज ॥५५॥ तंतेकौँ सुकलितनहिंरोक्यो जेपु
रसह ॥ इतनैँ दुंदुभिबज्जि अरक किन्नकि
यकवाह ॥५६॥ सुनतएहकुलकरसुप
कुकुलहित धारेदेह ॥ तुरगचढ्यो पदरो
रुतजिमंडत आयुधमेह ॥५७॥ नराचः॥
चढ्यो मलार लैतुखार नो हजार नक्खतेथ

येप्रवीरतानितीरजंगधीरजञ्चते॥बजे
निसानस्वानजेदिसादिसानबित्थरेच
मंकिपारिच्चिकरीडिगेरुदिक्करीडरे॥५८
॥हज्जारपंचसेनहेसल्लेसकाजमुक्कलीर
मधुरीसमीपलोंगयेतिलूटतेचली॥हज्
जारच्चंककेलियैंमलारउप्परच्चोइतेंजिते
जितैंचलालखालरग्गतेंचिलेतितें॥
५९॥तुलैंनकोनहक्कसेकुलैंहरोलहक्क
दैतुलैंतुरंगतक्कवेरधराधुजातधक्कदै॥
उमेदमाधवेसहूलजेदुरूहसत्थल्हेक
रिझजामकुम्मपैंघिलेप्रचारिपत्थल्है॥
६०॥करीनकेकलापकेकलापकेतुकेखु
लेचलेसमग्गरूपखग्गसेनञ्चमासंकु
ले॥खिचैंकमानबीचबानदंडितुंडदंत
कैकरैंकटारकेकपारदेवदारकंतल्है॥
६१॥करैंतुरंगफेटभंगपेच्चरंगभंडकेरि

२०

रैं खलीनखग्गखीनदुंदुभीनखंडके।।क
रैं कपालभिन्नभालअंखिलालउच्छटैं
।।बटैं बिसालग्रीवगालजत्रुजालत्योंफ
टैं।।६२।।कुटैं कुकैं फुकैं कलेजकुम्भकेरुकैं
लुकैं सुकैं करीनदानतानगानअच्छरी
लुकें।।छिकैं चिकैं किरीटकेकओटघोट
कोटिकैं थकैंजकैं हकैं कितेकबाढबन्हि
कोसिकैं।।६३।।जगैं प्रकोपअक्कओपके
कलोभत्यों दगैं लगैं बिसालसारझालदी
पमालसीलगैं।।जचेसुमल्लजंगकेतुरं
गतापमैंरचैंरचैं बकारिरारिकेडकारिडा
किनीनचैं।।६४।।गजैंगरूरपूरसूरक्रूर
क्रूरकेलजैं सजैंरजैंभजैंननीरकेअनी
रकेभजैं।।तनैं प्रहारलुत्थिलारमारमा
रकेभनैं धुनैंचुमायघोरघायघायमत्त
केचनैं।।६५।।थपैं प्रमानप्रानकेअज्ञान

कानपैंजपैंबिसारज्यौंअपारवेगधारस
म्हुहेधपें॥कवेंछलंगिछोनिहेंदुसार
संगिगेदवेंफबेंअगोटचंडचोटढाल
ओटकेदवें॥६६॥सनंकिचोंकिचिल्ल
नीभनंकिगिद्धनीभमेंखमेंघघागखाग
भोगभागनागकेनमें॥कोरंअनेकखावके
कपावअम्महीपरेंजरेंअसूनभूरिभीरवी
रअच्छरीबरें॥६७॥मिलेंअभीतजंपि
जीतपीतुबीतदेपिलेंखिलेंसव्यानरेबब
रीभयानभूचरीभिलें॥खसैंनसैंअनेक
सूरकेकुल्लसैंहसैंघसैंकितेकनाकके
कनाकजायकेंबसैं॥६८॥थरत्थरीथिरा
कुपिक्खितेगकीनरत्तरीबरच्छरीलगेंन
जासफग्गकीचरच्छरी॥छग
डहुकोलकीडगहुगी
गिनाकलोंटगहुगी॥६९॥

घायस्वासकेपरेकरीकरी घरीघरीघुमाय
जायझाकिनीडरीडरी॥ लंजेलंजेलूकैंलु
आयभीरुकेभजेभजेसजेसजेसिपाहले
तमारदैभजेभजे॥७०॥ बटेबटेपिसाच
बुक्कफिप्परेकटेफटेकटेकटेगहैंकलेज
नोंगहैंनटेनटे॥ सचीसचीभिरैंसम्हारि
बाहिनीनचीनचीनचीनचीफिरैंनिहारि
जुग्गिनीजचीजची॥७१॥ धकेधकेलस
तलोहस्रोहसैंरुकेरुके थकेथकेगिरैंकु
पालबालतैंढकेढके॥ कढेकढेकिरंत
लोलधक्कवढेबढेगढेगढेगडंतगि
रूरतिथ्थैंचढेचढे॥७२॥ मिचीमिचीअ
नेकअंगसिंधानमें सिचीसिचीमिचीभुजा
अनंतअंतरीद्दचीद्दची॥ जुपेजुपेजुरैंकि
तेकरंगमैंरुपेरुपेलुपेलुपेलिखातपाप
थारतैंछुपेछुपे॥७३॥ अनीअनीअरैंघ

टकियुम्मरीघनींघनीजनीजनीलुम्भात
ऋातऋच्छुरीबनीबनी॥भईभईभनैति
भिन्नकेकरैंरईदईनईनईरचंततरिजो
भजेजईजई॥७४॥मुरेमुरेमरैंकुभीतिद
खिबेदुरेदुरेबुरेबुरेबजंतबंबडोलकेतुरे
तुरे॥हिलेमिलेबहैंकितेकखोजमेंखि
लेखिलेगिलेमिलेमुहौंअनेकसंगितेसि
लेसिले॥७५॥ऋसेऋसेफिरेमलारराकु
केथसेथसेलसेलसेलरैंलमासधुज्ज
टीहसेहसे॥कहेकहेजुरैंकितेकचंडिका
चहेचहेबहेबहेफिरैंबपातुगिद्धनीगहे
गहे॥७६॥जदक्किदक्कदक्कौंपलक्किव
ऋलौंपरैंसुटक्किखमारखुम्परीऋटक्कि
पग्घउत्तरैं॥दरक्किछत्तिदखियौंभरक्कि
जैपुरेभजैंकरक्किसंधिकंकटीजरक्किवा
ढकेबजैं॥७७॥लचक्किसेससंकुलीभ

...कैभुम्मिबिकखैरैं मचक्किपिट्ठिकाम
...चक्किपंकमैंगरैं॥म्लिम्मिसोरकी
सिखापुलिंगफैलतेबमैंमनोज्ञमुंडमा
लिका...ंककालिकारमैं॥७८॥खिरं
त...कंतकेकरंतहेतदिग्गजीगिरंत
...की भरंतस्वासभाभजी॥कपी
...नकेधुनीनकोपकेकसानुहेडु
...वितानधुंधिभानुदीहसीतभानुहै
॥७९॥रजोमईतमोमईभटालिभीर
भू...ईबिमानजालदेवतानतालरीभि
...॥धसैंहुरीडु...नीरपारनीरधा
...स्वसैंउतंगकेधरेमतंगमुम्भिसार
...॥८०॥समुद्रसत्तलेहिलोरओरओर
...भनेंसिराहचंद्रभालकालकल्प
...॥अनंतमांहिंअंतलेउडंतचि
...कहनंतहत्थअंगकेभनंतमत्थ

भंगहै॥८०॥बितंडबाटिकानदंतहस्ति
दंतउप्परैंकिरैंसुकुंभकोहलेपलोंडुघंट
निकरैं॥कटंतसुंडिककरीप्रबृत्तिपाथ
पीनकेकिलासनासईषिकारुआलुअंखि
कीनके॥८१॥कटिल्लकर्णिकावलीभदा
हदावलीभयेअरिष्टकेअपष्टबृंदलोम
कंदऊनये॥कैरेअरीपलासकालअंबु
नागबल्लरीकलेजपीलुपर्णिकाकसेरुता
रईकरी॥८२॥बनातसौंअनेकप्रेतसाक
ब्यंजनावलीकृपानथाप्रकारमारकीम
लारकीचली॥कहैंकितकलायसायगाय
कायकेगहैंलहैंनलायलायकेघुमायघा
यकेसहैं॥८३॥चहैंअघायजेपुरेसगेपुरे
ससाँकरैंमलारभीमसेनकीगलारगंजि
कोलरैं॥इतैंप्रकुद्धरासभूपचुड्डजूद्वयोंस
च्योसुनोंसमस्तप्रीतिकैंउतैंजुरीतिकैंर

चौ॥८४॥षट्प०॥उतजैंपुरमगरुक्कित
रिततंतेगंगाधरउद्धतबप्पानचौंविहंकि
सम्मुहरियहैवरमंडलग्गरुरिमारलु
त्थिपरित्थुत्थिबिलग्गिय॥मित्रमित्रमनु
मिललवक्कलसहिसहिभिरहग्गियतर
वारितरछिवज्जततुमुलमरकिमुंडभेजा
कज्जलभीरुनभ्भनारकलजिमउदकउत
रिउलरिवीरनचहत॥८५॥पुनिपुनिकंप
तक्रुद्धभिलाहपुनिपुनिरनवज्जतपुनिपु
निहुहतप्राणगिरतपुनिपुनिभटगज्जत
पुनिपुनिभिरतपटैतकिरतपुनिपुनिरु
रिकंकट॥निजजायपुनिपुनिभननतषन
तपुनिपुनिनटउच्चटपुनिपुनिकपालकु
टतपिट्टलभरभ्भालुकपुनिपुनिभयउ
भ्भीरैरनपरिच्छंदवभ्भमगंगाधरगंजन
गयउ॥८६॥सोंकुरसनिसिवसिंहतमकि

आयउ हरोल तब मध्य जह रविमल्ल अ
टचंदोल कुम्भ अवसेस आउ तासिर प्रथम
धारझारिय गंगाधर॥ अतुल तुमुल उ
ल्लसिय हसिय नारद हर हहर हहर फुलिंग
कुपित अंसिन फुरत फुरत मचाड़ व सिंह
जिम असि झारि रचिय सेस राव तकु पुरख
रथ फार थप्पतिम॥८७॥ दो०॥ लखी सीकु
नाह कैंतो नमौ किन्नतार जारि॥ सुभर गिरेघा
य लखि सयमरै साद्रि बल कुमारि॥८८॥ न
लखि सकौ घनअंतरित अर्क कुपड़ें अ
अस्त॥ तव झुरि सुरि भ्रव लरै सिसिरन नि
जलन समस्त॥८९॥ कमल जपन लगि संकु
चन घूकन मंडिय घोर॥ सायं कृत्य बिधा
नसब रनन लम्हे दुहुं ओर॥९०॥ फुलकर
माधवहड्ड हूं कहिल मोन्हि तकर्म॥ उझि
फुरि लैलै अमरन मिले कहूं जनरन मर्म॥९१॥

कतिमर दह प्रसार कौं बिचरे पुव्वहि बीर॥
मृगजे पुरतिन कौंमिली आवतिर सतिअ
धीर॥ ९२॥ ताकी संगजु हेतिनहिं आनंग
हिदलअंत। कुलकरसन अक्यो कुलसि
आवनरसतिउदंत॥ ९३॥ जबकुलकरजे
रमतिजन आनंअननिडतारि। अवनन
कतिनकेसरिसबद्धि रुदिन्नविडारि॥ ९४॥
करनबंधमगरसतिकमदूतमलारकिय
राह॥ पंचसहँसदलउतपिल्यो खुरनबि
थारतखेह॥ ९५॥ संभरपुरलगतिहिंस
जवहुंदाहरलियजुहि॥ इमजेपुरजनप
दअसहफोजनहारनकुहि॥ ९६॥ इत्त
बगरूनिसआगमनकुलकरपरछलहे
रि॥ कूरमनाहिंकढ्ढिजानकौं दियउछवी
नांफेरि॥ ९७॥ जामिकजनजागतरहेसे
नइतररहिसोय॥ इहिअंतरअम्मनउफ

नितूटन लग्गेतोय ॥९८॥ पानीबुद्ध तउद
यपरस्थानि चमक्कियत्र्यक्क ॥ कालो दितउ
ठिकृत्यकरिचढे बक्कुरिदुवचक्क ॥ ९९ ॥ ष॰
प॰ ॥ कुलकरइत हयचढियव्यूह कं कदक
रिनिज बलउत जैपुर अधिराजन ढिगग
जराजचलाचल रउत्तरमुरवअडरवेसुद
क्खिनमुरवओपत ॥ खुंदिधरनिखरखुर
नउरन आयुध आरोपत झरि बाढ बाढ द
वगाढ झगि छितिउल्लुकलगिउच्छलन
गांडिवबजायडारियगजबजन्तुपांडवरव
डुपज्वलन ॥ १०० ॥ दो॰ ॥ तं तेकों करिमुख्य
तँहँ समरभा रधरिसीस ॥ डुक्कअनीच
दोलपर परइ कुलकरइस ॥ १०१ ॥ जैपुर
पतिचंदोलजहँ हैनारवकछवाह ॥ गंग
धरतिनखिचगर्ज प्रविस्यो प्रचुरासिपाह
॥ १०२ ॥ ष॰ प॰ ॥ गंगाधरयसिगयउ कादि

हंदोलनरूकनकिंवैंदूकनदूककुंतअ
सिसरबंदूकनकतिकबचेभजिकढियउ
दधिकूरमदलअंतर॥मकरअग्गजिम
मीनचसिततिमलखतदिगंतरकूरम
हंदोलकेतनहिरदजिहिंअगैंकढिगय
सजनलतेतुरंगतत्ततमकिभयोअरिन
बिन्दप्रलयभल॥१०३॥दो०॥सेनाअंतर
कूरहिब्रिजलुट्टेसकटसलील॥मारेताप
नकानमैंकठिनअथेभयभील॥१०४॥म
यमकटकलंतेमरटमनुगोपीदधिमट्ट॥
कूरमलसिलुट्यौचकितजबहंदोलस
नजट्ट॥१०५॥य०प०॥तबहिजट्टराविभ
सभलदिअयोसहायपरजिमगजसं
कटजानिभपलपनआनिचक्रधरअड
दमारतपुरट्टसलिमहिहंक्योरनतंडत॥
मंडतअभयधमेटकुलसलट्ठनअरिखंड

तब्बतिजोरहरतमरहहब्बसुरोरकरत
खगराजरयविहननप्रहारलघुतूल
बिधिगंगाधरसुपलायगय॥१०६॥दो०
॥सह्योभूलैंहीजहनीजायअरिघूअरि
घू॥जिहिंजाधररबिमल्लकुवव्वामेरनको
इघू॥१०७॥छ०प०॥सूरजमल्लसजोरमुर
रि मारेमरहट्टेमिलतबम्भुफनमेटि
नागअ्रातुरगतिनट्ठेपरेकुणपपंचासअ्र
ट्ठउत्तरसतघायल॥दीनोंदक्खिनठेलि
तुमुलकीनोंरिसतायल भयटारिनरूकन
थप्पिथिरपुनिक्रूरमचंदोलपरहरवल्ल
अ्रणआयउकुलसिमिहिरमल्लगहिजय
गुमर॥१०८॥दो०॥बक्कुरिजहमल्लारमन
लरनलग्योहरवल्ल॥अंगदद्वैकुलकर
अरुयोमिहिरमल्लप्रतिमल्ल॥१०९॥रदन
मध्यरसबारहतद्दमसंकटकछवाह॥अं

तस्वाहतसामन्थबलेतनरनजयत्ताह
॥११०॥षट्प॰॥ घरनिफटघसमसतकंपि
कसमसतकुलाचलदिसदिसलोहितलि
पतदिपतसुक्कतदोऊदलइहिंअंतर
आसारप्रचुरपुनिरचियपयोदन॥चह
लपहललच्छुरंगइहलपानियचक्कुंको
हनकुक्क्योमलारतँहँडुअनृपनपरअप्प
ननहिसुधिपरतवुमच्चलपसत्थममढि
गरहक्कुभटनभिन्नरक्खकुलरत॥१११॥
दो॰॥वुंदियपतियहसुनिबचनसतसा
दियलियसंग॥हरजनइतरअनीकले
रह्योभिन्नरुधिरंग॥११२॥हयसतरकेवम
धवइकुलेइतरनजयलीन॥सिवाईकुसि
वन्नलहरकुम्भपृथकरनकीन॥११३॥लं
वरिवाअरुटोडरीअधिपमिलेत्रयआ
नि॥तिन्हगोगाउतप्रेमलेपृथकज्जुरयो

असिपानि॥१२४॥एक हड्डुक्कूर मउअनय अ
नुक्रम बंटिअनीक॥स्वामिन कुलकर संग क
रिमंज्योपृथक समीक॥१२५॥ज्यौं हितुदेपुर
जोधपुरकोटाके दलकुल॥भिन्नभिन्न रहि
कैंभिरिजेपुरपतिसन तुल्ल॥१२६॥कुलक
ढिगडुवभृण रहितुमुलरअोग हितेग॥
पानीआयुधपैजकरितुहून लग्गेबेग॥
१२७॥भीजीपग्ग सुदूरकरिदेअविकपट
टोप॥कुक्कापीवतकुलकर कुकलहस्नरो
अतिकोप॥१२८॥म॰मृ॰॥खेलखलरंजकी
सारिअनुकार मल्लार निजबीरअग्गैंबढ़ा
बैंहड्डु प्रतिमल्लहरबल्लरचिहल्लहम्मीर
वरनीरबुंदीनकावैं॥हड्डुसामंतहरनाम ह
रजनसुनृप सच्चिनलेसनहूक अोरजुज्जै
मेघआसार भयकारअंधार मिलिअप्पन
रुपारनहिनैंकसुज्जै॥१२९॥सिवाईसिंह

कच्छवाह सिवब्रह्म हरमाध वा मात्यङ्क
अरु जुहैं तीन कच्छवाह खंगारहर लैरुड्ड
लगोगहर प्रमकरवालकुहैं॥रानजगतेस
कहे केसउत संभु अरु साहिपुरभूप उम्मे
दरुप्पे साब्हिवि गुलाब अरु देवगढ कंतज
सवंत जुनि बेघमप मेघकुप्पे॥१२०॥जोध
पुर सेन पतिसे रु अरु सेरमन रूपक ल्या
न साम सेरगारैं यों अखैरामको टेस कटके
भर नजैरु भनसे सफन पेसिडारैं॥कुंतअ
सि हत्थ मिलि बत्थ कति सत्थ गति पत्थत
ति जत्थ सिव अत्थ अर्घ्यों भी मअनुकारिग
अपारिध न्कधारि कलिमारि तरवारि थिरस
रिथप्पैं॥१२१॥नीर अरु छीरनिभ धीरक
ति बीर हक गीर मिलि तीर करि भीर टारैं
कालनिकराल कनि ज्वाल दृग लाल अ
रिसाल भरि फालगजढाल ढारैं॥भीरुभ

येरेतगिलिगोदपललेतअतिहेलकु
रिखेतबिचप्रेतनच्चैंत्रासतजिभ्भासजिथ
स्वासहियलासकरिखासरनरासनरना
समचैं॥१२४॥रोरचकुंओरअतिघोरघर
जोररचिसोरतविदोरभटमोरसजैंरोक
घलिहोहरूलिकोहकुलिछोहछुलिगो
हसंदोहबद्धलोहबजैं॥इद्धकहुंगिद्धज
लिसिद्धलगिलिद्धबिनुसंकपलपंकबि
चकंककुहेसैनदुवलेनजयलेनमुरेंन
रनचैनकतिबैनथकिनैनमुहें॥१२५॥
एहबिचलेहकरिसेहभुवनेहपुनिमेह
बिचमेहबिनुछेहछुधुह्यो बंधिघनपाजगु
रुगाजरचयकाजनजराजपरजा॥निमुरस
जरुह्यो॥लेहकुमुतिधारिनृपरामहुरिना
रिअतिबारिकरिपरिलरबारिरुक्कोम्रोधु
पदमासदुमबारिदनिलासपललासनु

आसमय आसमु की॥१२४॥दो०॥ज्यरमैं
थो तें हु प्रभु रज्जरपस्यो आचानक आय॥
स्मरनसमय श्रुरु हृदयन पय भये चलत जड
गाय॥१२५॥दो० किर ज्ककतबद्ध वककदकप
से सि बिर न नि द्दि॥अमितभट्टनक्षोरी
मलव श्रसि सु द्दिरुहयपिद्दि॥१२६॥ क्ष
द्दारिक तवितायहूम बकुरिवितारत्ति॥
दक्खिन दलसप्तमि दिवससजनलगे
सुनि सुत्ति॥१२७॥ एहसुनतश्रामेरपति
व्याकुलकिव बिचार॥मरहट्टनरोकीर
स त्रिमंड्योप्रसभमलार॥१२८॥जनकल
हुलं थाकरिजु इम सुंदीनौंहिं॥गंगाधर
कोंसुल कैमोरहुश्रपन माँहिं॥१२९॥कू
रमपतियहमंत्रकरिखत्रीकेसवदास॥द
म्मदक्कु ततससंग दै पठयोततेपास॥१३०
राजामलजुतमाय तेंहुगंगाधरलियफो

रि॥दईसौंकछन्नैंदुलभमायाकरिमनमोरि ॥१३१॥अरुअकवीतुमरेलगेफोजखरच जेदम्म॥देहैंनृपतिनतौंद्विगुनकरकुसाम हितकम्म॥१३२॥बुंदीकीबत्तनवदकुभरि धनसकटसुभाय॥कुंचकरावङ्कटककेकु लकरपतिसमुझाय॥१३३॥गंगाधरयहसु निगयोखरजरजूतीखाय॥कह्योमलारहिं कुम्भपतिवकुधनदेतसिटाय॥१३४॥अव नसुनकुउम्मेदकीलेकुअतुलवसुलाह ॥जगकहिहैंकुलकरजबरदंड्योजेपुरना ह॥१३५॥कुलकरकीयहसुनतकुबबिगरि बुद्धिबिपरीत॥धरनलग्योगनिकाधरम जानीअप्पनजीत॥१३६॥सोसुनिद्वैसतसु भटपतिबालकष्णाद्विजबीर।कुलकरसय ननिकायकोजामिकजेपैंधीर॥१३७॥पुण्य केदलबिचप्रकटकौरकरिगुमरगलार॥

किमकहि आयेनन्ह तैं लोभी कितबमला
र॥१३८॥ कैसीसंधाकरि चलियकैसोमंत्र
बिधाय॥संधाकौं तुमकौं सततहै धिककु
लकरराय॥१३९॥ कौं धनलक्बनकरज
कियरचिदलबीसहहजार॥कैंमाधवउम्मे
दकौं बुल्लै बिनुहि बिचार॥१४०॥चलिदक्खि
नप्रभुनन्ह सौंनीचकरि होंनैन॥तंतेबंभन
सठतुमहि लोभदेतकछुलैन॥१४१॥कात
रपनताकोकह्योधारहुननधरिधीर॥वह
पूरबियायहकहतबलहिसिराह्योबीर॥
१४२॥मनगोपलदिमलारकोलग्गतबच
नप्रतोर॥तंतेकौंबुल्लिरुत्वरितबुल्ल्योल
रनबिनोद॥१४३॥सुनिगंगाधरवहकित
वतजिहैं बुंदियदेस॥च्यारिअनुजहितपर
गनैंदै हकुम्मनरेस॥१४४॥बुंदीसहिं बुल
वायपुनिताकेडेरनजाय॥इक्कतरवतदुवबै

ठिहैंसमसतकारविधाय॥१४५॥दींकाउ
चितनिवेदिहैंकहिकहिनृपउपटंकतोअ
प्पनदलकुंचहैंनहितोजंगनिसंक॥१४६॥
सखीअंखिनिहारितबतंतेत्रसितबिसेस॥
अकबीकेसबदाससौंकरकुमलारनिदेस
॥१४७॥सुनिखत्रीनिजस्वामिकोंजबहिसु
नाईजाय॥हितमाधवउम्मेदकोकरनोंही
अबन्याय॥१४८॥कोपतकुलकरबिनुकरें
अंखिनथकतअलाव॥रसतिबंधपहिलैंक
रीअबआननपरदाव॥१४९॥ईस्वरिसिंह
सिदायसुनिभयोअमाससिभाय॥गंधन
कुलकोग्रासकरिउरगजानिअकुलाय॥
१५०॥सबहिबत्तसीकृतकरियजैपुरपति
भयजानि॥संधिबिधायमलारसनमिल
नबिचारप्रमानि॥१५१॥अकबीकेसबदास
सौंसबउनकीसीकार॥अबकछुअकबीअ

प्पनीमानकुबत्तमलार॥१५२॥कुलकरत्र्प्र
रुहमलोभकीबत्तसमस्तकरैंन॥जोकहनी
सुवकीलजनबदैंपरोस्तहिंबैंन॥१५३॥ष॰
प॰॥अपनेंडेरनप्रथमहडुकुलकरडुवत्र्प्र
वैंपलटिपग्घमल्लारहमहिंवडमित्रबनाँवैं
कुंभकरनकेकालबंबपहिंलेतिन्हबज्जैं॥
पिच्छैंहमहिंचढायचढकुइमवेहनलज्जैं
सुनिकैसबदासमलारसनकहियग्प्रानि
कूरमकथितकुलकरसमस्तस्वीकारकरि
चाह्योमिलनप्रसन्नचित॥१५४॥मत्तमित्र
घमिनवमिदसमिएकावंसिचित्तौड्दसि
केदिनमिलनथप्योकुलकरकरिचित्तोल्ल
सनतंबूदूरतबहिडककुम्भलनायो॥मंत्रके
रिकापृथकमंडिग्प्रप्पकुतंहग्प्रायोदेपिद्वि
द्धकातकियादरितपृथुलदिलीचारुचिर
परपरिखदबनायजयसिहसुवबैगलेढि

गसुभटवर॥१५५॥दो०॥इतहड्डुरुकुलक्कर
उभयसुपक्कुभीरिमन्नाह॥भिंटनजैपुरभूप
कोंविदितचलेचढिवाह॥१५६॥लयेउदेपु
रजोधपुर कोटाकेभटसंग॥उभयहत्थमेंहु
त्थदेजौतिपथ्थांरजंग॥१५७॥स०ग०॥तंते
गंगाधरसेलूरवङ्गराउसंतूबाउला तीनोंहो
कुलकरकेउमरावहरालभये।अरुविजय
केमदमत्तचोलरफक्कआतंकडारततमासगी
रलोकनकोंहटालगये॥प्रथमतोउदेपुर
जोधपुरकोटाकीसेनाकेसिरदारदोयदोय
मल्लारनेंमिलिवेकोंअनुक्रमतेंपठाये।तब
साहिपुराधीसरानाउतउम्मेदसिंहदेवग
ढनाथचुंडाउतराउतजसवंतसिंहबघस
पतिचुंडाउतराउतमेघसिंहसनवाडपति
सेनानीभारतसिंहकोकानिष्ठसोदरराना
उ
तसंभूसिंहप्रधानभवानीदासकोपुत्रगु

लाबसिंहत्यौंहीरय्यौंपतिहूदाउतमेरति
यारह्वैरसेरसिंहहुऊदाउतरह्वैरसेरसिंह
कल्यानसिंहभंडारीमनरूपतथाबखसी
कायस्थअखैरामइत्यादिकईश्वरीसिंह
तैंसत्कारसहितमिलिआये॥५८॥दो०॥
तदनंतरनृपहडुअरुकुलकरकोरिंथजो
रि॥अबिसप्रतिसीराबलजनरलतुरंगन
छोरि॥५९॥सुरतदिल्लिजेपुरनृपतिकुल
सिउद्योककेहेत॥सम्मुहपायंदाजतक
आयोबिनयउपेत॥६०॥मत्थैंहत्थल
गायमिलिमोदपरस्परमानि॥इक्कदिली
चाऊपरहिंइमबैठेत्रयआनि॥६१॥ईश्व
रिसिंहप्रतीचिमुखप्राचीमुखरणदोय॥क
छुककालसंलापकरिउठेद्रोहसबधोय॥
६२॥तंत्रकेणिकामाँहिंपुनिप्रबिसेत्रय
हयपास॥कुलकरकूरमहडुअरुतंतेके

सवदास ॥१६३॥ बुंदीपति प्रतिउच्चरिय जै
पुरभूपतिजत्थ ॥ दूर रहो कछु काल तो मं
त्रन्वैंद मन्नत्थ ॥१६४॥ तब नृप कछु ल्यो कर
तकुम मरहट्टीसंलाप ॥ मैं अबोध अन ध्री
तमैं निधरक मंत्र कुआप ॥१६५॥ अक्खिय
कूलकत्थ किरहोसंभर राजस्वतंत्र ॥ केस
र कुसुमसलार कियसरहट्टी बिच्चमंत्र ॥१६६
॥ तदनु अप्पनिजकुं कुसी लेकैं फुलकर ई
स ॥ हीरनके सिर पेच जुत धरी कुम्मनृपसी
स ॥१६७॥ फुलकर सिर अप्पनी धरि ल्यौं ही
कूरमराय ॥ घरियर किवदोउन दई फुल
नमाँहिं धराय ॥१६८॥ इतर कुसुंभी कुम्म
धरि बिसद पग्ग मल्हार ॥ संन निलय बि
नामिनकुव इम दुव मुदित अपार ॥१६९॥
च्यारि परग्गन साथ वहिं बुंदी नृप पहिं दि
वाय ॥ फुलकर कूरम हत्थको लिखों पत्र

लिखाय॥१७०॥बक्कुरि चले उठि सिक्ख क
रि कुलकर अरु चक्कवान॥कूरमपायं दास्त
तक चल्यो तब कुपकुंचान॥१७१॥इमप्रवि
से रीऊ अर्धर निज निज डेरन आय॥कहि
पठई दुजे दिवस कुम्माहिं कुलकरराय॥
१७२॥अब बुंदीपति के अरथ में जक्कुटोंका
रूप॥सुनिय हलिय जयसिंह सुवषुनि
अभिमान अनूप॥१७३॥पा०॥०॥कूरमप
तीर हक हाई भिट नतुम आयें हैं भाई
॥तनतो बेआये तुम पैं हैं अपनउमेद अ
वन हम इ है ॥१७४॥सुनि हड्डु रुकुलकर
हवला हो बेर इक आवन निरवाह्यो॥तु
म हिं उचित आवन अवतातैं दिवस भयो
इकरा हदिखातें॥१७५॥यहसाहसदुकुं
ओर बढ्यो अति पथ्य कतनाय थूल बुंदी
पति॥रह्यो तहां कूरम मग हेरत टरत जा

तदिनटेरतटेरत॥१७६॥बीचभयोनंतेहि
सट्टालोघरबिधिबत्तकुम्भश्रुतिघाली॥कु
म्भकहीसुनियेगंगाधरअबजोतुमआन
कुर्यहंसंभर॥१७७॥तबभबदीयहिनूपन
जानैंमल्लारकुउचिनहिजोमानैं॥गंगाध
रकुंओरखिसानोंइतउतकसंकुचअ
कुलानों॥१७८॥अंबुजमनकुंतरनिअहो
दयअरथकपाटखुल्योजिमआलय॥सो
वतकछुकछुजगतस्वप्नसमबानिकबय
ससंधिबनितोपम॥१७९॥तंतेरह्यो पंच
दिनअंसेंकंहंतोरिहिलइतउतकैसें॥गं
गाधरकरजोरिअछैदिनअकदीनूपहिंसु
नकुसंभरइन॥१८०॥सेवकअरजमनि
हितसत्यैं इकआसानकरहुममत्यैं॥
जैपुरपतिकबलहरजानैंप्रीतिरीतिनहिं
जडपहिचानैं॥१८१॥बहुरितुम्हेंनिजसि

बिरजुलावतउच्चरताकोमोहिनआवत ॥अपकबीनृपतिजायहमआयेलुप्पित हिंयोंपुनिहरलाये॥१८२॥उचितनांहि पुनिपुनिजावनअवबरजतकुलअरु अमि दिसुनलिसब॥यहसुनिबिप्रनथनजल आयेधूतठग्योसोदीनहिरलाये॥१८३॥ निगरनतेंमुतिरलपचानिकासीपर्योकिह रिनकिरातनपासी॥तंतेकोंइमदेखिदु खिततवअधिपतिहृदयसदयतरभो अब॥१८४॥दयारामनिजबुद्धिपुरोहि तचारनमहडूदानज्ञानचित॥भेजेदुव कुलकरढिगभूपतिअकबीद्विजतंतेस कुचलअति॥१८५॥पुनिकूरमढिगहम हिंपठावततयहद्विजनमदुखितअकुल वत॥कूरमहुठलखिहमहगसाहेंदुकि तद्विजलखिजावनचाहें॥१८६॥कहियेरु

चततुमहिंअबकैसीतंतेलकतईंमला
अैसी॥सुनिकुलकरउत्तरतबदिन्नौंनाव
डुजोकितवनहटकिनौं॥१८७॥यहसुनि
द्विजचारनजुगआगेनृपकौंकुलकरक
थितसुनायो॥सुनिचकुबानसेननिजग
नीकसिकदिनंथचल्योचढिबाजी॥१८८॥
संभ्रमभयेकुलकरभटसारेबाडवपरदल
सिंधुबिहारे॥कुंढारेपिक्खनजनआये
धन्यधन्यकहिबिरुदबढाये॥१८९॥इम
कुरमंडेरनतोरनगयप्रबिसनलग्गेरत्थ
चढेहय॥तबहिंद्वारपालनकरजोंअकबी
अरजजातनहिंधोरे॥१९०॥यहतोरन
डोढीकरिमानकुंअगावकुरिहोढोनहिंज
नडु॥पाउसरनकारनहुवपायेयातैंरख
तपुखतनहिंलाये॥१९१॥आगौंईश्वरि
सिंहबिराजतजवनोंओटकीचनहिंराज

त॥जावत तुरग चढैं दृगजुरिहैं तो संको
च परस्पर घुरिहें॥१९॥ अंतर द्वारगिन
कुन्न्हिंयों तें त्याग कुमहाराज हयतातैं
॥सुनि नृपरीति निपुन तजि बाजी प्रबि
स्यो द्वार लियैं भटराजी॥१९३॥जैंपुरप
ति भट अमल प सहित जहँ तक्यो नृपसम्मु
ह धरि रखदत हँ॥इकजस वंत रुलाय प
ति कुमर अरु दलेल धूलापुर ईश्वर॥१९४
॥तिम हरनाथ नरूकाराउत अजितसिं
ह कूरमसेखाउत॥सुभट निकट इत्यादि
छसात हिं जैंपुरपति उक्यो नृप जात हि
॥१९५॥पायंदाज अवधि सम्मुह सरिरी
ति उचित डुव हत्थ मत्थ धरि॥सभा प्रबि
सि अप्रति हतसासन वैठे उभय यएक ही
आसन॥१९५॥ पान रु अंतर निवेदि पर
स्पर किय संलाप घटी इक हित कर॥उठि

करिसिरूखभूपपुनिश्रायोपहिलैंजिमकू
रमपकुंचायो॥१९७॥तंतेतद्नुपठयोकु
लकरकूरमप्रतिश्रकबीतिहिंदरबार॥श्र
बटींकानृपकुम्भपठावहुपुनिबुंदीपतिडे
रनश्रावहु॥१९८॥सुनिटींकापठयोतब
कूरमइक्कमहामृगइक्कतुरंगम॥इकसि
रुपावइक्कमनिभूखनपठयेदेइमसंगस
चिवजन॥१९९॥तिनटींकानृपश्रत्थनि
वेदियसंभरनाथबिहंसिस्वीकृतकिय॥
दैनलगेनसुकूरमदासनसोनलयोरुग
येजिमसानन॥२००॥दूजेदिनकूरमभ्रम
बाधनसंभरसिबिरगयोहितसाधन॥श्र
गैंरीतिमिलनकीश्रकबीपद्धतिसोहिश्र
त्थमिलिरकबी॥२०१॥इकबसिरुपावदोय
हयदिन्नेंइकइकहीजेपुरपतिलिन्नें॥मा
निकरामब्यासनृपकोतबबुल्योहितश्रा

तरकखलुसब ॥२०२॥ तोकुनहत्थद्वितीय
नघल्योअप्रतरपानलहिकूरमचल्यो ॥ कु
लकरनजायमिल्योपुनिसुनतमत्तबंदी
नबिरुदधुनि ॥२०३॥ हितपूरबबैठेइक
आसनसुखसहहोनलग्योसंभासन ॥ कू
रमतत्थकरारनराख्योलोभउदंतसमस्त
हिभाख्यो ॥२०४॥ कूरमनाममलूकइकपं
चायणकुलजात ॥ आमेरपत्थरघ्योवहै
बखसिगामबसुआत ॥२०५॥ बुंदीपुरआ
यत्तपुरगैनोलीअभिधान ॥ सहितपरग
नसोदयोथिरकूरमतिहिंथान ॥२०६॥ ता
कीबत्तमलारसनकूरमकहियबहोरि ॥
रकबीसोहिमलूकहितअवनिअोरदिय
छोरि ॥२०७॥ सुनिमलारअकबीकुपि
लकिनोंतुमहिकरार ॥ बत्तसमस्तहिलो
भकीक्योंबकरतछलकार ॥२०८॥ बसुम

तिबुंदियदेसकीलेसकतुमहिंमिलैन॥
कोबिदरहतकरारमैंठलेहडुदिलैंन॥२०९
॥अतरपानयहत्थकिवदेकूरमकोंदिय
सिकव॥सुनकुरामनृपयोंरहीप्रपितामह
कीतिकव॥२१०॥इतिश्रीवंशभास्करेमहा
चंपूसरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मेद
सिंहचरित्रेपंचविंशोमयूखः॥२५॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥ष०प०॥दूजेदिलचजिप्रथमकुं
चदुंदुभिकुलकरहलबलिजैपुरखलवी
चकुवसुबादनकोलाहलपहिलैंचढि
कछवाहलखोनिजपत्तनपद्धति॥भानि
जिमउरगगुमायनम्योंनकरैंफनउन्नति
खटबसुतुरंगससि१७८६सकगि ल्योज
यसिंहसुबुंदियजहरईश्वरीसिंहतसमु
तत्थसहलईघुम्मितकीलहर॥१॥दो०॥

ढुंढारेडु म ढुंढिरन गंजे प्रसभ गलार॥ सत्यकियो संकल्प निज माधव हड्डु मलार॥२॥ स० ग०॥ या रीति जनक जयसिंह नैं संधा करि स्वीय करी अचला ईश्वरीसिंह ह्यां तंक तैं छोरि आये। अरु बुंदी के दुर्ग तारागढ में नरू के कछवाह सिपाह रक्ष कर के बैंहे तिनकों कढाय बे कों तिनके स्वामि नार बलदा नों नगरनाथ कुमार तथा हरनाथसिंह इनके उभय कों अग्गें करि लैं जाय बे को उदंत कुलकर सों कहायो॥ तब जैपुर पति के प्रस्थान के समय ए दोऊ नरू के कछवाह लार लैंबे कों मल्लार नैं बुलाये। अरु बे आदेस अधीन होय न आये तब सत्तसय सादी स्वकीय सेना के संग ही पानिप करि प्रेरिबे कों पठाये॥३॥ जहां मरह ट्टनकों जोरदार जयी जानि जैपुर को जोध

जुगसाहसीसवेदारकोसंगभयो।जबजय
केमदमत्तमहिमंडलमंडनउम्मेदसिंह
माधवमल्लारकुंचकरिदेवगामलघेराआ
निमुकामदयो॥तहाँतैंसबसेनारखतरसा
लेकौंतोटोडानगरकीराहचलायो।अरु
इनतीननकेअभयसिंहधन्वधराधीसती
र्थगुरुपुष्करराजहोतासौंमिलिबेकोउत्सा
हआयो॥४॥दो०॥कुलकरकूरमहहुनृप
सेनअचलपलेसंग॥पत्तेपुक्खरतित्थगुरु
मरुपतिमिलनउमंग॥५॥अभयसिंह
चिरकालतैंहोपतनीजुतलत्थ॥मिलि
सौंबगरूविजयअर्पिकरयोसजनसमत्थ॥६॥
सुतानृपतिजयसिंहकीनामविचित्रकुमा
रि॥लयेपरगनाँअनुजतसकियसंगलहि
तकारि॥७॥महिमानीकरिमुदितमनर
ट्ठोरनअधिराजा॥कुलकरसालकहहुनृ

पहुल्लेजिम्मनकाज॥८॥राजगढसकिसे
रनिजभ्रातसहितमरुपाल॥माधवसंभर
च्चारिमिलिकियभोजनइकथाल॥९॥कु
लकरमरुपतिकैकुहोपग्घसखापनअप
॥सोकुजिमायोरक्खिढिगसम्मदपूरिसम
ग्गा॥१०॥बिगस्योबाजेरायतबमद्यतजोम
ल्लार॥अभयसिंहपायोइहाँप्रसमभमंडि
अतिप्यार॥११॥इकइकगजदुवदुवअर
बहुकइकबरसिरुपाव॥इकइकभूखन
नगजटितदियतीननकरिचाव॥१२॥ले
तिनतीनहिमरुपजुतआयेपुनिअजमे
र॥अभयसिंहनिंदाइहाँकिन्नीसोदरकें
र॥१३॥बखतसिंहमामकअनुजपहिलैं
हिल्लियपत्त॥जबननदलहमसनलरन
आनतसुनियतअत्त॥१४॥बनैंजंगतोबग
होइकुलकरकारइसहाय॥सुनिमलारखी

कारकियबक्कुसतकारबढाय॥१५॥तदनु
तीनऋजमेरुलजिलगेगबुंदियराह।बिच
तैंपलटिभनायपुरगोसंभरनरनाह॥१६॥
हीसपत्नजननीतहाँऋरुऊदाउतिनारि
॥मिलितिनसौंपञ्चोमुरयोबुंदीबिलसन
धारि॥१७॥मिलिमाधवमल्लारसनपुनि
कियुसजबप्रयान॥तीननसरितननासत
टदिनैंऋानिमिलान॥१८॥उज्जलपखड
समासतैंहंबुंदृजलदकराल॥चढीसरित
कीऋोटकरिपलटैपञ्छेखाल॥१९॥दल
बिचजलगलदघ्नबढिबिथुरयोडेरनबो
य।पानीपवनतुषारकरिमरेमनुजसतदो
य॥२०॥दूजेदिनऋांवांनगरपचेजलभय
पाय।टोडात्योंपठयोजुदलमिल्योसुतत्थ
हिऋाय॥२१॥सुखतैंरहिननरलसवतीन
नवितयेतत्त॥ऋष्टमिदिनम[illegible]रइकमं

गायोमहमत्त ॥२३॥ षट्प॰ ॥ दूतनदिम्मदि
सदोरिहठनहेख्योइककासरतीनंतीनब
लबक्कपटलगतिसंगपिट्ठिपरअ्ररुनअ्रं
सिअ्रा तिकोपद्दिपतउल्मुकदमकाबन ॥
खासनासखनंकिधरनितलपयनधु
जाबतनहिंसहनमहनअ्रोरननदनग
चलजानिउद्धतअ्ररियमानक्कबिहायका
लहिंकुपितसंजमनीसनउत्तरिय ॥२४॥
दो॰ ॥ आमोंअ्रडरलुलायबहदेबीहित
लेखिदैन ॥ झारीअ्रसिकुलकररूपटिल
गीलैजुअतलैन ॥२५॥ ष॰ प॰ ॥ सिंगनल
गिसअसेरतरकितुट्टीकुलकरकरतबज
रंतअ्रनतोरिचल्यो दारुनछुटिदुद्दरदेख
तयाहहल्लपटिझपटिसंभरअ्रसिझारि
य ॥ सिंगनजुगलसमेतबंससहपिट्ठि
फिसारियअ्ररायमहलुइमखायअ्रसि

पायउलटिकटिखुलिपर्य्योंकुवलखिन्पुरि
ज्जमग हहदलइतदेनियवलिअहस्ये॥२५
॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूरूपेदक्षि
णायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेपंच
विंशोमयूख:॥२६॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०अि०॥दो०॥किन्नोंबुंदियतजनकोकलि
यविसदकरार॥योंबकुदिनआवोरहेमा
धवहडुमलार॥१॥ष०प०॥कन्याकोंगवि
भुग्गिअंसतुलकेलियपद्महप्रतिदिन
सीतपगल्भहोतबालनविनुहुस्सहआ
योंपुरइहिंकालहडुकुलकरअरुमाधव
॥दीपअभाकिरिदानअन्नकूटककिय
उच्छवमिलिलत्थविप्रगंगाधरसुखत्री
केसवदासजुतकरिमंत्रआनिभूपहिं
हियसुनडुवत्तबुधसिंहसुत॥२॥पा०धू०

कासीविच सुरजन नृपसंभर रचियराज
मंदिरनिकायबर॥ सोपंडितसूरजनारा
यनमंगत रहन काज द्विजनुतिमन॥३॥
वहन्यालयनिजकामनआवैं पुन्यवढै
जोवह द्विज पावैं॥ सुनिनृपकहियपुन्य
तीरथथलहैनहिं देयविचारिलखकु
भल॥४॥ सूरजनारायनद्विजउद्वहन्य
द्वितीय तिनदिननकुतोयह॥ खटनास्ति
कप्रतिभटबनिखंडैं मतखटआस्तिकदृ
ढकरिमंडैं॥५॥ सौत्रांतिकनसमूलउखा
रैं वैभाषिकनसजोरबिडारैं॥ योगाचारन
लखतउडावैं माध्यमिकनमिलिगरबगु
मावैं॥६॥ जैननजालराकुगतिग्रासैं लो
कायतिकनमुंडिनिकासैं॥ व्यासअपर
वेदांत बिचारन गोनदीययोगअवधारन
॥७॥ दूजोकपिलसांख्यबिचसोहैं मीमां

साजे मिनि मति मोहैं॥ द्विजवर अपर ता
य विच गोतम वैशेषिक वादी करण द रस
॥८॥ कासी विच पंडित यह अप्रै सो करैं वाद
जासौं बुधकै सो॥ अग्गैं यह तंते गंगाधर
गो न्हावन कासी तीरथ वर॥९॥ जवन न
जानि गहन दल प्रेरयो पंचकोसि अंतरगति
न हेरयो॥ तंते तब सूरजनारायन रक्ख्यो स
रन छिपाय प्रीति पन॥१०॥ पुनि छन्नैं दक्खि
न पक्कुंचायो यह उपकृत तंते उर आयो॥
पुनि राजामल मित्र सुपंडित अग्गर ह्यो
हित दुहुंन अखंडित॥११॥ जब जयसिं
ह नगर बुंदिय लिय सालम सूनु अत्थ पु
नि अप्पिय॥ तब हि राजमंदिर तीरथ पु
ल मित्र द्विजहि दिन्नैं राजामल॥१२॥ तब तैं
रही विप्रकै वह भुव अब लग मेदल लई बुंदि
य धुव॥ केसव अरु गंगाधर यातैं बुद्धिन्न

पट्टिं दिवावन बातें॥ १३॥ पत्तपात इनको
नृप जान्यों पुनि वह तीरथ थान प्रमान्यों॥
हूजब यह पात्र कह्यो बुंदीपतिं पैकिम होय
अदेयें दैन मति॥ १४॥ तब दोउन कुलकर
प्रतिश्र कवीर हैं इक यह प्रभुतवर कवी॥
सुनि मल्लार बुल्यो जिन को भुवतिनके दयें
किंनांन मिलैं ध्रुव॥ १५॥ तब दोउन कैं छ
ल किंन्नों कुलकर नाम पत्र लिखि लिन्नों॥
ताहीकी मुद्रा मुद्रित करि पठयो दलपंडि
तहित अनुसरि॥ १६॥ तिहिं बुध लखि
कुलकर दल आयो बड्डरि राजमंदिर अ
पनायो॥ नृप यह कथ चिरकाल मांहिंसु
निजन जानी तब छिन्नि लयो पुनि॥ १७॥ भ
ट से सूरसदराइ सु कुलकर बुंदिय पुर अ
रुगाहि पठयो बर॥ तिहिं करार अवसेसन
धार्यो कूरम झंडा तोरि बिडार्यो॥ १८॥ सं

भरवहरककमंडिसुहाईपेगीपुरउम्मेदहुस्र्
ई॥जैपुरसचिवतत्थदोनोंकैंभृत्जतसतलू
परीउरथांकैं॥१९॥स०॥०॥मेंडातूंटलही
जैपुरकेसूरबीरबुंदीहैतिननैंअपनोंन्
ढीतलबकोलेबोविचास्यो॥अरुवनिकना
दूवासनादानीकोभानेजऔमेरअघीसई
श्वरीसिंहउ लोंअमात्यरस्योहोतोपैंत्रास
डास्यो॥लत्रबहुवनिकघरकेसूरनतैंघ
बरायवनिताकेबस्त्रधारिछन्नैंकढिआ
वोंनगरगयो॥अरुखत्रीकेसबदाससोंअ्
पनीश्रापत्तिकोउदंतकहतभयो॥२०॥क
हीसेटूरबबुराडकरारकेदिनअदुअबहें
संहेतथापिश्रामेरईसकोमेंडातोगिडास्यो
।अरुयहजानिअपनैंसूरबीरनचल्योल
कलेबेकोंमोमैंत्रासपास्यो॥यहसुनतही
खत्रीकेसबदासमलारतैंरूठिचल्यो॥त

बनीठिनीठिपच्छोमनायकुलकरनैंसुत
रसवारतत्कालहीबुंदीमुक्कल्यो॥२१॥ता
नैंजायनगरमैंबहोरिकछवाहनकोकेत
नरुपायो।यहदेखिचोतरफकेलोकनके
बुंदीआयबेमैंसंदेहआयो॥तदनंतरक
रारकेदिनपूरेहोतआवांनगरतैंपृतना
कोप्रयानभयो।अरुउज्जअहगांनकेअ
वदातअर्द्धकीअष्टमीकेअहदूंगडुबला
नमिलानदयो॥२२॥दो०॥दूजेदिनडुब
लानतैंकिन्नोंसबनप्रयान॥संभरकोंकु
बसकुनसुभथिररक्खननिजथान॥२३॥
बामदिसारहिराजसुकबुल्योमोदितबा
नि॥लावककुकरचकोरएअग्गेसरकुव
ग्वानि॥२४॥षट्प०॥ताम्रचूडकुबबामना
मलुक्खियप्रसन्नखरगंधनकुलपुनिरख
नकनामकुबभोलिमधुरस्वरगहकिबाम

गोमायु बाम सारस बलि बुल्लिय ॥ सव्वली
टिट्टिभ सुस्वद बाम बुल्लि रुहित सुल्लिय
गोबत्स पुच्छ चूसी वर्द्ध रिरड्ड पन्छि दुव बाम
ह्रुव दिस सव्य भयो पारावत ड्डैन भूप हि
तथा मधुव ॥ २५ ॥ ॥ दो० ॥ बायस बुल्लिय बाम पुनि
बुल्लिय बाम तुरंग ॥ बाम बग्घ मृगराज ब
लि ड्डुव तरखु हित संग ॥ २६ ॥ ष० प० ॥ फिंट
बिहग अप सव्य भय उअप सव्य कपिंजर
पिंगलिका अप सव्य भरद्वाज ड्डु बिहंग ब
रद किंखन ड्डु अपुनि दहिक भासद किंखन
खभासत ॥ सलिल पूर अपसव्य कलस
अति लाभ प्रकासत दिस बाम हिंतु लकिं
न सरलता राउल रिपोद क्किय सुभ सकुन
होत इत्यादि सब बाड्डुवान भूपति चलि
य ॥ २७ ॥ दो० ॥ जुलकरमाधव हड्ढु नृप ह
के सलरतन्न ॥ पुर बुंदिय प्राकार के बाहिर

हैरन मत्त ॥२८॥ पा० कु० ॥ नृपत दि न भोज
नगि आये बुंदिय विप्र सब हि जिमाये ॥ कु
लकर अुनि नारव हरनाथहिं कहि कहु
कि ला सन साथहिं ॥२९॥ दो० ॥ नारव हि
म चा हीन हैं भट कछु न कीवत्त ॥ बाहिर
शीति दिखाय बलि पठयो अनुचर तत्त ॥
३० ॥ ताकी संग हि बाउला संतू दिय मल्ला
र ॥ ता राग ढ पर जाय ते बुल्लेक ढन विचा
र ॥ ३१ ॥ किल्ला के सुभट न कहिय हम नि
कस न जब है हिं ॥ नारव हरनाथहिं लख
हिं बढ़ कुरिच ठ्यो हकलै हिं ॥३२॥ तब संतू
पच्छो मुख्यो कहिय मलार हिं आय ॥ नारव
या हम बच कनि पट भटनन कछुत जाय ॥
३३ ॥ दिन्नी संतु ब संगत बकुल करतु प
हजार ॥ कुन जाय रु हरनाथ वहे लिन्नो
पक रिलवार ॥ ३४ ॥ तिन की संग हिं के द

तब नारव किल्ला जाय॥ भीतर केक हु तु
भट खल पर तंत्र रिसाय॥ ३५॥ लौं हि की
र उम्मेद केर कबे विजय बिचारि॥ आयो रं
गुन मुनिवृथ्य रस मंभर त्यान प्रसारि॥ ३६॥
सित करिय द्वादसि दिवस कद्दु आक्रम
सत्थ॥ रक्से हुन रेस के सुबद्दी सुभरस
मत्थ॥ ३७॥ रुंडे संभर के गडे पर के तन
करि पात॥ आन फिरी उम्मेद को दिस दि
सो विजय दिखात॥ ३८॥ पा० कु०॥ तेरसि
दिन अभिषेक उद्धर तम त्यों सबन सोय
गण कन मत॥ वे णीराम पहु को बासन १
आयो करन वेद विधि सासन॥ ३९॥ सहि
त अथर्वन गीं दे पाठ क आने संग निपुन ध
आठ क॥ सम्मुह जाय कपल हि सनदिय उन
सिरादि मंगल आसिरवदिय॥ ४०॥ दो०
॥ लै गुरु डेर न आय नृप नारसिर सिदि

ताय॥ प्रातच्छतर बिहङ्कपहर प्रविसेनग
रसुभाय॥ ४१॥ कुलकर माधवसंगकु बेजेपु
रसचिवसमेत॥ चढ्ढुवाननपति इमचल्यो
निज अभिषेकनिकेत॥ ४२॥ मंङ्गोबनिक
न नगर मनि बसन कनकबिसतार॥ बिर
च्यारि धृतिनवरसको किय बुंदियसृंगार
॥ ४३॥ इतिश्रीबंशभास्करेमहाचंपूस्वरू
पेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरि
त्रेसप्तविंशो २७ मयूख:॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७॥
॥प्रा॰मि॰॥दो॰॥ इमउमेद अधिपतिलख
लनिजपुर रुचिर निकेत॥ पकुंच्यो अग्ग
प्रजानकों दिढ्ढिप्रसाद हिंदेत॥ १॥ जहाँ
समरखंधीहन्यों नृपनारायनदास॥ बैं
ठ्यान अभिसेककोराजमहल आवास॥
२॥ तहिं मंदिर नृपजायकैं निजकटिबं

धनिवारि॥ कियबिधानविप्रनकथितबहु
निकेतबिचारि॥३॥ अथसंक्षिप्तो ऽभिषेच
नविधि:॥ तिलसरिसबसंभारतैंपहिलैं
नृपहिंन्हवाय॥ अधिपतिजयउच्चारकिय
गणकपुरोहितराय॥४॥ तदनंतरद्विज
बरउभयजीवनगिंलुवराम॥इतरासन
बैठेनृपहिंसज्जनदिखायेताम॥५॥ नृप
तिनजननकिरासिअरुबंधनसुरभीछो
रि॥संभरपतिबुल्योअभयविप्रनउचित
वहोरि॥६॥पुनितैंहंसाक्षीसांतिकियपु
रोहितसउपचास॥ बिसदमालउपवीत
इहिंभूखनसोभितभास॥७॥उचितमं
ञकरिवेदिलिखिबिधिवतहोमबिधाय
॥पढैंपंचगननामतिन्हसुनक्करासनर
राय॥८॥शर्मवर्मअरुस्वस्त्ययनआयु
ष्यअभयनाम॥स्वापराजितजुपञ्चमसु

ए ।न्च हिप्रभुराम ॥९॥ पा०कु०॥ कलसब
कुरिसंपातबानकियपुरटमयरुसुंदरद
रस्नप्रिय ॥ नृपसितभूखनलेपमाल्य
लहितदनुबन्दिसनदकिबनादिसरहि
॥१०॥ देख्योबकिनिमित्तबिचारनउक्यो
प्रसन्नसिखाकरिधारन ॥ स्नानसालपु
नि नृपहिं व्यानिद्विजसौरभतेलन्हवाये
नृ निज ॥ ११ ॥ दो० ॥ सोध्योपर्वतन्प्रग्रकी
मि हतैं नृपमत्य ॥ नाकुम्प्रग्रकीमृत्तिका
लाईश्रवननतत्य ॥ १२ ॥ हरिमंदिरकीमृ
त्तिकानृपउमेदमुखलाय ॥ इंद्रध्वजथ
लमृ किाग्रीवादिन्नलगाय ॥ १३ ॥ राज
त्र्प्रजिरकीमृत्तिकाहियलाईकरिखंड ॥
गजरदउद्धृतमृत्तिकासोधेहुवप्रभु दंड
॥ १४ ॥ मिहीत्र्प्रानितड़ागकीसोधीपिट्ठि
समस्त ॥ नदिसंगमकीमृत्तिकालाईउ

दरप्रसस्त॥ १५॥ नदीकूलदुवमृत्तिका पंसुलीनदुकुंभोर॥ मिट्टीगनिकाद्वार कीलाईकदिनृपमोर॥ १६॥ गजसाला कीमृत्तिकाऊरुउभयसुधराय॥ गोसाला कीमृत्तिकादुवनलकीलनलाय॥ १७॥ श्र निमंडुरामृत्तिकापंडीज्जुगलपरवारि॥ रथ अरिउद्धृतमृत्तिकालैदुवचरनसुधारि॥ १८॥ सर्बऋंगऽरुनिसर्बरामिश्रितकरिलि पटाय॥ पंचगव्यघटतैंबहुरिदीनोंस्ना नकराय॥ १९॥ षा॰ कु॰॥ भद्रासनबैठेपु निभूपतिलगेपढनद्विजबेदमखमति ॥ च्यारिबरनभवसचिवच्यारिजेंहेंकरन लगेअभिसिकभूपकोंहें॥ २०॥ शूरबलि रहिद्यारसमद्विजसघृतकनककघटसिं च्योनृपनिज॥ हरदारउतनाहूरदच्छिनर हिसिंच्योराजतदुभ्भकलसगहि॥ २१॥

पहुगोविंदबनिकरहिपच्छिमसिंच्योस
द्धिताम्रघटलैतिम।।रहिउत्तरहरजु
नदासीसुतसिंच्योलेमिट्टीघटजलजु
त।।२२।।रकवबटुबहिसदस्यनउच्चरिपुनि
द्विजघटसंपातबानकारि।।राजसूयअभि
सेकमंत्रकहिसिंच्योनृपहिंपुरोहिततहि
तत्थहि।।२३।।पुनिह्वैबेदीमूलपुरोहित
स्थायनृपतिढिगसुभमतिसोहित।।स
तद्विजकसंपातबानघटलैपुनिसिंचिय
नृपहिंबिहितबट।।२४।।सर्बौषधिजल
पुनिसिरसिंचियगंधउदकअभिषेकब
हुरिकिय।।तदनंतरबीजाभिसेकहुबपु
ष्यनसिंचिफलनसिंच्योधुव।।२५।।रतन
नपुनिकुसजलनसिंचिद्विजबहुरिकुस
नमार्जितकियनृपनिज।।ऋगबेदीपुनि
विप्रमुदितमननृपसिरकुंडलगायेरा

चन॥२६॥च्यारिबरनजन बहुरिरीति व
रिसरिततडागकूपजलघटभरि॥कलि
लठानिच्यारिसागरजलसिंच्योनृपहिंनि
गममारगभल॥२७॥गंगाअरुजमुना
गिरिनिर्झरइत्यादिकजलपूरिकलसव
र॥सिंच्योनृपहिंसमोदसमस्तनदास
भावपुनिकरनलगेजन॥२८॥काहूस
चिवछत्रगहिलिन्नोंकाहूचमरमोरछल
किन्नों॥बेत्रलकुटकतिकनकरधारेबंदि
ननानाबिरुदबिथारे॥२९॥भईसंखनउ
बत्तिगानध्वनिद्विजनसिराह्योनृपहिंबे
दभनि॥कनककलसपुनिगणकधारि
करसिंच्योभूपहिंअभिषेकमंत्रबर॥३०॥
श्रा०सं०मि०॥तेकछुबृत्तनविविधबनाये
गुनअंकुरसनृपनृपनसुहाये॥सिचकसब
लरतोहिनरेश्वरब्रह्माविष्णुतथैवमहेश्व

र॥ ३१॥ वासुदेवअरुसंकर्षणपद्मप्रद्यु
म्नअरुअनिरुद्धद्धसिंचद्द्॥इंद्रअग्नियम
निर्ऋतिपासीपवनधनदकैलासविला
सी॥३२॥ब्रह्मासेसदसहिदिकपालकर
रक्खद्दतोहिभूपअरिसालक॥रुद्रधर्मम
नुदक्षअरुरविसुनिअह्नाभृगुअत्रिरुवशि
ष्ठमुनि॥३३॥सनकसनंदनसनतकुमा
रद्दपुलहपुलस्त्यमरीचितथापद्ध॥कश्य
पअरुअंगिराप्रजापतिएसिंचद्दनृपतो
हिमहामति॥३४॥अग्निष्वात्तप्रभाकर
ज्योंहीपुनिक्रव्यादबर्हिषदत्योंही॥आ
ज्यपारुउपहूतसुकालीअग्निपितरसिं
चद्दमणिमाली॥३५॥लक्ष्मीबेदीसची
स्त्वातिपुनिअनसूयास्मृतिसंभूतिद्दउ
न्नि॥क्षमाश्रीलिसन्नतिस्वाहातिमस्वधाए
कुलातरसिंचद्दइम॥३६॥लक्ष्मीक्रियाकी

त्तिधृतिपुष्टिरु मेधाबुद्धिसातिरपुतुष्टिरु
॥ लज्जासिद्धितथानसुयामीत्र्यरुंध तीलं
बानृपनामी ॥ ३७ ॥ भानुमुहूर्ताविश्वासा
ध्यामरुत्वतीरु बसुरिञ्चाराध्या ॥ संकल्पा
हूत्यादिधर्मतियसिंचहु संभरतोहिसु
जसप्रिय ॥ ३८ ॥ दितिदनुत्र्यदितित्र्यरि
ष्टाञ्चरुसुनिकदूक्रोधवशाप्राधासुनि ॥ वि
नतासुरभिरुकपिलाकालाइतिसुखसिं
चहुकश्यपबाला ॥ ३९ ॥ पुनिबहुपुत्रसुपु
त्राभामाकरहु विजयतनबहुरिसयामा ॥
विजयकृशाश्वबधूबिरचहुउतसुप्रभाज
याप्रदर्शनाद्भुत ॥ ४० ॥ तिनकोपुत्रहु विज
यबढावहु सिंचहु भूपतोहिहितलावहु
॥ भानुमतीरु विशालात्यौंपुनिमनोरमा
रुवाकुदाख्यासुनि ॥ ४१ ॥ सिंचहुतोञ्च
रिष्टनेमितियपार्थिवतोहिबढावहुहि

तहिय॥बकुलात्यौंहिरोहिणीराधाऽ
नुराधाऐंद्रीहतबाधा॥४२॥मूलरुद्दुव
आषाढाज्यौंहीअभिजितश्रवनधनिष्ठा
त्यौंही॥बरुणतारकाभाद्रपदादुवेरव
तीरुदस्त्रभभरणीध्रुव॥४३॥बिजयबिथा
रनकाजतोहिपङ्कसुधामयूखप्रियाए
सिंचङ्कु॥मृगीहरिरुमृगचर्मासुरभापू
ताकपिलादंष्ट्रासुलभा॥४४॥स्वेतभद्र
चरिकापुलस्त्यतियइतीतोहिसिंचङ्कु
पुहवीपिय॥श्येनीअरुभासीक्रौंचीजिम
धृतराष्ट्रीपंचमीसुकीतिम॥४५॥दिन
करसूतअरुनकीएतियसिंचङ्कुहहुतो
द्विकरिहितहिय॥आयतिनियतिरात्रि
निद्रापङ्कुसबसंस्थानहेतुएसिंचङ्कु॥
४६॥सेनाउमासचीरुबनस्पतिधूमोर्णा
गोरीशिवानिरति॥जोत्स्नाबुद्धिनंदिनी

बलयाच्यानूक्याकुतेरहींसव्या॥४७॥
दूतीकालकेच्यवयवजानकुतेतवसिर
अभिसेचनतानकु॥रविससिकुजवु
धगुरुकविसनितमसिंचकुएअहनव
आह्निकसम॥४८॥स्वायंभुवस्वारोचि
षच्यौत्तमतामसरैवतचाक्षुषत्यौंक्रम॥
वैवस्वतसावर्णिदक्षसुतब्रह्मसुतरुम
नुधर्मसुतकुसुत॥४९॥रुद्रपुत्रपुनिरो
च्यभौत्यपकुएमनुतोह्निचतुर्दशसिंच
कु॥विश्वभुकरुविश्वपचित्रकुसुनिव
कुरिसुशांतसुमुखविभुत्यौंपुनि॥५०॥
मनोजवरुओजस्वीबलिजुतएकतम
रुप्रतिकपुनिवृषनुत॥ऋतिधामारु
दिविस्पृकसुचिपकुदेवपालएचउदह
सिंचकु॥५१॥अरुरेवतकुमाररुवक्षवी
रभद्रनंदीकुसुवर्ची॥पुरोजवारुव्यविश्व

कर्मापक्कुसुरनमुरव्यतोकौंपसिंचक्कु॥
५२॥आत्मारुअसुमानदस्सक्कुजिमह
विषगविष्प्राणापदुस्ततितम॥सत्यरु
आह्यनरेससुद्दजससिंचक्कुदेवअंगिर
सपदस॥५३॥क्रतुरुदस्सबसुसत्यका
लमुनिरोचमानधृतिमानमनुजमुनि
॥विश्वेदेवकामजुतदसमितहुन्नप
तिसिंचक्कुएकरिहित॥५४॥मृगव्याध
रुसर्परुनिर्ऋतिजिमअजेकपातरुअहि
र्बुध्न्यतिम॥पुष्पकेतुबुधभरतमृत्युपक्कु
किंकिणिथाएउरुद्रएसिंचक्कु॥५५॥भाव
नसुजन्यसुजनजिमबाजरुअसुतसुबर्ण
बर्णतिम॥प्रसवदस्सआवयस्तुएपक्कुभृ
गुअभिधांनदेवतासिंचक्कु॥५६॥मनमरु
प्राणअपानहंसहयनारायणरुजगद्दित
रनलय॥द्विविधेपनिरुचितितोकौंपक्कु

इतेसाध्यसंज्ञकसुरसिंचक्कु॥५७॥धाता
मित्रअर्यमादृगजगपूषाशक्रअंशवरु
णरुभग॥त्वष्टाविवस्वानसवितापक्कुवि
ष्णुबक्कुरिबारहरविसिंचक्कु॥५८॥एकज्यो
तिद्विज्योतितथात्रिज्योतिचतुज्र्योतिपु
नितथा॥पंचज्योतिएकशक्रक्कुभलद्वंद्व
द्विशक्रत्रिशक्रमहाबल॥५९॥प्रतिसक्र
तरुमितसम्मितअमितकृत्तजितसत्य
जितरुसुषेणपक्कु॥श्येनजितरुअप्रतिमि
त्रमित्रजिमणुरुजितधाताअपराजितति
म॥६०॥ऋतऋतवानविधृतध्रुवज्यौंहीं
वरुणविधारणईदृशत्यौंहीं॥अन्यादृ
शएतादृशजानक्कुक्रीडनमुनिअमिताश
नमानक्कु॥६१॥शक्तिमहातेजाक्कुसरभ
जुतमहायशासिपधातुरूपक्कुत॥भीम

[illegible]

वासकामजय॥६२॥पुनिबिराटएइंद्र
मित्रपकुनवजलधिमितमरुतगनसि
न्धकु॥चित्रांगदरुचिरथजैसैंचित्रसेन
वीर्यबानतैसैं॥६३॥ऊर्णायुअनघउ
ग्रसेनपुनिसोमसूर्यवर्च्चातिषणपसुनि
॥द्विबिश्चित्रधृतराष्ट्रकीर्णिजिमकलि
अंगिराहुराधहंसतिम॥६४॥वृषप
र्वाःगारदपर्ज्जन्यकुहाहाहूहूबिश्वाबसु
पकु॥ताम्रकसुरुचिकुगंधर्बनगनए
नृपसिंचकुतोहिमोदमन॥६५॥अप्रा
हूतीरुशोभयंतीजिमबेगवतीअरु
अप्राप्नुवतीतिम॥ऊर्करुवेकुरिबम्भुअम
तरुचिभूरुटभीरुशोचयतीसुचि॥६६
॥भिन्नजातिएतेअच्छरिगनसिंचकुतो
हिनरेसकित्तिधन॥अनुत्तमारंभाबि
श्वाचीमनोबतीमेनकाघृताची॥६७॥

सहजन्यारुस्वरूपाजैसैंसुकेशीरुपर्ण्णी
श्राँतैसैंक्रतुस्थलापुंजिकस्थलापुनिश्च
म्लोचारुपूर्वचित्तीसुनि॥६८॥सामहृऔ
रुपंचचूडाख्याअरुउर्वशीअनुम्लोचा
ख्या॥चित्रलेखिकाविद्युत्पर्णातिलोत्त
मारुसुगंधिसुवर्णा॥६९॥सुवपुअदृश्य
लक्ष्मणाहेमासिश्रकेशिअमिताख्याहेमा
रुचिकासुकृतासुबाहुजैसैंसरस्वतीरुउ
बोधातैसैं॥७०॥बकुरिपुंडरीकारुमुदा
रासुराधारुसुरसाकुसुलारा॥कामलारु
सूनृतालयाज्योंवासोलीरुहंसपादी
त्यौं॥७१॥सुमुखारतिलालसाइतीपङ्
अच्छीतोहिअच्छरीसिंचहु॥दैत्यराज्य
प्रल्हादविरोचनधन्वीबाणतथाकीरति
धन॥७२॥इत्यादिकलैदैत्यदिव्यजल
सिंचहुतोहिहडुभूपतिभल॥विप्रचित्ति

अदिकसबदानवसिंचकुतोहिमंत्रजि
तमानव ॥७३॥ हत्यप्रहेसब्यासपुरुष
देनपौरुशेयसलिलेंद्रवधरसन ॥ बि
द्युतसूर्यसुकेशीमखहासिंचकुए आद्य
राक्षसतहा ॥७४॥ बलिसुसिद्धमणि
भद्रसुमनजिमनंदनअरुकंडूलिशंख
तिम ॥ मणिमानरुबसुमानमंदरसपिं
गाक्षरुप्रद्योतमहाजस ॥७५॥ चतुरभी
मसर्वानुभूतियमपद्मचंद्रअरुमेघव
र्णक्षम ॥ भूतिमानकेतुमानत्यौंबरश्वे
तबिपुलत्यौंभव्यप्रभाकर ॥७६॥ मोलि
मानप्रद्युम्नजयावहकुमुदवलाहकय
क्षपक्षलह ॥ बिजयाकृतिवलाहकसुवी
रकुपद्मनाभअतजिह्वसुगंधकु ॥७७॥
हिरण्याक्षपकुपोर्णमाससमसिंचकुरा
जकुदुरसनम ॥ शंखरुपद्ममकरकच्छ

पजिमकुंदमुकुंदरुमहापद्मतिम ॥ ७६ ॥ नी
लखर्ब ए आय महानिधि सिंचहु नव हि वि
चारि वेद विधि ॥ एकवक्र सूचीमुख ज्यों क्री
कमल सिखा उलूखल त्यों दीं ॥ ७६ ॥ कुम्भ
राऽज्वल नां यारक पुनि कुंभ पात्र उपधार
पां सु सुनि ॥ चक्र खंड रुक्म कर्णम हामन
पात्र पाणि विपुल कखो स्कंदन ॥ ८० ॥ बहु
रिवितुंड प्रतुंड ह्रती पहु तो हि षिसाव जा
ति हू सिंच हू ॥ पुनि नाना मुख बाहु सिरो
धर दांत बिबुध मल्लाल सून्यधर ॥ ८१ ॥
ते कुच तुष्पद पर क्षिव के गन सिंच हु तो
हि द्रुद्रु धरनी धन ॥ महाकाल नर सिंह
अग्ग कारि सब मातर सिंच हु कुंभ जल
भरि ॥ ८२ ॥ ग्रह स्कंद नामक विशाख सह
नैगमेय ए सिंच हु गुह्यक ॥ डाकिनि यो
गिनि खेचर भूचर सिंच हु तो हि समस्त न

रेश्वर ॥ ८३ ॥ गंधकुमार विष्णुअरुअरु
ड्डुआरुणिमहाखगविनतगरुडङ्क ॥
संपातीजुतएसुपर्णसबसिंचक्कनृपउ
मेदतो हिअब ॥ ८४ ॥ शेषअनंतवासु
किरुवामनकुंभअंजनोत्तमतक्षकग
न ॥ सुपर्णारिऐरावतअहिवरमहापद्म
कंबलरुअश्वतर ॥ ८५ ॥ महानीलधृतरा
ष्ट्रबलाहकएलापत्रखड्गकर्कोटक ॥ म
हाकर्णगंधर्वसनस्विकपुष्पदंतनहुष
रुपद्मकुलिक ॥ ८६ ॥ खररोमारुकुमारध
नंजयशंखपालअरुपाणिगरलमय ॥
इत्यादिकसबआयनागवरसिंचक्कतेति
महापधर्मधर ॥ ८७ ॥ ऐरावतअरुकुमु
दपद्मजिमपुष्पदंतवामनअंजनतिम
॥ सुप्रतीकअरुनीलदइतेपकुसुबदंतो
हिमहागजरकवक्र ॥ ८८ ॥ विधिहंसरु

शिवबृषभप्रीतिधरिउच्चैश्रवाहयरुधन्वं
तरि॥कौस्तुभशंखचक्रत्रिसिखारुयक्कुव
जरुनंदकाश्वसमारुयक्कु॥८९॥सूर
निपतोहिसिंचिकैंएसबविजयबियारक्कु
लाबकीनसूव॥बृहदश्वाखातपथअदमस
त्यसालभरसब्रह्मचर्यशाम॥९०॥आयुरु
चित्रगुप्तएजेतेसिंचक्कुतेहिकहेस्रुतिते
ते॥दंडरुपिंगलमृत्युकालपक्कुअंतक
बालखिल्यजयमंडक्कु॥९१॥दिग्गोव्यारि
सुरभिरुनिजेंलोसलगावनजुतसिंचक्कु
त्योंही॥व्यासनाकुभवशमनपराशरसे
बलपर्वतभार्गवतपपर॥९२॥जाबालि
जमदग्नियोगेश्वरकरणकुमारशिवेद्व
ह्वर॥स्तुचिश्रवागाधेयरुवर्द्धनस्थूल
कच्छपअत्रिरुकात्यायन॥९३॥बिदूरथ
रुएकतबलाकहितगोतमभरद्वाजकुलि

मृडत्रिल ॥ शांडिल्य रु मौद्गल्य रु गालव शृङ्ग दम्भ रु इभसुत सारंगव ॥ ९४ ॥ यव क्रीतज अथ जानु घंटो दर रैभ्य अ आत्मधामा जैमिनि वर ॥ कुंभजद्दु रु मृदुस्थ चित पमय इध्म बाहमृ पवक्र रिम होत्य ॥ ९५ ॥ एते मुनि अभिसेक रकिव रतिसिंहकुलोद्धि उमेद महीपति ॥ पृथु दिलीपकुकुस्थ भरत अथ मनु ककुत्स्थ युवनाश्वज अहु अथ ॥ ९६ ॥ अनेन अरु मांधाता ज्यों ही शत्रुजित रु मुचकुंद कुत्यों ही ॥ पुरूरवा इक्ष्वाकु रु यदु सुनि अंबरीष नाभाग तथा सुनि ॥ ९७ ॥ भूरि अवाम काहनुष रु जिम व हरश्व रु सुद्युम्न भूपति म ॥ भूरि द्युम्न तथा प्रद्युम्न रु संजय सुनि हरि सुखनृप सिंचक ॥ ९८ ॥ परजन्या दि मेघना नात रु ओषधि रत अनेक वो

जवरु॥पुरुपञ्चभ्रमेयांगभूतनरभूजलते
जञ्चनिलञ्चरुञ्चंवर॥९९॥मनबुद्धिरुञ्च
हंकारञ्चा॥पङ्कुपङ्कुलोंदिहड्डनपतिसिंचहु
॥रुक्मभौमञ्चरुशिलाभौमजिमपाताल
रुञ्चनीलमृत्तिकातिम॥१००॥पीनरक्तसि
तञ्चसितभौमसरवर्णभिमिचहुडत्या
दितोंदिञ्चव॥जंबूशाकक्रौंचकुशपुष्क
रप्लक्षशाल्मलोंदिकुस्वाम्यवर॥१०१॥उत्तर
कुरुहिरण्यवतञ्चरम्यकहलकेतुमालभद्राञ्च
इलावृत॥त्योंहरिवर्षकिंपुरुषभारतर
म्यखंडसिंचहुहिलभारत॥१०२॥जंबू
द्वीपकसेरुतथापुनिताम्रपर्णरुगभस्ति
मानरुसृनि॥नागद्वीपसौम्यगांधर्वरुवरुण
ञ्चभय॥द्वीपहुमिंचहु॥१०३॥हेमकूटहि
मवाननिषधगिरिनीलश्वेतञ्चरुशृंगवा
नफिरि॥मेरुगंधमादनमंदरजिसमान्य

वानअरुमलयसह्यतिम ॥ १०४ ॥ शुक्तिमा
नगिरिरूसवानसुनिविंध्याचलगिरिपा
र्यात्रपुनि ॥ इत्यादिकसबपुण्यमहीधर
सिंचहुतोहिमहीमतिसंभर ॥ १०५ ॥ रूक
यजुसामअथर्वच्यारिश्रुतिसिंचहुतोहि
पुराणरुसुति ॥ इतिहासधनुर्वेदआयु
र्वेदहुपुनिगंधर्वशिल्यउपवेदहु ॥ १०६ ॥ शि
क्षाकल्पव्याकरणज्योंहीज्योतिसछंदनिरु
क्तिहुत्योंही ॥ सिंचहुअंगवेदकेखटतो
हिसुउम्मेदबिहितबट ॥ १०७ ॥ खट
अंगरुवेदच्यारिपुनिमीमांसास्मृतिन्या
यतथासुनि ॥ अरुपुराणबिद्याहुचतुर्द
ससिंचहुएनृपतोहिमहाजस ॥ १०८ ॥ पं
चरात्रअरुवेदपाशुपतकृतांतपंचकसां
ख्ययोगमत ॥ विविधशास्त्रइत्यादिनरेश्व
रसिंचहुतोहिदिव्यजलघटकर ॥ १०९ ॥

गायत्रीगंगागांधारीजयबुलकुमहाशिवा
नारी॥सुरदानवगंधर्बयक्षपुनिराक्षसप
न्नगमुनिमनुगोसुनि॥११०॥देवनकीमा
तापुनिज्योंहीदेवनकीपतनीसबत्योंही
॥द्रुमरुनागदैत्यरुप्रचरिगनग्रहरुग्र
हराजाअरुवाहन॥१११॥ओषधरत्नका
लअवयविजिमस्थानकपुण्यआयतनसब
तिम॥जीमूतरुजीमूतविकारकुउक्तअनु
क्तविजयविस्तारहु॥११२॥लवणोदरु
दुग्धोदघृतोदकदधिमंडोदतथामध्योदव
॥इक्षुरसोदरुसुद्धोदकवरगर्भोदकसिन्धु
कुणसागर॥११३॥बहुरिच्यारिसागरनिज
जलकरिसिंचकुतोहिकनकमयघटभरि
॥प्रयागनैमिषप्रभासपुष्करउत्तरमानस
तथाब्रह्मसर॥११४॥नंदकुंडगयशीर्षपंच
नदकालोदकरुस्वर्गमार्गप्रद॥त्योंहिप्रभ

रुद्रकभृगुतीरथकलिकानाश्रमअग्नि
तीर्थअथ॥ ११५॥ गंगातीर्थतृणबिंदुकताश्र
म रुतंडुलिकाश्रम॥ स्वर्गकपिल
तीरथअरुवातिकत्योंआगस्त्यमत्तासर
रवंडिक॥ ११६॥ अंगद्वारकुमारीतीरथकु
शावर्त्तविल्वकअघहरकथ॥ नीलरैवत
रुअर्बुद पर्वतशाकंभरीसुगंधामुनिमत
॥ ११७॥ कुब्जाम्रकभृगुतुंगरुव नरवलधा
राकुंभा कपिलाश्रमभल॥ अन्न तुंगअरु
चमसोद्भेदनअभ्वगंधकालंजरविनशान॥
११८॥ रुद्रकअरुणि दारमोचजिमसत्तालय
र बदरीआश्रमतिम॥ नंदासमितीरथरबिनी
र थवासवतीरथनासत्यकअथ॥ ११९॥ वर
णा अवगातीर्थपुनिदुहिणाईशायमअ
मन मुनि॥ विरूपाख्यतीरथपविनजि
मधर्मतीर्थअरु इतिर्थकृतिम॥ १२०॥ रुचि

रा॥ऋषिवसुसाध्यमरुतआदित्यकरुद्रअं
गिरसतीर्थजितेविश्वेदेवतीर्थभृगुतीर्थक
लसध्रुवस्रवणासकलतिते॥मानससरवारा
हसरोबरथालिग्रामसरोबरहूकामाक्षक
सर्पिसुपुनातैंहिंत्रिकूटमहावरहू॥१२१॥त्रि
कूटकतुसारविष्णुपदकापिलवासुकिती
र्थमहासिंधूतमसूर्यासककुंभकपुंडरीक
अविमुक्तलह॥तप्तोद्वारसिंधूदधिसंगम
गंगासागरसंगमहूअच्छोदकरुविंदुसरमा
नसफल्गुतीर्थसुमनोरमहू॥१२२॥लोहि
त्यककुंभावसुंदरमुनिधर्मारण्यकमुनिन
मनेवस्त्रापथरुआगलेयकतिमवदरीपा
वनमध्यमने॥वह्नितीर्थअरुमेघतीर्थनृ
पहूसप्तऋषितीर्थजुपेपुष्पन्यासकार्ण
अवहंसपदअश्वतीर्थमणिमंथसुपे॥१२३
॥दी॰॥दीपिकाअरुइंद्रमार्गस्वर्णबिंदुसि

घृजो आहल्यक ऐरावतकर वीरद्दुडघृजो
॥ भौगयश्रावणीक नागमस्त्रणमोचनिका
स्थहृपापमोचनिक उद्देजनसंपूज्यारव्य
हू॥२४॥ देवब्रह्मसरघृतसरदधिसरव
रनामें सिंचक्कु इत्यादिसकलतीरयसुख
थानजे॥ मंडक्कुजयणनैरसंमटक्कुअघसर्व
कौंतावक विथरायतेजखंडक्कुअरिबर्गकौ
॥२५॥ छ॰ गी॰॥ गंगारुह्रदिनीह्लादिनीसी
ता चक्षुनदीजयातिमकांचनासीसुप्र
भारेवारुसिंधुह्रदातया॥ अघघ्नीअघघ्नंकु
सपावनी विमलोदकाप्तुनिजानिधेशिप्राक
श्रोणकृतपंसरयूचंद्रभागमानिये॥२६॥
भूमान्सरस्वति ओघनादागंडकीरुइराव
तीपौलाविशालामानसीरंभाद्रसुद्रसुह्न
न्नीकेआसुवर्णदेविकारुशिवाविभाग
पावनीयमुनारुदेवहृदावितस्ताकौशिकी

पुनिमृनिमनी ॥१२७॥ चर्मण्वतीरुविदर्भि
काकृंतारु अच्छोग्भूर्नीतपतीरुनिर्विंध्या
तृतीयावेदनाश्रुतिमंमुनी ॥ सुरसारुइक्षु
मतीअवंतीधूतपापागोमतीपुनिशोणइक्षु
कु क्रिवेदमातावाकुदारुसरस्वती ॥१२८॥
स्वर्णारुपर्णाशाकुमुद्वतिवेदघुर्घुरदाज
धातुनिसदानीरात्योंक्तिनिग्गुमतीरुदेवस्मृ
तितथा ॥ मंदाकिनीरुफलाश्विनीरुपिशाचि
कापुनिपिप्पलीत्यपिकादशार्णासिंधुरे
रनात्योंक्तिकरतोयाअली ॥१२९॥ दूर्जाकुमु
द्वतिकाश्विनीचान्ो कुहूपुनिमंजुल
चित्रोपलाअरुनिब्रवर्णाश्रुतिभीलाबा
कुला ॥ तापीकृष्णअमलापयोस्त्रीमंदरानि
ष्धावतीवेणसितादूर्जाकुनिर्विंध्याकृभी
मादुर्गती ॥१३०॥ तोयारुवेतरणीमहागौ
रीरुगोदामंगलानृसगारुनीमर्याररुजंबू

कृष्णावर्णसज्जला॥
निर्मंदगारुभयंकरावात्यारुकावेरीरु
मालाकुमुलिंदसंबरा॥१३१॥पुनिता
र्पीपुष्पभद्रारुत्पलावतिमद्रनीत्रिदिवा
यांध्ररुवंशधीरालांगुनीसुभगाघनी॥
फलावतीऋषिकारुऋषिकुल्यारुवर
गासाखादूजीपयोस्मीमंदवाहिनिकाल
हिनिलौंकया॥१३२॥व्योमारुदेवी
खालाकंपलारुसुवाहिनीदूजीकुकर
यारुवेत्रवतीसुभद्राहूगिनी॥ताम्रारु
रुणासुप्रकाराम्रद्रिकारुहिर
काराद्रूसरीइक्षमारुभ्रम्रवतीनई॥१३३॥
आलोपलाअरु-
खालारुवडवामालिकावलयावलीकु-
जै॥रुमहेंद्रवाणीवाकुदादूजीरु
राजनवासिनीनंदारुपरनंदासु

रा॥१३४॥वसुबासिनीपुनिआपगादुन्यादि
सबयँहँआशकैँजलपापनासकविविधनिज
निजदिव्यघटभरिल्यायकैँ॥उम्मेदनृपवर
तोहिसिंचुकुंभनइहिँगतिबुल्लिकैँसंपात
बानहिरण्यघटमाहिसिंचयोहितखुल्लिकैँ
॥१३५॥बहुरलासबरसबमिश्रजलजुतसर्व
औषधिजलभरयोसवगंधबीजप्रसूनफल
मणिनीरपूरितजोकरयो॥सितसूत्रवेष्टितकं
ठजोसितवस्त्रकर्रानचित्रयोपुनिछीरवृच्छल
तातपल्लवकसुदृढलालजोभयो॥१३६॥वकु
लसलैलतनगणकपुंगवउक्तमंत्रसुनायकैँसि
च्योनरेसहिँस्वस्तिपढिद्विजमन्दरीतिलिया
यकैँ॥पुनिगंधतैलनअंगउब्बटिसुद्धन्हान
करमंडयोसितवस्त्रधरिछबिमुकुरक्षूलबिन
टारिजोद्विजकोँदयो॥१३७॥दधिदूर्वचंद
नकुंकुमादिकद्रव्यमंगललैकरिधरिक

रुकमूर्त्तिमैंउपचारन्न्रष्टिन्नृपलैं।।मधुपर्क
भूखनबस्त्रकैंगणकरुपुरोहितपूजयेपु
निविप्रद्दतरक्तुपूजिकैंउनकेकुन्याशिषद्ध
लये।।१३८।।दो०।।बिहितपट्टबिप्रनतदनु
बंध्योनृपतिललाट।।बंध्योपुनिमनिगन
जटितनृपसिरमुकुटसुघाट।।१३९।।बृष
मार्ज्जारतरक्षुकोबघ्रुरसिंहकीखाल।।तर
ऊपरक्रमतैंतबडिडारीमंचबिसाल।।१४०।।
तिनऊपरउत्तमबसनदीनेंबिसदबिछाय
।।पुरोहितसुतिहिंमंचपरदयोनृपहिंबैठाय
।।१४१।।ह्यारूप्यादिरखायेपुनिनृपहिंसचिवपौ
रजनआन।।वनिकप्रकृतिइत्यादिसबकहि
कहिकिनिसुहात।।१४२।।ग्रामवसनगज
हयकनकगोधनप्रविप्रहइप्रणि।।गण
करुपुरोहितउभयपुनिपूजेनृपहितयण्पि।
१४३।।लयौंहितीनरूकसामयजुपाठकपूजे

विप्र॥गोरसमोदककरिबहुरिसनहिंजिम्रा
येछिप्र॥१४४॥रजतकनकगोभूतिल
अन्नपुष्पफलछेप॥भूमिदानइत्यादिस्व
स्तियत्रिशुनलिलछेम॥१४५॥पुनिकरिअ
ग्निप्रदच्छिन॥धनुरवबानकरधारि॥परसि
पिच्छिपुरखधेनुकोगुरुअंदनउच्चारि॥१४६॥
तदनुनिरिच्छितलच्छनलच्छितजातिमानह
यलाय॥सर्वौषधिजलकलसकरिदीनोंत
विधिन्हवाय॥१४७॥बस्त्रकनकभूखनविल
रिपंदेपुरोहितमंत्र॥करकुभ्रवनतिनअर्ध्यक
हुसंभररामस्वतंत्र॥१४८॥तुजयदययलकराज्य
क्रयप्रायपुइंदिराजात॥जिमयहराजानरन
पतितृतिमहयनसुतात॥१४९॥व्यारोतहंगं
धर्वजिमनित्यतांहिनरनाह॥तिमएकबहु
नरनाहकोंसदापूज्यबरनाह॥१५०॥नृपहिं
दिखावडुमनपनकरिय्मावैंजवहिप्रपरिछ॥

पुनि रक्कवकुसबहयधर्योयहभरतोपरशि
ष्य ॥ १५२ ॥ अबतैंयहनृपभक्तिकरिआवहिं
तेरअग ॥ गंधमालअनुलेपकरिपूजहिं
प्रीतिसमग्ग ॥ १५३ ॥ स्वस्तिबचनआशि
षविविध बिप्रनकेकुपढाय ॥ तोहिहकुनृ
पपूजिहैपहोचितहयराय ॥ १५३ ॥ मघव
रक्करकुपूर्वतैंदाकिबनतैंयमतोहि ॥ पश्चि
म उ तैंसदाबरुनसंभुसरवसोहि ॥ १५४
॥ महदिसतैंरक्कवकुसबहिपूज्योहयइहिं
राह ॥ पाककपुरोहितभूपकोंबकुरिचढाये
बाह ॥ १५५ ॥ तदनंतरबारनबिहितआन्यें
रन्निसनमान ॥ मंत्रसुनायेगएकबरताके
दक्षिनकान ॥ १५६ ॥ नृपकोगजपतिहो
तुइहिगजकीनोभूप ॥ गंधादिकपूजासु
दालहिहैतुजयरूप ॥ १५७ ॥ नृपकोंरक्क
कुनागपतिरनमगगहसबगाम ॥ तजिपसु

भावहिँ दिव्यतालेकुवपीलुललाम॥१५८॥ऐ
रावतगजकोतनयनामअरिष्टसिराहिं॥देवा
सुररनमैंसुरनकीनोंश्रीगजचाहि॥१५९॥
तोविचताकोतेजसबआवडुनागननाह॥
नृपहिंचढायोभूजिइमइभपरबिहितउछा
ह॥१६०॥गणकपुरोहितसचिवभटभयेग
जनचढिसंग॥होयसहायथनिजनगरपै
रेअभूतोवउमंग॥१६१॥देवालयजँहँजँहँमि
लेतँहँतँहँपूजनकीन॥परिकरजुतप्रासाद
पुनिप्रबिस्योभूपप्रबीन॥१६२॥सचिवभटा
दिनबिबिधवसुदानमानसनमानि॥विप्र
जिमायेअयुतमितआसनायनिधिआनि
॥१६३॥दीनअनाथनदक्षिनाविभवउचि
तबकुदत्त॥सिक्खसबनदियसत्तिसुनिभू
पअसनकियतत्त॥१६४॥इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूसरुपंदक्षिणायनेदशमरा

श्रीउम्मेदसिंहचरित्रेअष्टाविंशोमयूखः॥

॥२८॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

प्रा० मि० ॥ दो० ॥ पंचगगनधृति१८०५सकस
मयबाकुलपक्खबलच्छ॥ रतिपतितिथिनृ
पकेंभयोअभिषेचनइमअच्छ॥१॥ पुनिकि
न्नोंजिनजिनतिलकअभिषेचनकेअंत॥
कमसनतिननामनकहोंसुनकुरासहितिकं
त॥२॥ प्रथमपुरोहितनिजतिलककिन्नों
त्रिभुवनाम॥ तदनंतरउपदेसगुरुविरच्यो
श्रियराम॥३॥ तदनुतिलकमल्लारकिय
पुनिमाधवकछवाह॥ इहिंदिनइनगहिय
अधररहिकियरीतिनिबाह॥४॥ साहिपु
रपउम्मेदनृपपुनिकियतिलकप्रबीन॥ रा
नाउतसंभूबहुरिरानसेनपतिकीन॥५॥ त
दनुकहेंमल्लारकेंकियनारबहरनाथ॥ ख
निथकेसबदासकियसुमतिबहुरिहितसा

थ॥६॥देवगढ पजसवंतपुनिमेघवेधमप
लत्थ॥कोटापतिकटकेसपुनिश्रर्वेरामका
यत्थ॥७॥बक्कुरिकरोलीपतिसचिवसोभुरमृ
पवकील॥क्किन्नतिलकदइनहेतुभयदुलवर
संगसुसील॥८॥साहिपुरेसहिंश्चादिलैसो
भुरसचिवसमेत॥नजरिनिछावरिकिन्नइ
नश्रतिहितविनयउपेत॥९॥तदनंतरनृ
पउट्टिकैंदम्मनिवेदिहजार॥कुलदेवीपूजन
कियउरचिखोडसउपचार॥१०॥पीतांबरह
रिपूजिपुनिभेटनिवेदनमानि॥गिरिनितं
बरवासामहलतैंहंसंसदकियश्चानि॥११॥
दुवहयदुवसिरुपावइकगजमनिभरनप
क॥किन्नैंइमनृपकीनजरिदुलवरविनय
बिबेक॥१२॥याहीमितजयसिंहसुवमाधव
उच्छवमानि॥किन्ननजरिनृसीसकीप्रीतिप्र
चितपदिन्चानि॥१३॥संतपुनिदुलवरसु

भट इक हय इक सिरुपाव ॥ कट कइक पुनि कनकको किन्न नजरि करि चाव ॥ २४ ॥ इक्क इक्क सिरुपाव हय इन इक नजरि विधाय ॥ राम राव कुलकर सचिव अरु तैसे द्विज राय ॥ २५ ॥ सेठ मुख्य कुलकर भटन किन्न नजरि इहिं रीति ॥ प्रेम सिवाई सिंह मुख्य माधव भट नस प्रीति ॥ २६ ॥ इम हि नजरि निज भटन कीनी नृप संभर वार ॥ पठ्ठे ढेरन मिक्क बंदे माध व अरु मल्लार ॥ २७ ॥ उदयनेर को टा कटक कुलकर आयस पाय ॥ पत्ते पुनि निज निज पुरन तेर सि रत्ति बिताय ॥ २८ ॥ दि नस चउद्दह सिंगारि करि बिबिध भंति बुंदी स ॥ उभय जिमाये कटक जुत माधव कुल करईस ॥ २९ ॥ सह कुटुंब पहिरावनी कुल करकी नृप कीन ॥ दुव बाजी सिरुपाव दुव इक गज अप्पि नवीन ॥ ३० ॥ पा० कु० ॥ नव

हीरनसिरुपेचसुभायकरंगगुलाबजटितसु
धनायक॥ नृपसिंहजु आलमसननिजोंसों
नृपयहँमल्लारहिंदिन्नों॥२१॥ इकबारनतेंत
द्विजकोंदियइकत्योंहीसंतहितअर्पिय॥
रावसरावमल्लारसचिवहितगजअप्पयदिय
पंचसहँसनिल॥२२॥ इतनैंहींमेंइहित अ
अर्प्पिथिरथैंन्यारिसौंयरूदियप्पे॥गमरा
यमुतअनंदरामहिंइकअब्बहिंदियइक
सिरुपावहिं॥२३॥ पूरबियाद्विजबालकृष्ण
हितहयसिरुपावदम्महैंसतमित॥कुल
करदृतस्वामिहितदीनैंइकइकहयसिर
पावनवीनैं॥२४॥ दो०॥ अप्पनकेअनुचर
सहितमनकोंइमसतकार॥बुंदीपतिक
रिकरिविविधकियप्रसन्नमल्लार॥२५॥
स०गा०॥ अंगंबल्लभकुलदीक्षाहीसोंतांगो
स्वामिगोपीनाथनैंमंत्रदैवकौंनआयमि

राई। तब रामानुज दीक्षा लै रुद्रन पंडित
महाराव राजा उम्मेदसिंह ऐसें आमेरके उदर
तैं बुंदी कढाई ॥ अब तख्त बैठ तहीं देसमें
जय श्रीरंगनाथ कहिबेको हुकम चलायो।
अरु पत्र मुद्र स्थापनमैं प्रीतिपूर्वक श्रीरंग
नाथ नामधेय लिखायो॥ २६॥ अरु आगैं
अपनें पिता पितामहादिकनकी दानकरी
पृथ्वी समस्त संप्रदानन कों खोजि खोजि
छुलाय दीनी॥ अरु अनी आपत्तिमें सूर बी
र सुभटादिक समस्त स्वामिधर्मी सेवामें र
हे तिनकों ग्रामगजादिक बाजिनकी ब
ख्सीस कीनी॥ उनके अभिधान राव राजेंद्र
रामसिंह सुनिबेकों सावधानी करिये। अरु
रु पितामहके वितरणवारिधिकों बिद्वज्ज
नवानीके तरंडक्करि तरिये॥ २७॥ दो०॥ हड्डु
हरजन सचिव हित देंसि विकागजदास॥

हिंडोलीपुरसौं दयोपटासहँसपंचास॥२८॥
देवनत्तिसिवसिंहसुतभारतहितबुंदीस॥
पत्तनखेडासौं पटादयोसहँसचालीस॥
२९॥अमरसिंहरट्ठोरसुतअभयसिंहहि
तत्त॥पटासहँसछत्तीसकोपुरअलोस्युं
तदत्त॥३०॥नाथावतपित्थलतनयजय
सिंहहिंबकुस्यान॥पटाहजारपचीसजुतन
गरदयोनिम्मान॥३१॥बंधुभवानीसिंहभट
महासिंहहरहेत॥बीसहजारपटादयोधो
वडडूंगसमेत॥३२॥सेरसिंहसामंतहरह
डुआरयअनूप॥पटासहँसधृतिजुतदयो
भजनेरीपुरभूप॥३३॥हरसाउतहिंदूसुत
जनाहरकौंहितसंग॥पटासहँसपंद्रहसं
हितदियउपगारडूंग॥३४॥तोकमहासिं
होतहितप्रथिलदिखावतप्यार॥डूंगजै
तगढसौंदयोपटासुपंतिहजार॥३५॥द

थारथसिंहप्रयागसुतमहासिंहसुकुलीन॥
अट्ठसहंसकोतिहिंपटामुद्दरनिपुरसमर्दीन॥३६॥मुकुकमहरमरजादसुतभटनगराजनअत्थ॥पंचसहंसकोदियपटानगरमोरसमसत्थ॥३७॥बुद्धिसिवाईसिंहभटअम्मरकुलधजताहि॥पंचसहंसको दियपटाचंद्रबाटपुरचाहि॥३८॥पंचोलीमाथुरप्रथममयारामकायत्थ॥दियउगामवकुलअनुलसहसिरूपावसमत्थ॥३९॥पटास्यामधाभैयहितदैमितितीनहजार॥लाराभगहनिजदुग्गकोकिन्नसुकिल्लादार॥४०॥भट्टचारनदानहितसंभरप्रीतिप्रकासि॥सहंसपंचकेग्रामदियठीकरियावरवासि॥४१॥स्त्रीयभट्टजगरामसुतजुन्निभवानीराम॥मुद्रादीयहजारमितदोसहंसपुरग्राम॥४२॥इत्यादिकस

वंसव कनं देधन दामउदार ॥ करन निदाम स्वा
रकौं नलिखिय चित्त विचार ॥ ४३ ॥ इतिश्री वं
शभास्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने दशम
राशौ उम्मेद सिंहचरित्रे एकोनत्रिंशो मयूखः
॥ २९ ॥ ७ ॥ ९ ॥ ७ ॥ ९ ॥ ९ ॥
प्रा० मि० ॥ दो० ॥ इहिं अंतर मरुपति अनुजव
खतसिंह छल छाय ॥ दिल्लीसन ल्हि जवनद
ल अग्रज दबन आय ॥ १ ॥ अभयसिंह आतु
र तबहि पठये बुंदिय पत्र ॥ संभर सहित सहाय
कौं आवहु कुलकर अत्र ॥ २ ॥ कुलकर हद्दु नरे
स प्रति अक्खिय पत्र उदंत ॥ सुनि बुंदिय धव
सज्ज हुव सह मल्लार कुलसंत ॥ ३ ॥ जननिन
निन हुति दिति दिन्नें कटक पठाय ॥ गंगराड को
टानगर वंसव हाल भनाय ॥ ४ ॥ सज्जि अप्प कु
लकर सहित किय बुंदिय सन कुच्च ॥ मरुपति
सौं सत्वर मिले उभय करन जय उच्च ॥ ५ ॥ राम

पुरसुमाधवगयोबुंदियतेंइहिंबेर॥एकुवमरु
पतिभीरइमआयेपुरअजमेर॥६॥वरवतसिं
हसम्मुहवकुरितीननकिन्नप्रयान॥रक्खिवनि
कइपरदलइयोसंभरनगरमिलान॥७॥तँ
हँकुलकरकछुरीतिकहिरङ्गोरनसमुझाय
॥अग्रजकेअरुअनुजकेदिन्नोंगामकराय॥
८॥दूजेदिनइकवत्तकुवबुंदियकढ्ढकविहा
न॥सुधकुरामद्विज्जेअवनन्यमतिधर्मनि
धान॥९॥पा०कु०॥अग्गैंइकसंकरगढस्वा
मीबुंदियभटरानाउतनामी॥तिहिंसिवसिं
हमंडिरनराउतबक्कारड्डुरपहऱ्योंकन्हावु
त॥१०॥सोसिवसिंहकुतोनृपसत्यहिअरि
सुतराजसिंहगयतत्थहि॥करतप्रातसंध्या
बुंदियपतिसिवसिंहसुनिजनाथरकिवर
ति॥११॥डेरासनसंभरढिगआवतराजसिं
रिसावत
हवहमिल्यो॥हनिसिवसिंहहिंतुपकगरि

खलगं भजि राजसिंह मारव दल ॥१२॥ सो
हि पुराधिप अनुज सहोदर हो सिरदार सिंह
मरुपति भर ॥ कन्हा उत तससुतर नग हो तात्र
य हुउ दंत हु दी ससु न्यों सब ॥१३॥ दो० ॥ उहि
उ घोरे देह न्रप सध्यात जि गढ़ि मंगि ॥ ह्य अरे
हि इंक्यो मन कुंभ गपर इंद्र उमंगि ॥१४॥ चल
न लगे भट संग निज जातिन कों सपथ दिवाय ॥
अप्प पत्नी दै अश्व कों लिय कन्हा उत जाय ॥
१५॥ सत्थ सहित पिक्खत रह्यो राना उत सिरदा
र ॥ राजसिंह कन्हा उत सुमासो संभर सार ॥
१६॥ इम रिपु हनि बरछी चुवत आयो जु निज
जन श्रेन ॥ रह्यो लख्खत रद्धार कों चित्र लिख्यो सो
सैन ॥१७॥ ष० प० ॥ यह कराल उदधोस उठ्यो
पृतना त्रय अंतर डुव दिस दुंदुभि बज्जि भीक
य भज्जि दिगंतर हहु कबंध न ह्य न जंगप
क्खर ज पडारिय ॥ सुनि फुलकर यह सोरभयो

उपदेसकभारियनृपअभयसिंहउम्मेदनृप
समुझायेदुवनीतिसनकहिदेसकालआग
मकलितकियउसामकरिहितकथन ॥१८
॥दो०॥ तदनंतरदक्खिनगयउराविंदरकुंभ
मलार ॥ निजपत्तनबुंदियतरफआयउसंभ
रवार ॥१९॥ पा० कु० ॥ हरदाउतनाहरमगअं
तरमहिमानीमंडियविधिसौंचर ॥ नगरपग
रौंअभिनृपतिलबजिम्मिगोरिअआयउबुंदि
दियअभंग ॥२०॥ माघवलच्छपच्छजयमनो
दक्खिनद्वारहोयपुरपनो ॥ घरघरमंगल
गानभयोघनलगोलोकलधाईवंदन ॥२१॥
पिच्छैंसनजननींकुंवआईपतनानीनसुहा
गसुहाई ॥ यहँरानिनपतिकीहितआनार
तिनोंनिधिजुतनिजारिनिछावरि ॥२२॥ अ
वसेंहनृपनीतिजमाइगइपगासुबुलायव
साई ॥ मैननंतेयउपद्रवमदियवारहखेटद

वायस्त्रवस किय॥२३॥नो०॥बुंदिय नागर बिप्र

इक सरबेस्वर अभिधान॥चारे चोरन दक्ष्मत

ससहस सम्न परिमान॥२४॥कुत वाल सुनत सु

चोरजुत रखो ज्योभ्रूपति गाम॥छन्न नृपहिं नि

वेदयो छन्न महल मृग धाम॥२५॥सो धन सं

भर रख्यात कोर सर ने स्वर हित दीन॥भ्रोल मे

ठ्यद्ध नीलि लरि लगि गब सन हित लीन॥२६॥

चोरन जारन हुस हु कुल धर्म धरन सुरदूर॥

राज्य बिगारे किल ध्रन कंपन लग्गे क्रूर॥२७॥

जब बुंदिय नर्म्मा सं लिय कति सट संपवत

त्य॥रसना रतथा म्लाहिं रक्खिय न कुब्बु हू नृप

सत्य॥२८॥लिन्म बरु हुरन्नृपहिं तक्रिम्लन भ्र

रत कलात॥भीत भ्राय हाजरि भयं बुंदीस मं

डल बात॥२९॥मार बृद्ध प्रपितामह कुमि॥

लि भ्रायेतिन माहिं॥कन्न त सकु चिरबिष

लूप बिइ म सागस हम भ्रांहि॥३०॥पा०कु०॥

सुनऊरामसहिपालधर्मधनस्मृतिजाकोंत्र
रजतअग्गेंसन॥पुरुखनकोंअनुचितपदमें
दियकरछमाफअपराधयहेंकिय॥३१॥हा
जौरिइमसबवसीभूतक्रवधामचंडउम्मेद
तपतधुव॥फग्गुनअसितमाँहिंतदनंतर
कोटागयउम्मेदधरावर॥३२॥महारावसन
मिलिहितकिन्नोंवक्कुरिआखुंदियरस
लिन्नों॥दुज्जनसल्लसुकुलकअसरूईबुंदि
थललेलयसोदुखकूई॥३३॥जानिइनअकसी
सुहिकिन्नीनेपुरदव्विपकुमिनिजछिन्नीं॥
अबउम्मेदबुंदियभुगोंननऐंसोमंतरचांहिं
मिलिअप्पन॥३४॥इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशोउम्मे
दसिंहचरित्रेत्रिंशोमयूखः॥३०॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वं०भा०॥इंद्रवंशा॥एवंसमालोच्यसधी

सर्वैस्समं कोटिस्वरः सज्जनशल्यभूपतिः॥
दालेलिकृषांप्रतिनेनवास्थितं प्रीतिक्तद
म्प्रेषितवान्स्वदोर्लिविम्॥१॥ तस्मिन्नुदन्त
न्त्रधमेनलेखितं कुम्भादयोऽन्नरहस्यको
विदाः॥भोरावराजेन्द्रतवाभिषेचनं कर्तुं स
मुद्युक्तधियोभयं स्थिताः॥२॥ श्रीमन्तन
न्दाकुकुमारिके श्वरं घोराभिसंपातप्रमा
ङ्कपूर्वकम्॥कार्य्येपुरस्कृत्य कृपाणपाण
यः श्रेयोगमिष्याम उपायसद्भलाः॥३॥ स
न्नह्यसेनां मदवन्मतङ्गजामुत्कुल्लसत्प्रोथ
लसत्तुरङ्गमाम्॥राणाज्जिसंध्यासुत दण्ड
नायकां धूल्युल्लसन्तर्हितकञ्जबान्धवा
म्॥४॥ आकर्णमाकर्णितकाण्डकार्मुका
त्विस्फारसन्त्रस्तसपत्नसञ्चयाम्॥आन
द्धकान्तायसवर्मवाकुलांचाञ्चक्यवत्रन्द्र
कचन्द्रकाञ्चलाम्॥५॥ सन्देशमाहारोगिम्

हीतनिश्चयां विख्यातयाना ऽऽ सनर्सोभनि
ग्रहाम्हे भा अयोल्लास विलासवैभवांसङ्ग्राम
विल्सादिनिषादिसौभगाम ॥ ६ ॥ गौगडी
यसन्दानितश्रूरशात्रवां प्राप्तापडुक्षीणवि
चित्तमञ्चगाम ॥ प्रेरवेल्लदुच्चूलितवैजय
न्तिकाधाराम्योद्भूतसमस्तसागराम ॥ ७ ॥
आलोकयालोकविनोदवन्धुरांनेस्त्रिंशि
कप्रासिकधन्विदुर्द्धराम ॥ प्रोद्दण्डदुस्फो
टकुठारपट्टिशांजेघ्नामउन्मेदमलारयाम
लाम ॥ ८ ॥ इतिकुलकम ॥ तूर्णंच्यतीत्य
षड्दुर्गगणान्त्वयंनिर्जित्यसंख्येबुधसिंह
जान्वयम ॥ दास्यामउन्माजितसर्वकण्टं
कंबुन्द्याधिपत्यंभवतेनिरङ्कुशाम ॥ ९ ॥ ई
श्यांपरःसालमनष्टशेरच्छदंक्षिप्रंलिखि
त्वेतिसभीमनन्दनः ॥ श्रीमल्लमन्त्रिण्यथ
रामचन्द्रकेऽलेखीद्वितीयन्दलमात्तकि

ल्विषः ॥ १० ॥ अनुष्टुब्युग्म विपुला ॥ मुख्येऽमा
मात्ययोर्वादं रामचंद्रमलारयोः ॥ अजायत
पुरावैरं करेणुभिभयोर्यथा ॥ ११ ॥ तत्काले
ऽथमल्हारावः पूर्वस्मिन्नलिखच्छलम् ॥ नि
र्यं कृतं मलारेण पितोऽस्मे दायकुन्दिका ॥ १२ ॥
भवेद्यदि मदायत्ता तदायत्तावयन्तव ॥ कूर्म
धारिवल राजानः स्वामाज्ञाकारिणो ध्रुवम् ॥
१३ ॥ एतत्कुलादलोदन्तकोटाधीश्वरले
खितम् ॥ लिलेखसनद्धमन्त्रीत्थं रामचन्द्र
स्तदुत्तरम् ॥ १४ ॥ आत्मनोऽयं स्वतन्त्रत्वम
स्मत्स्थापयितुं ननु ॥ अयुक्तमकरोन्नीचे
र्मलारो मातृशासितः ॥ १५ ॥ नमोऽनुमुच्चितो
गुल्मास्कन्धावार मनोरमम् ॥ देवानां प्रिय
अस्मादसिंहानां भोग्यमस्थिभुक् ॥ १६ ॥ उ
दयद्रूपपूर्वी भुजगद्विद्धमलं विना ॥ का
येऽस्मिन्नास्मदादीनां श्रीमन्तोऽनुसरेच्चः ॥

॥१७॥ राणेश्वरविभित्सुस्त्वं नन्द्केलेखयत
द्दलम्॥ बुन्द्याङ्कोटेऽधीनायाम्प्रीताऽस्मइति
सत्वरम्॥१८॥ पोर्षोद्दवर्षोद्दूतेनाप्यस्मा
कं सम्मतेनच॥ करिष्यत्येवपुर्गेयथाबुन्दी
न्द्रोऽर्ज्जनशहिकीम्॥१९॥ वर्णदूतं त्रि
दिलैवं रामचन्द्रेणचालितम्॥ राणादी
न्सम्मतेनेदुंतच्चकेभैमिरुधमम्॥२०॥
उपजातिः॥ इत्सम्बुन्दीपतिरात्तधर्मोच
रामचन्द्रकवाक्यवर्मा॥ धर्माश्रयोप्यि
क्षजदत्तभर्मास्वाध्यायसाध्यायसहायकर्मा
॥२१॥ वृद्धश्रवास्सन्दलगोत्रपालस्तथातप
स्तक्षतयानुपेतः॥ अपूर्णपादोप्यपिधर्म्म
राजोराजापिदोषाकरताविहीनः॥२२॥ श्री
शोप्यरवलस्सबलोपिसौम्यः शिवोविरूपाक्ष
पुराऽध्वस्तः॥ अभीष्टमेनोपिनिरस्तजाड्य
स्सन्नभजेपुरुषोत्तमोपि॥२३॥ अनूनवा

णः कमनोपिसाङ्गः सत्यप्रियोभान्वदलीक
शाली॥ यद्यप्युदारोदृढमुष्टिदण्डोनिरोन
नोपञ्चदनन्तमस्ति॥२४॥ अनेकदंशो
पिसपत्तपणिः सत्स्वर्णकायोपिनचंकिम
तु:॥ अनाम्नयाताः सुचिरेवसाक्षादजिह्म
गोभूमिभुजङ्गभोगी॥२५॥ प्रचण्डमद्दण्ड
जितारिपक्षःपाद्गुण्यप्राप्तिः प्रयतत्वदक्षः॥
कृतांपरम्यान्निचियस्यदुष्टान्राज्यंचकार
परकान्तवीर्यः॥२६॥ व्यतीत्यवीरःशिशि
रंवसन्तंतथैवचाष्टोपगमंगुणाढ्यः॥प्राप्त
सुवर्षासुपरोपकारीव्यधत्तकुन्त्यांविविध
न्निनोदान्॥२७॥ अनोकुहैरङ्कुरितैरनुणो
घैस्तत्राद्रशैलोरुचिरोलभूत्॥ जाताः सम
स्ताहरिताहरित्काःशृङ्गारशालिन्यवनीर
राज॥२८॥ अलङ्कृतोदम्भ्रिगुसारधाराका
दम्बिनीकालहरित्कड्डारा॥ववर्षवातो

कुलदम्बुवारानन्तल्पकल्पप्रकटप्रसारा ॥ २९ ॥ चिरायभूभृद्विरहोपघाती पानीयपानीयपुरःप्रपाती ॥ तापन्तडित्वांस्तपनस्यतर्जन्नुष्णावयद्भूमिभतीवगर्ज्जन् ॥ ३० ॥ इति श्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने दशमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे एकत्रिंशो मयूखः ॥ ३१ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

प्रा॰मि॰ ॥ दो॰ ॥ इमपाउसञ्चागमउदितञ्चुलञ्चम्बुञ्चासार ॥ अंकूरनभुवञ्चच्छदियकियपूरनकासार ॥ १ ॥ यहँ हञ्चगेगेंगुनगौरिदिन होतोउच्छवपूर ॥ बुढ्ढसहोदरजोधके बूडतपहुकुंभदूर ॥ २ ॥ पा॰कु॰ ॥ श्रवसावनञ्चवदाततीजदिनउच्छवकियविख्यातरहुइन ॥ रानीजननसुधादसुताईपारवतीप्रतिमाबनवाई ॥ ३ ॥ बहुविधिभूखनबसनबनायेप्रीतिउपेततांहि

पहिराये॥ दैपदु संग अलंकृत दासीनामतीस
वह प्रकट निकासी॥४॥ गई जैत सागर तट
गत ट भूप छप्पन तत्त सबलै भट॥ छकछो
र देवी संसद जैं हँ भूप सभाइक औरबनीतें
हँ॥५॥ बारसु दरिन नटन बनायो अतुलसे
घ अलापउचायो॥ बलितें हँ घटिका दोय
बिताई सुनि देवी मङ्गलन पधराई॥६॥ ल
दनु नरेस सेवकन हित हियमा दक्क बसुम
घ बिनु बंटिय॥ त्यौं हीं कुसुमनहार किल
गी सो मिल अतर पान तिन संगी॥७॥ दिडुम
सबन चढ्यो बुंदीपति आयो महलन मनप्र
सन्न अति॥ छूजे दिन छुय हैं बिधि थिर बनी प
न्छ्रे चढत पख्यो घन पानी॥८॥ पछुंच्यो निदि
निजालय संभर फुट्टित डाग चल्यो छढ्डिं अं
तर॥ बिक्रम सक खट नभ नन्द सु बसु मति १६
०६ अ [illegible] लविराव अचानक भो अति॥१०॥

दो० ॥ सावनबिसदचउत्थितिथिरत्निघटि
यहुवजात ॥ जलनजैतसागरभिल्योउडि
यसेतुअरराति ॥ ११ ॥ ष० प० ॥ अतिजवफु
ट्टियसेतुमनहुँतोपनगनछुट्टियकेलगत
सतकोटिकूटपब्बयजनुतुट्टियबुरजनआ
तउडायफोरिकोसनफटकारे ॥ मगबिच
बिटपमिलेसुहीनवल्कलकरिडारेनिम्न
कुनिवाससुंदियसकलबिकलनकरुकि
रुकिरहेंआकारपृथुलअटफेनजलतोप
नानबहुजनबहें ॥ १२ ॥ दो० ॥ इमफुट्टत
सरसेतुकोसुन्योंअचानकस्वान ॥ कछुक
कालअचिरजरह्योपुनिकियसबनप्रमा
न ॥ १३ ॥ प्रातताल अरुसोलख्योकुवसबबै
भवहानि ॥ मानहुँबनिकधनाढ्यघरलु
ट्योरंकनआनि ॥ १४ ॥ जोधसिंहजिहिंम
च्यथिलकृद्योअगप्रमत्त ॥ जोसबअंगउ

पांगजुतकव्योंतगंडकतत्त॥१५॥लिन्नोंहुं
दियजानिइतउदयनेंरजगंतस॥पटयप
अउमेदप्रतिलिखिहितनिहितदिसेस॥
१६॥अकरीहमक्रुप्रसन्नअतिअवहुन
अधिराज॥अरदिइहाँमनआयहेंटीका
केसबसाज॥१७॥कोककोबिदसचिवनिज
भेजहुसत्वरअत्थ॥हियउपज्योकछुपुछि
हमसंसयतजहिंसमत्थ॥१८॥नृपतिपुरो
हितमुक्कल्योंदयारामसुनिएह॥पढ्ढंचि
बिप्रतबदुवनृपनसंध्योसरससनेह॥१९
अभयसिंहमरुभूपकोइतआयउअपुसा
न॥निजभटसबबुल्लेनिकटहोलकलेवर
हानं॥२०॥अकबीअबभअज्ञातअसुदृन
सोदरबखतेस॥मोच्छतहीहोवनलग्यो॥
अगैंधन्वनरेस॥२१॥सोसठअबभरेस
रतनागोरहिरकेवंन॥मारिबिडारहिंमम

सुत हिं लहहिं जोधपुर स्त्रैंन ॥२२॥ रामसिं
हमअपुत्रय हहिं कुपुत्र मतिहीन ॥ यासों
सबतुम पलटिहो रहिहो नाँहिं अधीन ॥
॥२३॥ कुलकुठार कंटकय हैं पापी खल पहि
चानि ॥ तुंमकुं कहोंत करकिवहो क्रूर नृपहिं
समकानि ॥२४॥ लातें जो अवर हित कछु तो
पहिलैं कहिदेकु ॥ याहि दिवावकु इतर क
छुवा हि जोधपुर एकु ॥२५॥ नहिं तो जो र
अब हहिं मिलौं पैं छैं सो कुमिलैंन ॥ सच्छ
नयकहु तुम हिं अवमुहिं बढलअँ बेन
॥२६॥ मेरतिया उपर्टकि इक कहूदाउ तर द्रो
र ॥ हुक्त्यो सुनिरख्यो पुर पमेरा सिंह भट सो
र ॥२७॥ हम हत्थिन ठिल्लैं भुजन घल्लैं रू र
हिन वत्थ ॥ खंडैं दकिवन खग्ग बलमंडैं र
न दिहुसत्थ ॥२८॥ तिनजी चत कातर ब
ल वच न अकव कु नरनाह ॥ कुलकुठार स्म

वदीयसुततदपिकरहिंनिरबाह॥२८॥अथम
तरूयहकुमरपैजोयँहँकन्याहोय॥सोंपैंभुम
हिंजोधपुरहमनतनासमनकोय॥२९॥यहसुनि
नृपबुल्योबखसिंहूतरभटनमनएस॥कैसी
भासतसबनकोंअवबडुमोदिअसेस॥३०॥
चंपाउतरहोरतैंहैंनगरआउवाईस॥कुसल
सिंहबुल्योसुनहुहमसबअधीस॥३१॥
ऐसीभासतकुमरकीकारहैनीचनसग॥उ(
चितनकोआदरधरैंरँगैंअनुचितरंग॥३२॥
सोतोहमसहिहैंसबहिपैंडेरनपरबाय॥दुहु
वारिरूकैंहुंहमहिंततोरहोनहिंजाय॥३३॥
यहउदंतकुंजोधपुरसुनकुंभूपचकुवान॥अ
भयसिंहतजितनुतदनुकियउमहाप्रस्थान
॥३४॥रामसिंहबैठोतखतकुलहिंकलंकित
कारजानतहताकोजगनबंदहिलयोआचार
॥३५॥इकनहीअंत्यजअधमअमीनामअनु

रूप॥ वहबादककंडोलकोमित्रकियउमरुभू
प॥३६॥ भगिनीताकीभाँवँतीनामसुरूपाँना
रि॥ रानिनपरपटरागिनीकरिरक्खीगृहडारि
॥३७॥ पा०कु०॥ इनविपरीतजोधपुरकेरतोतैं
बिधिहँ असैंनृपहेरे॥ सूरिनकोसतकारनरक्खे
सूरनसन अनुचितजडअकेरे॥३८॥ नहिंस
चिवनदासनसनमानै अरुबालिसनीचनहि
तआनै॥ मरुपतिमित्र मृत्युजबपायोसुनिटी
काभल्लारपटायो॥३९॥ गोलिहिंसंगमत्तइक
बारनपरिगातप्रबलअवतमदधारन॥ अभय
सिंहसुतकोलुकआयोसोगजनिजगजसंगल
रायो॥४०॥ कुलकरकेइभतैंनिजहार्यो तबस
ठमारनताहिंबिचार्यो॥ तोपदगायहनकुंइहिं
अर्ख्योजग्गबिप्रनिट्टिकहिरक्ख्यो॥४१॥ ब
खतसिंहनागोरधराधननिजधात्रीपठईकछु
कारन॥ कुल्लिरुतासबसनउतगयेबुलिथरि

सेकिमकमसचराये॥ ४२॥ चंपाउतवहकुसल
इक्कदिनआयउसभाजानिरामहिइन॥ तास
पिहिइकदासपठायोआधोबस्त्रकरिसेनक्या
यो॥ ४३॥ वहपुरन्हकह्योपुनितासोंबहेंतवि
कमलधुस्यासों॥ सोपेंदुसहकुसलरह्योस
हिअभयसिंहआदेसचित्तचहि॥ ४४॥ वह
अनुचितइसअथसबनावेंकबिलोलाकुक
हलअलसावें॥ सुनकुरामसंभरअसुस्वामी
बिथरीइमअरुपतिअदनामी॥ ४५॥ बरबतसिं
हसुनिमोदबढावेंलेनजोधपुरदाबलगावें॥
इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपेदक्षिणाय
नेदशमराशौउमेदसिंहचरित्रेक्षत्रिंशो३१मयू
खः॥ ६॥ ६॥ ६॥ ६॥ ६॥
प्रा० मि० ॥ पा० कु० ॥ इतउदोसमइकधारयो
सहरसितारागमनबिचारयो॥ संगलयोनिज
दीपसकोदरभजनेरीपतिसरसुमनबर॥ १॥

हड्डापुनिनाहरहरदाउतअरुदलेलहरजन
अमात्यसुत॥इत्यादिकनसह्लितनृपहंकि
यसुनिप्रयानदिसदिसअरिसंक्रिय॥२॥
नृपहिंचलतकोटसनिवासीतउनरुको
छलतासनिहास्यो॥सकरसदनभयोति१९
०६अदृबिसदतेंहूंबुंदियरक्खिसचिवह
रजनकैंहूं॥३॥पतिसंभरचल्योदक्खिन
प्रतिरक्खिबेधअइकरत्तिमहामति॥दरकुं
चनकूमपत्तअवंतियआइअपरपत्तगत
त्यहिकिय॥४॥हंकेपुनिलग्गतनवरस
अधुमिंदिनरेवातटपत्ते॥तंहंदक्खिन
पतिन्वोकीदारनमंग्योकरवहसरितउतार
न॥५॥सुनिनृपकहियहमनकरदेहूंअब
उनअमुक्खियपारनजैहें॥तबतिन्हभूप
पिटायबिडारेपोतनकरिनिजतंत्रपधारे
॥६॥श्रीओंकारईसदरसनकरिमांधाता

ज्जुतपूजिपयनपरि।।रेन्नानदिपुनिलंघिकैं
रयपत्तनगरक्कुरहानपुरान्हय।।७।।जौति
लिंगसिवक्खरच्चनमंडियविस्सकर्मपुत्तिम
हरसनकिय।।पुरक्खनरंगाबादगयेपुनिगो
दावरीबक्करिन्हायेधुनि।।८।।अ्राइहुरपनउ
पन्नासबिछिलसबबिरच्चिअ्रगबुंदीसच
न्त्रियलव।।डुक्कबासितइ्रमगयधरिनयधु
खायगाँवनामकक्कुलकरपुर।।९।।पुण्यापु
रमल्लारकुतौरबरखंडूनृपसतकारकियोस
ब।।सम्मुहजायबधायरुलिन्नेंहयसिरुपाव
निबेदनकिन्नें।।१०।।मुदितरचीदिननिमि
क्लिमानीदुलभसिकारअनेकदिखानी।।अ
हकतिरहतमलारकुआयोबिबिधहेतमि
लिदुकुंनबढायो।।११।।बुंदियखवरिगईन्र
पपैंतवसच्चिबनअगौंकुसिलअजासब।।ह
रजनधनछिन्नतननहाँरैंबनिकनदेंअभि

साथबिगारैं॥१२॥चोरनतैंमिलिद्रव्यचुरावैं
रंकसिखोसिसबकौंवसुखावैं॥सुनिउदघो
सकियोनृपनिश्चयनिकस्योसत्यतबहिम
ज्योनय॥१३॥भजनेरीपतिमेरसिंहभटह
रजनकौंपकरनपठयोझट॥तिन्हिंच्यायरु
माद्रुंलापत्तनछुट्टोघेरिलियोवहहरजन॥
१४॥कोटेसहिंतिहिंतबलिकहाईभजने
रिणगहनमुहिंभाई॥अपनिंहिंस्यौंसंगइन
कैंहमकारदुसहायखदासनहेक्षम॥१५॥
कोटापतिसुनिकरित्यारिताईपृतनादैंनस
हायपठाई॥जोपहुंचैंनइतेविचकरिजय
गहिहरजनहिंसेरबुंदियगय॥१६॥तार
गढकाराबिचडारयौबंधनलहितबदर्प
विसारयौ॥थापगाँवमल्लारज्जुइजितनि
जपक्ख्यौअप्ययममंडियइत॥१७॥बुंदीसद्ध
द्धधनखरच्योजैंहलगनकालइकबत्त

सुनीतँहँ॥अगहनमासविसद अह
तज्योछत्रपतिसाहुँबियहह॥१८॥कुलकरघर
अतिसोकलासुकुवसुताविनाहिँचलनदियो
ध्रुव॥अनुजबापगाँवहिँनृपरकियहूरज
नपुनअरजयँहँअकियय॥१९॥हैंदिनसि
कयमोहिँनृपदीजैतरितआनिमिलिहौँ
दिनतीजे॥हैंदिनसिकअलाहितवदिनौक
छुनसंकभजिमातनकिन्नौं॥२०॥दूतहहु
रुकुलकरअनुरत्तेपहिँलैंहुवपुण्यापुरप
त्ते॥होतहँसन्हिवसदासिवहितमयनलक
पितृव्यकसामाजितनय॥२१॥संभरपतिस
म्मुरुनहअयेंदिनदसरकिवसनेहदिस
यो॥इतहरजनसुतबापगाँवरहिजनक
हिँसुनिपकर्योविरोधचहिँ॥२२॥नृपअ
नुजहिँफेरनकियदुर्लभपुंछ्योनहिँतबभ
जिकोसगय॥इतसंभरकुलकरपुण्यासन

पत्तेउभयसितारापत्तन ॥२३॥ हहुहिं आत
मुनलहुरखायोसम्मुहनहकोसइकआ
यो ॥ डेराकोफरखोहदिवायेपुनिमहिमानी
साजपठाये ॥२४॥ साहूभूपमरयोबिनुसंत
तिपृथुलराज्यकिमिरहेंबिनांपति ॥ साहू
पितामहीलारातेंहँअरुप्रधानश्रीमंतन
हमोंहूं ॥२५॥ मंत्रविचारिपनालागढसे
नरामकुलाये उसंभानंदन ॥ अग्गेंनृपसि
वराजकर्णनिभमूरखलकबिहिंदयेवाव
नद्रम ॥२६॥ संभाकुवताकोलघुसोदरादे
वौंजाहिपनालागढबर ॥ ताकेसुतयहरा
मनामकुवसोअबकियउसितारापतिध्रुव
॥२७॥ राजारामबकुंरिसंभरपतिमिलिवाये
दुलनहमहामति ॥ बैठेदुवइकतखतक
रनरचलेदुऔरमोरछलचामर ॥२८॥ डो
लेभयपुनिनहमगायेराजारामबिवाहर

चाये॥साहूपदरामइमबैठोइतइकलरघुं
सल्यांपेठो॥३०॥दो०॥कहिब्बगोंश्रीमंतछि
जबाजेरायप्रधान॥रघूनामभटरघुंसल्याप
रयोहिंदुसथान॥३१॥तिहिंजनपदरघुव
नव्वरुरखानदैसलियजिन्नि॥ह्लाकिमपंडि
तभासकररघुव्योलैंहंकारिकिन्नि॥३२॥प
छैपुनिदच्छिनगयोसुतसुनिबाजेराय॥
सावरकोश्रीमंतरघुनन्दनजानैन्याय॥३३
॥नन्दकुकमलैंछन्नतनबकनिकोपिसुनभट
श्रोर॥खानदौरागुडवानभैंश्रायेबनिबर
जोर॥३४॥तत्थररघुभटभासकरसाह्लोहून
करिजंग॥श्रप्पनथालौंरक्खितैंहसाथोहि
सप्रसंग॥३५॥नन्दयहैसुनिरघुंसल्यानदैलैं
धरलबिरोध॥अबश्रायउश्रीमंतसौंरुद्धर
चनसजिजोध॥३६॥ढुलकरपतिलैंहबीच
परिदोउनबैरमिटाय॥श्रानिरघुश्रीमंतकैं

दिल्लींपयनन्नगाय ॥ ३७ ॥ इतिश्रीवंशभास्क
रेमहाचंपूरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउ
म्मेदसिंहचरित्रेत्रयस्त्रिंशो ३३ मयूखः ॥ ॥
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥
प्रा० मि० ॥ दो० ॥ हरजनपुत्तदलेलइतकोटाजाय
प्रमान ॥ परयोलिखिनृपअनुजप्रतिबापगाँव
हुमयन्त ॥ १ ॥ अप्परहहुकमममसंगअरुकोटा
आनहुदीप ॥ तांनुंदियपुरतखतधरिमन्नें
तुमहिँम्महाप ॥ २ ॥ दीपसिंहगपत्रहुतपठये
अप्पजथास ॥ लखिवितिन्हमंददलेलकोसु
पहुतत्योविसवास ॥ ३ ॥ षट्प० ॥ नगरसित
रानीत्महहुनालरदहरहाउतलनिजनृपसम्म
तिबिनुहिंजानिअप्पहिंसुबुद्धिजुतकुल
करप्रतिलिखिअरजअग्गनभवसुसत्तह
७८० सक ॥ टोडालियजयसिंहडारिमिछ
नपरओदकआवाँपुरीरुढुनीउमयथान

लयेहमरेक्कुतवदोहासुदिनतुममाधवहि तोवरवसक्कुममभुवक्कुअव॥५॥दो०॥कुप्यो कुलकरसुनतअरुसोरयोपुरआय॥अक्क रीनृपकरूलोहनर्गहिलीवनसोकुलपाय॥१॥ लक्षमनमित्रप्रभुहकैदिगआईनिजभस्म॥ मनिक्कमनाहरतेमयोतुंदियभ्रपुविरुत्न॥ ६॥अपनेनन्दनअमात्यद्दलरामचंदअघर त्त॥रानहिसमुलिलीनकोंपठयेकोरापत्त ॥७॥क्कुतनिंअवरनामहिजनिजनकोन्त कोटेस॥उदयलैरपठयोतवहिकारनयान नरेस॥८॥तानेंमिलिजगतेसकोलिलों मनपलटाय॥संकिवनदेनअधालोंदेव दुमपत्रलिखाय॥९॥हैसुंदियकउसेदहित अनुचितकुलकरकीन॥करकुकथितको टेसकोतोहमसर्वअधीन॥१०॥औलोंरह लक्कृतलैनिकसैनैरविहाय॥तालोंअविव

यराननृपति दयाराम द्विजराय॥११॥कोटेस
हिँगाननृकुदककामिल्यो सुजैपुर माँहिँ॥सुनि
होरंचककढिननभैँहैतुमतैँढिलनाँहिँ॥१२
॥सुसुनिराननचलमतिकहिय कछु
ढिलपरगसबिधाय॥दक्खिनपत्रपठायहैँतो
सगादेकूधराव॥१३॥भैँसरोरपतिससुरहो
हुंडावतभटलाल॥तापैँहँकूष्णादलेलसु
तकूतदियपनउताल॥१४॥पत्ररावराजोप
पकरानाँकोलिखवाय॥सोममढिगभेज
कूसुरप्योरेवबसरपाय॥१५॥इमलि
खिपठयोउदयपुरअपननबनिकवकी
ल॥सोकुमिलायोराननसनकरिहठलाल
कुसील॥१६॥लघुमितिपत्रलिखायदि
यकूष्णाकथितपरिमान॥जलकुल्याजि
मिराननमनफेरयोफिरतअजान॥१७॥बख
तसिंहनागोरपतिइतसठमंडिमरोस॥दि

ल्लीदलबुल्ल्योवक्कुरिंदैनजोधपुरजोर॥१८॥
अरजीअहमदसाहसुनिपुनिपठयोबल
पूर॥जवनसलाबतखानजँहँसेनानीकरि
सूर॥१९॥कूरमईश्वरिसिंहकीतनयासल
विख्यात॥रामसिंहमरुराजकीपहिलैंलगप
नजात॥२०॥यांतैंआवतजोधपुरसुनिदि
ल्लियदलसोर॥कूरमहिंमरुपतिमीरकोंबु
ल्योगिनिबरजोर॥२१॥तबकूरमआमेरप
तिउत्तरपठयोएह॥फौजखरचभेजहुतो
आवहिंभीरसनेह॥२२॥ष०प०॥अबगौंनृपक
रतेसहायसुनिविपतिपरस्परफौजखरच
लेतेनजदपिहोतोभरसंगरजामातासनकु
अमेटरीतिसुधनमंगिय॥तबमरुम्हपस
नैमलकवदमनभरनोंदियसजिनबच्छ
नीकजयसिंहसुवकोटाभेजियकगरहिँ
हमसंगहोयजवननहनहुतासुलियतुम

नसफरहिं ॥२३॥ यहकहाय करिकुंच चल्योम
रुपति सहाय परम रुपतिसों अतिमोदमिल्यो
तोरथय गुरुपु कवर नगर मेरतातदनुजायदोउ
नमिलानदिय ॥ इतदिल्लीदललईसउदयपु
रान हलभिजियहमसंग दोऊ अगतेसन्यप
सहमाध वसे बाहर तब्ब अजहिं मारि अप्प
सिंह मकुलतो अनुजहिंजैपुर लखत ॥२४॥
यहसुनि सत्रियरानहोन दिल्लियदलसम्म
लिइतकोटाअधिराजकुम्भकगगर बंचियव
लिकुव्वलयार लवकुकरनकूरमकिंकर पन
॥ कुंदियलोअविधायरच्चनदिल्लियदलतें
रनमुरजनकितेककछुकामतहंकोटाकेग
यउ दयपुर लिनकहियजातकोटेसससजिजे
पुरसभालिदलप्रचुर ॥२५॥ दयाराम द्विज
तबहिं निय यह सुनत सिरा झोअक्तियहम
सनहत न ॥ हि कोटेसनि बाह्योयह सुनायबे

पत्रलिखदकिवनपठुंचावन॥दिन्नैंतेंद्विज
हत्थश्रीतिबुंदियपरलावनहिजइथ्यारास्ते
दलसकलसहरसितारामुकलियतदळुअ
यहहूकुलपारतमकिकग्गरबंचतकोपकि
य॥२६॥दो०॥एलिमलाररविजिनच्छपरक
द्विद्वत्योनिजदेस॥सुनतलनचुत्योथिरयो
दुत्योविनयविसेस॥२७॥छनक्कोथम१
लारकमसुनक्कलनपभराक॥सन्धिवच्छन्दु
यंहमुनस्थदेच्छरगौंबिहितविवेक॥२८॥पाञ्जुश्री
पतिराक्कुतंसच्चौंहुनप्रतिनिधिकोउपप
दपायोजिन॥तिनसुरतच्छगौंसमप्पिताम
हविप्रलायवितयच्छनेकच्चन्ह॥२९॥नाला
क्कुवपुनिनिम्भनाथसुततक्कुरहेमुरवच्छया१
विनयजुत॥श्रीपतिसंगपेसरहिवसनाति
नहिंपेसबाकहलनलगंजन॥३०॥बाजेराय
भयेबालासुतसामकजनकपेसवानयमुल

॥श्रीपतिरावमरे प्रतिनिधिजबतुमपंचनह
श्रीराजसकियतब॥३१॥श्रीपतिकी तबमुक्
ख्यसचिवगतिबाजेरायहिंदई छत्रपति॥
श्रंकआपजिमखनितउधारेसोतुमसुनहु
गद्यकरिसारे॥३२॥स०ग०॥श्रीसाहूराजा
छत्रपतिप्रतिनिधानबाजेरायबालाजीपंडि
तप्रधानगाश्रंकछापमेंखुदायहमारेपिता
पेसवाबाजेरायछत्रपतिनेंमुख्यप्रधान
कीनें।श्रुरुउनकेदेहांतकेश्रनंतरश्रीसा
हूराजाछत्रपतिप्रतिनिधानन्हाजीबाजे
रायपंडितप्रधानगाश्रंकसितारेश्वरनेंछा
पमेंखुदायदीनें॥तदनंतरजबछत्रपति
साहूपरलोकगये।तबपनालागढसोंपितृ
व्यकसंभाकेपुत्रराजारामश्रायकेंसितारा
केश्रधीसभये॥३३॥श्रबवेहीश्रंकनईछा
पमेंराजारामकेनामसहितखनाये।सोसब

इत्यादिकअभ्युदयकेफलतुमपंचननैंप्रसं
सापूर्वकमिलाये ॥ तुमहींनें हैदराबादकेनवा
बनिजामनमुलककौंजेरकरिरूपअपनैंसि
काअपनेंअंककोसुदायजागीरीपटामैं हैंद
राबादहीपञ्छोउनकौंदिवायबंदगीसिलारे
कोकराई । अरुगुजरातकोमालिकदामागा
यकवालसाठिहजारसेनाकोसिरदारफिराऊ
भयोताकौंबेंकरिदंडलैंगुजरातकौंअ
पनैंअधीनबनाई ॥ ३४ ॥ तुमारेप्रतापतैंइ
त्यादिकअभ्युदयदेसिसबननेंसितारेकी
कुमारिकेस्वरकह्यो ॥ तिनकेसुरिगयेंरामरा
जाकेराज्यमैंस्वामिधर्मीमन्त्रिबकोनरह्यो ॥
अबसौंआदिमत्रीमतकोसुनिकुलकरनैंदया
रामद्विजकेपठायेदलदिखाये । अरुकहीको
टादिककूरबुंदीससौंबैरकरसोपापिघपंडि
तरामचंद्रकेसिखाये ॥ ३५ ॥ दो॰ ॥ सुनतपत्र

श्रीमंतक्रिरामचंद्रपरंरीस॥सज्जितहिंदुस
थानपरकिन्नौंकुलकरईस॥३६॥कछुदिन
पहिलैंनन्हसौंरामचंद्रकहिबत्त॥संध्याको
अधिकारसबकिन्यौंपिसुनप्रमत्त॥३७॥निं
दाकरिमल्हारकीकहिकैंहिकितवकुठार॥
अग्गहिहिंदुस्थानपरकुवमालिककुसियार
॥३८॥असताकोयहकपटलखिनन्हदयो।
सुनिधारि॥कियतयारमल्हारकैंहबलिबिसा
लसधारि॥३९॥राजोरासटवातबहिकुलक
रनिजउमराव॥दसहजारदलसंगदेपठयो
आगसत्वाव॥४०॥अक्कीतुमपहिलैंचलन
कुरुकुहिंदुसथान॥चातुरमासबितायहम
आवहिंकटकअमान॥४१॥तबसटवादर
कुंचकरिलंघिनगरउज्जैन॥आयोसुनिदिस
दिसउठियअदकभूपनअैन॥४२॥इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश

मराशी उम्मेदसिंहच्चरित्रेचतुस्त्रिंशोमयूखः॥
३४॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
प्रा०मि०॥पा०कु०॥ हूतकोटापतिकोंवहिकायो
बुंदियलननकुँथावहन्नायो॥दैघसालोपत
रनलंडियरोमलरगाकपिसिरकाछुरवंडिय
॥लरोकहनरेसहिगजगनबिरच्चकुवाकु(
जनासबिरंचन॥हूनकोबीजरहैंछितिजो(
लौंरच्चकर्पनहमैंनहिंलीलौं॥२॥दिसदिस
यहवोलाहलच्छुतबुंदियइमबिंटियहल्ले
लसुत॥नाहिंह्नपतदपिकव्योन्नंतरहल
चालुकायथहल्यच्चलाचल॥३॥छप्प०॥
सोलंबीसंग्रामसिंहजोगाउरनंदलखाय घ
भोजीरामकहच्यरिकरनानिकंदनमारिकल
च्यपरभारिनिज्भरसमसेरन॥हिरनकिय(
दलेलिभज्योभीरुकतजिडेरनसैनलखामघा
लियरुक्किइनालवसुजायकोटारहियकोटे

सम्हिँ।दंदुनकटककरदुभाँरव्यनदुमकहि
य॥४॥दो०॥गोबुँदियतुमेरकहैंअयोरखत
लुटाय॥नन बिनुँबरनबादुरतसत्वरदक्कुस
ज्ञाय॥५॥दुजनसल्लउत्तर दयोदिवसभोरके
रान॥कछुककाल्हछुनैंरदक्कुसदवाआतसंसे
न॥६॥राजोरादरकुंवरचिकोदासनलहिदंड॥
हुतपकृंच्यो अजमेरदिममंडलअमलअखंड
॥७॥स्वर्गीक्लेसवहासँकपटयसटवापन॥व्स्न
ल।संहसनबैरतुमअनुचितकरकुनअप्रन॥८॥
कूरपप्रतिकैसनकहियबरजततुमहिंमलार
॥ओर्नाह्हैंअवनजंगतांढहिँहैंमबदुठार॥९॥
सुनिरावकृष्णरिसिंदहमरकदनभयमान॥
सिंबकुँधनमरुपालसौंबुल्योनलरनआनि
॥१०॥ब्यूरज्योइतअवतेसहूमटवानो॥तसु
नाय॥क्योंफुनिपुनिदिल्लियकटकयातिसले
नसुलाय॥११॥कुलकरकोयहमुनिकुकम

तब्बननबाबडोरतत्त ॥ सय्यदखानसलावतकुप
क्खोंदिल्लियपत्त ॥ १२ ॥ कुम्महिंजानिसहायक
ररामसिंहमरुराय ॥ केसवहाटरोक्योंकलह
ईहिंकासनक्खकुलाय ॥ १३ ॥ सम्भलिहरगौंविं
दकीलैकबंधनप्रराम ॥ कुम्महिंत्रक्किवयकैं
सवकुहैयहरवासिहराम ॥ १४ ॥ माधवव्वरकु
म्भेदसौंयांकैप्रीतिप्रजरब्बजैंश्रावतजात
छुद्दघनंगांयेंइसघस्स ॥ १५ ॥ कोउकपनफरेबक
रिन्निपताकोलिखवाय ॥ तैसहिंतन्निरिन्नकु
म्मकांदिन्नौंविदितदिखवाय ॥ १६ ॥ सुनिखिप
जयसिंहसुनमल्लासत्यहिंसुद्द ॥ बुल्लिसभा
श्रंतरबन्योंकसवउप्परक्रुद्ध ॥ १७ ॥ केसवव्व
क्खियजौंरककरइतरनकोंछलगह ॥ श्रसुकी
जैतनुश्रंतरितनिकसैंजोममलैह ॥ १८ ॥ सु
नीलदपिनमालमुरत्तसुनज्जर ॥ मनप्रहाय्य
कोंरहटदिन्नौंकेसवहिंपापीगरलपिवाय

॥१९॥ कुल्योतँहँ जयसिंहसुव देपामरमति
हीन ॥ मिलितैं हीमल्लार मैं रवरजै पुर किय
र्खीन ॥२०॥ च्यारिपरगानसोदरगहिंहडूहिंदु
दियदेस ॥ कितनदिनांयप्रसभकरिवाकोप
लसह्रिपास ॥२१॥ कहाँसहायकतवकुमति
मूररत्ववहमल्लार ॥ वाहिवन्त्रावनप्रानच्यव
वुक्लकुकैयौंनलवार ॥२२॥ सुनिच्प्रक्रिवयके
सलसुमतिसामिहनैंजनदास ॥ त्रातोकोन
द्वितीयतँहँ गिल्लतसिंहच्प्रजयास ॥२३॥ के
सवकेसनध्यानकरिपुनिधुनिबिरञ्चिमना
सराह्निमाजनपिनौंगरलरतिच्प्रच्युलहारर
म ॥२४॥ लिलजहरच्प्रावतलहरनीलनहर
यहभारिव ॥ विनुच्प्रागमजोदेतविरवसोपाव
तमूलिसारिव ॥२५॥ इमकहिइकघटिका
च्प्रवधिकैंरसवछौरयोकाय ॥ बकुलच्छिन्निता
कोलिकवलाइकूरमलाय ॥२६॥ च्प्रायोजैपुर

कुम्भइमममंत्रीपद्दुनिजमारि।।सत्तुवायहुलव
नीतिसुनिबिविधलिखियबिसतारि।।२७।।
सुनिकुलनकुश्रीमंतसौंअकव्योयहकुअवलाय
।।हठपूर्वलिनौंकुकमबिस्वनजैपुरआय।।
२८।।कुलकरहुकुरनन्हपुनितक्रिगसितारा
तत्त।।सकहयनमधृति१८०७चैत्रसितपुण्य
पत्तनपत्त।।२९।।तनयसीयउपबीततनहँब
लिनिजअनुजबिबाह।।पुण्याकियश्रीमंत
प्रभुअतिहितउभयउछाह।।३०।।महिमानी
उमेदकीबकुश्रीमंतबनाय।।प्रीतिसहितअ
नुकूलपनदिनदिनअधिकदिखाय।।३१।।रा
मचंदकेबधितवरिसंध्याकोअधिकार।।मयो
खालसैकिवअबताकोअरजमलार।।३२।।
ष०प०।।सुनकुनन्हतमअग्गालियउमालवज
यननसनतबपत्तनउज्जैनमहाकालेसनि
केतनपरमारखुआनंदमैंरुसंध्याराणजिय

॥ तीननतजिंहियगंरिसत्यइहँरीतिसपथ
लियअ्रुकचित्तस्वामिकाज्जकरहिंग्ररुजोहो
वहिँकालबसितौतासुतनजीवैंसुजनहि
यलगायपालैंकुलसि॥ ३३ ॥ दो० ॥ यहकरार
जोभुल्लिग्ररुचल्लिहैंकुमतिकुचाल॥ ताहि
महाकालिग्ररु प्रगटकरहिंपैमाल॥ ३४॥
इमरैकुबसंधायहसुजानततुमकुग्रजेय॥
रामचंदकंकाथितकरिसंध्यानहिंग्रपमेय॥
३५॥ छप्पय॥ पंसोढलकवतबंदेमलारविढल्ल
किव॥ संध्यासनश्रीमंत लियसेनापतितिहिँ
रकिव॥ ३६॥ पा० कु०॥ कुलकरकोश्रीमंतक
ल्थितकियसंध्याजयालगाइन निजहिय॥
नामचमारगोंदतसपत्तलग्रायउताहिमना
वनग्रपन॥ ३७॥ लैतिहिंसंगगयेपुरग्याज
मरनियमेंनकुलकरसंध्यातब॥ हिंदुसथान
माँहिंग्रप्पनदुवस्वामीनन्हतयारकियधुव

॥ ३८ ॥ रह्योपरंतुउहांकोबहुतरवित्तलहायअति
करामचंदकर ॥ जोनरहैंअप्पनवसयलहधन
तोकरैंहिवलहदुष्टदुष्टपन ॥ ३९ ॥ यहलतबहु
कुलननृपतिअकिबयआहिकधरअप्पन
धरसकिबय ॥ श्रीमंतहुयहअरजमन्निलिय
हिंदुसथानअधीनहुकनंकिय ॥ ४० ॥ दो० ॥
लबनेहिंदुसथानकोखरनीकोकरसबे ॥ कु
लकरसंध्याधीनहुवआहिकवित्तअगर्वे
॥ ४१ ॥ मिकवदेनश्रीमंतपुनिसंभरईरन
आय ॥ तरजनिवदेदसतुरगकरदोहुलप
तिकाय ॥ ४२ ॥ सुरलनमानिनअनघहुनदस
सिरूपावउदार ॥ दन्नोंबुंदियसिकलइसक
रिसंभरसतकार ॥ ४३ ॥ सकअुनिनभवसुद्द
हु १८०७ समसावनपंचमिस्याम ॥ बुंदिय
आयोकरिविजयधरनीपतिनिजधाम ॥ ४४
॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपदर्सिणा

यने दशमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे पंचत्रिंशो
३५ ॥ मयूखः ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९
॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९

प्रा० मि० ॥ दो० ॥ कोटापतिसंकल्पसबकरे
नियतिप्रतिकूल ॥ रामचंद्रसनहितरच्यो
मो? भयोसुसमूल ॥ १ ॥ पलटायोजगतेस
पुनिसावधानकुवसेंहि ॥ बुंदीपठयोकृष्ण
कलिभजिसुपराजितभोहि ॥ २ ॥ जैपुरसम्म
लिपुनिजुरन गोकरनप्रयान ॥ बरज्यो
सटवाकुम्मतबथ्थिकैबैठोनिजथान ॥ ३ ॥
जैपैपुनितहँदुरगकिलौंजडकोटस ॥
नफल्योउद्यमनै चकोमोकरह्योच्यवसेस
॥ ४ ॥ उदयनेरसनरानइतदयारामद्विज
संग ॥ पठयोटौंकाउपकरनअनुसरिप्रीति
उमग ॥ ५ ॥ हाटकसारवतिउभयहयमदक
लद्वैमातंग ॥ सूचोसुखसिरपेचइकहुव

सिरुपावसुरंग ॥ ६ ॥ टौंकाकोयहसाज लिय
दयाराम द्विजसत्थ ॥ परंपरा इससत्थपुनि उ
नियेरामसमत्थ ॥ ७ ॥ अग्गेंसु पद्धस्सुभांडस्सु
तन्नृपन्ना रायनदास ॥ रनरानाँरतनेसकी
धरीदुस्सह आस ॥ ८ ॥ मंडूपुरपनबाबको इ
कामद्दलियमारि ॥ संभरकोंसीसोदतबल
दुआसानदिन्नारि ॥ ९ ॥ पा० कु० ॥ प्रथमरान
संग्रामसभीरकारिबाबरकोबद्धकटकहन्योंल
रि ॥ च्यारि अग्गचालीसघायसहिविजय
कियोबुंदीसधर्मबहि ॥ १० ॥ इक्कामुगलयह
पुनिमार्यो अप्पनेंसिरउपकार विचार्यो ॥ अस
नसहितयहसंनरानकियविनइकपुनिबुंदी
सहिबुल्लिय ॥ ११ ॥ तुम हमलैंकहुभेदन्यारद
प्रतिइक्कतलेंकरिकवनिजउरलि ॥ रविन
बनमेंकह्योसंभरपडुपहिसरकग्गकोसडुव
प्रेसहु ॥ १२ ॥ बैरतीनहायनविचलेहैंतब

तुम्मपरहुनदितव्हैंहैं॥भजक्कुप्रथमबिज
युद्धयामींदिनपुनिगुनगांगिदिवसश्चाक्क
छुल॥१३॥धरसगंनिदिनचक्कग्गिपदाचक्क
तांहमहेतगिनेंतुमरांवक्कु॥यहनृपनमंगम
सीक्तृतकियश्चवरक्कुप्रीतिरीतिइमबंधि
य॥१४॥हालक्कमाजउंपतइक्कहयइकनर
वारिमुद्दिजिद्दिंमनिमय॥इक्कनिरसंगइ
क्कबिसिरवासनचांगइक्कमुल्लमितिजाम
न॥१५॥श्चसिपद्दिसंकेकोससहितचाह
इकसिरोपचइतेंमेजनकाहि॥तबतेंच
रीतिवहश्चाइमीगनांहिंनाहिंमिटनसुहा
ई॥१६॥दयारामद्विजसत्यरानश्चबगोंका
संगाकुपथ्यैयसब्ब॥सुंदिश्यगानसञ्चिवद्विज
लायैविजयदसमिंदिननजारिकरायै॥१७
॥दो०॥उज्जश्चमावसिनिमतदनुचोकीदा
रलांकै रि॥तारागढसनक्कढिगयउहरजन

वहछलजोरि ॥१८॥ इतदक्खिनअपकेड
भयमुनिनभधृति १८०१ इसमास॥कुलकर
संध्यासज्जकृपलगिदिगबिजयकुलास॥१९
॥५८५०॥बिजयदसमिदिनवीरमनहंकिय
सागरसमसंध्यातेंहेंकुलकरहिंकहियकछु।
कासगेहमसमैंचभागोंदाप्रवेसिवहकरिकु
लआवत॥अपपचलकुहतअगाम्रवनिस
त्तुनंअपनावतयहकलिजयासुगयनिजन
गरइतमलारहंकियकटकदिसबिद्दिमनत
फुट्टियदुसहन्चरहिंकोनदक्खिनरटक॥२०॥
कुलकरसुतसुतहंकिलंघिचम्मलिइलक्ष्य
यउद्दनसुनतकुंदीसजायसम्मुहगहलाय
उअरुहयनभधृति१८०३ अब्दमासअगह
नपरवउज्जल।इकुंनैनवाजायदिलिती
पनकियकननतबसरदलेलसुतकुप्पाल
कपंतहपुरतजिभज्जिगयहडुरमलारता

कीतियनपठईपीहरबिरञ्चिनय॥२१॥ दो०

नगरसमीपधीनैनवाकरउरएसबलिन्न॥ति

नमैंअपबुंदीसतबअमलअप्पनौंकिन्न॥

२२॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेद

क्षिणायनेदशमराशावुम्मेदसिंहचरित्रेष

ड्विंशोमयूखः॥२६॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०सि०॥निश्शारणी॥ इमसुतभीरुदलेल

कातजितियनपलाया॥ताकेदेसअसेसमैं

नृपअमलबिधाया॥पुनिकुलकरसंभरस

हितअमरसउफनाया॥स्त्रीकेसववैरपैंज

यनैरचलाया॥१॥ फद्दीपन्नगसंकुलीफन

पल्लटिफिराया॥खुल्लैनैंनमहेसकेनवभाल

लुभाया॥लग्गाबावनसंगह्योरनकौतुक

आया॥जालबनायाजुग्गिनीकरतालबजा

या॥२॥ गिद्धनिचिल्हनिगेनमैंगनकेगह

कायाधूरिबिलखीभानुकैंसबभानुछिपाया
॥ स्यंगमचक्केमेरुकेधरखंडधुजाया॥ हबकन
कीबनकोमेघोदलडाकलगाया॥४॥सुनि
आवतदबिरवनकूटककूरमअकुलाया॥ हु
तकुमारहुंदासपैलिखवायपठाया॥ छंडी
छोनिथराधरीहमसामबनाया॥ कुलकरस
म्हालिहोयक्यौंअबदंडउपाया॥५॥किधौं
प्रथमकरारजोनहिंनैंकमिलाया॥ अबकैसे
अपराधपैंसह्लारकुपाया॥ केसवआयसनौं
कियाहमभारिगिराया॥ दासतदपिआमेरका
इनकाननसाया॥५॥ अंगौंरंचकदोसपैअ
तिदंडनगाया॥ सम्मुमानकुतुमसंभरिकुलक
रकलआया॥ एकाकीअबअप्पकोअवलंब
बनाया॥ एकमारआमेरकामुनसोनसुनाया
॥६॥ बिनयभरेसुनिबैनएसंभरसकुचाया
मंत्रबिरंचिमलारतैंहियमूढकराया॥ कु-

लक्कर अप्रकर्धीम्भ पैंतलनहिंनै मिलायादकिव ३१
ननिंदा अदूरी बलिदपकठाया॥७॥ सारत
केसवदासकोंउनबैनलगाया जिहिं बलनैंत
मुंदीसवहुरिचउदेसगुमाया॥ सोकुलकर
तैंराकहें अबअंतक आया अैसें कहिं अप
राधविनुपहुसचिवनसाया॥८॥ ताहिंके
कहतहिंसपहूतमैंं चलिआया मारनकानहिं
मंत्रपैं अतिदर्पढकाया॥ यातैंरुप्पयदंड
कालितैं मनमाया बुंदीपतिउनि बैनप्रति
बैनलिखाया॥९॥ कुरमलमतुमेरंकहें कुल
करमसुभायापैंपिसुनलहोंभन्निंकैंतुमदप
दिखाया॥ यातैंअायसनन्दकालहिकटक
चलायां केसवदासनिनासकाढनअौगुन
गाया॥१०॥ मारनकानहिंमंत्रपैंधनलैनध
काया प्रलागमइच्छैंनहीं एकहरअथाया॥
यातैंअप्पहुअप्पहूदमदम्मासिवायालैंति

नकौंटरिजोंहिंगेदलरनगचदुग्वाया॥११॥
॥कुग्गारकूरमसुनलइतमंत्रउपायौंदैनोंहर
नअचितकैसलरलौंचितलाया॥कूरकछोहर
यौनिंदसौंरनहोमलभाथावीरनबुल्लकैंदैम
हौनलसजकुरुहाया॥१२॥कूरमयाकोवन्ध
कारकढौनकतिजाययातैंदगगोविंदकूश्रवस
रयहपाया॥वुल्योभेरिजंगसैंदललकरवस
जायजनचौंहैंनवलीजियेभटसंगरमाय
॥१३॥मरहट्टेमनभीरुकैंजयपबाजिउठाया
तबहूंपायनलगिहैंश्रादकछकुलाया॥तु
मम्वाँमेरश्रर्धासहौंसिरछत्रधरायौंवश्रलु
सरहिदजदीनकोहतश्रातसिखाया॥१४॥
रिच्छासंगनहारकोजिनश्रोदनखायौतें
ध्रुवकोपकुचैनहौंश्रसिमासदराया॥कहां
जेठदिनकरकहांसबघातविसाया॥कहांसि
हगजागपुकहांकिरिदुबलकाया॥१५॥

कहि कहि हरगोविंद इम क्रूर मन चहिकाया
हरिनारायन पुत्र निज परख पुत्र सिखाया॥
सबजैपुरपति कै सुभटसुत संग दिवाया सिं
खावाटी मुलक मैं पहिलैं हि पठाया॥१६॥
अच्छैलौ पनु रंग गगन सबतत्थ चलाया क्रूर
मजबअंग्यो कटक मंडी तब माया॥ मोहिंग
लग्गस्वर्गौं कहैयह छत्र चाया दिक्खिन
का उत पर्नैं है बलि लै बुलाया॥१७॥ अर्णौं
जिलनैं अन्तर गई इम दिवस सगुमाया इतते
दुलहकरहु नृप दर कूंच चलाया। जैपुर
लैंनयुध्की सं पै निज दल उतराया फिलिम
खांनौ कुंड पै मंडालरु काया॥१८॥ नहानी
तटसन्निव निज कछवाह बुलाया बुल्यो
तैंलव जब मैं दल लक लखताया॥ चाकौं क
छुकुंथार अब बखरि अति कथाया बिनु उद्यम
तैंरकहैं दिन बीस बिताया॥१९॥ तुक्यो हर

गोविंदतबतुमआरबुलगायातिनकोहीम
मजैबखोबलसबबिरचराया॥नट्टानीम्ह
जंपिकैंनिजगेहपलायाइतआंमेरपथास
कौंअनखनासहलाया॥२०॥हयअंबरधृति
षोसबदिनखसोदिनपाया॥सनिसांकम
मजुगनृपनिद्विगुमाया॥आनीबनिकोद्वि
सेघकैंमानीनिगराया॥इमनृपमआलोनि
कैंमरनामनलाया॥२१॥कुंनैगरलअम
नइकमानिमंदमगाया॥सुसोताकोपानकरि
दुवनैंनमिचाया॥काहूनाहैंजानीयहनृप
नैंविरचखाया॥ख्यातसमेंइकपनभैंइमअं
कलगाया॥२२॥सुनियसंभरप्रातजेअनु
चरनउगाया॥इम्पुरलिहमिटैंनहींसुभग
गजेगाया॥याद्रनाकेसबदासकोंपायासु
द्विपायाथैसौंलिखिआंमेरपतिहमेरबि
हाया॥२३॥जानौंसचिवनप्रालनदपुरद्वा

लगाया॥इतबुंदूकुल्लकरतनयन्नृपदेरन।
आया॥ अक्कबीचढिअप्पनचलैंभटल्लैम
नभाया॥बाहिरतैंलखिआयेंहपुरसुनतसु
हाया॥२४॥ सहरबुंदूनृपसंभरोंनचढितव
ढिलाया॥ संगअन्येभटतीनसतनिजपर
खगिनाया॥ जैपुरकेप्राकारढिगरहितुरग
लिहाया॥ इकअटाचढिकैंसकलपुरत्यौंह
गलाया॥२५॥ जैसेंजैपुरसिल्पमतजयसि
ह्व भाया॥ मेदिकोउकअंगतकहिभिन्नता
या॥ अह्ल्लरसनचिवनमुनीदुवंदरवनआ
या॥ तबपुरदक्खिनद्वारकोहुतअररकुला।
या॥२६॥ सिनिकाहृगोविंदनचढिबाहरक
ढिधाया॥ विद्याधरत्यौंहींचकुअरिदुवसमुरस्च
लाया॥ आयनिकटबुंदीससौंसवहत्तक
हाया॥ जोसोविधिगतरत्तिमैंनृपगरलनबढा
या॥२७॥ दोहूसचिवनकौंसुनतइनसप

थकरायातबसन्तीगिनिमेंमनमैंयहहृन्तपछाय
॥सोसुनिकुलकरसेमनलैगेपुरदिगन्मआय
करिमुकामप्राकारतटनिजयूलतनाय॥
२७॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूरत्तरायण
दसिराशिवर्णनेदशमराशावुम्मेदसिंहचरि
त्रेसप्तत्रिंशो१०३मयूखः॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रायोम०॥दो०॥पोसअसितदसमीदिवस
मजयपत्तनआय॥पुनिप्रबंधअपनौंकर
नलियबुंदीसबुलाय॥१॥अकवीतुमजा
वहुन्त्रपतिलखिपुरराजनिकाय॥अंतह
पुरजुतअप्पनौंजामिकदेहुजमाय॥२॥
तबपुरअंतरजायन्त्रपथिरकोसदाम
॥कहियआयमल्लारप्रतिमथेन्त्रपहिरदजाम
॥३॥उचितदाहकछुनाहकोअनबिलं
बबिधेय॥इतेकालरंकनरहैंस्तुतिअकर

तसु हित सह ॥ ४ ॥ पा० कु० ॥ सुनि कुलकरक
छुसे कसहितकछवजैपुर सचिवबुलाय निव
द्धव ॥ हरगोबिंद बकुरि बिद्याधर गति नहिक
छो रहि कुलप सत्वर ॥ ५ ॥ तब तिन अरज
मलारहि किन्हीं को किं तुम अप्पन धरिदिन्हीं
नों ॥ कोस सब हित नहि हत्थ हमारे किहिंबो
सन उणहारनि कोरैं ॥ ६ ॥ इन अकिय यह
मसनहिं जान कुनहिंनि रसकिम कोसरवु
लानकु ॥ यह सुनाय निज कोसनतें तबसा
मग्री कुलकर पठइ सब ॥ ७ ॥ ताहि संग ब
निकरु बिद्याधर लै तब उभय गय पुर अंदर
॥ राज्यबडो करु कुकाम न आयो कुलकर तेंख
पन नृप पायो ॥ ८ ॥ दो० ॥ महलन बिच नि
ज्जु दरन्हि रज्य निवास अभिधान ॥ किन्न
कलह कुवाह को तिहिं ढिग बिहित बिधा
न ॥ ९ ॥ बिगरी ईस्वरिसिंहमति करसहरक

पहिलैंहिं॥सुपक्कुरामसोंपैसुनक्कुनरकक्ख
इमक्कैंहिं॥१०॥मत्तभयोजयसिंहकुंमें
पुरगहिय्यपाय॥खाननामइभपालकोंकें
नोंसचिवबनाय॥११॥जवनवैहैउनमत्त
मोन्नृपकोहेलनिहारि॥अतितिक्खनोंतलमों
करनपरनारिनघरडारि॥१२॥क्रूरमऋआस
वपानकरिकूरहिनकुल्योवाहि॥संहिर
श्रीगोविंदकीचितकछुमंननचाहि॥१३॥बा
वरज्योइतरनतदपिलैंहिंकिनोंकुम्मऋजा
न॥आधोरनकेहत्थतैंपानकरसकोपान॥
१४॥पुनिवासोंगललबाहकरिफिरयोंनिरंकु
महोय॥जबऋआसवमदउतरयोंसोंच्योलव
सउराय॥१५॥दिवाकीर्तिइकदैथिपनखा
रीसंभुवनाम॥मांड्वठायोसचिवकरिदेहं
सिविकागजग्राम॥१६॥अंनत्यनलीकअंन
कइमरकेंतहिंगपदुजानि॥मरयोंसुकूरमले

गारलपैंहँदकिवनभयश्यानि॥१७॥बारना
रिद्धकश्यामवसम्नौंतियकरिमेल॥सांकुज
सरन्धिसहगमनजयनिवासगृहवैल॥१८॥
दूजेदिनकुलकरतनयकिन्नौंगंवडुवल्लन॥
कूरसमहसुंदरसुनतपातुरिवकुगुनरत्त॥
१९॥लरिलश्रीतिनमांहिसौंचुनिचुनि
कलिकमंगाय॥घरहमभुग्गनरकिवैंहोंगि
नतसमर्थनन्याय॥२०॥यहउदंतश्रवरो
धगतसुनिपातुरिमयलग्गि॥एकादसि
वासरजगीएकादमलहियग्गि॥२१॥रा
निनकुयहभयसुनतइकगृहसोरविद्याय॥
मधुनौवन्धारीउडुनकीकरनप्रानविनुका
य॥२२॥तनश्यातुरनाजरजननश्रकवी
साहिरश्राय॥जांनवनैंसत्वरजननरानीज
नकढिजाय॥२३॥श्रायेकुलकरसंगयेंहस
धवैकुवर्काल॥वनिककन्दकीविदवकु

रिक्रूरमंत्रमकुसील॥२४॥तिनयहसुनिद्वुं
दीसप्रतिअकथ्योअनुचितकर्म॥भूपसुनत
अतिकोपभरिथप्योलरनभटधर्म॥२५॥(
ष॰प॰।।अप्रनाथितहरिअंगमनक्किविद्धि
यअलभरियसागरसापनअसहअरिज
नुकपिलउघारियकालीमनडंकरालसुभ
उप्परत्रिसूलल्लियदलनजंभदंभोलिप्रक
रिपलट्योनिसचोप्रियअंबलघरनिसिसु
पालकंअंतिमअगसउज्झलियइमभूपसु
नतरवंडुवअनयकरिरवमुच्छुल्लियबलि
य॥२६॥सुनइवनमल्लारसल्लभिच्छनउर
अप्पनपठयेतुमपुत्थेसधर्महिंदुनदृढअप्प
नअनयअजइकसुनियतनयमतसीयक
हतयह॥नृपजैपुरपतिनारिगेहडारहिंक
रिअगहसबरासलज्जएकहिसुतिप्रब
खंडुवबरजनउचितउनमांहिंहमकुनाहिं

तोअबहिहुनहियतुमतेंनहिता॥२७॥८
दो०॥हैंहमरीबेटीबहिनिउनकेआलय
माँहिं॥त्योंहींसमक्षुचुतुरतुमउनकोहम
घरआँहिं॥२८॥अज्जबिपत्तिजुएकबि
चसोकूंजेबिषसोहि॥मनुजनकोजबत
नमरनतोबरअबसरकोहि॥२९॥हमसि
रतुमआसानकियइनपरडारिचपेट॥
जोसमुझकुकृतघनहमहिंताबुदियवह
भेट॥३०॥यहअनीतिजोनीतिकरिमनें
सुमकुप्रमत्त॥अखिलदिखावेंअंगुलि
नतिनकबिनिकज्ञकहिबत्त॥३१॥धरमच
लावननयधरनतुमसहायभुवलोन॥अ
धरमकरिलेबोउचितपाकदमनपदलीन
॥३२॥सोइहतेंकुसरवाअधिकसोकूरमनु
सरूर॥यातेंखंडुबमातवेतिनकोंतकृत
कूर॥३३॥नृपतिअरिवसखोनिररिवजानी

यहमरिजाय॥ हितकारिकुलकरहुकोंलि
नोंहदयलगाय॥ ३७॥ कालदेसअालोचक
रिचित्तधरमदरनाहिं॥ तस्योअपनत्पुन
कोंलभरत्रणाहिंसिराहिं॥ ३८॥ इतिश्रीवंश
भास्करेमहाचंपूसरूपेदसिणायनेदशम
राशावुम्मेदसिंहचरित्रेअष्टत्रिंशो ३८ मयू
ख:॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

प्रायोमि॰॥ ष॰प॰॥ पुनिअक्खियमल्हारप
तिसिंजेपुरत्तुंलियपतिकूरमसत्रिवनकह
कुमोदरकरवकुंचारसकुमतिप्रकटजायअरु
लकुम्मनृपतियन कहारकु॥ धन्यसतोउ
सधरमसोहिहमतियनासिरवावकुकरुवे
धहीनरनहुंकहियआगसबरवसकुमो
हियहनिजनाथमित्रमभसिरनिडरसात
नकरहुसरहीनसह॥ १॥ दो॰॥ सुनिइमक

इनरैसुतबबिस्वासेसबजाय॥अकरीड
रकुननैंकअबहमतुमसंगसहाय॥३॥त
बहिपायबिस्वासतिनप्रतिउत्तरदियएह
॥उपकारहिअपकारयरनृपतुमकिन्नसने
ह॥३॥रवापतेयअबदंडकोमंगहिंयहम
त्मार॥कछुकधरबकुजतनकरिसोपैसंभ
रवार॥४॥कोटिपंचकुलकरकेहेलेनद
म्महलाय॥कुस्योतैंहंनृपकरिविनय
कुलभसरह्योकिमजाय॥५॥बकुतबेरद
किलनदलनकूरमदंडितकोन॥लखिअ
नबसुलीजियेइन्हगिनिनिबलअधीन
॥६॥कारिजपररवस्चलकलामूलहिंरकि
समग॥अरथपटुनकीरीतियहैअकवीर
हलअग॥७॥कलाबढतपुनिमूलकरि
मूलहिमैंलसुमिलाय॥जैसैंरजकामूलजुतल
खानपुनिलहराय॥८॥जातैंपुनिबसुउ

प्पजहिंऐसोरकिवउपाय॥अरुवकुरमअब्द्ध
उचितहुतजिकुलकरराय॥९॥हमअजहिं
आसानयहदेखकुमत्तिउदार॥कुत्थअजल
हैयनकवकुपूरनपारावार॥१०॥तबनिश्चरि
नृपतिविनयकालदेसअरुकाज॥दम्भको
टिकुकरंउवेरकबेकुलकरराज॥११॥तीन
अंसुअभीतकेचौथोनिजकरिचित्त॥ऐसे
क्रमअभिनेरसनवंटनमंथ्योवित्त॥१२॥कति
कदम्भमनिगनकतिकभूखनकतिकनवी
न॥करिकिभ्भतिगजहयकतिकसंडमांहिं
तबदीन॥१३॥बारीसंभुवरसानबलिपोनु
पालपकराय॥दम्भधटैतिनमैंदयेहमसोहिं
दकहाय॥१४॥कीलितबदोऊनकरितेल
रुवनहवलग्गि॥कोटिअंकपूरनकेअउप
कटलोभवसपग्गि॥१५॥कलमाधवकछवाह
बभवखेदउदैपुरवारि॥पत्तोपत्तनरामपुर

पायन्परम्मानच्चारि॥१६॥निजपतनीरट्ठौरि
लियदैहदलनखलनधारि॥कूरमउद्धवतासिकि
थक्कथ्थमुमासउतारि॥१७॥यांतेंकुलकरसंग
हुतआयोनांहिंकछवाह॥कन्हरुप्रेमवकील
कुलरखनपठायोलाह॥१८॥षट्प०॥ईश्वरि
सिंहनिपातसुनतकुलकरदलमुक्कलिव
लियसाथथब्बेगबंचिपत्तसुआयोचलिसंग
नैरसमीपरह्यौकतिदिनमुकामकरि॥बारह
दिवसबितायगयोजयनैरगर्बभरिसुनिआ
तककछजयपुरसहितबुंदियपतिकुलकर
सतियजहंवनैरसरदुवसजवहत्थिनचढि
सम्मुहहलिय॥१९॥दो०॥जहंवन्नपगोपाल
जैंहनगरकरौलीनाह॥मंत्रकरनमल्हारसन
आयेमिलनउछाह॥२०॥वहअरुरवेडवइ
कहाईंबीरिनलीतिहिंबेर॥प्रथमकहलेरहि
कूथकैमैंतफौजनफेर॥२१॥मिलेपरसपर

मनमुदितसबैंबिहितसतकार॥इक्कन्नैकप
आरुहेमाथसबयुमल्लार॥२२॥कुम्मकहैान
कुक्कर्त्तंअबप्रबिसैंलहिपुरपौरि॥अबप्रबि
सकुकुलकरकहियसंध्यात्मातनहैारि॥२३
पठक्कु०॥इमकहिनगरप्रबेसकरायौनिजस
हलनसाथनृपआयौ॥मडेंचालनमल्लार
आदिसबयैजलैनचौकलगपलन॥२४॥
रहेंगानलडेरनपुनिआयेंभलिउत्तरिकटि
बंधबिहाय॥कुलकरनिजतुल्लेगामिकजन
साथक्रमलकियौजयपत्तन॥२५॥दो०॥
संध्यापुनिगएजिसुतसंगिहुल्लरबक्कुरैन॥
जयपत्तनआयेजयाआतिजलहितसैंन
॥२६॥गीतिका॥सुनिकैंजयाजयनेरआवत
कुक्कुरसकुचहेललमैंनकीबलदेरिआरबजा
नतमुहकेपढे॥सहसूपजहँबपुनएडुलले
मलारक्कुरसंकमौंडमचारिकानचालतैं

अरु वैरिन चक्कनमैं भ्रम्यौं ॥ २७ ॥ मुद पाय मुत्ति
झुंगरीतक जाय सम्मुह रामिले सब पुब्बिमें
गलमाँहिं माँहिं बहोरि पत्तन त्यौं पिले ॥ अरु
चंदखोरि मुकाम अप्पन दै जया तँहँ उत्तस्यो ।
पुनि मंत मित्त मलार तैं इम चित्त बंदन को करयो ॥ २८ ॥ तब हीमलार पन्चीस लक्ख लयेति
सोउ न बंद ये श्रीमंत के पुनि पंच सप्त तिलक्ख
दक्खिन न क्षमये ॥ अरु जैपुरेस दुहून सौं महि
मानि जिम्म नकी कही सुनि थे महीपति राम
जोइ कह्यो न चहौ इकनौं चहौ ॥ २९ ॥ दो० ॥ कु
लकर कत सु अहार यथ पेलं ध्याकियनाँहिं ॥
बुल्यो जैपुर देत बिरवामि हीकहि दिन माँहिं
॥ ३० ॥ देखि बिराति बुंदीस को आरंभत तु मर
ह ॥ पैहडु अकपट प्रथित गाढ कुहकय हगे
ह ॥ ३१ ॥ सो दरके हँ जयसिंह अग्गहालाहल
अप्पिय मोर पुत्र रु मात तद पि पप्पियन नत

प्पियमानहनियमारूफजलधिबिस्वासनिम
ज्जत॥दुंदाहरकेहालबिदितयाहीगतिबुज्म
ततौंतैंनहमहिनिश्चयतुलतखामदाहमम
न्यौंसकलकछुबिनतुरगपुनिभेटकरिखुंन
करावकुद्धौरिझल॥४४॥तदनंतरमरहट्ठ
नअंतरद्वैजौदिननयाबिनयकछुकरनबड्डु
तप्रबिसेसकाबिनतिनकौबंधनतोरिझ्क्को
बडवापुरन्याई॥सोसेखाउतसदनछन्नरह
बंधिछपाईलरिता।हिरनुज्झिलावनलगेउ
नतबकारियरवगन्थ्रयहहकामन्विमापन
नअरिनलश्चरुद्वारनलगेन्यरर॥४५॥सुन
तसोरगहिसजनलोकपत्थरश्रसिलहुनपुर
केभिलिभिलिप्रचुरलगेमारनमरहट्टनके
जनच्यारिहजारच्यारितिनकेलिभागकरि॥
अंसतीनअसुहीनभयेलनकछुकथायभरि
बाहरगयेतिपुरजनबकुतभजतहमैंदक्के

लभटनबुंदीसकटकआयरुबचेकरिकितेक
अतिजवअटन॥३४॥दो०॥आनतबामी
अथनीदक्खिनलोकअदोस॥अपराधी
जैपुरजननरच्यो अलीकहिरोस॥३५॥मनु
जसमर्थनकेमरतलक्यो माधवत्रास॥भा
वीनिजन्नितलभ्यो संतलडारिनिसास॥३६
॥कुलकरराजसमीपहोकुम्भसन्निवदौहैंका
ल॥प्रानबचनपायनपर्योबनिकसुकन्ह
बिहाल॥३७॥देखिताहिकुलकरसदयबुं
दियसन्निवकुलाय॥अकवीसंमरपासहू
हिंधरकुंजिवावनजाय॥३८॥दक्खिनजन
नाहिंतोकुमनअवआयसहूंकैन॥ढुंढतज
नढुंढारकेहनतफिरतरुकिहैन॥३९॥मय
रामकायत्थतवदयाराममहिजराज॥पनलै
ढुंढीसपतिकन्हजिवावनकाज॥४०॥सं
ध्याकुप्पितरहसुनिविरचनजैपुरबाध॥व

कुमाधवथप्पियबिलयश्रप्पियतबष्पपरा
य॥४१॥प्रचुरबित्तलियदंडपुनिश्चरुपर्वई
कहिएह॥यँहँपैजक्रघायलश्रखिलसह
करकुमृतदेह॥४२॥जनहजारघायलजब
हिंदलपठाथसनदिन्न॥तिन्नमहँसकुणपत्त
लरितकस्मिउन्चितलिधिकिन्न॥४३॥राठेरो
लंदाजइक्कादिल्लीलोपदगाय॥निजरुचिसौं
किनिदेससौंजातीसोनहिंजाय॥४४॥कुर
तबन्हिपरफोजसैलश्योगोलकलोल॥बकु
रितासबिग्रहबक्योकूरजसुकयोकोल॥४५॥
कुंवतबहिदुंवसेनकौरसंध्याकुलकरसत्थ
॥भंकोरजायहुभयेसंगरसत्रनसमत्थ॥४६॥
दुज्जितबहिजयलैरघवसंध्याकुलकरसास॥
गोलंदाजहिलैगयोश्राटुरनकउदास॥४७
हुल्योइहिंकियकुकमबिनुहैमपदोसयहैन
॥दोऊतुमसागलदमननलननकियैंहितने

न्‌॥ ४८॥ बिनयपिक्खिदोउनबक्करिदुबल
क्खहिलियदम्म॥ आगसकिन्नौंमाफवहक्क
रियकुंचजयकम्म॥ ४९॥ आयोतबकरिसि
क्खक्कलनिजपुरसंभरनाह॥ टौंकाजैपुरमु
क्कलियरक्खिसनातनराह॥ ५०॥ इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेद
शमराशावुम्मेदसिंहचरित्रेएकोनचत्वा
रिंशो ३९ मयूखः॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०सि०॥ पा०कु०॥ इतमनसूरअली अ
भिधानकअहमदसाहवजीरअप्रचानक॥ प
रयोकटककरयवनघमसानननहननफुरक्का
नाद्‌पठानन॥ १॥ नवलरायकायथसेनानि
ति हिंद्तजायरारिलबतानी॥ बंगसखान
सुदुक्खमद्दबीबीगज्जैंउतक्कुधरैंनगरीबी॥ २॥
अलापननहिंनैंकउघारैंराज्यफुरक्काब

दसम्हारें॥नवलराय तिंहिंसन किन्नौरन्न
नारिसबल बसत दपिभईनन॥३॥काय
थतबकरिसप थ संधिकियदेविसासदलता
सलुट्टिलिय॥बीबीतिंहिंदुवमासदरिख
लिकिन्नों अनिवजीरहिंतुकलि॥४॥नव
लरायकायथहृच्यौंतबसहंसपन्चासकटक
लद्यौसब॥लरियहृमीरबजीरपलायेअ
तिअतुरदिल्लियपरन्नायो॥५॥कछुरुप
यतिंहिंदनकहायेबलिसहायमरहट्टबुला
ये॥राजाजुगलकिसोरभट्टजनबकुरिदि
वानरामनारायन॥६॥एदुवलेनदविरिवनि
नअयेसंध्याकुलकरसंगसिथाये॥अतिअ
बेरिजानिबीबीभयभ्रुविबिसजायबक्सीउपध
य॥७॥लरिहववजीरसनखरन्चयकुलतबबीबी
किंनउततहिंगयेसब॥रामसिंहहड्डतधन्व
धरापतिइकदिनकहिवलेनसिरन्नापति

॥८॥भटरहोरसभाजबआवततिनकेलोन्व नभोहिंडरावत॥लगतबुरेमोकोंसबसारेकै सोबिधिअबजायनिकारे॥९॥ढड्डीअमि यकह्योबनिसकबोतुमरंजनकयेहैंइन्हअ कबी॥चंपाउतकुसलेसकह्योतबयहसुत अधमभयोलोहूअब॥१०॥जबडेरनपर जायहमारेदुदुकारहिंतबकढहिंनिकारे ॥सुनिइनसोंकरिबेगबिडारहुकवहैबिलंब तोइनकारिहारहु॥११॥अनुगपठायअन यसुनिधायोडेरनपारिकुसलदुदुकारयो ॥अरतबसहिनागोरगयोयहमन्योंसुनि जसवंतसमहामह॥१२॥सम्मुहपठयोबिज यसिंहसुतजिंहिंतियकुसलबधायबिन यकुल॥कथनयहैबरवतेसकहायोआये इमसुजोधपुरआयो॥१३॥बढ्योतबाहि दोहुदिसबिग्रहचाहैंकरनपरस्परनिग्रह

॥रामसिंहसनसबहिरिसायेहूतरभट्टनि
जनिजघरन्पाये॥१४॥इकबल्ल्योनरेसहू
दाउतरह्योअनादरहूसहिराउत॥सेनाबहु
रिउभयदिससज्जियबबपणवआनकरन
बज्जिय॥१५॥चलतबेरसृतसेरतुरंगमकि
यत्तबअप्परजदैनहयनृपसम॥कुह्योमरुप
अचितलुमरहयहेरफूरजककुलालनञ्या
लय॥१५॥सोरवमधुरयोरीक्षैंचतभरसेर
सुपसहिभोअग्रेसर॥जान्योंनृपमतिसंदन
जानैंपैहयसामिधर्मपहिचानैं॥१६॥चले
उभयपुनिकटकसेतचढिपटलेबाजिभट
नहारेहारपाहि॥लल्लियनृपालुकमोगहूरा
राधुज्जियपहुमितुरगमधारा॥१७॥दरसन
लगेतुहनदिगदंतिनतुमुलरामसिंहुबहु
वलंतिन॥कंकटफटतबादलरपालनहुंड
नखोजिरचनहरमालन॥१८॥रुंडनचत

कतिरबिहिंरिगावतआयुधतजिबत्थन
कतिआवत॥कतिकनफट्टतहृदयकले
जेभिदतमत्थकट्टतकढुंभेजे॥२०॥अंरिबि
तिरतसोनितकढुंअच्छीमनकुंश्रोतबिच
रेल्लितमच्छी॥सायककढुंलगिनाभिसुहा
वतपिक्कललाटिकढुंवछबिपावत॥२१॥
एडीकटिकढुंउच्छट्टतफाककनागरंगक
जनुफट्टत॥ओठकढुंककटिकटिभुवआ
वैंबिंबमनकुंअसिधनबरसावैं॥२२॥क
ढुंकट्टतगिरिराच्चिप्रकासैंभूमिमनकुंहीर
नगनभासैं॥नयनगडीकढुंसुच्छनिहारैं
मीनबदलबनसीछबिमारैं॥२३॥इतक
ढुंरिक्कभिन्नउलट्टतकदलीछदनदंड
जनुकट्टत॥कढुंकरतकरतैंकरभनकु
लमहिलाजननऊरुजनुमंजुल॥२४॥
लोलाकढुंकपुरीततितलोहितसलिलअरु

नभ्रलगर्दनि, मोहित ॥ अवनिल सैंधमनी
मनभ्रेसें कुबलयनाल घनात स्थर्यैसें ॥ २७ ॥
अंरिकलितकपुष्लसतगिरि क्षमरांविरकौ
बनदकोपकुरीजिम ॥ विचतारा चलत्र
सितबिराजतलखतमंदमरात्थलिनाज
ता ॥ २८ ॥ भुवनकुँलोपकलेजाभासतपानु
स्वलु ह्र्यावप्रभासत ॥ लोलतसौसकुँ
ल्लविलायेहवतनरुकुनारेलह्रुरायै ॥ २९ ॥
उरजकुँकसिरवाकिटेकैं सैंजालभ्रसित
रेसमअवजैसैं ॥ मिरिकहुँसप्रवजतत्रसि
भारसिजभ्ररिहारैंदरजतुजारो ॥ ३० ॥ सैंचर
तुभिवाथसतसुहानीपिच्चकारिलह्रु हलज
तुपानी ॥ लोहितफलकातिरतकुंडालत
कमदविसरकिसलिलकिलोलत ॥ ३१ ॥ भा
रनिकसिपाहिसछबिपावतत्रममनकुँजाय
लपनदिखावत ॥ सरपरनकुँगेरतसर

भ्रमउडत किपिच्छ झोरि सि सिखिन्न आश्रय ॥
३०॥ खग्ग कहुँ कहुँ हुन खटकावैं बढ्ढइ तरु
शिक्कु धारद्रुजावैं ॥ दसन अटक कत तेग टुधा
री कहुँ लन जत तुंड कर कबारी ॥ ३१ ॥ कहुँ कटे
तसिरस सो सिर टक्करनु ववउड्डत जनु भिरत पू
थूहर ॥ कहुँ गुदि कागन धसत कपालन ज
नु सिरधा प्रविसत मधुजालन ॥ ३२ ॥ हम
कत हूली तनु नबि दौरें मृगपति बालक
लाछ बिमारें ॥ तोमर धसत कुंजरन तिकले
सैलन बेधे बेधजनु सिकवे ॥ ३३ ॥ जुहदू
मनाथो रजोधपुरथो रिकुसल नसे रच्चें चतधु
रा ॥ खोजन नंपा उतहिं सिज्जा यो भ्रिरिदलम
भ्रूसरथ सिध्धायो ॥ ३४ ॥ इकजंबूरल ग्यायो
कउरुका सिरकयो लकुसल हरी दवकफुर ॥ इहिँ
हतभो हल हलहू उडत आयउ कढि उत तें
पंपा उत ॥ ३५ ॥ सुजन मल्लत बसे रस हो दरनु

ल्योंकुसलकुश्लातश्लातबर॥साबधानहु
वैसेरयहैसुनिषदारिखग्गासम्मुहहुंकयोपु
नि॥३६॥दुंदुंनर्योरतामिलदारिरसोहुनाग
फेनमनुहारिबनाई॥तदनुसेरवुल्यौरनतं
डतभुजदंडनउद्दतकरमंडल॥३७॥श्लव
हतश्लानहुकुसलश्लगमौरजहांजोरैनतुमहिं
बहुजोरैं॥बीजहुसहत्श्लमैंलुमबायेश्लव
नतहकृतिनपैंपलश्लाये॥३८॥जपदिसै
रहुमकोंहश्लसिमारियपारिटोपमस्तक
सवकारिय॥जौंहितकुसलसंमिहुतघु
हियफेवतसेरव्योंचियलगिकुहिय॥३९॥
वरकुंनलिहिंवैरबिहायफुसल्यौकहन्ति
लातिलगाये॥रुस्तमसेरहुकुंश्लौरयन्चसतघा
यलपैरुब्रह्सतघुम्मत॥४०॥सेरवाहि
यरूपगौंमहपतिसन्मुखरयोंविद्धियलिला
हिवैहुपन॥कलिकुमवरसतसिंहलजयकिलौं

लगिहरुश्वानिजोधपुरलिन्नौं ॥४१॥ बैरि
तरवतजयपटहबजायसाजवकुरिरनका
जरसजाये। कुवयहरननवनभधृति१८०९
ह्यवनपाप्यरासकियहारिपलायन ॥४२॥
जिहिंलहिमहकपुरोहितजग्गुवहठोद्वितीय
स्वोमरसरपतिकुव। सरहदुनसनन्दपहिमि
लावलन्भर्गस्निमहकुंनकमाऊन्मावन ॥
४३॥ जयामलारगायसम्मुहजवन्मानौं
सिविरराभसिंहहिं भ्रव। संध्याकौं तें हुं
मतिसुहाइमूहमरूपसनकियमित्राहुं ॥
४४॥ पच्छपलटिकहितभसुरवपैहैंदुत
जवतुमहिंजोधपुरदैहैं। इतजगतेसरान
कैश्वामयबल्योअतीवअसाध्यजराश्रय
॥४५॥ कुमरस्मृतापकुतोकारातबइहिंमा
हकुमदन्यारिमिलेश्रव। नाथरानजगते
ससहोदरजह्वाराघवदेवपापपर ॥४६॥ मा

रतसिंहरानदलस्वामीदेवगढपजस्संतह
रामी॥बुल्लियचउअप्पबमंत्रबिचारहिँकिय
अप्पनतवकैकुमारहिँ॥४७॥करहिँसौँहि
प्रतापकैकुरुमराजसिंहअभिधानकुमरह
व॥आयोरानप्रोहितअसानन पैँसंसयअप्र
पनहुआनन॥४८॥सोलहुपहीथवैरइतस
रिहिकुलकुतवदनअप्पनौँकोरिहै॥ताहि
हनयातैँविरचअप्पकुछिरयहनाथस्वप्न
रियप्पकु॥४९॥बिराबिचारियहैच्यारिनव
लिसाहिपुरपचमलियसम्पति॥सोचि
रानजानतैसयहैसुनिपढमकुकमबिचारि
नीतिपुनि॥५०॥जोतुमरस्वामिथरमहित
जानतपन्चहिभटयमकुकमप्रमानत॥ज
कहुतलोचहिचढिघरजावकुरहिनहिँ
स्थबिरोधरचावकु॥५१॥कहुनीतिनपढ्यो
दलायहुकहिचढिचढिघरनगयेतपन्च

हि॥ तदनुबसुखधृति १८०९ सकविक्रम
कृतमासजेठजगतेसरानमृत॥५२॥ इति
श्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपेदक्षिणाय
नेद्वश्रामराशौउम्मेदसिंहचरित्रेचत्वारिं
शो५०मयूखः॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रायोमि०॥ पा०कु०॥ यहसुनिबुंदियसोवउ
पज्जियजामच्यारिनबलिनबज्जिय॥ इ
तमदसलसरिपकुंडाउतरानांकरनकुमा
रहिंराउत॥१॥ कारजायप्रतापहिंकडि
यबकुमयसुनतश्राहकनबड्डिय॥ सोम्रब
रानउदैपुरस्वामीनयजुतमयोछत्रधरिना
मी॥२॥ जेरकियेपरतापजनकजबताको
खानपानसङ्कनतब॥ अमरचंदपूरविय
इकद्विजनिकटवैहरक्यो सेवकनिज॥
३॥ सेवातिहिंतनमनधन नहीअंतरकि

नृपरीनहिं अही ।। अब नृप होय प्रताप हि
प्रवह सचिव मुख्य किय अनुल प्रीति सह
।।४।। सिवि काँगजत जीम सम पिय थिर सु
बिप्र बाहु रकाहु थपिय ।। मल्ल लंढिनिलय
सधन मलि अमरन्द बसिरा न भयो अति
।।५।। चलिय प्रहु पच्यारि सुलायें लेसरि
ज्यौं नाहिं हृत्यलगायो ।। इक दिन अम अम
युं मडैं अति कहिय प्रताप तब हिकाला अ
ति ।।६।। मुनह जन कस तास न अनुसारि मह
कुजानु जिहिं दिन तुम मारी ।। सो रोहकसं
धि अब सहल धन जब होत लबहि दुख
बहुत ।।७।। यह नृप सहज सरल पन अ
करी रसगी लिना अहृदय धरिरकरी ।। अ
तुरस ठना हक अनुकुलायो सीयन गर बठ्यो
रसिंधायो ।।८।। सक न बंम मुति १८०९ स
मय होत सदिय भय धारि बिर चिअनुमि

तहूँ ॥ पुत्रभीमअनुलनाथपलायोअतिन
कन्याकरअदईआयो ॥ ९ ॥ तैं हुंटि क्यों नक
रिपुनिर्धारितहिंईंवलियापक्कुंच्योगरदाई ॥
उम्मटधरतदनंतरआयोब्याहनसगपनत
स्वविधायो ॥ १० ॥ दो० ॥ उम्मटकीकन्याउभ
यपरनिपिताअरुपुत्र ॥ बुंदीपुरआयेबहु
रितक्रोतनृपहिंतनुत्र ॥ ११ ॥ षट्प० ॥ सक
लवनभृति १८०९ समयग्रामभ्रातनयहँ
आयेदेवपुरालयासपुरवजायबुंदीसबधा
येन्लनदम्भसतन्यारिदयेंसंभरनृपदिन
भाति ॥ लारहवासररक्षिवविंदाकियबरवासि
पाजिकतिलवनाथश्रीअजलकरतनय
आयेदुनदुहारहूतमाधवनरसंबरखतसज
हैंसम्मेलिकडुकाजहित ॥ १२ ॥ दो० ॥ ब
खतसिंहपरदईसअरुमाधवजैपुरईस ॥
सरहद्दनभटनअमलउभयमिलेअवनी ॥

स॥१३॥मालपुरासन इक्कोमिजलकोमोलाद
लड़ाग॥उक्त कछवाह कबंधपतिजत्थमिले
जथलाग॥१४॥षट्प०॥सलूंबसहितसीसोद
नाथतिनश्वतिअथानकियसुनिमाथवस्त्रव
तेसजायसमुहकवथायलिथतसनुमरुप
वरवृतेसकलीलत्थहिमपुछोरयो॥त्याक्षर
हितसठनाथमिलततमाथवूसनमोरयोकछ
वाहकहियसीसोदसनकरहिँतुसहिँमेवा
रपतिपरलापनाँहिँनृपलाउन्चितगहक्कुता
हितुमपुछ्यति॥१५॥दो०॥च्चारागानजय
तेसत्थतिक्रूरममाथवकाज॥कोटिकसमति
जरवरचतियरोकनजैपुरराज॥१६॥उलन
हरगोविंदकेकहैंसुउपछतभूलि॥क्रूरमन
पछतघनभयोलैनउदैपुरकूलि॥१७॥करु
ज्योजलदिपकलायपतिकुसलोसिंहकछवा
हा॥मन्नोलदमिनमंदमतिच्च्यधहियधारि

क्षमयाहु ॥१८॥ माधवभीरकूरमनृपहिं सुनि
भारतजसवंत ॥ राघवदेवउमेदहंमिलेआ
निद्वहमंत ॥१९॥ कनककलत्र धरिनाथसि
रबामरविसदहुराय ॥ मिलिइनतैंरनमु
लकलहनलभोआय ॥२०॥ बखतसिंह
कैमरतहत बिजयसिंहअवनीस ॥ तखत
लैयपुरकोलह्योसुभगछत्रधरिसीस ॥२१
॥ याहीनरसउमेदनृपसीयसहोदरदीप
॥ परिनायोसावरनगरमंडिउछाहमहीप
॥२२॥ सयतांजतसगतेसकीकन्याअनूप
कुमारिकुलहनिदीपबिबाहितवआयोनि
लयपधारि ॥२३॥ इतबुंदीसउमेदकोसत
ताकुल्हाबिल्लिनारि ॥ ऊदाउतिरानियल्लियो
डोहृदलनरूनधारि ॥२४॥ ताकेअष्टमसा
लकोअन्तपमंडिअनंत ॥ समरसिंहनृपकु
ललरलालकियहकाननमतिमंत ॥२५॥ तदन

भयउसुनिजाहिकुमारपदवीमहलतुजनस
हारसमलभयउ॥२॥इतयहसुनिबुंदीसलै
नागिजसचिवपठायेतबकुदीपनटितिन
हिलरजिपत्रहिंपठ्यउँचायेगागरनीपुरअभय
सिंहरहौरसुतासुनि॥परनितताहिकुलजा
यदीपअग्रजकोटापुनिबुंदीसहिंतुनाह
कबिमनकछुदिनतत्थअतीतकरिगापुनि
सबामपुरइहगढदेवकाथितदृढचित्तध
रि॥३॥दो०॥अभयसिंहरहौरकोदेवसिंह
होभास॥पत्नीकेपरतंत्रतिहिंकिन्नोंअनु
चितकाम॥४॥पत्तनकोटादीपप्रतिपठ्ये
यागालिपत्र॥तुमकोंबुंदियहौंसजोआव
ढुतोइतअत्र॥५॥तुमरेउप्परतनकहइक
सजनअनुकंपान॥मंत्रकरनहमसोंमिलहु
यथाहियसुपथान॥६॥एकुमारसुनिइहु
कुगढपठ्योंदीपप्रमत्त॥अग्रजहितु

बिरि धडमतक्योबालिसतत्त ॥ ७ ॥ करिग्रह
तिहँ बुंदीसकोदेवसिंह धरिईस ॥ पठयो
जेपुर दीपकौं बिग्रहरच्चन बिसेस ॥ ८ ॥ सु
तिम धबजेपुर सुपहआवत इहँउमाहि
॥ पठयो सस्सुरदीपके सन्निवसुकथ्यहर
साहि ॥ ९ ॥ कूरम गहिय कौन परबैर रयो
सबिनोद ॥ पठहजार पचासको दयोनग
रुकेंडोद ॥ १० ॥ आनतअंतर हारतकछ
मरता सच्चलाय ॥ इमबुंदीपतिको अनुज
रक्ख्योजैपुरराय ॥ ११ ॥ षट्प० ॥ तदनंतरन
भनंदनंदसुचन्द्रचला १८१० मितहायनमा
धवदिल्लियदंगपत्तबलनिप्रीतिपरायनसा
सनअद्दहमदसाहदयोकरिसोहिदिरद्ययो
॥ कछुवासरतहँकाइँसिकरवलाहिअलय
आयोरघुनाथरायश्रीमंतसुतनहँअरु
जनबसेनसुतभगमाहिँसिल्लतरस्पातिरिन्च

थहरगोबिंददिहंगहनहुत॥१२॥पा०कु०॥दि
ल्लियगमनकुम्मजबकिन्नोंबुंदियपुरकग
रलब दिन्नों॥कोऊभटममसंगपठावहुहित
मैंन्हपञ्चंतरजिनलावहु॥१३॥तबभगवं
तसिंहभाष्यौंपठयोभूपतिप्रीतिप्रमानी
॥ढैंदिल्लियभायथवघरआयोरकथ्योमचि
बलीभवकहुहायो॥१४॥दो०॥सिद्धभयोन
हिंलोभसोंसिक्खदईरविजिसाह॥हरगों
बिंदअभमात्यहुकूलगोजैपुरराह॥१५॥रस्म
कलाकोसंगहोसाथीनोभगवंत॥नन्दकु
कुंजभयोमेंमिलतअभररवकिन्नअनंत॥
१६॥पञ्चरनहरगोबिंदकोंबिंदयोकछकबि
थारि॥भूपमुनहुभगवंतभटतैंकहयोतिर
थारि॥१७॥मारिबहुतनरहहुभटजित्योहु
कुरजंग॥कुम्भसांचिवगहननदयोआन्यो
जैपुरहंग॥१८॥इतमथ्याकुलकरउभयच्छ

सलकमाऊद्धारि॥ जहँनंककुंभग्गहलस्सो
लसनन्हहोरि॥ १९॥ संदूकुलक्करसुनवैगो
लीलग्गियसत्थि॥ तनकालहिम्मकुलायदि
हिंलस्योपलिवरतत्थ॥ २०॥ लैनखतानैकैर
सैकोनिंदूक्कलसदस्स॥ दिल्लीपरलोऊसदेन्न
सननन्हजयकम्म॥ २१॥ जवनईससलरज
बहिसुनियहन्नइसदसाह॥ सरहद्दनस
स्सुहन्नल्योसजिनिजनकदक्कसियाह॥ २२॥
षट्प०॥ सककभसंसिधृत१८१० समयप्रभु
सलैल्लदिल्लियपतिसंख्याकुलक्करसमुरल
स्थनगिनिहक्क्यांसलरञ्चातिमिलतसेनहुर
सच्चियाकलहद्दारनकरबालन॥ लुट्टियन
लुट्टियनिल्लमिलकिक्योनिधयजद्दुलाल
नलिन्नरपूकारस्सायुधनपलनक्खन्न
लजिमरोठनजिदक्किवनस्थनीवजिरत्थो
दुसहभारुगरुउजवनेसभजि॥ २३॥ दो०॥

अहमदसाहपलायइमपच्छौंदिल्लियपत्त
खानकलोजहरामखलपकर्योस्वामिप्रम
त्त॥२४॥नयनफोरिजवनेसकेकारापटक्यो
कूर॥आलमगीरसनामइकसाहकियोब
निसूर॥२५॥अग्गहिखानकलोजइहिंलि
यौंनादरसुलि॥अंधबंधअहमदकियोरव
लीन्हेंरायअबरसुलि॥२६॥मरहट्ठेदल्लतसु
लखिदिल्लियपत्तेदौरि॥कछुदमदम्मकलोज
दैकिल्लौंसामबहोरि॥२७॥अंबरससिधृति
१८१० अहमदइमकिल्लबकलोजकुचाल॥ग
हीआलमगीरकौंबैराग्योसतिबाल॥२८॥
कछुसिवायधनभेटकरिनिलजकलोजन
वाब॥मरहट्ठेदुवमुक्कलेजेरकरनपंजाब॥
२९॥मारकनादरसाहकौअहमदखानपठा
न॥उततैंवहउत्तरिअटकआयोकटकअ
मान॥३०॥जिहिंजनपदपंजाबमेंलिन्नौंअ

मलज्जमाय ॥ हाकिम निज धरि बाकुस्यो खलको
अमल उठाय ॥ ४१ ॥ तिन सौं मरहट्ठन तबहि
रचि जाय हुलरारि ॥ उत किन्नौं दिल्लिय अमल
थानौं अप्पन बिडारि ॥ ४२ ॥ कलिकनगर पंजा
बके लुट्टि सहित लाहोर ॥ मरहट्ठ जय मनस
न आये जैपुर ओर ॥ ४३ ॥ मिलन काग मल्लार
सौं नृप हट्टुलहट्ट नरेस ॥ कुंदीसन करि सुञ्चलि
पनो जैपुर देस ॥ ४४ ॥ सामन्त हट्टु मल्लार अनुरस
स्यो बिल्हित निवेद ॥ मिलिच्यो रिन सरमल्लिर
हलकहै दिपसा किलेत ॥ ४५ ॥ हरजन सुन्नद
लोलन्तें हैंहो जैपुर पालि सत्थ ॥ लाय हट्टय तं
पता हिलैं आयो निलाय समत्थ ॥ ४६ ॥ लपमा
थवगो जयनगर कुलकार दबिक्खन देस ॥ रहो
रनउप्पर चल्यो सथ्या कुपित बिसेस ॥ ४७ ॥
इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूके उत्तरायणे दशम
यने दशमराशावष्टमो दीपसिंहचरित्रे हिपञ्चा

रिंशो ४७ मयूख:॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७

प्रारंभि०॥ षट्प०॥ रूपनगरनृपराजसिंहजब
देहत्यागकियसुतज्येष्ठसामंतसिंहतबतास
तखततलियअनुजबहादुरबहुरिभ्रातसामं
तनिकाढ्यो॥लिह्नौगढ्डियकेकिहगुननृपन
सिरधार्यो॥सिरदारसिंहनिजसुतसहितनृ
पसामंतविपत्तिसहिनिलियतबदिल्लिय॥निरा
श्रासरननगरमरुपजिमदीनरहि॥१॥सं०॥
सक्कनभर्सिसधृति १८१० समयहीउदयनर
इतरहि॥राजप्रतापकुरोगबसतजतभयोनि
जदेह॥२॥तबजोजारामाहिंकुवरराजसिंह
सुतलास॥भोनृपभेदसबरमबयपेनहिंनी
तिप्रकास॥३॥षट्प०॥रूपनगरनृपसुत
संग्रामंतसिंहञ्चनन्योंहीमरुपतिरामसिं
छंदो उलहृमलेत भूमध्यासुन हिंमतिमलन

ल्योंइनकेअरिमारन ।।दोउननिजभुजनेंतैं
बिदितनिजकिल्लिबिथारनसुनिगढ़बूंदि
दुर्गसिंहडतबिजयसिंहसन्मिलिगयउसमर
लानगरदुवदलमिलतमककासिनथुतिं ८
संगरभयउ ।।५।।दो०।।बिजयबहादुरउभय
उतहूतसामंतरनराम ।।संध्यादुकुनसहायक
रकलिभयोजयकाम ।।१।।सारङ्ग।।संध्याज
यानौबिजैसिंहसिहारयौंमरलासौंतजुहड
डेजोर ।।भगीमच्यौसरसकेसौसपभारभौंकुड
लीभिपलाडारि फुंकार ।।६।।बाराहकोटद्रुमें
फीरदैंफूर हौंनलग्योकालसौंपिद्रि कोच्चूर ।।
कंपसबैदिक्करी चिक्करीपारिद्धुज्जौथरिसौकु
सैलिल्यकंधारि ।।७।।अदिल्यअभागह्यौ
रिहैंकालौकिसअद्वीपरेसालकौसंकिआगो
धानलंयौंयमकौ।।भारअभारजदिधिवैसनु
लगेअक्कूपार ।।८।।यौंसत्रुसंघाहिलोथा

हिलीषेगयेऊमिलीश्योचलीउज्जलीलेग
॥श्याक गंध्यैनेकेरैचापटंकारसन्नद्वसंधा
वरैंजुहिज्जुझ्कारा॥९॥फहेंगेरैतुंडसूडैन्न
लीकालि हैंस्तुंहैनेचयोउच्छुंटैपालि॥
भूपस्मृश्योकृपैशुहैंमनोंसेहलोलाकेरैके
टीनासिकालिहु॥१०॥ओनीकुबेगलश्योस
स्वकैलोमुसोहेगिरैरनमैमार रोलोम॥तुहैं
पड़ैतालुत्योन्हूंछ्योरसाकुहैछुंकादोपहोंके
षर श्योस॥११॥कैनिपैधंकटोखगकोधा
रजु रकेतेकरैपारकहार॥कहुंकहोवीर
मातंगके तपहैकहोंपेटश्योउच्छं नैश्यैत
॥१२॥नश्रैकहोंधर र मिधैरडजच्छ
कहोंयुज्जुटीमालकोमुद॥डोलैकहोंडाकि
नीरनर मत्तपीडैकहोंजुग्गिनीगनसोग
ना॥१३॥जुहैकहोंजोधकेमल्ल आपमुहैं
कहोंपिलोपैकतउद्दाम॥कहूंकोकहोमोज

हैसेसकंकालकूंकेंकहौंहायकेंघायबेहाल
॥१४॥हगौंकहौंलोपकौंतोपबंदूकलगैंक
हौंउच्छलेफालमंडूक॥चक्रैंकहौंगोलमि
हीबडीचाहव्यक्रैंकहौंसाकिनीचाहबेना
हा॥१५॥झुंडेंकहौंएककहौंपायतेंरुंडमुंडेंक
हौंनैनकेभूमिगिरेमुंड॥कञ्जैंकहौंमाधुरीना
रसीलीलगुञ्जेंकहौंकालिकालेखपावीन॥
॥१६॥पीरैंकहौंभूपहैकन्नकीछौंहगैरेंकहौं
अन्छरीकेंकंठमेंबांह॥मारेंकहौंअमगान्हेरव
गासामंतहारेंकहौंउच्छरेहंतलाहंत॥१७॥
कुम्भैंकहौंकुंभिकेकटेंसोजायघुम्मैंकहौंबी
रकेलीरकेघाय॥रोंकहौंजोधकरन्तमैंमुच्छ
मेंगेंकहौंमैंतनीगाहकेमुच्छ॥१८॥गैमत्त
ओफारफटैंकहौंतत्तमांलोंजगैनाथबेरनत
कोपन्त॥कञ्जैंकहौंबूरसासरगबिस्तारमुंडुंम
हौंलोरकेंओरअगार॥१९॥रसच्छरिसंतहि

रुंडैरुंडकैन्नोलजंगीबजैंगोमुखाभेरिका
होला।क्रुद्धफिरैंनिहिकेभिन्नबेतंडफुल्ले
फिरैंफरनीकौकेफरंड॥२०॥बानैतकेतेभ
रैंभूतकौबख्थसोहैंघनैंमारतेसंकुलेसत्थ
॥कैट्टकट्टोंउट्टेंचौरत्थोछत्रपीपीछकैंभ
रथीलोहिताऽसत्थ॥२१॥योंमैरतारत्तनम
ड्योमहाजुद्धजुट्टैभलेदक्खिनीकालसंकु
ल्ला।संध्याजयाप्पातयोंदत्तगोदेगिनकर्वा
विजैसिंहकीफौजभज्जोरि॥२२॥दैमारुरड्डो
रडोरथ्थनंकूहित्थोतोपखानारवजानालय
ल्लीन्ह॥संध्यायहजंगजिस्योंबडजोरभज्यो
विजैसिंहगोदुग्मानागोर॥२३॥दो०॥विजय
सिंहमरूभूपभजिगयोनगरनागोर॥जाय
कहादुरद्दुर्ग्योरूपनगररहोर॥२४॥प्रथ्य
मविजयसिंहहिदमनजयानबहिवरजो
रा।तोपनजालकरालरचिगढदविढ्योनागौ

र॥२५॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूकउत्तरायणे
दक्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रे
त्रिचत्वारिंशो ४३ मयूख:॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०मि०॥दो०॥ बुंदीनृपउम्मेदइतरामाह
जमलधारि॥ दिसाविथारारीतिदृढसंप्रदाय
अनुसारि॥१॥ प्रतिमाइककश्रीरंगकीदक्खि
नहितुमंगाय॥ सिवपूलि१८११मितसक
सुक्लदिसएकादसितिथिपाय॥२॥ मंदिर
महलनमांहिंरचिसिलथिधिविधमतसन्त
॥ थिरकिन्हिप्रतिष्ठानिगमबिधिवहुथपकृ
तिमत॥३॥ तनंतरयहश्रीरंगकोअनुलपह
उत्साह॥ जेठकृस्नसितपक्षकादसीहोतरामनर
नाह॥४॥ योंहिबरस१८११कोउक्तसितकृ
हीबासरपाय॥ नृपपमुजिष्णाहिजन्योंसुतय
मानसिंहकहा॥५॥ ना [illegible] लालसिंघसिंदिन्ह

जात कछुकजन विचारि॥ तदनंतर जो बृत्त कु
वसुन कछू पहिल धारि॥ ६॥ सक जगती धृ
ति १८३९ माघ सित सुकबार स्मर दोह॥ ऊदाउ
तिय निय जन्यों कुमर बहादुरसीह॥ ७॥ अ
जितसिंह अरु यह कुमर सोदर दुव सु कुमार
॥ बाल रूप आकार जिम बढ्ढत दिन दिन अधि
क उदार॥ ८॥ बिजयसिंह मरुपाल इत रुद्ध
नयर नागोर॥ संध्या कोसंकट सहत कछुक
जगावत जोर॥ ९॥ बरस इक बेघेरा रह्यो तोप
न लग्गो ताय॥ संध्या नहिं जावत सगो दुग्ग
रखो दिवाय॥ १०॥ ब्याकुल तब बरतत सगुत
चूक बिचारिय चित्त॥ दुवई दैं पडिहार इत
कुलदेव कह्यो वित्त॥ ११॥ अग्गैं सन इंद्र हत
मरुजन पदवी माहिं॥ चूककरन मैं जे चतुर
नकौं अरत कुनाहिं॥ १२॥ यातैं मरुपति केर
रा बिकसे बार हि गेह॥ कामपरैं जब चूक को

अथैतबनिजदेह॥१३॥कौरैयहहिसेवाक॰
नगअजबसंभवहोय॥इतरकालवहुथरत
रिसिंदेतअसुरलोय॥१४॥अथैजिनरुसि
यानगहविजइजबनलियमारि॥सरतडरे
नहिनकपनविरच्योअहकिचारि॥१५॥
अभयसिंहमरहइसकोपुनिजिनआयस
पाय॥पीलूलरवपतिदक्खिनीदुवदियमारि
गिराय॥१६॥कोलाहसमयागतिकहैइदन
कोअवार॥जेरच्चिवजोजोवकीरवैलैअजब
रिवल्हार॥१७॥तिहिकलवेदुवबीरतबहुई
वुल्लिअत्य॥कह्योहनकुसंध्याकुटिललिन
प्रतियन्नपतत्य॥१८॥सुनतजयाकीसनमें
उभयवनिकवनिआय॥वनिजविथरयौबं
नसनविपरीवजारबनाय॥१९॥दुवहिल्लर
पुनिइक्कदिनसमुजतकोलाहिसाय॥कलि
तकयअप्रायकारिस्थिनीरविजिहातस्तराव

वं.भ.

॥२०॥ अकलतपरस्पर जैनबनिउभयलिखगर
ज्ञानि ॥ पलटलपायनधौतपटक्षौतपटन्न
क्षान ॥ २१ ॥ सिथिलपग्घसिरलौंसरकिउरफी
कंदनआय ॥ कलमगडीगिरिकानलौंसुरझा
लनबासनआय ॥ २२ ॥ इक्ककनैंकाहिहौंअप
हिलिमिनरकरीमैंमूढ ॥ सोइकरथावतआलत
बमारेंसो इकुरुमूढ ॥ २३ ॥ जोपैंइलरतेरजानक
कलौं गिनौंदिलछौरि ॥ मक्खीदसघृतमांहिं
लैंनकरीजियतनिचोरि ॥ २४ ॥ गहलइक्कप
लग्रसलक्ष्योइलैंबोकोकोरिद्याल ॥ रैंचतबिलपन
ऊक्कारिसौंगिघल्लत्यागलिनधाव ॥ २५ ॥ जिम
तिमबिरचतबारिमलतनअर्धबालउतसर्ग ॥
लसिहूतअतबिहसनलगेबलदकिरनभ
लकर्गा ॥ २६ ॥ इकमारतमुट्ठीउछारिरिसजिह
कहंलनखात ॥ संध्याकीछाहीमयेलरतखुल्ल
रलात ॥ २७ ॥ धौतबसनअंतरइकूनक

छिद्र छिद्र हृदकोपीन ॥ दुकच्छसिथेलुलुराव
लंहलरत्नयेह्मलीन ॥ २८ ॥ लरलबनिक
कोतुकल्लरवनउलारयो कंठकच्छपार ॥ अलुस
नरलपकाजिमप्रचुर प्रकरयोहास्यप्रचार ॥ २९
॥ स्मितकातिजानकातिजन हसितविहसित
कातिकवनात ॥ कातिकवरलच्छकोष्ठकाक
तिस्मितिहासजनात ॥ ३० ॥ अईहासकलित
नउदितअश्रुस्फुरितकंकातिअंग ॥ कातिकन
स्पवहसितरकातिनपरिउपहासितप्रसंग ॥
३१ ॥ कहुंहूं ॥ विकसनसंकुचनश्रोष्ठकुर
कहुँउपि ॥ बढ्योप्रथमदैवतविसदरस ॥ सं
स्याद्दलराणि ॥ ३२ ॥ करतदलथाप्तनकरहु
थापटालयजल्य ॥ कौतुकथहच्यकरयोक
तिनलासौंजायरुलत्यु ॥ ३३ ॥ थनिकल्लरस
सेवकुलतउद्दीमल्लकमार ॥ पैदकरा [illegible]
प्रभुदरसनोयनिजलार ॥ ३४ ॥ [illegible]

पृ. ९०

करत उदर दुस्सह दुसह न दुखात ॥ कोटह
लाय हलरखन कोजुरे छुरेन हिजात ॥ ३५ ॥
संध्या के सिर यह सुनत अंत कढायो आय
॥ छुछ्योत व छुछ्छ छुरनिकनि रारि खलिबैर (
न्याय ॥ ३६ ॥ छुसभा खल सहँसन अनुगढं
भिनलाये हरि ॥ लातन नरखदंत नलरतु
कत यायें जोरि ॥ ३७ ॥ अलिसभीण जावत
अदकपति हारन कियपूर ॥ रारितदपिब्ब
लखुत रनत दभी नर हिदूर ॥ ३८ ॥ कहत ह
कृष्ण पराय कारि भारतय हसुनि मोहि ॥ ह
तर कहत संध्या भृगि पकरन न्याय सब को
हि ॥ ३९ ॥ हसठ तोलत अम्लत कितु हि ष
जान न लैत ॥ यहि कहि कमल के धरत दो
नन ऊँ नि लदेत ॥ ४० ॥ सुनि कहि हम सतन
मयन लीन रुकनि रिसलाय ॥ तालिन हँसि स्या
त हैं आलिन दलतजिनाय ॥ ४१ ॥ काडिछुरि

जात निकट दई जयाउर दोरि ॥ गहकत
हिय कालिक गई फोरि पंजर फोरि ॥ ४४ ॥ देत
समय बुहुलेहु वहि हित अचानक हाकों ॥ क
हिय संध्यान्याय करि कोह मर्मों हि कजाक
॥ ४५ ॥ भारिवयहरु सलर भजत मारयो इक
आरिसार ॥ कहिगो इक करो बलकु हरकइ करु
कुयहत्र्यंधार ॥ ४६ ॥ १४० ॥ कोलाहलकु
नवंट कमरत संध्या कुलइनकेमय रुइनके
रामा क्षिपदुहुसिंह तिनके विजयसिंह भर
ईसरतनतिकयमोहि सचायो ॥ अभयसिंह
सुतस्वयमपि कुल आतुरडु रनपायो सकल
वसुगांकवसुकू १८१४ समय थितिनह
कुलवेसधरिभ कपाल साल संध्या भयसुकु
ह्यो इतनजतन करि ॥ ४७ ॥ दो० ॥ जयातन
यजानकुजवाहिय हजनकको पाया ॥ बिंदिर
योनागोरवलिलोपनरारि जलाया ॥ ४८ ॥ ॥

इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदसि
णायनेस्थाभराशौउम्मेदसिंहचरित्रेचतु
श्चत्वारिंशो४४मयूखः॥ ❀ ॥ ❀
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀
प्रा०सि०॥रोला॥विजयसिंहकोंबेटिक
लहजनकृष्णाकुमारियकरिलयसाथिक
पथदमदसलकवखंडदिय॥जनकोल
योअजमेरअवसपछोडरिअप्पोबलिसं
मरपुरवंशथानदायादहिंथप्यो॥१॥निल
पनयकंनामविविधमंगुलबनवायेमर
ताक्रनागेरलगजिपद्दम्मलगाये॥कोरि
जानकृष्णखकुंअनोरिपछोपुरिअयोरु
पनगरसनरौरेविरचिरहौरवबायो॥२॥
सकुलिअयसहपुरसिंहअनिअतिबलमरह
ठ्ठनअनिमिल्योडरअनिप्रकटदिस्सरा
यनअपन॥हूपनगरवाक्लोकरायसामंत

हिंदिलीयाँ हिछुमागहँअणि कुंवनलकू
रनिंकियों॥३॥कोकादलासंगबहुरिसमस
रदहाडुरसुतवाजैरायसौंगहजनम्योजव
नोरु॥जनदोउनमुतउलदिधयोजनछंद
निश्वतधरकुंदियआवतभूपजायसल्हल
योधर॥४॥सवकोकरिसतकारसंदिमैंफुल
तहिमानोसंमरादिए।उनिसिंहल्यायहिताहि
तमयक्हिवानो॥कोटापतिडुलकुमातिक्ष
यिक्रपवरलीआकूतोलाजोधरनविनोदम
निसिंदनरलउतो॥५॥तासनसाकौतिलख
हिसिंदकुवंदहत्पवपावनअतिजगतोधुलि
१८१४अव्दअसमवारलासदुआनन॥बैलाग
कुमाविलासन्याथिकरिदर्हविदयोमति
वगल्लमदनेसबैगतवर्जिजलबुलायो॥
६॥दिजइंकसानतिसयद्वंदअनतापदयोदृ
तविपयुसिंहलातोसूर्यजिलवस्यौपितमल

सुत ॥ यकौंतबद्दिजाराहलघुहिअनतास
नलायोअद्भ पचासअवस्थवद्दगहियबैठ
यो॥७॥दो०॥इतसंध्याउज्जैनतैंयहसु निद
ला आय॥कोटाबिंटियअनरवकोरिसेनाअ
युतसजाय॥८॥कुल्यो हमेर कुकमबिनुअ
जितसिंहकुवहूस॥अपकुयातेंदंडअवश्री
मंतहिंगिनिसीस॥९॥सुद्धाबारहलक्ख
मितदिल्लीतबसहिदंड॥दक्खिनको फिस्यो
कुरमहैंसातहरअरवंड॥१०॥आयोइतउ
तोरअटक्ष्उद्धतकटकअप्रमान॥मारकनाद
रसाहको अहमदसाहपठान॥११॥सकअ
लिजयतोधृति१८०४समाअपतसमयवस
त॥किल्लौजिहिंमथुराकतलहत्यापरसुठ
हंत॥१२॥आतपकातरपुनिगयउयोरखम
लयातेंयह॥मलुजहजारनमारिकैंअतुसु
नजहूलपह॥१४॥पा०कु०॥परमकसूलाब

दल्लामकसुहिमुरसिदाबादजुगनामक
देसऋंलरतह्मसकजवनसिराजुद्दोल
तासक॥१४॥जिहिं अंग्रेजजमतह्तजानि
इतिकीरिक्षमतबद्धतपहिचानि॥सचिव
केकुलसपुरहाकासनधुत्तअछुललैभज्यो
कुथन॥१५॥सुपरह्योअंग्रेजननसनैबल
जिनकोसवसिरजयकरनै॥इत्यादिकहेतु
ननभायक्षहसजिपैयेकलकत्तासायह॥
१६॥जिन्तिपुरसुसहहसनसेनाजुतदुर्गको
ईविलियमलिन्नोंछुत॥पुरजिहिंरसच्चय
ससिमितपायअंग्रेजप्रबलपकराय॥१७
अतिसंकटकारातेअपटकैपैमायनतसपि
तहंपटकै॥क्षाहिंसकटकैदीअधकृतत्रप
तिपुनरविमितदविमरकोटपाति॥१८॥जि
यतबचेतेईसप्रातजिममंदरजयहसुदिइ
सुनीइमा॥तबकरनेलकोसाह्वलहस

ज्जिलरनवसतगोरनसह॥१९॥सतपंद्र
हमितअवरसिपाहनहुतआयोअहितन
हियदाहन॥आश्रमससिवसुससि१८१४
सकआगमसमररच्योसुचिगिम्हसमागम
॥२०॥कलकत्ताजित्तिसुअरिकाढवलि
नबाबउप्परदलबाढे॥सत्तअयुतबल
सहअप्पसरसज्योनबाबपलासीसंगर॥२१
॥मिरतभज्योसुकालतोपनकरि
यरअंग्रेजअतुललरि॥अमलकंपनीको
तादिनउतदेसबंगबिचकछुकजम्योंहुत
॥२२॥दो०॥इंद्रगढाधिपदेवहुतपापकु
मायप्रमत्त॥नृपकेतोदरहीपपहँपठयेजे
पुरपत्त॥२३॥यहउदंततिनमैंलिख्योअ
हदरिसूपउमेद॥अपहिंलैनअमात्य
कोंभेजहिहुतलरिबेंभेद॥२४॥मनकुंमना
यैंभतिसुमतिरकवहुधीरजरंच॥बिन्नति

हम रक्कि वनबिरवय परई नीति प्रपंच ॥२५॥
कछु वसु निजरिरि लिबुंदिके लैश्री मंत निदेस
॥ अप्यहिं हमकारिहैं परहिबुंदी नगर नरेस
॥२६॥ भाबी बसि सुपके पाये दूतन पत्र ॥ च्रु
पुसे हदे वहिं हिं निर्ग्यों रसु निपापथ्र मत्र ॥
२७ ॥ गीतिका ॥ दृतसक्करीधृति १८ १४ छ्न्
कलमातसे नदक्खिन तैं चलीरघुनाथ मा
लिकेन नसोदर श्री मलार बहे बलो ॥ दल
आतबुंदियकै समीपनरेस सम्मुह जात भो
महिमानि देइ करातिर किंब ढहे वपन दिख
तभो ॥२८॥ रघुनाथ पत्र मलार सजुलबांसि
कैं नृपतें कह्यो तुम ईसमार हुदे वसिंह हि प्र
पणा पियज्यों रह्यो ॥ करिकें न थ्यों कहिं दक्खि
नी जयनै रछोनि यसं चरै गढ भोम नाम सका
हिके पन जालतो पनबैजरें ॥२९॥ कहु वा
हके भटते प्रजे सब भोम हुया हिंसो सिकैं ह

नआनमेंडियअप्पनीततकालजोगढतो
रिकैं।।पुनिटोंकपत्तनघेरिघत्तनदेसजेपु
रकोदल्योकछवाहमाधवभूपसोसुनिआ
जिकोंनहिंउझल्यो।।३०।।इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेपंचचत्वारिंशो ४५म
यूखः।। ❧ ।। ❧ ।। ❧ ।। ❧
।। ❧ ।। ❧ ।। ❧ ।। ❧ ।।
प्रा०मि०।।दो०।।नृपउमेदकरउरनगरहु
तगयअवसरपाय।।देवरुदौलतसिंहदु
वइहांजनकसुतआय।।१।।नातिजुतल
गेनृपतिपयबैठिमिसलबिचारि।।कह्यो
भूपतुमहितकरतस्वामिधरमअनुसारि
।।२।।इंद्रगढेस्वरदेवइहहुल्योअनृतब
नाय।।सेवकहमप्रभुकेसकलकरैंहुकमम
नकाय।।३।।मनहंसः।।सुनिकैंइतीकनरे

सवेदलबुल्लिनिकैं उनकौं दयेउनकेलिरवेसब
सुल्लिनिकैं ॥ तिन्हबन्धिंदेवसिंटायनौं कछु
लयोतबभूपबुन्धिनिंदसमारनकोलयो ॥
४ ॥ रुकहीदयोदयनौंहिंसोहमबुल्लयेतुम
नैंदयापिविरोधनीजइतेबये ॥ कहियोह
म्योवहहेवसोकसन्हारतेपकस्योसुदोलत
सिंहरसमानिकारतैं ॥ ५ ॥ कारिकैदसुंदियद
सातवैंहमेसयोअरुअप्यइंद्रगढारव्यप
रनमैंगयो ॥ निजथानमंडियरक्खिह
किमहौंभलेउनकेबधूजननैनवासबसु
कलौ ॥ ६ ॥ भ्रमरावली ॥ नृपनेंइमफलान
इंद्रगढारव्यलयोरहिकैंकछुवासरकेलग
हुइयो ॥ पुनिलैलनएरयानकोपूतनासठई
भटलाबिचभूरिभुसुतोक्रमयोबिजई ॥ ७ ॥
भजिनीयहहुंदियथानरचैतपिरैंभटको
उनतासनसंगदकालिमिरैं ॥ सुनिकेयह

रवत्तउलीपतिश्रातभयोन्टपकेदलपैंसह
सारतिवाहदयो॥८॥बजिहक्कललक्कब
डीधमचक्कमचीनिसमैंचउसट्ठिश्रचान
कश्रायनची॥तजिनिंदरुतोकक्कुलैसमसे
रवल्योसुमनौंबडवानलसागरपैंउझल्यो॥
॥९॥उमड्योजनुकज्जकुसस्थलकेरनपें
पटक्यो॥बपुसत्त्रुनकोसमसेरनपें॥हनुमं
तकिलक्कहिलैनमलंगिबढ्योकपिलेश्वर
केमुखतैंजनुसापकढ्यो॥१०॥इमतोकर
जोगुनमैंछकिरंगरुप्योलखिकैंतिहिंखत्त
वलीदलजातलुप्यो॥बखतावरत्योंमुक्कु
म्मकुलीनबलीभटसम्मुहजायरचीधमच
क्कमली॥११॥बिनुघोटकदोउनकोतरवा
रिबहीकबलौंसुकहौंन्टपरामनजातकही
॥तरकैंसमसेरबिदारिबकत्तरकौंउछटैंसिर
तुट्टिनिरंतरश्रंबरकौं॥१२॥फटिटोपगिरे

बिखरेदसतानदिपैंलगिलोहितछुहिछ
छक्कनछोनिलियैं॥बरछीनकितेक्रमह
बलबेधकैरेंक्रमनैतकितेककलंबनमाल
हरैं॥१३॥लखारितनुत्रनमाँहिंढुरेंदमके
कुंभिभहबलाहकज्यौंहदिनीचमकें॥उछ
टैंगलगलरुमालकपालकटैंबिनुमस्त
ककेककबंधकरालभ्रटैं॥१४॥भिरिकैंइ
मसंहरिसत्रुनकेभटकेबरवलाबरलोकव
नैंबटकेबटके॥गिरितैंढुबबुंदियकोपृ
तनाबिगरीपकुंनीभजिसंमरभूपतिपैंसि
गरी॥१५॥पुनिहडुनकेपतिसेनघनीपर
इहुतहीतिहिंबुंदियभानफिरायदईजाक
रीनलगेफिरिहाकिमबुंदियकेहटआयम
येसबसत्रुनकेहियके॥१६॥दो०॥भ्रनये
राअरुदीपरीलेरुअमलनिजकोन॥माम
इंद्रगढकेसकलकियहत्यादिअधीन॥

१७॥ आमदीपरीमोंहिंगढबंध्योनृपरनब
द्द॥त्योंहिंइंद्रगढअद्रिपररच्योदुर्गचतु
रद्द॥१८॥कनिमइकआयतकियउमहल
नमध्यनिवान॥बलिबिंझासनिदंबिगि
रिसुभगरचेसोपान॥१९॥संदानितपुनि
देवसुतदोलतसिंहजुकीन॥तारागढति
हिंनसुतजेआमयकछुकअधीन॥२०॥
नृपतिसठाईनैनवायाकीमातरुनारि॥
याकौंलहुंइंद्रवपुत्रइकसोकुमरयोगदधारि
॥२१॥सुतनृपबुल्योदेवकोभक्तरामतब
भाल॥दयोक्रपाकरिइंद्रगढजाहिअब्द
नयजात॥२२॥कछुयहहमभावीकह्योब
लिकमतैअबबत्त॥इमनृपलीनोंइंद्रग
ढयाहिधलपरधत्त॥२३॥बेदइंदुधृति
१८१४अब्दबिचमाधवमाधवमास॥रव
नौलीपतिहूदयोइमनृपदलसिरत्रास

॥२४॥ तोकमहासिंहोततँहँजैतगढाधिप
जोध॥ तिलतिलतेंगनतुद्द्योरच्चिबहुस
च्चुनरोध॥२५॥ अपराधीकौंमारिइमअप
आयोनिजनैर॥ जैपुरपरमल्लारइतबं
ख्योहुहरबैर॥२६॥ इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूकेउत्तरायणेदशमराशौ
उम्मेदसिंहचरित्रेषट्चत्वारिंशोमयूखः
॥४६॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०मि०॥षट्प०॥ अकबीमाधवअग्गह
मकुजैपुरपतितैंहैंतबाहिरामपुरतुमहिं
दुवहिकुलकरपतिदैहैंबरससम्मतगयबि
तिइंगकूरमनहिंदिन्नैं॥ यातैंकुलकरस
ज्जकटकजैपुरपरकिन्नैमाधवनरेससुनि
भीतमनदम्मलकरन्यारहद्दयौबनिनम
परग्गनजुतबहुरिदुअपत्तनअप्प्यौ॥

॥ १ ॥ दो० ॥ पत्तनचंद्राउतनकोरामपुरास
हदेस ॥ जोलिलौंजयसिंहसोकिन्नौंकुल
कपेस ॥ २ ॥ टौंकनगरकेप्रांतढिगदूजो
रामपुरासु ॥ कहियतरायबसंतकोवहवि
कौंदरिस्यासु ॥ ३ ॥ द्रुवपुरजनपदमहित
हैतबमेव्योद्रुमव्यास ॥ दक्खिनकोदलट
रिदियमाधवमाधवमास ॥ ४ ॥ हरिगी० ॥
सकबानचंद्रभुजंगभू १८१५ जयलैनचौं
जनकूचक्यौसंध्याजयासुतसेनसज्जि
देसदक्खिनतैंचल्यौ ॥ गोदावरीनदिलं
घित्यौंख्वरंगपत्तनलंघयौबुरहानपत्त
नलंघिबगमिलानमेकुलजादयौ ॥ ५ ॥
ओंकारइसहिंपुज्जियौंजनकूच्यवंतियर
सयौमहकैसरोसमुकामदेदरकुंचहकल
गोपत्यौ ॥ सुनिएहबुंदियभूपतत्थहिज
यकौंहितमंडयौमहिमानिजिम्मलजाकुयौ ॥

कहिनैरलावनकौंभयो॥६॥तैंहैंइंद्रगढ
पतिदेवकीतियपत्रविन्नतिमुक्कलीन्ह
योंलिखीतुमन्हइछोनियलेहुपिक्कसुकुलीं
भली॥तिहिंबंदिकैंजनकूकहेकटुबैनहु
दिखभूपसोंहमरोसहायबनायकैंतुमनि
कसेदुरवकूपसों॥७॥हमरोनिदेसलि
येंबिनाँतुमइउच्चपनर्नोकरोउनकौंबत्न
प्पकुइंद्रगढनिजराज्यप्रभुपनजोधरो॥
सुनिहडुबुल्लियपेसबातुमरेजुप्राननई
सहैंतिनकौंसुनायकरीसुहोसुनिराबरी
इतरीसहे॥८॥करनोंतुम्हैंहितमोंहितु
हितहितोबहमधरजायहैंतुमसज्जिन्ह
कुजंगकोंअबहडुहत्यदिखायहैं॥न्ह
योयहैकहिभूपहुंदियसाजसंगरकेभये
सुनियोंमलाररुनन्हभ्रातनिवारिदोउन
कोंदये॥९॥जनकूजयसुलकुंवकैंतब

पत्तजैपुरवेगहीकछुदम्ममाधववंडदैंडरि
नम्रतागतिकैगही।।पुनिसुक्कतालनजी
वरवाँसनजायकैंजनकूलस्योनहिंतत्थ
मिच्छरुहिल्लसौंमरहट्ठभारसह्योपस्यो।।
१०।।नयअब्दसौंरनथंभगिरिइतफौजद
क्खिनकीलरैंबिवसाहकेभटसज्जतेनहिं
दुग्गधीरनअद्दरैं।।लरतेंपरंतुछतीसम
सचितायव्याकुलवेभयेखंडारिजैपुरदु
ग्गहीढिगतत्थकंगरप्रेसये।।११।।कछ
वाहसेवकसाहकोइमताहिहमगदव्व
प्पिहैंमरिजाँहिंपैमरहट्ठकौंरनथंभमैंनहिं
थप्पिहैं।।तुमसुल्लवाथकुरत्तिमेंहमदुग्गतैं
कढिजायहैंपचरंगकेरनकुम्मभूपतिकौ
हिअत्थरुपायहैं।।१२।।खंडारिसुक्कयथत्त
नोपसिंहकुतोपचवारकोथनीखंगारबरि.
यवंत्तिजोदलरत्तिगोसज्जिकैंअनी।।लरि

साहसेवकताहितबरनथंभअभ्यंतरलैगये
तिहिंआरिखगनननन्हबीरभजायबाहिर
केदये॥१३॥कढिसाहकैभटबर्गदिल्लिय
जायवृत्तनिवेदयोइमबानभूधृति१८१५
पोससितरनथंभकूरमकेगयो॥संभाररवा
नरूपानकेतहँकुम्भसंचितकैकरेबारह
सीसनबिलरकिवतडागजीरणउद्धरे॥१४
॥दो०॥बकुरिकुम्भरनथंभअढिगजयपुरकछ
बिअनुकार॥निजनामकमाधवनगररच्यो
बिबिधबिसतार॥१५॥कुलकरपँहँउद्यो
कुकमसुनतएहश्रीसंत॥कुंगलिकुरनथंभ
कुतअबककरिजैपुरअंत॥१६॥तंतेवहप
ठ्योतबहिंदैकुलकरदलसंग॥नागाधर
दरकुंपगतिजिरनथंभआयोजंग॥१७॥जन
पदनागरचालजिहिंकमिपत्तनकक्कोर॥
कीनौंजैपुरकदककसौंजकुटुमुलबरजोर॥

॥१८॥ छप्पय॥ प्रतिजब हयन उराय धस्यो
परदल गंगाधर मंड्यो आयुध मे हद्दु स्यो ब
हिरिके हदिवाकर खुंदिपक्कुमि हय खुरन
हुरनल लग्गे सागरजल॥ लग्गे पब्बय गुरन
गुरन अतल। दिमही तलकाक्कुक्को भयो न
हिंजय कलह थै बक्कुभटकटि कटि परिग
इसपक्कुमिलु त्थिछा। रिलमन कुंब निजका
रतंडा हरिग॥१९॥ दो०॥ सुभट मरे रन पंच
सत कृत उतके अनुरत्त॥ घाय द्दुसह लग्गे
घने गंगाधर के गत्त॥२०॥ जैपुर बड उमरा
व जुग परे भिन्न तजि प्रान॥ सत्यासीतिन
के सुभट मरे इतरह्व किमान॥२१॥ जोध
सिंह अभिधान इक नाथावुत कछवाह
मिसलदा हिनी को मुकुटचोमू पत्तनना
ह॥२२॥ बागरूपति दूजो बहुरि कूरम चतु
रभुजोत॥ रनमुलाबसि हडुर ह्यो बाममि

सलउद्योत॥२३॥राउअमरावनन्अग्रअग्गीजे
पुरकेगिरिजात॥भैयेनसम्मुहइतरभट
दुर्मनभावदिखात॥२४॥इततौंतेगंगाधर
कुघनरवग्गलसाहिधाय॥तबमुररयोदक्खि
नतरफकरलच्छनामयकाय॥२५॥समा
अष्टिधृति१८१६प्रमितसकलमतखु
लंमत॥अगहनमैंपकुम्मदुवकुंवगतमा
नलरंत॥२६॥इतगंगाधरकौमुरयोसुनिकु
लकरमल्लार॥जैपुरपरहंच्योजबहिपकुर
चिकटकप्रमार॥२७॥षट्पं०॥दक्खिन
धरकौथंभचल्ग्यौकुलकरजैपुरपरदरकुंच
नकरिदोरअघनिदल्हलठारतडरजनपद
नागरचालप्रयुमथिंच्यौअनियारा॥भयो
चक्कितभोगीसधरानिपुहतलयधारासिर
दारसिंहनारवनमितसयनजोरिलग्गोपग्र
नतिहिंदंडिगमनअप्पगौंकियउकुलकरल

गिजैपुरअयन॥२८॥कुसथलमृतफतम
ल्लतासकुवरतनसिंहसुतताकोइकलघु
पुत्रनामबिक्रमसाहसजुतजगतसिंहर
हौरहिंदुसहसारचिसंगर॥छिन्निनगरब
रवाडभयोपतिअप्पबंधिघरइहिंहेतुअ
थमल्हारइततोफनतापचलायकैंरहौरअ
मलपच्छोरचियगोकछवाहपलायकैं॥
२९॥दो०॥दक्खिनजैपुरबैरसुनिजगत
सिंहअभिधान।सुतकबंधसिवसिंह
कोबैठालैंनिजथान॥३०॥तबकूरमरतने
ससुतराजाउतक्कीररारि॥छिन्निनगरबर
वाडलियदियरहौरनिकारि॥३१॥यातैं
कुलकरभीरकरिवहकछवाहभजाय॥ज
गतसिंहबरवाडपुरबहुरिदयोबैठाय॥३२
सकरसससिवसुतसि १८१६ बरसस्याम
स्वामिसहाय।कुलकरसनबुंदीसकूगो

॥२४॥ तोकमहासिंहोततँहँजैलगढाधिप
जोध॥ तिलतिलतेगनतुट्टयोरचिबद्धुस
न्नुनरोध॥२५॥ अपराधीकौंमारिइमअप
आयोनिजनैर॥ जैपुरपरमल्लारइतबं
थ्योदुहरबैर ॥२६॥ इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौ
उम्मेदसिंहचरित्रेषट्चत्वारिंशोमयूखः
॥४६॥ ✿ ॥ ✿ ॥ ✿ ॥ ✿
॥ ✿ ॥ ✿ ॥ ✿ ॥ ✿ ॥
प्रा॰मि॰॥षट्प॰॥ अकबीमाधवअग्गह
मकुजैपुरपतिकैंहतबाहिरामपुरतुमाहिं
दुवहिंकुलकरपतिदैहैंवरसम्मागयाबि
नदुर्गकुरसनहिंदिन्नें॥ यातैंकुलकरस
ज्जकटकजैपुरपरकिन्नेमाधवनेरससुनि
भीतमनदम्मलक्खग्यारहदयेबनिनम्र
परग्गनजुतबड्डीरिणदुअपत्तनअर्प्पये॥

॥१॥ दो॰ ॥ पत्तनचंद्राउतनकोरामपुरास
कदेस ॥ जोलिन्नौंजयसिंहसोंकिन्नौंकुल
करपेस ॥ २ ॥ टौंकनगरकेप्रांतढिगदूजो
रामपुरासु ॥ कहियतरायबसंतकोवहदि
नौंदरिवासु ॥ ३ ॥ दुवपुरजनपदसहित
दैतवपैल्योइमनास ॥ दक्खिनकोदलदु
रिदियमाधवमाधवमास ॥ ४ ॥ दुमी॰ ॥
सकअनलचंद्रभुजंगभू१८३५जयलैनयों
जनकृष्णल्योसंध्याजयासुतसेनसज्जिरु
देसदक्खिनतैंचल्यो ॥ गोदावरीनदिलं
घित्यौंअवरंगपत्तनलंघयोबुरहानपत्त
नलंघिकैमिलानमेवलजादयो ॥ ५ ॥
ओंकारईससहिंपुज्जियेंजनकृष्णवंतियउ
तरयोमहेस्वरमैंपुरारमुकामदैदरकुंचहंकत
जोमुरयो ॥ सुनिएहबुंदियभूपलत्थिहिजा
यकेंहितमंडयोमहिमानिजिम्मतजाहुयो ॥

कहिनैरलावनकौंभयो॥६॥तैंहैंइंद्रगढ
पतिदेवकीतियपत्रविन्नतिमुकलीक्षर
यौंलिखीतुमक्षइंछोनियलेइपिकवकुजो
भली॥तिहिंबांचिकैंजनकूकहैकछुबैंलगु
दियक्षपसौंहमरोसहायबनायकैंतुमलि
कखसेदुरवकूखसौं॥७॥हमरोनिदेसलि
यौबिलौंतुमछूउछपनलौंकरोउनकौबक्ष
पकूइंद्रगढनिजराज्यप्रमुपनजोधरो॥
सुनिकहुबुलियपेसबातुमरसुप्रानन्द
सहैतिनकौंसुनायकरीसुहोसुनिरावरी
इतरीसहै॥८॥करनौंतुम्हैंहितमौंहितक्ष
हितहितोबहमधरजायहैंतुमसजिक्षा
कुजंगकौंक्षबहडुहस्थदिखायहैं॥क्ष
ययहैकहिभूपबुंदियसाजसंगरकेभये
सुनियोमलारुनन्द्रभ्रातनिवारिदेउल
कौंदये॥९॥जनकूजयासुतकुंभकेतव

पत्रजैपुरबेगहीकछुदम्ममाधवखंडदैडरि
नश्रुतागतिकेगही॥पुनिसुकतालनजी
धरवासनजायकैंजनकूलरचोनहिंतत्थ
मिच्छरहिल्लसौंमरहट्ठभारसह्योपस्यो॥
१०॥अथअन्दसौंरनथंभगिरिइतफौजन
किवनकीलरैंविसाहकेभटसज्जतेनहिं
दुर्गछोरनअद्दरैं॥लरतेंपरंतुखतीसमा
स्तिवितायव्याकुलवेभयेखंडारिजैपुरदु
र्गहोढिगतत्थकगारप्रेसये॥११॥कछ
वाहसेवकसाहकोइमताहिहमगढअप्प
णिहैंमारिजाँहिपैमरहट्ठकौंरनथंभमैंनहिं
थप्पिहैं॥तुमछन्नथावकुरत्तिमैंहमदुगतें
कढिजायहैंपचरंगकेतनकुम्मभूपतिको
हिंअत्थरुपायहैं॥१२॥खंडारिमुकथअ
लोपसिंहकुतो।पचेवरीकोधनीखंगारबासि
थवंघिजोदलरत्तिगोसजिकैंअपनी॥लखि

साहसेवकताहितबरनथंभअंतरलेगये
तिहिंमारिखग्गननबीरभजायबाहिर
कैदये ॥१३॥ कहिसाहकेभटबर्गदिल्लिय
जायवृत्तनिबेदयो इमबानभूधुलि२५५६
पोससितरनथंभकूरमकेगयो ॥ संभाररव
नरथानकेतहँकुम्मसंचितकेकरेबारह
सीसकबिन्तरक्खितडागजोरगउद्दरे ॥१४
॥दो०॥ बहुरिदुम्मरनथंभढिगजयपुरह
बिचअनुकार ॥ निजनामककमाधवनगररच्यो
बिबिधबिसतार ॥१५॥ कुलकारपंहेंपठये
कुकमसुनतएहश्रीमंत ॥ दुर्गलिकुरनथंभ
अुतअबकरिजैपुरअंत ॥१६॥ ततेवहप
ठयोतबहिंदेकुलकरदलसंग ॥ गंगाधर
दरकुंचगतिजिंलनआयोजंग ॥१७॥ जिन
मल्हनागरचालजिहिंकमिपत्तनककोर ॥
कीनोंजेपुरकटकसोंजुद्धदुमल्लकरजोर ॥

॥१८॥ छ॰प॰॥ अतिजवहयनउठायधस्यो
परदलगंगाधरमंड्योआयुधमेहद्रुमंखोब
हिरिहदिवाकरसुंदिपकुमिहयरखुरन
हुरनलग्गेसागरजल॥लग्गेपब्बयगुरन
मुरनअतला दिमहीतलकाकुकोभयोन
हिंजयकलहपैबकुभटकटिकटिपरिग
इमपकुमिलुत्थिबुत्थिलभनकुंबनिजक्ता
रतंडाहरिग॥१९॥दो॰॥सुभटमरेरनपंच
सतहतउतकेअनुरत्त॥घायदुसहलग्गे
धनेंगंगाधरकेगत्त॥२०॥जैपुरबडउमरा
वजुगपरेभिन्नतजिप्रान॥सत्यासीतिन
केसुभटमरेइतरहठिकिमान॥२१॥जोध
सिंहअभिधानइकनाथावतकछवाह
मिसलदाहिनीकोमुकुटचौमूंपत्तननना
ह॥२२॥बगरुपतिदूजोबड्रिकूरमचतु
रस्तोत॥रनगुलाबसिंहडुरयोबामोंमे

सलउद्योत॥२३॥राउमरावनन्त्र्यग्रणीजै
पुरकेगिरिजात॥भयेनसम्मुहद्दुतरभट
दुर्मनभाबदिखात॥२४॥इततेंगंगाधर
द्रुघनरनग्गालसाहिधाय॥तबमुरस्योदक्खि
नतरफकरनन्ननामयकाय॥२५॥सम्मा
न्नषिघृति१८२६प्रमितसकलटगतस्तु
हेमंत॥न्नगढनमैंपकुम्भदुवद्धवगतश्वा
नलरंत॥२६॥इततेंगंगाधरकोंमुरयोसुनिदु
लकरमल्लार॥जैपुरपरहंक्योजबहिपक्कुर
न्विकटकृप्रमार॥२७॥ष॰पं॰॥दक्खिन
धरकोथंभन्नद्द्योदुलकरजैपुरपरद्दरकूंच
नकरिदोरत्रवनिदक्खतड्डारतड्डरजनपद
नागरचालप्रथमविठ्योउनियारा॥मयो
चकितभोगीसधरनिफुट्टलहयधारा॥सिर
दारसिंहनारखनमितसयनजोरिलग्गोपथ
नतिहिंदंडिगमनन्नप्रगौंकियउद्दुलकरल

गिजैपुरअयन॥२८॥कुसथलमृतफतम
ल्लातासकुंवरतनसिंहसुतताकोइकलघु
पुत्रनामबिक्रमसाहसजुतजगतसिंहर
ह्योरहिंदुसहसारबिसंगर॥छिन्निनगरब
रवाडमयोपतिअप्पबंधिघरइहिंहेतुअ
थमल्लारइततोयनतापचलायकैंरह्योरअ
मलपञ्छोरचियगोकछवाहपलायकैं॥
२९॥सो॰॥दक्खिनजैपुरबेरसुनिजगत
सिंहअभिधान॥सुतक्रबंधसिवसिंह
कोंबैठोंलेनिजथान॥३०॥तबकूरमरतनें
ससुतराजाउतकोरसारि॥छिन्निनगरबर
वाडलियदियरह्योरनिकारि॥३१॥यातें
कुलकरभीरकरिवहकछवाहभजाय॥ज
गतसिंहबरवाडपुरबङ्करिद्योबैठाय॥३२
सकरससिबसुससि१९१६बरसश्याम
बलञ्छसहस्य॥कुलकरसनबुंदीसइ्ये

कछुकरनरहस्य॥३३॥इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूसकूसेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मे
दसिंहचरित्रेसप्तचत्वारिंशो ४७मयूखः॥
॥१॥२॥३॥४॥५
प्रायोव्रिजभाषा॥ पज्झटिका॥लियपुप्रतिसिंह
नहपकुमारलघुसुतबहादुरबहुरिभार॥
कुंमेरसमिल्यो वरवाइजायसम्मुहुअभार
क्रमायोसुभाय॥१॥करिउभयरहिदिनकुच
मुकामतैंहसुलियसुइंपंजावधाम॥स
जिसेनखानक्षुहमदपठानउल्लंघिकूट
कह्यायेप्रमान॥२॥पंजावप्रमलाह
अनजमायरविचक्कैहलाकिअरियकुभा
य॥यहसुनतदिनकुलदरखानचढ्ढि
संगभयोनृपचाकुवान॥३॥सिरसुजानि
सिखावनसुलननीतिलायोसुदिरखान
राजरीति॥बयसप्तबरसजेठोकुमारलघु

पुत्रअब्दचउबेसधार॥ ४॥तिनकोंपुनि
बुंदियसिक्खदिन्नमल्लारसंगन्रपगमनकि
न्न॥मल्लारवहसूआदिनैरलुहेजयपुरके
बिरचिबैर॥ ५॥पंजाबअमलमंडतपठा
नजयनैरछोरिकियउतप्रयान॥इकबंधु
महासिंहोलजत्थकियतुपकारिनिस
बिचअनत्थ॥ ६॥सुहरनिपतिदसरथ
सिंहसुप्तकीनोंप्रयागसुतप्रानलुप्त॥खो
ज्योवहमारकसुनतभूपसुमिल्योनभज्यो
परिनासकूप॥ ७॥करितदनुहडुकुलकर
प्रयानपुरकोटपुत्तलीदियमिलान॥किय
सेनपठाननसीससज्जश्रीमंतबिजयरन
करनकज्ज॥ ८॥गाजुदीखांइतहेहराम
मारयोप्रभुआलमगीरनाम॥यहसुनतमु
लकपंजाबछोरिइतनादरअआ सुदो
रि॥ ९॥तबत्रासनिजामनमुलकपायम

रहट्टसकलबुल्लेसहाय॥जिततितक्कतोसु
दक्खिनअनीकसबदिल्लियआयोचहि
समीक॥१०॥उततैंसुरवानअहमदपठान
आयोसबेग।दिल्लियअमान॥सुनिकुलक
रव्वकियनृपहिं।हमुवकरतरंगतुमजा
कुगेह॥११॥गोहुंदियतबसंभरनृपालआ
योमलारदिल्लियउताल॥संकरदापत्तन
लूटठानिसज्ज्योपठासनजंगजानि॥१२॥
जनकुंकुजयासुतसुनतआयदत्ताकुसेन
आयोसजाय।संभासुतआयोबहुरिरहर
जवमेंडिलरनसंध्याजरूर॥१३॥अरुसट
कलीजनिजधर्महीनआलीगोहरदिल्ली
सकीन॥दैपुनिमरहट्टनकोटिदम्मकिय
तिनसहायनिजविजयकम्म॥१४॥दि
ल्लीदलदक्खिनदलदुरंतमिलिइक्कसज्य
अबनिरचिमंल॥बज्जिगनिसानजतति

तबिसेससज्जिगभबीरदलदब्बिदेस॥ १५॥
ध्रुवबिबिधतोपसज्जितहरोललहरातधु
जाफहरातलोल॥मृगराजमुखीकतिलं
बमानबाराहमुखीकतिबरबिधान॥१६
॥बिस्वधारमुखीकतितततिबिसालकरि
राजमुखीकतिअतिकराल॥सिंदूरलप
नलोहितसुहातदगिप्रलयकालततरवि
नदिखात॥ १७ ॥कतिकांतलोहमयपृ
थुलकायसुभरीतिसुल्वमयकतिसुहाय
॥कियसबलधातुमयसज्जकेकइमपुनि
गुजारसंचयअनेक॥ १८ ॥आरूढनिवु
रचक्रनअसेसबिकरालज्वालजनुका
लकेस॥ अंगारवमतखिनखिनअपार
ध्रुवसज्जजारगढकरनहार॥ १९ ॥मिलि
अनलबिसादेवलमिटायसतकोटिनादस
मितसिवाय॥ध्रुवसतहरोलजिन्हबेल

दार कुद्दालहत्थमगसुद्दकार ॥ २० ॥ सत्तद्द
वकुठारधारकसुक्खग्गमेटततरुरोधकरन्त
तमग्ग ॥ तेतो परिखिनकुक्ष्पटकनलद्दलसेज्ज
तक्खड्डिसिरमलपलोत ॥ २१ ॥ सुक्कध्धसलव
क्कवरकनभथ्थार त्रिसतीइमतोपनक्कुमत
पार ॥ दुवद्दलनलकवघोटक्कदुर्लहसत्व
रक्किबकभतिरभतिसहूह ॥ २२ ॥ जरजाल
सज्जभरवरालजोनभरवालबालरयफ्फा
लंलीन ॥ नतगोथिबपलचपलासमानकी
लकक्कलीनउपमानकान ॥ २३ ॥ खुररज्जत
लद्दलनटनरवेलमनुसासिक्कलंदखुरता
रमेल ॥ अलिक्कमनखेहउड्डतक्ख्रुपध्धर
नीकिरन्न कनदेलथ्थूप ॥ २४ ॥ जेयेंथ्थपरा
जयरोगभालक्खरोकजयसिद्धिसाधनउ
ताल ॥ ध्धरिपलनपिक्खिवजित्योक्खसेरस
थ्थालहुमिलसपतयतजेस ॥ २५ ॥ कुवि

सीसत्रखतजिनफाँदधापप्राकाररचनबो
रतधरप॥लरिजिनमलंगतिरछीलजंत
कुलटाकटाच्छडारनतजंत॥ २६॥ छेकत
स्यात्तुझ्झानश्वानिजावतसझ्झोनभुवकंप
जानि॥कसिकसिश्वरालकीदंडकंधच्य
र्थीकरंतज्याजेरबंध॥ २७॥ बिचग्रीवहे
मझ्ंरबलबिराजिसोहतसुहिलसलकछ
लिहिंसाजि॥मिलियालनज्रालबमा
नकुम्भसञ्जबसुहिइक्कबान॥ २८॥
सुनहोतसिथिलज्योंगतिगहीरत्योंत्योंहि
सिन्चतयहुजानितीर॥ हददछबिकलापपृ
थुबालहल्लसोहतकुधधन्वीइमससल॥
२९॥ बरनेन्द्रछादिनीदियबरबानिजरनी
जजिसालिश्रामजानि॥बजिप्रोथनश्रवि
सतयंधबाहहुरिजातपराजितजनुसदा
ह॥ ३०॥स्वचरनसमेटिमलपतसुहात

जनुटारिमेंहरिनेंमर्मजात ॥ ज्यों कीपिरतक
तिअतिउत्तालजलनिधिअनोंक्युहिम
मनजाल ॥ ५१ ॥ पलटतदराजगतिबाज
पूरजमजनकदर्पदारकजरूर ॥ ज्योंपूतब
पुरोमनछबिअरबबसेवतकिन्नरयुप
लनसर्व ॥ ५२ ॥ दिल्लीरुसितारमिलिह
रूहजिनकियतयारकमलाजिम्ह ॥ स्त
सोयहिंरककियरज्जसंगअंडुकपलंकमें
चतअंग ॥ ५३ ॥ बारियिजिह्राजजिम
लगतबालहेकैंइमपयपयमुवहलात ॥ ग
तिमंदमत्तमत्तकअवरगातबिजयाऽमिमि
लकटकहिंबनात ॥ ५४ ॥ पृथुकुंभसिरिक
रिपिहितपीनकंचुकिउरोजजनुआयतक्षी
न ॥ रतनगारुझअहालरूपअतिसयबि
सालउच्चयअनूप ॥ ५५ ॥ हुवकुंभकुंभ
सिखरकदिपंलमंजुलअजलंबितकेत

मंत॥जिनरक्खिबामदक्खिनजरूरसूत
हिंसिखायटरिज्ञातसूर॥३६॥घुम्मतघु
मंडिघनसघनघोरजावतमिवातपवमान
जोर॥सुंडाफटकारतनभसुहातजिहिंन्न
ससंकिसिसुमारजात॥३७॥भननंकि
भमरकुंभनभ्रमंतकियपत्रभंगितियकुच
किकंत॥पच्छिनहटातबमथूनधरगज्ज
तयुसैलमंडतगरूर॥३८॥आटोपखत
अंगुलिउठायकाकोदरभोगकिकालकाय
॥आसतकलापग्रीवाभमान मंदरगिरिबा
लुकिघेरमान॥३९॥दोलायमानश्रव
ननदिखात मिद्धकिजटायुपच्छनहलात
॥अंदुकअलंबजोहैनअंगमारैमलंगिबा
जिनमलंग॥४०॥जंजीरजबरजिनकेसु
हातापदहतिहलपद्धतिरचतजात॥सजि
डाकदारकुवबिदिसंगमारतबकुबेरएकर

न्विमलंग॥दुतिस्यामसुक्तकचदरसदेत
पब्बयरहेकिगरलायपेत॥बाहसलिहित
चरस्वीविसालजेकरतलरतमगचिक्रजा
ल॥४२॥मगमत्तचरनडारतमरोरस्प्रह
सुतदिखवातगतिस्थोरस्थोर॥नारुदपूर
जिमचलतमानहुमचलतसोरजितातित
अमान॥४३॥इहनिमिखनिवर्त्तनस्थं
तरायदृजोनबनतनिकटाहिदिखाय॥
पच्छिमसनपूरबपलटिजायरहेबाहुलत
नैस्तनिराय॥४४॥सतदुवइभजगम
च्छदिसाज्जिबलकुवतयाररनतरलज्जि
॥जवननकुरानपाढिकियनिसाजहुरि
हकियच्छारुहिबाजिराज॥४५॥स्त्रत
धीरनिजामननमुलकसत्थसबसाहसेन
सज्जिगसमत्थ॥इतकुंबलारदजातथा
रसंभासुतजनकूरनसिंगार॥४६॥जल

गंगन्हायकरिदानजत्थपढिबिषणुकवच
दसनामपत्थ॥सजियेंबनिदिल्लियदल
सहायलहिकालचलेकरमुच्छलाय॥
४७॥इतैतैंदरकुंचनभरिउडानपकुंच्यो॥
हिप्रायदिल्लियपठान॥दलकोंपुरना
हिरकढतंदरनहिंमिलतभईदलप्पपर
नेर॥४८॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपू
स्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मेद
सिंहचरित्रेअष्टचत्वारिंशो४८मयूखः
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥लहलहमजन्नैंकोललि
ततकियाबाहिरतत्थ॥मंडिमरनदुवद
लमिलेसस्त्रनझारिसमत्थ॥१॥सकर
ससिसिबसुससि१८१६सिसिरप्रागम
उदितअनेह॥संकरपैंहपठयोसमरन्यूं

तारूतननेह॥ २॥पूतनाइममिलैंतैंप्रथ
मलग्गीतोपनलाय॥रसनाइकसतती
रवजेकिमबरनेजाय॥ ३॥भुजङ्गप्रयात
म्॥दग्योतेयसंदोहछोनीदरारीबढ्यो
धूमअब्भावाजधोंघोंबिथारी॥फबैंलोल
गोलाकरीकुंभफुट्टैंपताकानकेपुंजतुट्टैंबि
छुट्टैं॥ ४॥बनैंफेरपैंफेरज्योंबाक्यबादी
गिरैंचोटसैंलोटसादीनिसादी॥उडैंबाजि
भ्रायासधारा॥बिसारैंबिमानावलीबीच
भ्रायासडारैं॥ ५॥जगैंघोररूपंधारसैंसो
रज्वालामनोंमह्कंथ्रहमैंबिज्जुमाला॥
हलैंसेसकोज्योंफटाकोहजारासिदंत्यों
महीकांतकल्यभिसारा॥ ६॥लगैंचोट
पैंचोटमालंगलोटैंउडैंपक्खिजोटैंबचैंको
नओटें॥घनेंघुम्मिघोंघाउकैंहत्यिघोरे
बनेंज्वालमालाअकूपारबोरे॥ ७॥

कछूकालदैतोपर्यौरारिकिन्नीलरेफेरि।
लैखग्गहैबग्गालिन्नी॥धर्मकीधराबाढ।
कैबाढबज्ज्योबढ्योबीरकोभीरुकोनीर
लज्यो॥ ८॥मिलेदुग्धपानीयज्यौंजो
धमत्तेकलाऐंदवीसेचलेकालकत्ते॥क
टैकुंभबाहित्थसुंडाकलावाकहौंरुंडघु
मैंअंटैंदंतकावा॥९॥छिकैंकंधराजी
नबाजीनछुहैंफबैंलीनजालीनमैंसंगि
फहैं॥उडैंअस्थिसंघातकेओरओरैंछ
लैमंधमानौंघनयावछौरैं॥ १०॥कटैंउ
छटैंटोपजालीकरकैंफटैंपेटनागोदफै
लैंफरकैं॥कढैंनैंनछौरैंनलग्गीकनी
नीलसैंषट्पदीफूलज्यौंसंगलीनी॥
११॥बरकैंफरैंकंधराअंसबाहाउडैंमू
ढ़मज्जादहीसारआहा॥दिपैंबीरसुंडि
ज्जजुज्झैंदिखावैंपरैंसत्त्वहै।सत्त्वछेदी

नपावें ॥ १२ ॥ अवलच्छेदधन्वीनकेंदंसबे
धैंनमंतीजुरेंकोटिहैंध्यानिसेंधुँ ॥ तबैंरह
रहैदूरबैधीतनासाउडैंबाजकेनाजकेप्रा
नव्यासा ॥ १३ ॥ गिलैंलस्तकैंसत्रुदैदूर
रव्यालहैंव्यैंनिनीरैंसुपमान्निलव्या ॥
निहारोथहैंन्वापमैंरीतिनव्यासुनैंहीबनैं
मीरसव्याउपसव्या ॥ १४ ॥ बजेंपञ्चणासा
कर्त्तेंमैंविथारैंमहादणकोघूर्णतादीमि
मारैं ॥ डसैंकन्तरीसिंजकोंन्च्यानिज्योज्यों
तितिज्वलंदंदुहैंलैंसाधुर्त्योंत्यों ॥ १५ ॥ न
छोरैंतऊलामसीहलिधारैंज्यकाकुपि
ताकोंतबैंहूरडारैं ॥ परैंहीनसंग्रादकेंन
मैंपतीभलीमावितांक्यूषिदेलियमती ॥
१६ ॥ बहैंमलतुरीडलीत्योंबरच्छीछ
कैंसालभीपंतिज्योंतीरपन्ती ॥ हिपैंहूर
लरीबनीकोसदैहैहलैंमन्तधोंधांरलेरें

डळ्ळे ॥ २७ ॥ महातारमैं प्रेतआलाप
मौरैं नचैं जोगिनीलोंनभैरौंउतारैं ॥ हसैं
डाकिनीसाकिनी घुम्मिहल्लैं घनीरासमैं
घुम्मरीघेरघल्लैं ॥ १८ ॥ जगीज्वालज्यों
कंतकेदंतजोरैं मरीयोंडरीदिग्गजीचीहमा
रैं ॥ अमाइंदुकोरूपआदित्यधार्‌यौंचिके
चक्कचक्कीनहाहाउचार्‌यो ॥ १९ ॥ फबैं
खग्गलग्गेबजेटोपफोरैं घरयारीमनोंप्रात
कीघातघोरैं ॥ मचेकोपउच्छाहथायीन
भावैं तथाहासबीभच्छसोभावतावें ॥ २० ॥
बिधालाबढी सृष्टितैंदर्पछंड्योमनोंमो
तिबिक्रेयबाजारमंड्यो ॥ कुहूरत्तिमैं रू
धिगिद्धीकिलोलैं डुबेसिंधुअंधारजेभौंर
डोलैं ॥ २१ ॥ घनैंबानजोधानकेउड्डचा
रैं मनोंपूजिबेअच्छरीफूलडारैं ॥ बढैंमा
रपैंमारबिस्फारबानी भदंकारआचारमंडें

भवानी॥ २२॥ बनेबावरीकुंभबानैंनबुल्लैं
सतीकिरनारेरह्वैरवीजरवुल्लैं॥ अनीप्रानके
जानकेहोतस्त्रीपुकारैंबढैरबढैयें॥ अम्र
नी॥ २३॥ भरैरेभरेभीरुकुक्कैंपलावैंरवरेरे
रवरेबीरअप्रकैंदिकावैं॥ अरैंसंगिकेसं
गिलैंअप्रअप्रैंसंजुरैंवैदुषीकोटिह्वैतिकवैसे
सैं॥ २४॥ घनैंबीरसुरेनकौंभीरुघावैंब
कैंजालभीरैंवनीमैंबनावैं॥ बिदूदारिदंती
नवेथैंनरक्षीअथोह्वैचलैंअप्रसक्कीरिल
अच्छी॥ २५॥ सुहीनारिबक्षोजह्वैमेंबिस
लासलौंबित्थरीलैबमानिक्यमाला॥ लगे
सुंडिपैंस्याहकैसैलहल्लैंकिधौंकन्हका
लीयपैंधूमधूल्लैं॥ २६॥ भयेरंगकुल्हम
लेलहल्लिमालअल्लीबदंभोधिरजोहकुचाले
किलेपत्तिघैरनकौंमुंडमारैंपनौंधेनुकध्य
न्यबछ्छाअहारैं॥ २७॥ कहींअच्छरीस्वर

कोंमंडिमालीबनावेंगेरें वाँहेंगावेंबिसा
ली॥ कहोंभिन्नकुंभीनलोहीछुच्छकेंकि
धोंतिंदुतेंफालफुल्लिंगलकें॥ २८ ॥भनं
कारभेकारभेरीबिथारें घटाभद्दकीजानि
निर्घोषडारें॥ कहोंटोपकोंखंडिखंडारव
ट्ठेंकुलाबीकलीभातमानोंचटकें॥ २९॥
छिदेंवेककुंभीनतेंकसहुहेंतिज्योंबाततें
तालतेंपसातुहें॥ कहोंकुद्दबुक्केनकोंमी
डितोरेंमनोंरूपमेंरुद्दनिबूनिचोरें॥ ३०॥
कहोंबीरबेठेघनेंघायघुम्मेंझपट्टेंकहोंलु
त्थितेंलुत्थिरुम्मं॥ प्रहारेंकहोंत्रेंचिगो(
मायुरूपंतीश्रहारेंमनोपन्नगीमोरपंती॥
३१॥ कहेंडकिनीलिमलोहीकुलजोरें
गेपहज्योंमहलेंरंगरेजी॥ हबकेंकहोंघा
ववुल्लेंकजारें मनोंतेगकेतापत्र्याकंदमा
रें॥ ३२॥ बिनोदेंकहोंकंकबुल्लेंबनावें

मनोंबंदिइरानकोजेमनावैं॥तमंकेइतैंसं
गदिल्लीसितारेउमंगउतैंमिच्छइरानवारे
॥३३॥दुहूँओरयोंहत्यच्छिदिखायघ
नेहत्थियोंसत्तिओपत्तिघाय॥सितारह
दिल्लीथकेदिष्टसारैंमचीआनईरानकीमा
नमारैं॥३४॥ढयोंलोहसंभातनैंदहत्तु
रयोंतपावीरदत्तामयोंनिगतुद्यो॥जवान
रकेजोरकेषायलग्गभिदेदक्खिनीयेघनं
हारिमग्गे॥३५॥अदूलीअनीइक्कम
ल्लारकढ्यांवल्लीदेसईरानकोजोरवढ्यो॥
दुव्योभज्जिकैंखानगाजुद्दिदिल्लीपरानैं
भयेजुद्दकोहैंसदिल्ली॥३६॥दो॰॥सु
निलनिखानकलोजतजिआलीगोहरसा
ह॥कुवसरनागतजद्दकोलग्गिभरतपुर
राह॥३७॥पा॰कुं॰॥मिलेअवरदिल्ली
पतिकैंतबसदुनमाँहिंनवाबसुभटसब

इकहाफिजरहमत्तुल्लासठबिरचिहरामसु
जाद्दोलाहठ॥ ३८ ॥बक्करिनजीमुद्दोलाब
लिसपुनिसादुल्लाखानमिलनमिस॥
अहमदखानपठानमाँहिँइमजुलमीमिलि
सबभयेदासजिम॥ ३९ ॥इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेएकोनपंचाशत्तमो
४९ मयूख:॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥दलबिगस्योदिल्लीसको
मरहट्टनगतमान॥बच्योइक्ककुलकरब
लीजित्योअहमदखान॥१॥ष०प०॥जि
त्योअहमदखानसाहनादरकोमारकदि
ल्लीदक्खिनदंडिबढ्योनिजजयबिसता
रकअंतरबेदीआदिबिखयमंडतअप्प
नबस॥प्रबिस्योपूरबमाँहिँरचतस्वाधी

नह्कुकमरसगंगारुजमीबिचगयउकल
हबिजयकौतुककरतभूपालप्रच्यहाज
रिभयेसबग्रधीनहितग्रनुसरत॥ २॥
दो॰॥ग्रालीगोहरसाहइततुरकनपतिह
ततोर॥ग्राह्वजयईरानकोजानिभयोग
तजोर॥ ३॥संध्याकोंसंग्रामतैंइलमग्ला
रउठाय॥भिसकनिकोग्रावरिभनितदि
न्नेंधायदबाय॥ ४ ॥पठयोकगरनन्ह प्र
तिह्रुतलिखिदक्खिनदेस॥इहाँपराज
यग्रप्पनौंसबबिधिभयउग्रसेस॥ ५॥
ष॰प॰॥सुनततमकिश्रीमंतसेनपठयोव
होरिसज्जिसेनानीनिजसूनुग्ल्योबिश्वा
सरावरजिनिजकाकापुनिनिडरधीरची
माग्रभिधानक॥भटदोउलासिरभारग्र
पिदियकुकमग्रचानकग्रग्लाकुप्रक्का
काउभयदलकुजंगईरानदलसत्तरिह्रजा

रलुअसंगभटखंडुक्कुगाढञ्प्रसेसखल ॥
६ ॥ सुनिर्वीमोंविश्वासराबडुवलेदलदु
हूरमुदितचलेमरहहञ्ववनिमिच्छनमर
उहूरनानारंगनिसानउदितबज्जिगध्व
निञ्भायल ॥ कुंभिननानाकेतुखुल्लिहिंकि
यरवंटायलपक्खरञ्रसारछादितपक्कमिप्र
तुरकुंलञ्रवरपिहितञ्रावाजमुलककु
हियञ्रसक्कबढतसेनसंगरबिहित ॥ ७ ॥
नागराजफनफटतकमठदृढपिट्ठिकर
फ्रांतगिरतभारतजिगडुदड्डुबाराहबरको
तडसिदिग्गजडगमगतलगतबपथुलो
केसन ॥ छुट्टिगहिछितिपनमहलदहलफु
ट्टिगसबदेसनञ्बासत्रासससंकितदुमन
हेसतसञ्झालोचिहियचतुरंगप्रचुरद
लिपनचढतकिंहिंसिरकोपकृतांतकिय
॥ ८ ॥ गिरिनञ्चूरनिलिग्गावधरिञ्अंबर

संकुलिथटमिटिदुग्गममेवासबननपद्धर
बलउब्बटअप्रतिअखातफरिअगिलगिरिपे
लतहयनालन॥तरुतालनतुंगतलद्धप्रोज्ज
लतगजढालनवजिद्दुवंबप्रतिबादकोपद्ध
हकिजयमद्दलपणवरसबीरबद्धतसिंधुन
रचिररागअकुलअपारापरव॥ ९॥फौज
नलगिलगिरिसुरतप्रतिहतरयमारुत
मिंढनथरथरकुलकहोतधरधरद्धरहार
त बन्धसत्लहलबीचरहतथकिथकिह
तरंहस॥मकुरंसलिलमिलापतकलचंदो
लपकतससतत्तुतनूजरनतल्पसमनभ
सुहाततोमरनिकरकैनभनिरसंगरकिय
कुपितश्रीमंतहिरनकरनसर॥ १०॥दो॰॥
भरहट्टनदलइमअमितसत्थघरतइहमं
ड॥हिंदुसथानप्रविष्टहुवअरिगनहनन
अखंड॥ ११॥अहमदखानपठानइतह

ढिगोअंतरखेद॥ दिल्लियपकुँचेदकिखनी
खलनप्रसारनखेद॥ १२ ॥दिल्लियपुरप्र
बिसेदुसहमरहट्टेच्छकमत्त॥आलीगोहर
कोंअटकिछितिपभयेधरिछत्त॥ १३ ॥
नन्हपितृव्यकसूनुसनमिल्योआनिम
ल्लार॥ अकियदिल्लियकरकुअबसुह
धरमअनुसार॥ १४ ॥सुगलनकेतबसब
महलधीरनलिन्नधुपाय॥गव्यपंचजल
गंगकरिदियदिल्लियछिरकाय॥ १५ ॥
वास्तुकर्मअरुहवनबलिसुरपूजनकरि
स्रूर॥ धारिनिगमहिंदुनधरमप्रेरयोदि
ल्लियपूर॥१६॥ औरबमस्तुमुनिससिधृ
ति १८१७ इमबनिदिल्लियईस॥दलस
ज्जितकियदक्खिनिनरचिसत्रुनसिररी
स॥ १७ ॥ अहमदखानपठानउतबङ्ग
ल्लिनअंतरखेद॥रक्षोअमलअप्पनरच

तम्भूपनडारतभेद॥ १८ ॥ दिल्लीपतिइत
दक्खिनीजुवसोसुनिजुसियार॥ पलट्यो
अहमदखानपुनिकुलहिंदुनखयकार
॥ १९ ॥ समचंद्रधृति १८१७ मानसकमा
ससिसिरलहिमेल॥ मकरत्थरो इतअहि
मकरत्थाखेलुरकत्थ्येल॥ २०॥ पूतनाल
ककपठानकी दिल्लीकीजुवलक्ख॥ जायमि
लीसबइकजुरितमकिउठावनतक्ख॥
२१॥ पा॰ कु॰ ॥ बढिइतलौंविस्वासराव बु
लिलीमाप्रुजनभूमलारचलि॥ तैंनमि
लतअसिवरकरिनगोलरनखानअहमद
ननलग्गे॥ २२॥ छप्पय॥ मिलिदूलतैं
मरहट्ठआतरनबिस्ववखोउततैंअहमदखा
ननकिवहयउपट्यो॥ बादीप्रतिबादीकि
व्याकरनन्यायकेकल्पकरन्धिरच्छिकोटिमि
रेपदुभायके॥ २३॥ चन्द्रकला॥ योंइरानद

किंवनीमिलेंचलायहैंअनीकसस्त्रकेप्रहा
रघोरबित्थरेंमच्योसमीक॥उत्तमंगउच्छ
टैंकटैंकपालभूरिभालकेकभिन्नह्वैगिरें
सिपाहकेभिरैंकराल॥ २४ ॥अच्छरीनके
छयेबितानरूपलैंबिमानचायसोंरहेकि
लोलिचिल्हगिद्धत्योंसिचान॥जुग्गिनी
नकीजमातिआनिकेनचीजरूरसाकिनी
नकेसमूहउल्लसेंसिराहिसूर॥ २५ ॥सिं
हकोंअरोहिकालिकारुबेलकोंमहेस
आयसंगहीखरेबनेंतमासगीरबेस॥दान
लुकिदिक्करीकरंतचिक्करीपुकारिसेसत्रो
बराहकुम्भहोसकोंरहेबिसारि॥ २६ ॥र
लैंभमेंकबंधमत्तकेफिरैंउतालभूमिकेत
लजानिआनिरानचैंबिसाल॥कांचकी
चुरीसमानहोतखंडखंडकेकउल्लटैंप्रहार
भोरुहोफटैंहटैंअनेक॥ २७ ॥कालखंज

उच्छटेकटेगिरंतसीहत्थोमहोतखग्गच्छिति
मैंसुमारहीनश्रनहोय।।जीलजैंच्छनेकसीर
भजिजेबीविच्चारिजंगज्योंनिमस्तवारिप्रानता
नकोंगहैंतरंग।। ४८ ।।श्रोथत्योंहयच्छूटा
कटैंनिगालकस्यपीनहोतश्रंगहीनहैगिरै
बिभंगतंगजीन।।खग्गघातद्वारक्षेत्रलैंच्छ
नेकरत्तखालबाणमाथउच्छरैंपिरैंच्छनेकमै
बिहाल।। ४९ ।।मंदकेकमीरकभज्जियोंदरै
सहैंनमारज्योंकपीसमालकोसमैंदकार
श्रोपकार।।केकबीरहत्थकोंभलेदिखात
खग्गच्छानिछुट्टिच्छंत्यमूर्छना।बिलाबलीन
नातजानि।। ५० ।।लेकैंच्छमापचापबान
कोबनैंबितानकालकोनिसानलैनच्यालु
योंप्रबीरकान।।केचलैंछपानसंगिकुंतत्यों
छुरीकटारकंकटीकरालखग्गभिन्दपैंगिलकु
दार।। ५१ ।।हत्थदैमहीकितककुप्पिकैंउठैं

इकंतछाककापिसायनीमनौंगमारलैछकं
त॥कालसेकरालखातकेफिरैंछुटेकलंब
चक्रबिंबचक्कचलैंमनौंकिसक्कसंब॥३२
॥उत्तमंगकंधरागिरैंप्रतीवबाकुप्रंसबं
सपिंछिपंसुलीलगीमनौंकिपत्रबंस॥ते
रं॥प्रहारकेकरत्तकेप्रचंततालसीसद्देस
रोजतत्थकुंतलावलीसिबाल॥३३॥धी
रकेकरीनतैंमलंगिकंपयौंधरंतकूटतौंकिके
हरीनटोकितेहरीकरंत॥बस्त्रहीनव्हैकि
तेकुरंकरीनपायबीचनाथप्रावकीनकेमनौं
किथंभपीननीर॥३४॥प्रंजनावलीपिसा
चसद्दकेकरैंबिसालपाकुनीबुलालन्यौंति
जुग्गिनीनखेत्रपाल॥छुहिजातकनकेउ
आनबानपोनछ्वैहिलध्यवर्णप्रग्गज्यौंकु
कालच्छिन्नभिन्नव्हैहि॥३५॥होतसूरसौ
धुजंजप्रछ्छनमाहिंदेप्रहारदैनलैनभिन्नपेब

द्वैंकिबामनावतार ॥ होतअंगहानिपैकि
तेनकेरुकैनपानिजानिहारिसैंमिथ्यास्थूल
कोखिल्हास्जानि ॥ ३६ ॥ अद्रधारहैंगिरि
किलेतुरंबारन्गऊतिबंदिलेतआलहैंमनों
किदृपकीबिसृति ॥ केतुरत्तलिप्सकेकरीनपै
करैंप्रकासलारवरंगभासराधमासमैंमनों
पलास ॥ ३७ ॥ डाकिनीकितीकबीरअंत्र
लेतकंठडारिमालिनीबिसारिज्योंप्रमत्तल
तमालधारि ॥ केप्रवीरधीरकाहिसत्रुकोंन
येप्रकारचिन्नधारबुद्धिमैंकरैंतिचिन्नचि
कार ॥ ३८ ॥ केगदाप्रहारकेंहनैंसकोपप
त्थरद्रुलोहकारकूटपैंमनौंमनोंकिलोह
रिहू ॥ प्रेतकेपतलगेदकोंसिरातअक्षपो
नलेतकेप्रवीरव्याहिअच्छरीउतारिलीन
॥ ३९ ॥ रंगमाहिंबंदिकेअनंदिबंदिदेत
रंगपिकिकजंगजोरह्योअनूररूकिकेंप

तंग ॥ केक तेग मारदै हरैं करीन उत्तमंग तो ५०
रिसृंग मेरु कोन्ह लैं मनों किधार गंग ॥ ४० ॥
के प्रसन्न पर्दते स्वधावहोत गिद्ध कंक ज्यों प्र
छन्न द्वार के प्रवेस खर्व व्है निसंक ॥ हत्थिघा
य फारभै कुरैं कितेक भीरु हंत ब्रभ्र कोउ गान
जानि चोर ज्यों दरी बसंत ॥ ४१ ॥ कुब्ज अंध
खंज व्है नचैं पिसाच हास काज सा किनी व्ह
थ रक्त के करैं विरूप साज ॥ ईस के हिये गये कु
सीस केक हैं उतारि ना थलेक धारिनैंक जुद्ध
दंत को निहारि ॥ ४२ ॥ सद्य स्वीय रत्न डारि
दीपमैं कितेक सार ह्वै यवन्न ज्ञान आत मात
कालिका हजूर ॥ होत सत्व छोरि एकवार
के कितेक हीप दीपिका करैं नतैल हीन ज्यों
दसा प्रदीप ॥ ४३ ॥ दोय प्रेत अंत लै फिरैं
कहीं कपेर खेत रेत कारलादि वेलगैं जरीब
जानि खेत ॥ जंग मैं मलंग केक मस्त व्है लगा

त्जोधरंगमाँहिं गलैं करैं कितेक जोध रोष
॥ ४४ ॥ सत्रुकंठ दंत दै पिवंत रक्त केक रुख्य
छुरी पछारि सार छूल्यो घनैं गरूर ॥ केक है
मिले प्रलीक है प्रकोप बातमेल खग्गत्योंक
टार कुंत संगि बानबुंद खेल ॥ ४५ ॥ केक
रीन त्रंगलीन रत्त केक कौं प्रकास भानु त्यों प्र
कार मैं करैं अनेक जानि भास ॥ सोर कौ सि
खा सिलग्गि जोर कौ उराज्जि जात भोर कौ
कहौं किती कथा रकौ यदा दजात ॥ ४६ ॥ हो
त जंग यौं लहौ सभा सदक्कि लीन हारि उ घ
मी कहा करैं नदैव मत्त भानुसारि ॥ विख्य रे
घुमंडि कैं इमानसिन्धु जो बनाय खीज मैं भये
गये यवैं त्रीनमान रव्वाय ॥ ४७ ॥ कुण्डलि
का ॥ पानिप करि उज्जल अवल इम सद्द किसन
दुराल । करन त्रुजयदूरी करन करन द्विज
यपतिमान ॥ करनविजय पतिमानरंग करु

रेतजंगरुचि।रुचिथरत्र्यहमदरवानजयो
कृतअरिकृपानसुचि।नसुचिभंजेमरहट्टन
सुचिभञ्जेस्यानिपकरि।निपकरिलयेब
धायगयेअच्छरिपानिपकरि॥ ४८ ॥दो०
॥चीसाकेसिरकीचटकरवोजिकटकरनरवेत
॥हार्योकरिआयासहरहार्योतदपिनहे
त॥ ४९ ॥जयालनयसंध्याजिमहिजनकु
अमरसजागि॥नमिल्योरंचकपलचरन
गोतरवारिनलागि॥ ५० ॥ष०प०॥तनय
नन्हुकेतिमहिबीरबिस्वासरावबढिन
कर्योतुरगनिसंकपानपकरकुपठानबढि
होरीजिमहुरियारनिडरझारीअसिनागि
नि।करिकुतलरिकुमरदुजनतियदुस
हहुहागिनिसुरलोकसव्यत्रच्छरिसहित
गंध्रबनगीतसुगयोश्रीमंतसुवनहारिनस
सुझितरवारिनतिलतिलभयो॥ ५१ ॥

दो० ॥ रामरावनारुवरघुववालाम्यंबकवी
र ॥ रामचंदऋयंबारतनसरवारामहमगीर
॥ ५२ ॥ इत्यादिकउमरावसबवक्लिनके
तजिदेह ॥ लाकगयेबंधननबल नाकक
लयननेह ॥ ५३ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूसरूपेदक्षिणायनेदशमराशौराउ
मेदसिंहचरित्रे पंचाशत्तमो ५० मयूख:
॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
प्रा० भा० दो० ॥ पहिलैंजिमकुलकरण
पितकच्योहन्युबलएक ॥ जायभरतपुर
गहदैकेकिनौंश्ययनसेक ॥ १ ॥ त्योंकिली
जकुभरतपुरसुनिमल्लारहिंपात ॥ गयोदि
दराबादक्षनिश्रालयनिजकुलात ॥ २
॥ कियस्वागतमल्लारकोमुदितजकलदि
मल्ल ॥ रस्तत्रव्यसब नजरिकरिहल्योद

क्रिसनदल्ल ॥ ३ ॥ तबकुलकर कछु दिवसतैं
हूंरहि रचि कटक नवीन ॥ भंडभटेरपुरादि
सबलूटि भखाकरलीन ॥ ४ ॥ पुनिमगके
गुरुलघु नृपमंडल बिजय दिखाय ॥ गाग
रनीप्रभु मल्लगढ जबकारि बिंध्योजाय ॥ ५
॥ कछुकरारिरहिरारकरिदयोउचितपुनिदंड
॥ परिपायनमल्लारकै सब्योकुकम अखंड
॥ ६ ॥ कुलकर बहुरि प्रयान करि कोटाज
नपदरप्पाय ॥ दिनकछुथाँटमुकुंददररह्यो
मुकाम रचाय ॥ ७ ॥ अहमदखान पठान
इतदक्खिन जित्तिदुरंत ॥ आलीगोहरसा
हपुनिकियदिल्लियतियकंत ॥ ८ ॥ सुरूज
मजीरनवाबकरिलखनेउनगरेस ॥ सुरा
लनरान्पसनायमोलंघिअटकनिजदेस ॥
९ ॥ इतदक्खिन श्रीमंतपुनिसोयपराज
यसोर ॥ बढिसलरअप्पनचल्योजवनन

डारनजोर॥१०॥षट्प०॥संध्याजनकूपहट्ट
योकेदलरावकेंहँअरुदत्ताकेपहट्टथयोमाह
जिमबीरलंहँकेअसननातीपुनअड्डरराजी
केये।इसीओरसदुवहिमलिखिथलमन
करिलैयेसजिसंगसुभटइत्यादिसवक्रमसम
पैवजितनकरयोश्रीमंतनन्हविरचनकिजि
यलिखिरउपरउपरयो॥११॥दो०॥दर
लिखिनकेविपरीतदिनकुकमबिगारनहार
॥नहनइंगेजनउदिलकरतअवलिखितता
र॥१२॥करतमिलिश्रीमंतकळुबहिव
तुरगबिसेस॥आननलजिपरलोकगालसा
ह्लुहलसचिवेस॥१३॥तबमरहट्टनसुरि
तलखतनिजप्रभुकेसिरनाय॥सुतजेठश्री
मंतकोरख्योआपवराय॥१४॥सच्चिरा॥
कह्योइतवृंदीसनृपतिनिजदीपकदुम
थनैरमयोअपकलतासससकलबिथाल

करि होत सदय प्रति हित चह्यो ॥ अरु सिरुपा
व करी जुत रन रस रसिक कापरनि नगर द ।
यो परिख्व दबिरचि बुलाय बचन पटु अ
प्पि अभय हिय लायलयो ॥ १५ ॥ हीरकम् ॥
जैपुर नृप माधव इत वारि तकर जानिकैं
नारव सिरदार सिंह बिंटिय द्रुत आनिकैं
॥ कारन रन थंभ अग्ग दकिवन जय नैर ए
हमरो हमरो उच्चारि कुप्पि गरचि बैर ए ।
॥ १६ ॥ जैपुर उमरावन सन माधव तब यों कही
दकिवन मन मेल को उमम भट न करो सही ॥
नारव सिरदार लद पिकुलकर पति भिंटयो
सम्मुह कर जोरि मोरु रक्खन निज भूनयो
॥ १७ ॥ मन्त्रि सु अपराध कुप्पि कूरम अब ।
आयकैं बिंटिय उनियार मार तोपन मच ।
वायकै ॥ संबल धृति अद्ध अवनि १८ १६ पा
उसगत कालमैं विह्वल ह्वै वनार वइ मसंग

रबिकरालमें ॥ १८ ॥ रनकरिकच्छुकाल
बक्करिनारवभयमेंथिकैंमाधवमहिपालक
पयलगियसमथवंथिकैं। दैकच्छुदनदम्म
स्वामिश्राय सिररक्खयो होतुमश्वसुत
थदासदैं हमझमश्यकवयो ॥ १९ ॥ चुलि
आल ॥ उदयनैरनृपरानइलराजसिंहदि
यळ्ळौरिकलैवर। सहश्रेंतहपुरपुरसकल
तेंहँसहसा कुचमासचोरतर॥ २० ॥ सोल
हश्रादिकतेंवसुभटश्रंतहपुरपच्छनहार
गत॥ रानिनक्षतिलिन्नतिरन्चियमंदिउन्चि
तव्यवहारधर्ममत॥ २१ ॥ श्रक्तिवयनृपपर
तापकोश्रन्वयकियइकलिंगनक्ष्ममश्च॥
शुच्छतहमयातैंकटसालहश्रभन्तीस
श्रसुरवसब॥ २२ ॥ जोरालियश्राधानजुत
ह्वैकोउकतांकालनिहारहिं। यहनहिंतो
श्ररिसिंहकोंबेठारनहमपहबिचारहिं॥

२३॥उत्तरतबअवरोधसनप्रकटहिसुनि
रानीनपठायउ॥नहिदोहदलञ्छनछि
पतक्योंतुमयहसंदिग्धकहायउ॥ २४ ॥
सुभटनयहउत्तरसुनतरानप्रतापकनिष्ठ
भ्राततब॥गहियपतिअरिसिंहकियपरि
चर्याव्यवहारसद्विसब॥ २५॥अरिसिंह
कृतबअरुजयँहँ पठईन्रपपरतापतियन
प्रति॥तुमधारतआधानतोरंचकनहिंम
मराज्यमोंहिंरति॥ २६ ॥राज्यसिंहसंत
तिरहतमोहिमातसबदासहिजानहु॥न्रृ
पतायहममजोग्यनहि पटुअप्पहुनहिं
ऊह्यप्रमानहु॥ २७ ॥पठईरानिनअकिव
हुनिअबतुमन्रृपअरिसिंहउदयपुर॥क
रहुनोंहिंसंदेहकछुधरहुराज्यअधिकार
भारधुर॥ २८ ॥इतमाधवजयपुरअधिप
भिनिबिगरेमरहट्टलोभगहि॥उनकोहो

निज दिग्गजप्रमल किय सुदेस स्वाधीन उच्चिल कहि ॥ २९ ॥ सत्वर यह कढु बत्त सुनि जयपुर सिरच्चर हहसजेज्ज्व ॥ पठयो बुंदिय पत्र लिखि त्वरित दरिल कढु वाहु भूपतब ॥ ३० ॥ करत भीरय हुल्लाल हे पूतना निजमम पास पठाव हु ॥ म रहहु न सन भंतरद्धि वाउन कोय हु कोपन ठ वहु ॥ ३१ ॥ सरपति इम पत्र सुनि च्चजित सिंह निज भुवभेजि दिय ॥ सहसपंच दल संग करि कुम्भ क्ष्धित स्वीकार सकल किय ॥ ३२ ॥ सक विक्रम धृति धृति १८१८ समय कुमर च्चजित इम वीर सिलह करि ॥ नव लायन बय बिच निडर भीर गयो जयनेर हलरवभिरि ॥ ३३ ॥ सुनि साधव भ्राति जब सु पुरच्च ग्ग री ति सबलं घि रुच्चायउ ॥ सुत्तियडुंगरि बार मिलि बिबिध सद्दि सतकार बधायउ ॥ ३४ ॥ इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूके उत्तरायणे दशम

यनेदशमराशौ॥उम्मेदसिंहचरित्रे एकपचा
शत्तमो ५१ मयूख:॥ ५ ॥ ५ ॥ ५
॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

प्रा०मि०॥दो०॥अजितसिंहभिल्लिकुमरइ
ममाधवसनसहमोद॥पहुँच्योडेरनआ
यपहुविरचतल्लरनबिनोद॥१॥कियअपु
छुमाधवकहियतुंदियपतियहचत्त॥मुनि
रनपहपरसीयसुतयेंहँ पठयोअनुरत्त॥२॥
कारनपायबिसेसकछुदक्खिनदलकियदे
र॥माधवसुनिरक्ख्योमुदितकुमरहहुनृपके
र॥३॥क्रीडाबहुआखेटक्रमदिनदिनम
हलदिवाय॥सम्मुहरक्ख्योतखतसिरमुनि
महलनपधराय॥४॥दयारामतेंहहुइ
जकियविन्नतिकरजोरि॥जयहरिलियलि
खवायजबन्दपसनलिखितनिहोरि॥५॥
तन्हेंकंजुसमप्पिहँहमतमकोंकछवाह॥

धर्मदिं श्रेकरयाद धुर्वांचें निरार्वगंधाद ॥ ६ ॥
लयोजनक तुमेंगेलिचिन उनिर्नंदन श्राप
गद ॥ आपसंभ श्रप्रक्कनगिलिसक्कुनिहि
तसनेद ॥ ७ ॥ कोमुकुकअभिंहातलेंदनि
दरदहुनगराज ॥ श्राश्विनकुरमडेसनेकारन
स्वामिनाथकाज ॥ ८ ॥ कुर्न्योगमोकुचिलान
श्रमुनाचार कुलिनपलित्यानि ॥ जैपुरपनिथह
सनिसि नाथअपेशानिनिरियलमुश्रानि ॥ ९ ॥
तकिलनपहनगिलोनुनविदुनानिमचनचि
कुजार ॥ सानकुमारतिं सिकर्निंदयमाथनकु
समनार ॥ १० ॥ नायपशानयजनकजिप
किथकुमारसलकार ॥ श्रकिथ्यदितांपेचु
श्रतरनडनलगीनाकुडजार ॥ ११ ॥ कमक
दिकनगनकुवश्रपनकुवसिरपानसुरसाज ॥
नामसचनडकर्मनिरनचकिचानमर्गहित
कान ॥ १२ ॥ श्रुकदेवाला उमरानानिमासरा ॥

पुरपसमत्थ॥लछमनताकोपुत्रलघुपकुच
अनिंदियसत्थ॥ १३॥त्यारामतेंहंअरजकि
यकूरमप्रतिपद्धुप्यार॥ कियतुमभेदकुमार
कोसंभरपतिसतकार॥ १४॥ नियमगिन्ये
ह्लितमोंहिंनहियातैंयेंहंकुंवरएह॥पेअब
संभरभूपतेंअद्धलिखावकुलेह॥ १५॥ज
यपुरकेंदफतरजबहिंलियमाधवलिखवा
य॥सुनकुरमछितिपालसोसुनिबेयोग्यसु
भाय॥ १६॥ रोला॥संभरपतिकेसमुख
कोसइकअावहिंकूरमकुमरसमुखअध
कोससुपुनिअावहिं सनेहसम॥कूरमडेर
नहड्डुजाततोरनलगअावहिंकुमरहिंपा
यंदाजअंतरहिंमिलिलेजावहिं॥ १७॥
नृपतिपरस्परदेहिंमिलतमस्तककरअानैं
कुमरहोयअतिनम्रयहहिंअाचारप्रमानैं॥
जानुजोरिन्नपजुगलरहैंइकतखतबरबर

वैठें सनमुख कुमर इक्क तस तहिं हित तत्पर
॥ १८ ॥ कुमर मोर छल होय उभय भूपन कुं
पर्जन्यहिं कुमर तास कर क्खिर हैं तस पिछि
रवरोलैं हैं ॥ पानदान सनमान भूप निज हत्
त्य उठावहिं कुमरहिं अप्पहिं स्वपत्तु केलि
कुल कल्याण पावहिं ॥ १९ ॥ मंगल गावहिं
मातृ उभय नृप उभय करनकारि कुम
रु अंग करहक्क अंतर लावहिं हित अनुस
रि ॥ पावंदा जहं तस अवधि भूपहिं पहुंचा
वहिं कुमरहिं गाहिय डोरि रिसिक्क वेदोसि विर
च्चावहिं ॥ २० ॥ इक्क गज दुव सिरुपाव
अरु दुव भूपहिं अप्पहिं कुमरहिं दुव सि
रुपाव नृप दुव देहित थप्पहिं ॥ इक्क मा
लव जिहिं अक्क अप्पि भूपहिं हित धार
हिं कुमरहि तासन अट्ठ अप्पहिं मोद विथा
रहिं ॥ २१ ॥ इम मइन केलि सिर पिर अन्तहल

एकुकौंरैं सबलीनीयहलिखाश्रीयद्फ़
तरमाधवतब॥संबतधृतिधृति१८१८स
मयमाघपांडुरपंचमिदिनइमबुंदियनिज
नेरश्रायप्रबिस्योकुमरनइन॥ २२॥ ॥
इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूसरूपेद१
क्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रे
द्विपंचाशत्तमो ५२ मयूख:॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥संवतनवससिधृति१८१९
समयमाधवकोउककाज॥श्रायोगढरन
थंभतैं हूबुल्योसंभरराज॥ १ ॥सचिव
तासश्रायेसमुझिगोबुंदियपातितत्थ॥
पुरखंडारिसमीपहुवसुपहुमिलेहितस
त्थ॥ २ ॥संभरनृपकेकुम्भसन सुभटमि
लंइकसट्टि॥उभयमिलतनृपश्रारिनको

न्नूरगयोसबनष्ट्रि॥ ३ ॥ दियलियगज्जतु
रगादिसबकियकब्बुदीहमुकाम ॥ इतउ
स्थिनृपश्रंगना मुख्यगईसुरधाम॥ ४ ॥
पहिलैंसककरवरवधृति १८०६ मरलहिपु
तिपदबैस ख ॥ ईडरपतिजाभोगिनी भरि
तुभेचकपारव ॥ ५ ॥ पुनिसत्रहधृति १८१७
सालमरुश्र हुन सेवकपाय॥ ऊदाउति
गतश्रसुभई हुहुदिनगदछाय॥ ६ ॥ श्र
बवसुससिधृति १८१८ श्रब्दकेपुत्रिमनचे
तश्चनेह॥ महिषीहङ्कुमहीपकीदियफ
त्तियतजिदेह॥ ७ ॥ खबरितातरवंडरि
हीपञ्चीसंमरपास॥ नृपकुबलरिवश्रनु
न्चितनियतिश्रंतरककुकउदास॥ ८ ॥
सुपकुदुकुनतत्यहिसुन्यों श्रबदरिवलद
लश्रात॥ केदाररुमाहजिमभिगघल्लन
संध्याघात॥ ९ ॥ सुनिसाथवजेपुरगयउ

आयउ रत्नपुरउ मेद॥ दिसदिस मन्विद किव
न दल भूपन सिरवत भेद॥ १० ॥ रोला॥
इत संध्या उज्जैन आय मालव निज बस कि
य अवन राय रहित तथ दाव मरुधर जित्तन
दिय॥ चिंतिजया को बैरखंड सजि कव्वकच
लायेयं हँस बन्नृपन वकी लइय सइनद्रुत
आये॥ ११ ॥ इमसवेगच्छ जमेर पत्तरन खु
ल्लिपत्ता कन बिजय सिंह सन बिजय लेन
किय मंत्र कजाकन॥ यह सुनि मरुधर ईस
भीरु बुंदियपुर भूपति बुल्यो दै दल बिहि
त मैं डिमेन्न न जुक्कन मति॥ १२॥ इत अ
तिभूतिधृति १९१९ अब्द असित सुचिछ
द्वि अरक सुत भूप भुजि प्याबकु रिजनिगसं
भालसिंह सुत॥ बलि मरु पति दल बंचि ह
कुं किय सहाय इत सम्मुह आयउ बिजय
सिंह बाहत प्रमोद चित॥ १३ ॥ दियडेरा

बुंदीससुर सागरतडागतटदक्खिन दलनी
देसुन लग्गपालि तिमहिं भट ॥ यहँहैं वकील
अज मेर भेजि मरुराजसामसन अहुलक्ख
हैं सम्मद्दो हुमिल्लयो मरहट्टन ॥ २४ ॥ तब
दक्खन हुंढार चल्यो दक्खिनदल सत्तरसुहि
सपुर भोजा दच्चारु आपन धनचत्तर ॥ खी
चपिच्छ वकछुत ताबुल्लि हूँडरपुरसन यहँ हुउ
स्वूंकुमरिन्ह्रमि धानमरु पच्चा हनसंभरकैं
हैं ॥ २५ ॥ श्रुतिभूतिभूति १८१९ आसाढ
नवमि अवदाततलानपर बुंदीसहिंसबिनी
दद्दई दुलहा निबिवाहिबर ॥ रक्ख्यो निज
आवासन्नृपहिँ सनमानिपक्खन्न यकुछ मु
ति दिनसुद्दहुँ नदे जिसिलपरखंडोद
श्व ॥ २६ ॥ पुत भेदन मोजा दहूत सुकोट
स सचिव गय अरवैसामका यत्थ मिलन म
रहट्टन श्रुश्रमय ॥ संध्यासमाहुँजिअबदनोधि

सुन पूरे अवसर लहि सभरम रूप सहाय
होन कारन अनेक कहि॥ १७ ॥ दैक छुट्ठ
नैं दम्भ मोरि जिम तिम भाह जिमन बुंदिय
उप्पर बेग प्रथित आन्यौं कराय पन॥ कटक
अचानक मुरारि चाहि हड्डुन दंडन चित अ
नौ बिबिध उम्म हिय मुदिर भट्ट बल हरु
सित॥ १८ ॥ डुंगर आतद किब निनसुनत
मरुधर तजि सभर आये बुंदिय अर हि स
न्यो डुड्डर चहि संगर॥ पुटभेदन प्राकारस
न्जि नाहत अरि आगम मानकु चत्तकम
तसधन घन भट्ट समागम॥ १९ ॥ चित
माह जिल हि चाह दौरि इत बपु दकिबन
दल बुंदिय सहसा बिटि किय उतो पनक
लकलकल॥ अरे बेराम दल अप्पि सज
कछुह्यो कोट सहिं सत्रु सज्ज दल सुनत च
ल्योद बल झुलद सहिं॥ २० ॥ अनतापुर

पतिअजितप्रथमजोहुवकोटापतिपट्टता
सयहपायअायबुंदियरनकियअति॥
संध्याकेभरिअवनबन्योंजयकारतासबल
जिह्मगलहिट्टुणजानिअकबुमारतमार
लअल॥ २१ ॥ इममाहजितअपनायबं
हिमाधवहरबुंदियसंध्याकोंसाबातसो
रकोकूलअनलनकिय॥ दंक्खिनपूरबहुव
हितरफतापनमच्चिलोपनकुलगोलनझा
कारलगेकोपनरयलोपन॥ २२ ॥ थालस
लिलगतिथरक्किमहीडुंगरडगमग्गतअ
तलबितलबसवानलज्झिसुतलपपथल
थ्यात॥ बनिबनिधननपिसुनबीररसबाह
तनारदथमिथमितोपनधूमसहज छावत
धनसारद ॥ २३ ॥ तुट्टननिजसिरतबरित
सूरनचंहेंहुंचहेंसिवइतमारनअरिअतु
लउतसुहिसनअनिलइव॥कालोरवप्प

रक्षतिनगोद्गततदपिनटनअहिमीवनदे
तनचपलकरकुउप्रवासपवनकहि॥ २४॥
सुरभिपरागस्तमानखेहरबिमधुपदृगन
खिरिअंधीकरतअनूरुसहितकर्द्दमबि
धायकिरि॥ तारागढसिरतोपलौंनकच
मालउतारतबंदीगिद्धनिबुल्लिसूरगति
गिरिहिंसिंगारत॥ २५॥ अक्कागलिन
जिमअटततिमिरफारतगोलेतिनतोप
अरितिकेतनुजकरहिंसंख्यापावनवि
म॥ देतनिसैननिदोरिसूरआरोहतकपि
सिरडतकेअसिआघालबाहुडारततिन्ह
बाहिर॥ २६॥ तकितकिद्विजनतोएसा
रबेधतअणुगोलनपद्धयतिनकेपालुक
तचुम्मतऊकऊलनन॥ धमकिखनंकतधृजि
धूलबलभिनपरखप्परबिछुरतजरिका
आरछारटप्परकउछप्पर॥ २७॥ भीरुनउ

रवछबिभाँतिनठत्तजलद्रंगनिवाननसोद
मररसबीररच्यो विक्रमयद्दुमप्रानन॥ जिरहि
निकेउरबिबिधभयेतपितपिमुनसंडलकै
जिमनलिखितकाँबफरसयोरवमदाहक
फल॥ २८॥ अहिकगोपुरउडतथंभमंड
एथहरावतगगनसिद्धगतिग्राबलोलच्व
ललकुलहरावत॥ माघजयोदसिप्रसित
पुंकससिधृति १८ ९६ सकअंतर माहजि
कौंमिलवायसज्यो बुंदियइमसंगर॥ २९॥
सुनियहदेनसहायकटकपठयोकूरमप
तिकह्योहडुजयकरडुहेतिबलकरडुस
तुहति॥ पामंड हडुपुरपहोयकूरमस
नानीरजाउत द्वारकादास भयोअभि
मानी॥ ३०॥ साहिपुरपउमेदत्योंहिंप
ठयोसहायदलसुतलघुमालिमसिंह
बिरचिसैनेसमहाबल॥ विजयसिंहम

रुराजजरदपिबुंदियर नजान्यौंभैजीतदपि
नभीरमूढकृतधनपनमान्यों॥ ३१ ॥व्य
दृपहरइतहडुभूपकटिबंधनखोलतफल
पलबिचप्राकारभटनललकारतडोलत
॥सुतकुवपृथ्वीसिंहभूपजैपुरपतिकिंनं
हंतासबधाईजिंगहोतआईबुंदियतहं॥
३२ ॥उक्कवताकोअतुलसुनतसंभरन
रेसकियमरनमंडिरनतुमुलबकुतदिन
कियनिसकहिय॥जान्योंतुदृतनोंहिंन
रबुंदियमाहजिजबअहरिसामउपायस
नपरख्योंनृपप्रतिलब॥ ३३ ॥कोटापति
कोकथितमन्त्रिसंगरयंहंमंड्योअप्पमि
लकुअबआयछुद्रसाहसहमछंड्यो॥
सुनिनृपअरिकृतसामचिंतिनयमिल
नबिचारियमाधानीभगवंतदुग्गरक्ख्यो
रखवारिय॥ ३४ ॥अकिबयहमकोंमा

रिनगरअरिलैनबिचारहिंतोभाईमरितु
मकुदेकुपुनिसबेदारहिं॥माहजिहितु
मिलापकियउत्थपनिकासियहैकहिअय
सुतोरनअबधिसमुखसंध्याकुतोरसहि
॥ ३५ ॥ हथजोरीकरिकुलसिजायबैठप
रिषद्दुवसापराधसंध्यासमेतहडुनबि
नोदकुव ॥ करनजोरितबकहियनम्रमा
हजिअगरनिजसुनिहितजुतसंभरकु
बिकचकिन्नेंदृगबारिज ॥ ३६ ॥ अकिब
यतुमकोटसकोटिलकोक्योंनइष्टकियसु
निजोरतससयनपिकिबपुनिलएबुल्लिय
प्रिय ॥ खरनीकैरकुदम्मचंद्रअालिकति
निदिन्नेहितअन्योन्यबढायलिदासरह
कुनकिन्ने ॥ ३७ ॥ याहिबरस१८१९कुंदी
सकेरसिरदारसिंहसुवईइरपतिजाउदय
कुमारिरानीअौरसहुव॥ कैनमारसुरवअ

सितपक्खसंगतअष्टमिदिनउच्छवतिहिं
खिनअतुलबक्कुरिबिरच्चियहद्दुनइन॥
३८॥कोटेसकुव्वाननबिगारिअतिस
यसटायहियअवरेवेरामसठसच्चिवसहि
तकोटाप्रबेसकिय॥बिजयसिंहमरुईस
सुखिद्दतहद्दुमहीपतिदीपकुमरिनिज
बहिनिताहिब्याहियमंजुलमति॥३९॥
सकृतिधृति १९२० मितसमाराधअव
दातदसमिदिनअतिहितकरिउच्छाह
लगनसझ्झियकबंधइन॥सालप्रकृतिधृ
ति १९२१ समयतीजफग्गुनसुदिबासर
ईडरपतिलघुसुतादीपसोदरब्याह्योबर
॥ ४० ॥जोधपुरहियहबिजयसिंहमरु
पालब्याहकियनामभवानकुमारिबहि
निउच्छवकरिब्याहिय॥याहिबरस१९२१
श्रीमंतमाधवरूदेहबिहायोपट्टनरायन

रावअनुजताकौनबपायो ॥ ४१ ॥ लिंहिं
काकारघुनाथरावपरबैरबिथारियतौंनें
जिंतबसरनइंगरेजनहुतधारिय। सकइ
हिं १८२१ कथितसमीपसाहआलमदि
ल्लीपतिदियअंग्रेजनअर्थतीनसूबास
ख्यमति ॥ ४२ ॥ बंगालारुबिहारतथा
उड़ीसाएयइनमैंतबअंग्रेजभयेहाकि
मजमातजय। खबासिरसाहरुहनिज
गतिजबजानीइतमरहीअंकिदईइन
कौंदीवानी ॥ ४३ ॥ प्रथमरुहेलासचिव
नजीबुद्दौलाकेभयदिल्लीतेंबचिसाहबं
गअंतरबचिबेगय। कछुहायनतेंहंकहि
मयोसुनिकथितरुहेलालहिमरहहसा
हायबियोदिल्लियलखिबेला ॥ ४४ ॥
नजफखानजिहिंनामजवनसोकियवजीर
जबसकलिअंतरसुनहुअधिकसमरामइ

हांश्रब ॥ सिवप्रसादमुनसीजुश्राहिश्र
धुनाश्रंग्रेजनजिहिंबकुग्रंथबनाइबिदि
तकिन्नैंछापासन ॥ ४५ ॥ जिनमैंइकभू
गोलश्रादिहस्तामलजानकुतेंहैंइन्हसह
बातीनमिलनसूचित १८२१ सकमानकु ॥
ताहिंमैंइतिहासतिमिरनासकप्रबंधकिय
तामैंपावनपट्टसाहश्रालमकोसकलिय
॥ ४६ ॥ सोहयदुवबसुसोम १८२७ किते
श्रंतरश्रबइकवकुश्रोरनमैंइहिंरीतिपरत
श्रंतरप्रभुपिकवकु ॥ मुद्रितकियइकग्रंथ
बिदितपंडितबंसीधरसोभारतबर्षीयश्र
दिइतिहासनामपर ॥ ४७ ॥ तामैंबैठनत
खतसाहश्रालमसकसूचियसोहयदुवब
सुसोम १८२७ प्रमितजानकुपुहवीपिय ॥
चढिघटिश्रंतरबिबिधलेखकारहिइम
लावतहैंतसदोसनहमाहिंलेखश्रनुसा

रलिआवत॥ ४८ ॥परिइमबत्तप्रसंग
अत्थबामकुल कहि आये बर्त्तमान अब वृत्त
सुनहु प्रभुसबनसुहाये॥जहँजवालमल
यालिहाय नसकु पिक्खबलुद्दी दिल्लियजा
यसाहथनकोरसहितसब॥ ४९ ॥ अब
अजनकरबिसल्लमर्यो दिल्लियरनअंतर
ताकोबैरबिधायकरियय हजहँजवाहर॥
इतिमबारिभटनसठनतसकरपनधाखोवु
दियजनपदबीचबिबिधबसुहरनबिथा
र्यो॥ ५० ॥ कुप्पितबहिबुंदीससेनसज्जि
यतिनउप्परलाये पकोरसीसोदकरिअसि
नरनिजतसकर॥निवसथदहलालगटल
टिदहराकेपतिकन्हा उलरकेदकियअब
रहुसागसकति॥ ५१ ॥ मुंडितडट्टु मुच्छ
करिरुडोरकाराघरपख्योमयनलगताउत
स्यामपुरसजोरिकर॥सुरहुनिरानअसिसिंह

सचिवपदयो निजबुंदियकन्हाउतनछुराव
नकाजउपायसनतिकिय॥ ५२ ॥सुनि
नृपतिनकौन्अरजचोरकाराबाहिरकिय
अद्दामितसबसौंहिंदम्मदमकेअलुब्धलि
य॥ अहरानौंअरिसिंहकथितकरिदुष्कर
कीनौनतोन्नृपहिंनहिंलोभधर्मरीतिहि
चितकीनी॥ ५३ ॥झंझोलाबीरबरनिनें
रनकनकपुरादिसबसद्दनलग्गेसंभरेसअ्रा
देसनकतब॥इभसंभरउम्मेदमुलकतस
सरसबमेटियकलिजुगबिच्चनयधर्मक
रिघोडवनृपज्योंकिय॥ ५४ ॥ दो॰ ॥अम
रगढपचकारपुरपकन्हाउतइन्हआदि॥
सनताउतपुरबीरवरानिझंझोलादिप्रमादि
॥ ५५ ॥रानाउतसकरगढपइत्यादिकत
जिभ्रहु॥आवनलग्गेदसहराहोरियसेव
नसह्नु॥ ५६ ॥नदनंतरखंवइराडकेमैंनन

अतिकियमान॥लुट्टनबुंदियदेसलगि छि ५३
रुज्जरकियथ्थान॥ ५०॥ हिंडोलीपुरआ
निकियमिलिमैंननअतिरारि॥ सैनसिंह
रूपोरहरनत्थस्सुतलियमारि॥ ५१ ॥

इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूसरूपेदक्षि
णायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेनव:
पंचाशत्तमोमयूख:॥ ५२ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

प्रायोमि०॥रोला॥लखसंभरनृपतमकिसे
नमैंननसिरसज्जियबैरिनमारनबाढ्ग
ढरवपरावगरक्खिय॥हरिगनिजकि
आमलंघियुत्थोरहुतऊपरमैंनेहैसतमा
रिथानकिल्लोंतरऊपर॥ १ ॥पुनिरक्खि
लियथेरिदुष्टतेंहैहनियइकसतबकु
रिलुहारीबिंदिट्टिअड्डरसुहीरनउद्धत॥

सजवकुप्पिच्यारिसतमारिमैंनैंजयमंडि
यगड्डोलीपुनियामखुंदिखग्गनसबखं
डिय॥ २ ॥दारिमरंगदुकूलमत्यधव
पत्तकिलंगियदुवगव्याकोदंडजुरतडु
डुकस्जिंगिय॥बंसुरिभयदबजातपिट्ठि
दुवधरतनिखंगनडारतफोजनफारिमा
रिकहारतुरंगन॥ ३ ॥इममैंनैंरनकर
तहनियंहेसलगड्डोलियआयोबुंदियबि
जयमंडिबंदियजसबोलिय॥मैंननके
सिरमैंनिनकेसिरदयेंकरंडनबधाईगवा
वलायोपुरलगतिनरंडन॥ ४ ॥सक
आहालिधृति १९२२ समयमयोयहरन
सल्लागमसेबनसबसीमारलगेरचिसन
तिसमागम॥याहिबरस १९२२ केमाघम
हाद्दसिमेंचक्कजुतदीपसिंहकेभयोनाम
सुरताणसिंहसुत॥ ५ ॥करिअगैंको

देसकथितमाहजियँहँरनकियनाथउत
उद्योतसिंहलब्धरिनमिलनकिय॥नगर
पगारौंछोरिस्वामिमन्नेमरहट्ठनसन्तुहोय
किय समरलूटिलीनैंकछुरट्ठन॥ ६ ॥या
बीकाकोबरवतसिंहमन्यौंनबधपतिद
योपगारौंताहिमंडिसनमानमहामति॥
अब्दविक्रमतिधृति१८२५अब्दमाँहिंउ
योतसुआयोनगरपगारौंलैनमृपप्रतिकथ
नकहायो॥ ७ ॥बुंदीपतितबकुप्पिसुभ
टपठयेतिहिंमारनमार्योआनिकजारम
ध्यकहितनअथकारन॥याहिविक्रमति
धृति१८२३अब्दमौंहिंकुलकरबधुछोरि
यतबतसनातीमालरावकुंदेरलरवतालि
य॥ ८ ॥सुनियहटौंकासाजनृपपठयो
सैंहँहितधनदुबहयदुबसिरुपावधक्का
जइकमानिमृखन॥ संक्रातिधृति१८२५

मितसालमालरावकुंकुलकर मृततबता
कोदायादनामतकूगहियधृत॥ ९ ॥रु
प्पयअतिकृतिलकवदयेश्रीमंतअरथदु
लइमगहियइंदोरलहीतकुवसुमंत्रजुत
॥रूपनगरपुरसुतासूपसामंतसिंहघरना
मकिसोरकुमारिइतसुव्याह्योनृपसोदर॥
१० ॥संकृतिधृति१८२४मितसाकबिर
चिउच्छववकुदिनतकव्याहबहादुरसिं
हकियउयहदुलहिपितव्यका॥ याहिसा
ल१८२४बिचनृपसपत्नजननीकछुगह
लहिबंसबहालापतिजाबपुदियछोरि
च्याधिसहि॥ ११ ॥बुंदीपतिमासुरिबि
हीनबनिप्रतकरमकियाइजनसुभोजन
दानदैरुनिगमो कसद्धिलिय॥ संकृति
धृति१८२४मितयाहिसालइतजट्टजवा
हरजैपुरऊपरजोरदैनमंड्योडारनडर॥

॥ १२ ॥ याको भ्रात सुभग्ग नाम नाहर कहु कारन आये जे सुरसरन नारि निज बिपति निवारन ॥ याकै होइक युवति रूप गुन अधिक अपूरब ताहि नवाहर जह लेन तको कामुक जब ॥ १३ ॥ इहिं तब जैपुर आय सरन कूरम पति को लिय माधवनग रनिपाइँको परगनौं ताहि दिय ॥ नाहर सिंह बितायकाल कछु तत्थ गयो मरि तब हि जवाहर कहियलैन ताको बहू सुंदरि ॥ १४ ॥ सो सुनि माधव ताहि भरतपुर लख्यो परावन छलीन तब जह नियउ चित तहँ न हिं मम जावन ॥ मो कौं वह गृह द्वारि कूर सक वाहिं बनिता क रियातें भजकुनौं हिं सतो जानहु हितपनु सारि ॥ १५ ॥ तब हि भरतपुर मांडि पत्र माधव प पठायो याकौं आवन उहाँ इहाँ नहिं नैक सुहायो ॥ जह जवाहर मल सुरसुनि पठयो प

तिउत्तरममबंधवमहिलाहिंतुमसुवाह
तरकवनधर॥ १६ ॥यहसुनिजैपुरईस
मन्निअभिसापअसहमतिनिकसाईवह
नारिगईबिखखायउचितगति॥इहिंका
रनअबअतुलबैरगहिजहजवाहरजैपुर
उप्परजोरदैनसज्जेदलदुद्धर॥ १७ ॥बि
जयसिंहयहजानिजहजैपुरचढिआवन
आयोपुष्करआरहिमिलनअरुमंत्रबनाव
न॥उदयपुरअरुआमेरज्योंहिंबुंदियसंडेजि
मसमताभिनिसतकाररचकरलिखिदलप
ठयेइम॥ १८ ॥जहजवाहरमल्लअडरअ
तिबलहोतुमजबलियउआगराछिन्निद
ल्लिदिल्लियप्रदेससब॥अबहमसोंतुमअ
यमिलकुपुष्करबिधायबलइकतखतबे
ठिहेंजरकारिहेंअरिमंडल॥ १९ ॥इमसं
कतिधृति १८२४ अब्दबंचिदलजहजवा

हरउज्जपुत्तिमादिवसमिलन आयो हुलं
पुष्कर ॥ मरुपतिताकेसिविरप्रथमपठुं
चोलहिसासनसिरकरधरिसमकालउ
भयबैठेएकासन ॥ २० ॥ चमरमोरछल
छत्तलगेहोवनसोउनपरपुनिमरुपतिके
सिविरजहदर्पितमाधवसुन्दर ॥ समताकोस
तकारकियउप्रबजिसमरुपतिपलटिप
च्छहोसजहकुवरुजुहद्दकुसंगति ॥ २१ ॥
तबसुजोधपुरनाहपत्रपठयेजयपत्तनमि
लयाहिगिनिदिमकुमिलकुबैठकुइकआस
न ॥ तबकूरमपतितसकियह पठयोपतिउ
तरमित्रहोयकिमपुत्वजहजेपुरकोकिंकर
॥ २२ ॥ सेवनआलसदेवापिकियहमरेप
रवानांमममतताकेमिनरावरजातुममा
नां ॥ सुसुनिजहदियपत्रओलिजयपुर
लिखिआडीदोयपरगनादेकुलसहिसाह

रीपहाडी॥ २३ ॥रचक्कुनतोअबरारितुम
हिंदंडनहमलक्कृतसुनिपठयोनिजसेन
कुम्मअक्काहिंरजढक्कृत॥तबमाउंडाखेत
मिलेजहरूजेपुरदलफैलियहेतिनफाग
रागसिंधुनकोलाहल॥ २४ ॥इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने
दशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेचतुःपंचाश
त्तमो ५४ मयूखः॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥कटकईसकछवाहकोधू
लापुरपद्दलेल॥लघुसुतलछमनजुत
लग्योरवंडनमंडनरवेल॥१॥दलबरवसीगुरु
सा हिकुतसद्विवबीरहरसाहि॥एकुखरे
रक्षीअभयचंडकरनरनचाहि॥ २ ॥इत
तेंजहद्दूउप्परयोतोपनबिरचलताय॥भट

किरंगिडारतभयोसमरूकापिलकाय॥३॥
॥भ्रमरावली॥करकिकरकिकोपतरकि
तरकितोपलरकिलरकिलोपकरनलगी।
वरखिकरखिकन्तिपरखिपरखिपन्तिहर।
रखिहरखिसन्तिहरनलगी॥समरलरवन
भ्रायभ्रमरगगनछायभ्रमरसुमनभायनि
करजुरेसरजिसरजिरोकलरजिलरजि
लोकबरजिबरजिभ्रोकदिगनदुरे॥४॥
बढिगदरितबीरबढिगदरितपीरचढिग
दरितसीरकहिरची।सिलतउरनसेलमि
लतफुरनमेलढिलतखुरनठेलमलपमची।
॥पिलतचुरनभेलमिलतछुरनमेलखिलत
सुरनखेललरनलगेहरखिहरखिहरपर
खिपरखिपरकरखिकरखिसरररनलग॥
५॥गहतगवरिगैलबहतगिरिसबैलसह
तभरनसैलकहतफैंबहतमटनदैलद

हलमनुकितेलमहतफबतफैलअगनि
अवैं॥ त्रिकसित्रिकसितेगबिकसिबिक
सिबिगनिकसिनिकसिनेगअसुनलहैंरय
हिरपटिराजिऊपटिऊपटिआजिद्पटिद
पलिबाजिगजनगहैं॥ ॥सरतजहरसू
कटरतअहरहूककरतकहरकुककुपक
रेखिसी रिखर किहत्यचित्तकिच्चिसकि
मत्थिसिसकिसिसकिसत्थडुरतदरी॥ छल
तत्रिसिरवघाय घलतत्रिसिरवघायकलत
निसिरवकायभटनकितेपकरिपकरिघाय
जकरिजकरिकायनकरिनकरिहायजपत
जिते॥ ९ ॥मचकिम किमुंडलचकिल
चकिमुंडमचकिमचकिरुंडउच्छटिअैंटेमर
कमरकिमेटरवरकिरवरकिरवटधरकिधर
कि टफलकफटैं॥ खटकिखटकिखगाच
टकिस्टकि भलटकिलटकिऊग्गमुख

नगेरैं झ्पटकिझ्पटकिइहगटकिगटकिगि
इछटकिछटकिबिइबिसिरवधेरै॥ ८ ॥(
भटकिभटकियुम्मिझटकिझटकिझुम्मिपट
किपटकिमुम्मिछुटनघसैंबटकिबटकिउ
डझटकिमटकिलुंडरटकिरटकिझुंडझुलसि
हसैं॥बिरचिबिरच्चिबानभिरच्चिभिरच्चिमा
नकिरच्चिकिरच्चिकानकिरनलगेललकिल
लकिलालझलकिझलकिहालखलकिख
लकिखालफिरनलगे॥ ९ ॥झनकिझन
किझेरसनकिसुरभिझेरभनकिसुटिनभी
रभ्रमनलगेतरसरवयद्दरसैतपरसरयद्धेत
दरसभयद्देतलमनलगे॥दो०॥जयपुरद
लञ्जुरुजहदलरच्चिकछुतोपनरारि॥श्रौचि
निलिपुनिञ्जसिनइमझुकिझुकियारनझारि
॥ १० ॥प्रकृतिः॥सचिवमुख्यखत्रीहरसा
हिअरुबखसीगुरुसाहि॥मिलिञ्च

थिवीरजहबक्कुमारितटिगिरेमारततरवारि
॥ ११ ॥ छप्प० ॥ खूलापुरपदलेलसुपकुकूरम
सेनानीअतिजवहयनउठायमिल्योजहन
बिन्चमानीसिविकादंडसमानकरेबक्कुच्च
रिनारिनकर ॥ सिरताकोलहिसुभगकुलसि
किन्नौंमूरखनहर संक्रमिनिसंकतोपनसमु
रचकातरबन्चरंचनकथ्योभलभलदलेलज
यनैरभटरनबिचबनितिलतिलरह्यो ॥ १२ ॥
दो० ॥ लच्छमनयाकेपुत्रलघुराजाउतरन्वि
रीस ॥ अधिकउथपियअरिनअसुसिवहिं
समप्पियसीस ॥ १३ ॥ पा० कु० ॥ सांवलदा
सबंसिसेखाउतनामगुमानबंदिबिरुदन
युत ॥ सोबढिलगरपचाहस्वामीनिडरल
रयोभरलकविगुनाली ॥ १४ ॥ सीकरपतिसि
वकोकानिधृतुतगुथ्योतिमहिबुधसिंहहर
सत्तुत ॥ उद्दहभिमारबक्कुच्चरिनारिनत

नगिनिबपुलग्गोलरवारिन॥ १५॥ सेरवाउ
तमुँउनुपत्तनपतिनवलसिंहभज्ज्योदिल्ल
तनति॥सेरवाउतसिवदाससिंहगुनिध्यानु
तापतिपस्योरवग्गधुनि॥ १६ ॥सेरवाउतमुं
डगामइनरघुनाथकुतुद्योतरवारिन॥
कूंतावापतितिमनाथ्थाउतनाहरसिंहपस्यो
रनराउत॥ १७ ॥महासिंहकलमंडानायक
सुरतानोतपस्योघनघायक॥जयपुरकेइ
त्यादिसुभटबहुपरेबिहायंदेहसंगरमहु॥
१८ ॥स्वग्गनऋमितजदृभटसाथेभीरव
चेतिन्हमारिभजाये॥छिज्जतकटकजइ
पयछुट्टेतगनपिक्खिसिपाहनलुट्टे॥ १९॥
रामरूस्योफिरंगीसम्मुहतोपलडितजारत
ऋरिभूरुह॥गोलनकूरमकटकगिरायोप्र
मुहिँभरतपत्तनपहुँचायो॥ २०॥षट्प०॥
तरवतछत्रऋरुतोपकोससलुइकछवाहन

भरतनैरगयभञ्जिजहमरवाममिपाहन
जितेकूरअजोधनागजहनगिनिनाहर॥स
भरूकेनअुसंगजायपकैरैंहिजवाहरसं
कृतिभुजंगससि१८२४मानसकहेमंतक
यरजंगकुवजयनैरबिजयजहनभजनभ
ईविदितअवाजभुव॥ २१ ॥इतिश्रीवंश
भास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश
मराशौउम्मेदसिंहचरित्रेपन्चपंचाशत्तमो
५५ मयूख:॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥इहिंरनदैनसहायइतब
हातनयबुंदीस॥पठयोजैपुरपुब्बहीमारन
जहमहीस॥ १ ॥ष०प०॥राजकुमाररनमैं
हिंनाहिंमाधवजावनदियजीतभईपुनि
जानिकालअवसरउच्छवकियनाहरगढ
अमैरअादिनिजदुर्गदिखाये॥नानास

५६ हलसिकारविरच्चिअतिलाडब्बहरेकुकि
माघबिसदपंचमिदिवससद्दिगजनआ
रुहिसभटबुंदीसकुमरसुतफागखिंचि
डियडारियलाबघ्घट॥ २ ॥कूरमनृप
पुनिकहियद्धुल्लिबुंदीसपुरोहितराजकु
मारहिंरकिलचहतब्याहनमेरोचितअंक
रुलायअपधीससुतालैलगनदिखावहिं
॥बनिहमरसुरविवाहिचतुरकुमरहिंप
ढुंचावहिंद्विजदयारामसुनिकियअरज
हैअतुलितमबदीयहितपैइमनहोयउप
यमप्रथमबुंदियसनब्याहनउचित॥ ३॥
दो०॥रहितदलंतरसिसिरऋतुफग्गुनखे
लतफाग॥कूरमपतिसंभरकुमरअतिमं
डियअनुराग॥ ४ ॥बलिमधुमासबसं
तबिचबहुबिधहरखनिधाय॥कुमरहिं
लाडअनेककरिरक्ख्योकूरमराय॥ ५ ॥अ

तिक्कुतिधृति १८२५ हायनलगतपुत्सिम
नैमिकपाय ॥ कूरमपतिलहिरोगकछुबि
सहदिन्नबिहाय ॥ ६ ॥ ताकोसुतजेठोत
बहिपित्थलबैठोपट्ट ॥ अजितसिंहहित
सिक्खअबदिन्नीतिंहिंबिधिबट्ट ॥ ७ ॥
इकनगमुखनाहिरदइकदुवहयदुवसि
रुपाव ॥ करिइमनज्जरिकुमारकोभन्योगि
नकुलितभाव ॥ ८ ॥ षट्प० ॥ अजितसिं
हकुंदीसकुमरइमचलिअसिक्खकरिसं
गानेरसिकारखिल्लिहंकियरंहसधरिरहि
यन्चढुसुवरन्निबकुरिदेरकुचबिरच्चिदुत ॥
बुंदीआयउबीरसमरपंडितभटसंजुतपरि
जनकपयनमंडियप्पनतिकुसलपुच्छिअ
सिक्खकहियअभिमन्युलखतहरिभामह
वगुरुप्पमोदभूपकुगहिय ॥ ९ ॥ दो० ॥ त
हकुमरउपयमउचितलखिनृपलगन ।

लरवाय॥पठयोब्याहनकृष्णागढनकुलबर।
लखनाय॥ १० ॥अतिकृतिधृति१८२५सक
अगमनसप्तोलगनसुढार॥तिगराथअव
सातितिथिउदितबारअंगार॥ ११ ॥सुभकु
मडाढुरसिंहकीकन्यासुजनकुमारि॥अनि
तसिंहढुंढीससुतनवलबिबाहिसनारि
॥ १२ ॥ष०प०॥दंपतिनलदमयंतिपुत्र
पतलिनितांतप्रियमनकुसचीमघवानक
न्हरुकमिनिमिलापकियबासवदत्तावछ
राजगिरिजागंगाधर।अवनिसुतारघुइं
दुइलहिसज्ञारुदिवाकररोहिनिसुधांशु
पंचेषुरतिपितिलिपिलावैकुंठपतिरह्नारिह
डुरसनियरमनह्समदियअनुरागअति
॥ १३ ॥दो०॥आलसुजिअजदरमपरसी
यनामसंग्राम॥सोहसुतासिरदारकीअ
ह्योसंगहिबाम॥ १४ ॥अभयकुमारिअभि

धानयहजननिभुजिष्याजात॥इमबिबा
हिंश्रायेउभयबुंदियविदितबरात॥२५॥
ष०प०॥याहिबरस१८२५इतसुक्कमास
मरुपतिजेठोसुत फतेसिंहअभिधानगयो
श्राहनकोदाक्ुतमहारावतनयासुरानज
गपतिलनयाजा॥हड्डीकुलहनिहत्थरु
सिरग॥हिंदुल्लहराजाश्रायोसुतदनुबुंदि
यनगरन्रपरक्खियश्रतिलाडकरिबासर
बितायपंद्रहप्रमितबिदाकरियहितश्र
मितधरि॥२६॥याहिबरस१८२५श्राष
ढबिसदश्रधृसिरबिबासरसुपकुभुजिष्या
सूनुनामसिवसिंहबीरबरमरुपतिबिज
यरबवासिसुताश्रादयपद्मावति॥जायन
मरजोधपुरपरनिश्रायोजिमरतिपतिभव
रतुलकञ्जतदंदमचिलेनद्धरितफलसमय
रहिश्रीरिसिंहरानसनभटश्रखिलफुहेक

छुकफरेबकहि॥ १७ ॥दो०॥उद्धतगिनि
अरिसिंहकौंमिलिसुभटनकियमंत्र॥काहू
कोइकअनिसिसुसोकियरानस्वतंत्र॥१८
॥रानीझलियकेउदरराजसिंहसनजात॥
रतनसिंहअभिधानयहकिन्नोंइमविख्या
त॥ १९ ॥झल्लाभटजसवंतनिजगोघुंदा
पुरनाह॥तनयाअक्खिहियअगतसराजसिं
हहितराह॥ २० ॥सुलताकोयहथप्पिसि
सुरतनसिंहरचिनाम॥मातामहजसवंत
कुवकरनमहअयकाम॥ २१ ॥षट्प०॥
गोघुंदापतिझल्लमिल्योजसवंतमद्दमतिस
गताउतनसमेतपाणअक्कमभिंडरपतिद्द
वगढपजसवंतरल्लनुराघवनिजसंज्जुल॥फ
तेसिंहचकुवानडुंगकुद्वारईसद्भुतबघअनु
रेसभटमेघबलिअग्रेसरएपंचकुवबहबा
लजायकिन्नोंअधिपधरिगदकुंभिलमेरु

मुख ॥ २२ ॥ दो० ॥ देवपुराहोतेंहँबनिककि
ख ॥ सोकुमित्यो सिसुमाँहिँसठ
हानिधरम्मकारिहंत ॥ २३ ॥ समरसिंहराउल
नृपति दिल्लियजायउदग्ग ॥ भगिनीपृथ्वि
यराजकी पृथ्थाबिबाह्योअग्ग ॥ २४ ॥ त
बतावकसायज दियेएकुबनिकत्वकुवान ॥
रहेकुकम्मभ्रकुगतसदाअबपलटेअघवा
न ॥ २५ ॥ जिंहरानांअरिसिंहनेंधरेदम्म
हातिलक्ख ॥ तिकुनदिन्नेंद्रोहतकिप्रबल
बंधिपरपक्ख ॥ २६ ॥ रायसिंहरुल्लासुम
टनगरसादडीनाह ॥
राघवदेवसचाह ॥ २७ ॥ पत्तनसनराउ
बमिलेभटल्लहिकछुसिसुभेट ॥ उभयरहे
अरिसिंहमेंसल्लमारकुआमेट ॥ २८ ॥ ॥
छ० प० ॥ उदासीनभटइतररहेप्रकटनअ
निमिर

आयुधकसिउदयनैरदियआनिघेरतोपनक
रालघन॥फैरनपररचिफैरज्वालयाकुलकि
यक्कुरजनतुहतनिपानफुट्टतनिलयगहन
ग।दछुहतगहनप्राचीनबरहिपुनमनछु
तजियबन्हिबिटपनदहन॥ २९ ॥इति
श्रीवंशभास्करेमहाचंपूरूपेदक्षिणायने
दशमराशौऽस्मेदसिंहचरित्रेषट्पंचाश
त्तमो ५६ मयूख:॥ ० ॥ ० ॥ ०
॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ०
॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ०
प्रा०भि०॥ दो० ॥इतकुलकरतकूअंडर
आयोहिंदुसथान॥आगमधरवफगुन
असिततसअतिकलिधृति १८४५मान॥१
तकूपैंहंबुंदीसतबसबटौंकाबिथिसाजि
॥पठईकुलपहिरावनीबलिभरवनगज
बाजि॥ २ ॥ष०प०॥ अहिवत्सर १८४५

बिचअजितसिंहबुंदीसकुमारकुसुनिज
नपदनिजसोरबित्तलुहृनमैंननबकुचब्बो
कुपितचकुवानजनकआदेसपायजोंहूं॥
बारहखेटनबिंटितापदियअतुलउग्रतं
हूंकरिकैदअखिलतसकरकुमतिकारा
बिचडारियकुमरजयाद्विरदबंधिआलान
कुजधन्यधन्यकुवसकलधर॥ ३॥ दो०॥
हूंकुमरिअरुअजकुमरिजननिभुजिष्या
जात॥दुहितानिजबुंदीसदुवब्याहिय
हतबिख्यात॥ ४ ॥ अजितसिंहमरु
ईसकोसुतलघुहोजुकिसोर ॥सुभमति
तासरख्वासिसुतजैलसिंहरनजोर॥ ५॥
दुहिराजगडसनबिदितबाहिअतुलउ
च्छाह।दुहिताअजकुमरिसुदईरचिबि
बाहहितराह॥ ६ ॥नगरकरोलीनृपत
नयकुसलसिंहससेय॥सुतताकोजयसिं

हसोपुनिबुल्योपप्रभुप्रेय ॥ ७ ॥ इंद्रकुमरि
ताकेंहैंदर्इस्त्रखिलसिद्धिस्त्रवधान ॥ व्या
हजद्रव्यस्त्रनेकदियचित्तउदधिनक्कूला
न ॥ ८ ॥ कक्करिबहादुरसिंहस्त्ररुस्तोय
कुमरसिरदार ॥ गग्गराडव्याहेउभयलग
नरीतिइकलार ॥ ९ ॥ बिक्रमसकपंची
सभृति १९२५ पंचमिमाघवलच्छ ॥ दनु
जपुरोहितबारदिनउदयरासिलियस्त्रच्छ
॥ १० ॥ बखतसिंहरावतसुताचंद्रकुमरि
स्त्रभिधान ॥ परनिबहादुरसिंहलियति
यरुक्मियमतिमान ॥ ११ ॥ जोरावरराउत
सुतास्त्रभयकुमरिगुनकार ॥ कुलदुनिष्ट्र
लगंदिदैसोव्याहियसिरदार ॥ १२ ॥
कुमरबहादुरसिंहहितदयोतक्कनुनृपदा
य ॥ नगरगोरडाजुतपटास्त्रसीसहसमित
स्त्राय ॥ १३ ॥ सुतकनिष्ठसिरदारहित

दियतदनंतरदाय॥पुरोहुधारीजुतपदा
च्युतलिखितमितआय॥ २४ ॥सकआ
तिकृतिधृति१९२५प्रमितसमपिकियउचि
तन्हपमास॥थंभायतछठ्ठोकियउमानिक
रामसुव्यास॥ २५ ॥प्रथमपुरोहितव्यास
पुनि एरलमट्टुवजानि॥त्योंहीचारनभट्ट
पट्टुवसम्ब्यस्थवखानि॥ २६ ॥बारियति
म्रूमा मिलिउभयअधमरआहि॥ब
हतनृगतिबुंदीसकीथंभायतखटचाहि॥
२७ ॥ प०प०॥रानभटनइतरचिफरेब
रतनेसरानकियसजिपचंडनिजसेनउद
यपुरआनिबिटिलियअधिकरानअरिसिं
हजंगलनकुवआकुलजब॥जालमअरु
कोरिकीलपठयोअवंतितबअरुआगरअ
हमदाबनिकइनदोउनदुतजायतिल॥
पदवायअजश्रीमंतपहँलियआदेससह

यहित ॥ १८ ॥ सुनतअरजश्रीमंतलि
खिदियकुमारउज्जेन ॥ राघवदेलासनकी
कछुभीरसलहैन ॥ १९ ॥ पायमोयाम्र
सहतअरावललिखिपठपत्त ॥ जिमहिबीर
देलाजवनतेदुवसद्धियतत्त ॥ २० ॥ पढ्ढ
हसें हैसम्मनीरापतिमोउनसुकरदिखाय ॥
कछ्ञाजा लिमसिंहलै हैकियरानसहाय ॥
२१ ॥ छप्प० ॥ अरौंठूणअमिरुद्धसमयरु
छामरमाधवनजिजनपदगुजरातहूतसुथ्य
थोदलितिमथतिजबसबकुटुंबनिजसंगहिरद
सिविकारथजेदर ॥ कुंदियअवतदेरसे
समुहनृपसंभरसिरकरलगायमिलिमौसि
सनरक्खियतबकछुदिनरहियपुनिजान
अरजवियतबसुपठ्ठइसजायरकेसिकरहि
य ॥ २२ ॥ दो० ॥ कोटामाधवकछ्लमयल
दनुदियअनुसार ॥ रामसिंहकोटेसयहर

कियसहसतकार॥ २३ ॥रामसिंहजाज
चमख्योभीमभयोजबभूप॥ वानैंहूमाधवय
हैरक्ख्योहितअनुरूप॥ २४ ॥पा०कु०॥
माधवकेसुतमदनसिंहकुवदुज्जनसल्लसु
सचिवकिन्नधुव॥दुज्जनसल्लमितुजब
पाय्योतिहिंअनतासनअजितबुलायो॥
२५ ॥पृथ्वीसिंहमदनमल्लासुतसत्रुस॥
॥सत्रुसल्लविनुसुतब
सुतजिदियतबतसअनुजगुमानपइल्लि
य॥ २६ ॥पृथ्वीसिंहमल्लसुतजालमयह
हुंहैंजांहिंअबआलम॥ताकेकछुकोटा
अनरवभईसुरह्योनतत्थअब
॥ २७ ॥छोरिगुमानसिंहकोटापतिउदय
नैरअआयोप्रपंचमति॥सुअरिसिंहरानकुस
नमान्योंअतिहितजायसमुरवपुरआन्यों

२८ ॥ ०ग

कैसुतअज्ञाननामकुव॥ताकीसुतअब्धिहि
नालमकैँहँमसनमानिरानरकिवयतँ
हैँ॥ २९ ॥वयोराज्यउपटंकमुदितमनपु
निभरिव्हिसारवेड्डुपरगमान॥सोजालमयेंहैं
रानसहायकलैमरहट्टपटंकरनलायक
॥ ३० ॥ छोरिअवंतिसामिहितछायो।
आरचंदमल्लजुतआयो॥अगरचंदको
जनकंअभयजनवीकानेरलूणहिंलिखदैत
व॥ ३१ ॥ मंडनमहतियजुतभजिआयोत
कोसुतयहरानवधायो॥इतरानकुरलहि
तकोलिंवधोरकेवजनवनसैंहैंसरलटसंयो॥
३२ ॥ दो॰ ॥ आयेउलटजैनतैंसुनिमरह
हसहाय॥एरतोरानहुपिलयोदलजिगनि
लनदाय॥ ३३ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहा
चंपूरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मेद
सिंहचरित्रेसप्तपंचाशत्तमो ५७ मयूखः

॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥

॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥ ० ॥

० ० ॥ हरिगी० ॥ पुरसल्लमारिपतिभीम
भ्रातपहाडलैदल्लनिकस्यो अरुफतैसिं
हकुव्वौंडहरस्थभेटपुरपलिउल्लस्यो ॥ धा
योरपतिरठ्ठोरभोरमदेव संग हिसज्जयो
रठ्ठोरअक्करस्यसिंहतिमबधनोरपुरपति
गज्जयो ॥ १ ॥ बनहडापतिनृपरायसिं

हडूर

स सकुमानवसिंघउज्झल्यो ॥ बिजोलि
पतिसुभकर्ल्यो परमारस्रासिंघरंगहो
बलिचोंडवंसियभैंसरोरपुरेसमानक्रुज
भल्यो ॥ २ ॥ इत्यादिसूरसिपाहसंधिल
लैउदैपुरतैंकढेसहरूझल्लजालमसिंहद
क्खिलबीरवेउतलैंवहे ॥ दुर्कें घोरघ्रात
मूर्तोकलसि

१० चोरकौंकछुभेदसौंलहिदुग्गमैंदृढ़छैसजे ५८
॥ ३ ॥दोला मिंयाँमरहट्टराघवउँदैपुर
मैंरहिछलबालकैअतिपालजोतिनकैन
नैंकअधैनहै॥ छहिँबीचमाहजिसंधिया
पुरीचोवृंदीतिच्छानिकैंतोहनाव
कौसिसुपन्छकेभटभीरलैनप्रमानिकैं॥
४॥चित्तौरउदैपुरतेंसिंहहि दैरले
सिसुकौंचलेपुनिचौयसम्मुहसंधियाइ
न्हलैगयेपुनिहिछले॥तिनबालमाहजि
अंकमैंधरिहोसरायहैकहीसुनियोंउ
दैपुरैनकीइहिंजामाहजिंहूनही॥
५॥दोलारुरायचहैउदैपुरलौंयहैतिन
कैसुनीसिसुपच्छलागियसंधियाच्छव
सेनसज्जकुलीनसुनी॥हमजायकैंछलमें
चमैंतिहिलेरुसत्वरमारिहैंगहिबालजो॥
अरिरावरोतिहिँकैदच्छालपठारिहैं॥६॥

॥इहमंत्रराघवरानकेइतयोंउदैपुरमैंभ
योसबदच्छदूतनभेजिकैंयहजानिसाह
जिहूलयो॥दोलारुराघवकेकुटुंबकुते
अवंतियमैंजहाँकरिकैदपुत्रकलत्रको
पितसंधियाकुसज्योतहाँ॥ ७ ॥यहजा
नियअरिसिंहकोदललैउदैपुरतैंचले
खुरतारबाजिनमारमत्थहजारआलुक
केहले॥पहरातलोहितरंगकेतनमत्तह
त्थिनपैंधरेवटअंबजंबुकदंबज्यौंकुमुदा
दिअग्गिनपैंखरे॥ ८ ॥डगमग्गिसेलन
अंगत्यौंभरभंगतुट्टनकेलगेसबत्रेनसंक
तसैनहंकलनैनसंकरकेजगे॥चढिसिंह
कालियसंगआलियगैनगिद्धनिबित्थरी
गरुडंद्विअवंतियर्योचमूअरुहल्लजिलन
कौंकरी॥ ९ ॥उलतेंकुमाहजिसज्जकै
सिसुपच्छकेभटलैचल्यो॥जिमजेठसूर

जतावर्यों नरकावतो पनकोवढ्यो ॥ हुंकै
रकै नरबाजिकुंजरअंबभैं उडनैं लगे खिल
सोकगोलनलोकघायलघुम्मलेनधेनैंल
गे ॥ १० ॥ श्रुतलादिभ्रुपुटक्कैधरत्थरत्नी
रसिंधुनतैंहल्यो दिग्धेनुच्यो रकुएनलो
निकिफन आननपैंफल्यो ॥ च्युसद्वनु
यिनिजंगच्चलरतासमंडतरंगमैं महतीब
जावनहारकृकलिकारघुम्भतसंगमैं ॥ ११
आरवाढ्यारुतरवेहसम्मितधूमछादित
लोकभ्रांतमथेकरोकनच्योकच्योकनको
ककोकिनसोकभो ॥ जलआतपोमिनपात
ज्यौंभुवसेसकोरसरपैंनकैंकालीयपन्नगमो
रपैंजदुनाथतंडवज्योंरचैं ॥ १२ ॥ हनुमा
नपावकलंकज्यौं दियज्वालज्यौं नभभि
त्यौंरनगरीअवंतियमैंकुमानवज्रहरक्ल
सज्यौं जरैं ॥ सिप्रानदीलगिलोयलइनन

कृरवयनअवटेजिमलोहकपरैलेलमैं गनधूंम्केखगलावटे॥ १३ ॥इमहोतलो लनजंगगोलनसेनमाहजिकीलचीछ लखालकीलबकोजहोयहरोलरारिभली रची॥कछुकालतोपनज्वालयोंरचिबग्ग भाजिनकोलईद्दकुंऔरधीरप्रबीरमिलि भटभीरसम्बलकोभई॥ १४ ॥कुलबाल कोदलसंधियालहिबोचसत्तुनकैंभयो करबाललेततकालअंबरजालअच्छरि कोछयो॥कटिमुंडलुंडकपालकंठलला लकफिरनैंलगेबानिभत्तपीवनरत्तफरव फेरवीफिरनैंलगे॥ १५ ॥भटऔंचिकान जस्टतबाननलेतप्राननसोधिकैंअतिको पकुट्टतरोपकुट्टतटोपसंजुतगोधिकै॥त खारिनाकुललगिहोतउपेन्द्रमन्दिररु क्रीनसजालसुंबतदेहदारितजानिअं

वरबल्लरी ॥ १६ ॥ उलटैं तुरखार प्रहारतैं
[illegible] जरथ [illegible] छुटैं फरकैं कलेज रु फिप्फ [illegible]
[illegible] निके फटैं ॥ घटके [illegible] के
लौं [illegible] पटके न पलटके परैं [illegible] के
[illegible] कलटके भये ॥ १७ ॥ कहि [illegible]
[illegible] भट्ट [illegible] तियउ [illegible] लैं घन
[illegible] नौं करका चलैं
॥ [illegible] गोलिन [illegible] के [illegible] तुराज मैं [illegible] लि
रज्यौं [illegible] सि [illegible] भारत [illegible] रत दबिति
त्तिरखानज्यौं ॥ १८ ॥ छिकि पारतैं भरनार
लोहित धार [illegible] परैं [illegible] रुनो [illegible] स
[illegible] न [illegible] जनु मंदरा [illegible] लतैं ढरैं ॥ [illegible]
[illegible] नेक मयूर सावनमास ज्यौं [illegible] ज्या
लनमैं [illegible] पबय घास ज्यौं ॥ १९ ॥
फटि धायसोनित गैंनमैं चढि जात जावकजं
ज्यौं भरि विप्रेत धीरन के [illegible] सागर [illegible] डार

तम्पुंजज्यों॥ अतिजोरतें दु कुंअ्मोर घोरकटार
केकटपैंबजैंहमगीरथीरनको बढैंतहेंनीर।
भीरुनकोलजैं॥ ऐसवारकेकउडायअबन
हत्थिहोदनपैंअरेपवमानकेरथभानकेहय
मानसोंन्हरुज्योंखरे। प्रसरैंफुलिंगरुरैंसुपाव
कहेतिहेतिनसोंघसैंलगिअंतलुंबतपंसु
लीजनुनागचंदनपैंलसैं॥ २१ ॥गिरिढाल
लोहिततालचक्ककुलालकेनिभकेभ्रमें
तिनपैंपरें फटितुंडकेकटिमुंडजेकुटज्योंज
में॥निकसेंअलोहितसानलीढकलंबरीढ
कतोरिकैंमनुफारिसेवलमंजरीसफरीउडैंज
लछोरिकैं॥ २२ ॥भटमत्थकेदुवहत्थलेअ
रिमत्थयोंपटकैंगदासुमकीनिकारनलड्डुमा
रनकीगंवारनकीअदा॥भटप्रानछुट्टतसा
सछुट्टतकेगिरेहिचकीभरेंतुतरातबेनफिरा
तनैंनकिराततेंमृगज्योंकरें॥ २३ ॥कतिकारि

कत्तिनकौंनिरायभिरायछत्तिनकौंमिलैंमनुमि
नहंतहबालकेचिरकालकेबिछुरेमिलैं।।मुटि
कारुगोलकसिल्पकोबिदकेकमंडलत्यातुरि
बिसिखाकनारकनायकेकौंबिधिसौंबसावतजो
पुरी।। २४ ।।बिक्रमातगातडरातदंतनहतभू
तलहूसेपरैंपटुसाकहैरतसेनपालकनेमजेनि
करेपरैं।।उडिजातकेबिरुपंघमलकलंब
मानसिखावथैंखनिमालिनीजनुगैंदखेल
सपन्नसूरनकेकरैं।। २५ ।।सनईतिकारकसा
लभीततिरूपञ्चंबरउल्लसैंअरभीतिकारक
कालभीततिगंजगोलनकौंग्रसैं।।कतिनध्य
जाननधुंरबबाननबालकाननतौंकरैंभ्रमस
ल्यहत्यसगव्यकौंतहैंसव्यकातरउच्छरैं।।२६
गजगातठेलनसंगिसेलनब्यालपैठतथौंलसैं
गनुवज्रसंगहिबीजुरीधकिस्यामबद्दलमैं
धसैं।।श्रीरिसिंहमाहजिके...

तियश्राकुरेबलजानिसत्रुनकोउदैपुरकेल
जैश्रबबाकुरे॥ २७ ॥चमूउदैपुरकीचली
जीवनतैंहितजानि॥संगलगेमाहजिसु
भटप्रबलदिखावतपानि॥मेवारेदलमां
हिंसौंतुरगमुरेतेंहनोन॥ जिमभचक्रपच्छि
मचलतग्रहगगनपूरबगोन॥ २८ ॥ष॰प॰
॥ छुकराघवमरहट्ठजवनदोलाहितीयजंहं
भाजा लमसिंहचौंडबंसियपहाडतंहं
साहिपुरपउम्मेदमानभटमैंसरोरपति॥
श्रक्खयबीरमदेवउभयरट्ठोरमनमतिप
सारसुभटसुमकर्णपुनिएमुरेरट्लभजत
सनबमरफजानिश्रतिबलनिडरगहर
श्रोतकियप्रतिगमन॥ ३० ॥साहिपुरप
उम्मेदसिंहश्रसिबरहटगारियरकबिर
बिरनखेलभ्रचुरश्ररहट्ठप्रहारियकरिउग्र
लसीसोदकुलहिंतिलतिलमितलुहिय

॥ रबिमंडलबिचहोयला हनुरपुरसबलु ॥ हिमतिमहीपहाडभट चौंडहरईसहिंदैन ॥ नवहरियबलकारि मारिमरहट्टबहुकल ॥ हलीसारजारनकरिय ॥ ३१ ॥ दो० ॥ सोलारायनपहुतहसत्रुबहुतसंहारि ॥ पृथुलारिबिचकटिपरेश्वहुलमारिसरवारि ॥ ३२ ॥ छ्प्पय ॥ एकपरमारककंधउभटरेकच्छुकच्छ ॥ लमान ॥ मरहट्टनतिलिलैंपकरिजालमसिंहरुमान ॥ ३३ ॥ किग्बोदलश्वरिसिंहकोजिन्योमाहजिजंग ॥ सिसुपकरीहररवेसुभटश्वावनराज्यउमंग ॥ ३४ ॥ दम्पलकसश्वरूपीसगजलोपछ्तीरनवीन ॥ ॥ रखमौंहिमाहजिलये तुरगसहँससपुनि तीन ॥ ३५ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचम्पूउत्तरायणेदशमराशौवखतसिंहचरित्रेअष्टपंचाशत्तमो ५८ मयूखः ॥

॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥
९ ॥ ९ ॥ ९ ॥ ९ ॥

प्रा०मि०॥ दो०॥ बदलैंजालमसिंहकैंसद्दु
लक्खदैदम्म॥ मित्रइक्कमरहट्टनैंदास्यौकि
दक्कुकम्म॥ १ ॥ चुंडाउतकुशल्यौनवहभैंस
रोरपतिमान॥ छलसिसुजान्यौंछिप्रही
रहिहौंह्वैप्रबरान॥ २ ॥ झालाराघवकुं
नकेलीनैंसीसकटाय॥ रोपेनगरप्रबंति
बिचसेलनभ्रग्रबिपाय॥ ३ ॥ उदयनैंरउ
प्परबक्कुरिसज्जियमाहज्जिसैन॥ उतक्ति
धृति१८२६ आखाढबिचलग्ग्योपत्तन
लेन॥ ४ ॥ रसनाजिमसंकलरदनजरि
इमतोपनजाल॥ संध्याखिजिबिंदियसह
रकरिरनदमनकराल॥ ५ ॥ भैंसरोरपति
मानतैंहबिधिकछुकैदबिहाय॥ जामि
कदिद्दिबचायकैंद्रुस्योउदैपुरजाय॥ ६ ॥

बहुतकालयेरारह्योभयोउदैपुरत्रस्त।।त्र ५९
ध्याकोधनबुद्धिकरिविगस्योविभवसमस्त
।।७।।सेनसवरचबलपालसौंभेंग्योमा
हजिलत्थ।।देहुउदयपुरउनकहियलेहु
[illegible]चितहमत्थ।।८।।सुनियरानअरि
सिंहयहअनरवपरस्परहोत।।कथितदंड
सौकरिकेहियपकरिलेहुछलपोत।।९।।
जबमाहजिपकरनजतनकियसोसुनि
तत्काल।।किल्लाकुंभिलमेरुगयसहप
रिकरचहबाल।।१०।।दंडरानअरिसिं
हदियभूरवनदमतुरंग।।अवसेसनहित
अोतिदियजिल्लाजालमसंग।।११।।जा
लमकोंमाहजिजबहिआयउलेउज्जैन।।
रसयाहि [illegible]स्तुसरदबिचसज्जित
अतुलितसैन।।१२।।मल्लारावकोटपु
रपलपयमानयहजानि।।मोच्योजालम

हरमादै परिकरस्वीयप्रमानि ॥ १३ ॥ इतर
कस्तेच्छ्ररिसिंहनै संधीजवनसिपाह ॥ च्या
रिलकवतिनको चढेहकरुप्पयनयराह ॥ १४
॥ कोरैकुंभिलभेरुके फुट्टेसंधियनाँहिं ॥
पैरकमंगनदंदकियमुलकउदैपुरमाँहिं
॥ १५ ॥ हम्मभयेनहिंदैनकौतबच्छरिसि
हसिटाय ॥ धायोव्याहनरीतिकछुसंधि
कोंसमुझाय ॥ १६ ॥ सुताबहादुरसिंह
की पर निहच्छ्याहकंग ॥ रानसंकितत्थ
सिरिहोसंधिलदंदनसंग ॥ १७ ॥ तस्सं
रमुनिनिधधृति १८७ बुंदियनगरनरे
स ॥ भयोउदासप्रवृत्तिसनबढिवैराग्यबि
सेस ॥ १८ ॥ राधबिसदद्वादसिरुचिर
बिबासरसुभरूप ॥ अजितसिंहजेठोकु
मरकिनौंबुंदियभूप ॥ १९ ॥ प्रथमपुरो
हितदिय सुतिलकनिजकरजितुवनाम ॥

भद्दरिखासखासिखविद्दितरचिकियमानि ५९
वराम॥ २०॥ निजकटिकोअसिबरनृपति
बंधायउनिजहत्थ॥ नृपतांहैनिजपुत्रकोंकु
वरित्यमलतत्थ॥ २१॥ रक्कयोनगरबडो
दियानिजपरिकरव्ययकाज॥ श्रीजितपद
अम्बुजलगिहियतजिदियपदनरराज॥ २२॥
घनाक्षरी॥ जाकेकाजनिपतिबिताईबहु
कष्टसहिद्वैद्वैदिनमांहिमेटिजोवरदुसह
दाहअमरनबिचारिमारिमारिलरचारिआरि
रूढ़ेपक्षरंगजंगमंडेचकुंवारनलाह॥ जैपुर
कोंजीतिनीतिकुलआदिखाईसबभूपनदि
खाईअयआदिजयप्रतीराह॥ श्रीजितसह
रढुंढीअधमउमेदमनुआसीजानिलीनी
तउआसीजानिलीनी ह॥ २३॥ दो०॥
इंद्रगढपअमरावतैंहअलतराजअभिधान॥
धनिरनतोलोनगरपतिरतनसिंहचकुवान॥

॥ २४ ॥ बलवनिपतिभालमबक्करिवैरिस
क्कभवबंस॥ज्योंहीं भारतसिंहजेंहखेडानगरवतंस॥ २५ ॥दुर्गसिंहमुक्कमक्कुलजञ्चतरदानगरेस॥महासिंहगजसिंह
जिहिंपुरजञ्जाउरपेस॥ २६ ॥तिमहिभवानीसिंहतेंहधीवडपत्तननाह॥भगवंतसुसीलोरपतिमाधानीहितचाह॥ २७॥
सेरसिंहसामंतहरभजनैरिपुरखान॥महासिंहहरबीरपुनिथानांपुरपरबुमान॥२८॥
तिमसमुद्रसिंहदुसुभटसुहरनिपतिवरबीर॥नगरजैतगढनाहपुनिबाघसिंहनरबीर॥ २९ ॥भटखुसालसामंतहरनगरनदनोंईस॥मिसलदाहिनीकेमिलेभटइत्यादिबत्तीस॥ ३० ॥बाममिसलउमरावबलिसोलंखीजयसीह॥नाथाउतनिम्मानपतिपित्थलसुतनयलीह॥ ३१ ॥नाथाउ

तनवखतेसबत्तिनगरपगारोंमोर।।अभयसिं
हअमरेसरसुतपतिअलोदरद्दोर।। ३२ ।।
इत्यादिकसुभटननजरीकिन्नैंहयसिरुपाव
।।पटुयेटींकानृपनपुनिसुनियहबनसभाव
।। ३३ ।।उदयनेरअरिसिंहनृपपित्थलज
य रईस।।बिजयसिंहरद्दोरबलिजनप
रथनअधीस।। ३४ ।।कोटपुरपगुमाननृ
पबहुकितवछलजाल।।इमहिकरोलीपु
रअधिपजदुवमानिकपाल।। ३५ ।।बीक
नेरअधीसबलिसुरतसिंहनरनाह।।रा
मसिंहनैषधअधिपलरदुरपतिकछवाह
।। ३६ ।।भूपबनाडुरसिंहतिमलूणा [illegible]
मरद्दोर।।गोरबंसअवतंसपुनिसोपुरनृप
तिकिसोर।। ३७ ।।इत्यादिकसबनृपनके
टींकाहयगजराज।।मनिभूखनसिरुपाव
मिलिसहअयेसुभसाज।। ३८ ।।सुनि

टीकांश्रीसंतहत्थ्योनरायनराव॥कुलकर
कुंसंधियामाहजिहूँभलभाव॥ ३९ ॥
इमश्रीजितउम्मेदयँहँकियनृपजेषकुमा
र॥लयोमहाराजोपपदबहादुररुसिरदार
॥ ४० ॥रकवेककहुनिजढिगसुभटनामसु
नहुजिननाह॥इकथानांपतिकोअनुज
किस्नमसुमनसिपाह॥ ४१॥बीरसलकुल
अहुरनसुभटनामसोआग॥भटकिसोरना
थाउतसुअतिजिहिँरनअनुराग॥ ४२॥
दयानाथरासहुवहुमहासिंहकुलजात॥
बीरखुसालनिहालबरहरसामंतसुहात
॥ ४३ ॥फल्लाबीरदलेलसुतचंद्रसिंहज
यचोर॥बीरसिवाईसिंहबलिअमरनंद
रहोर॥ ४४ ॥हडुरवज्जूरीकोबहुरिदौलत
सिंहसनाम॥रानिजढिगरकवेसुभटश्री
जितबिहितबिराम॥ ४५ ॥बुंदियतेंइस

नदिसकोसइक्कमतिमान॥सिवकेदारनिके
ततं रहनबिचारयोथान॥ ४६ ॥महलनमैं
उस्मेद नृपमंदिरउभयबनाइ॥श्रीरंगरुक्षा
नंदधनप्रभुदिनैंपधराइ॥ ४७ ॥तिनकेहि
गउत्तरतरफनानामुकरनिकेत॥रुचिरचित्र
सालारचीसबसुभचित्रसमेत॥ ४८ ॥प्राची
दिसतसहिद्रुपुनिनानाद्रुमनननिवास॥क्री
डउपबननामदरबिरच्योरंगबिलास॥ ॥
४९॥ताकेउत्तरप्रातपरतीननिलयकियत
त्थ॥अच्छबाटच्यरुव्यसनघरसुकुरमह
लतिनमत्थ॥ ५० ॥तारागढबिचहरिसद
नव्यायतकोसनिदान॥बिष्णुसिंहनृपचीर
तबिचरचितकटेव्ययथान॥ ५१ ॥रुलगने
सघंटीकाहियचोथीताहिचरित्र॥नव्यअधो
महलननिलयबरनतसुनकुबिचित्र॥ ५२ ॥रा
जमहलप्रासादसनदफिबलबिलाधिरथान॥

तीनबनायेभूपतिन्हअबजानक्रुअभिधान
॥ ५३ ॥रुचिरनिंबकोराउलाइकबक्रुमह
लउपेत॥तसदक्खिबनदूजोअतुलजेंहँकु
लदेबिनिकेत॥ ५४ ॥कहतराउलाकूपको
तासोंदक्खिनतत्थ॥तीननमैंप्रासादतति
सबअतिउन्नतिसत्थ॥ ५५॥ तिन्हतोरन
बाहिरतहाँगोल्हाबापियपास॥तीरथिया
लयकीरचीप्रतिमाअद्दप्रकास॥ ५६॥सिव
केदारसमीपकियतीजिआश्रमबास॥तहँ
बिरच्यौउत्तरतरफउपबनदेवबिलास॥५७॥
तासदिगहिसिखिकोन
राम॥तासोंलगेआवाच्यतटधवलतुंगनि
जधाम॥५८॥जोसिकारबुरजहिबजतआ
लयप्रचुरउपेत॥आमतिजीवनअप्पढ्ह
निबस्योरुचिरनिकेत॥ ५९ ॥तँहँगुलाब

वनजटितकियकुंडमिलितचितकंज्जु॥ ८
६०॥ बक्कुरिसिंहुराच्छ्यादिबक्कुथप्पेकतिल
गुथान॥बैखानसतँहँबासकरिबिलस्यो
निगमबिधान॥ ६१॥जोखवासिनृपकेनि
पुनकहीरूपरसराय॥तसनामकुइकबाग
तँहँचतुररच्योजसच्छाय॥ ६२॥सिवकेस
रसमीपसोबज्जहिँरूपबिलास॥नदीबान
गंगानिकटइतदखिनलटच्छास॥ ६३॥
केथमनृपबुधसिंहकोचौँरारुचिररचाइ॥
किन्नौँजसच्ययच्चतुलकरिमहसहदानमचा
इ॥ ६४॥बुंदीलैँचक्कुँथौँबिदितमृगयाबुर
रजमहीप॥बिरच्यौतिनमैँसुभबुरजादिस
अच्चीसबदीप॥ ६५॥बक्कुरीकोगच्छ्यादिइ
मबक्कुपुरनिकटबनाइ॥दूरकुंभीमलतादि
भुवपक्कुमृगयारसपाइ॥ ६६॥सक्कुसल्लतजि
कैँसपक्कुच्ययच्चैसोकरिबिन्न॥कान्हौँनसे

निलयइमउदारचहिचित्त॥ ६७ ॥इतिश्रीमद
खिलमहीभृन्मुकुटमल्लीमाल्यमकरन्दमद्य
मत्तमिलिन्दमुखरितचरणचिन्हितारातिचू
डबुन्दीपुरबिलासिनीबिलासिचाकुवाणचूड़ा
मणिभारतीभागधेयहड्डुपटङ्कमहाराजाधि
राजमहारावराजेन्द्रश्रीरामसिंहदेवाऽऽज्ञप्त
गीर्वाणगीरादिषड्भाषावेशसुभूमुजङ्ग
काव्याऽकूपारकर्णधारबीरमूर्त्तिचक्रिवर
णारबिन्दचञ्चरीकचारुचमत्कृतचेतनचा
रणचक्रचण्डांशुचण्डीदानात्मजामिश्रण
सुकबिसूर्य्यमल्लविहितवंशभास्करेमहाचं
पूरचरूपेदक्षिणायनेरावराउम्मेदसिंहचरि
त्रसमयसमानाधिकरणकोदन्तवर्णनंदशम
राशौनवपंचाशत्तमो ५९मयूख: ॥ ॥ ॥

समाप्तमिदमुम्मेदसिंहचरितम्

हस्ताक्षरकाशीनबीसविद्याधरका ॥ ॥ ॥

शुद्धाशुद्धपत्रम् १

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	७	भार।त	भारत	५१	१२	वनि	बनि
१३	३	सव	सब	५२	९	गिर	गिरि
१३	८	सव	सब	५२	१०	आयध	आयुध
१५	१०	बीकानेत्र	बीकानेर	५३	४	तरवूज	तरबूज
१५	१६	१७९६	१७९७	५३	११	विक्रम	बिक्रम
१६	१४	वनत	बनत	५३	१४	इस्वरिसिंह	ईस्वरि सिंह
१८	३	प्रवल	प्रबल	५३	१५	नेगम	निगम
				५५	७	विधिबद्द	बिधिबद्द
		इति १	मयूखः				
						इति ४	मयूखः
३२	१	वंडीधक	बडीधक				
३२	१५	होली	होरी	५९	१२	भट्ट	भट्ट
३४	८	रुप	रूप	६१	५	सज्जिावनि	सज्जिबनि
३४	११	वंके	बंके			इति ५	मयूखः
३५	१५	छकि	छाकि				
		इति २	मयूखः	६३	४	वज्जि	बज्जि
				६४	१	कादल	कोदल
३८	१	त्रिसद	बिसद	६४	१०	ममावन्नति	ममबिंनति
४०	२	नंग	बेग	६५	१४	कट	कठ
४१	८	कुरज	गरज	६६	२	प्र०रै	प्रजरैं
४१	१४	ग्रोतें	यातें			इति ६	मयूखः
४२	११	सिरपेच	सिरूपेन्च				
४६	१३	सहस्य	सहस्य	७१	१०	हिप	हिय
४७	५	धय्यो	धय्यो	७२	१०	हित	हेत
४८	२	चउनकौं	चउनकौं	७५	३	इस्वरिसिंह	ईस्वरि सिंह
		इति ३	मयूखः			इति ७	मयूखः
४९	८	तवहिं	तबहिं	८९	१६	किरत	फिरत
४९	८	दगावल	दगाबल	९२	१५	चालुकि	चालुक
४९	९	वुंटिय	बुंदिय	९५	७	दशमराशो	दशमराशो

		अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ		अशुद्ध	शुद्ध
		इति ८	मयूखः	१३४	३	ठक्कपो	रक्कयो
						इति ११	मयूख
९५	१२	वम्र	बम्र				
९५	१६	विनास	बिनास				
९६	३	विकराल	बिकराल	१३९	२	मरए	मरन
९६	१६	सालनु	सालन	१३९	१४	जिय	जिम
८	९	लंवित	लंबित	१४१	१५	दुग	दृग
९९	१५	जिनकेअनं	जिनकेअद्भुत	१४५	१५	धा।र	धार्
९९	१७	सवनकों	सबनकों	१४८	६	कठि	कटि
१००	११	विजय	बिजय	१४८	९	हड्डे	हड्डु
१०१	१७	असिनि	असनि			इति १२।	१३।१४
१०२	४	रावराजाउ	महारावराजा				मयूखः
"	"	(म्मेदसिंह	(उम्मेदसिंह				
१०५	१५	व ०	वर्नै	१५९	१६	तत्र	तब
१०६	८	पठ	पट	१६०	१	तोरि	तोर्
१०६	१६	घंटैं	घटैं	१६१	१२		सुने
१११	१०	पठ	पट	१६१	१६	बह	वह
		इति ९	:	१६६	८	वरीन	बरीन
				१६८	१५	दसमो	दसमी
११५	६	रद्दोर	रट्ठोर			इति १५	
११६	११	अव	अब				
११७	१०	खटक	खेटक				
१२०	६	सिवसिंहसौं					
१२४	३	अमीक	अनीक				
१२४	१२	वह	वह	१९२	६	तुल्यवल	तुल्यवल
		१०	:	१९३	३	कटं	कटे
				१९७	१	भारक	मारक
१२५	११	लिरिवरिवुप	लिखिपव	२०२	९	उद्दि	उट्ठि
१२७	९	सस	सब	२०२	१०	अदृ	अट्ठ
१३१	१	व०प०	०प०	२०५	९	देबन	देवन

शुद्धाशुद्धपत्रम् ३

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२१३	१०	घारि	धारि	२५२	७	सबेगग	सबेगगति
२१४	७	तव	तब			इति २०	मयूख:
२१६	१२	तवकौंन	तबकौंन				
२१७	६	कबूतर	कब्बूतर	२५३	१२	वीर	बीर
२१७	८	गिरं	गिरे	२५७	१२	प्रीं ति	प्रीति
२१९	८	जीम	जीन	२५८	१२	भ्रियद्दार	भ्रियद्वार
		इति १६।१७	मयूख:	२५९	८	राशो	राशो
						इति २१	मयूख:
२२२	१२	बिसल्य	बिसल्य				
२२४	१३	यँहिं	यँहं	२५९	१३	वहोरि	बहोरि
२२५	५	द्विघाय	बिहाय	२५९	१६	तव	तब
२३१	५	गन	गन	२५९	१५	विसास	बिसास
२३२	२	वषानि	बषानि	२५९	१६	सव	सबै
		इति १८	मयूख:	२६०	१६	——	आयकौंलघ
				"	"	"	(टिका
२४०	७	मोघ	ओघ	२६१	५	तटदैं	तटदै
२४२	१५	इस्वरी	ईस्वरी	२६१	१६	——	माधवकौंकरे
२४३	१४	आनकक	आनक	२६२	६	बिमारिहै	बिगारिहै
२४४	९	रायराय	रामराय	२६३	१४	जवाव	जवाब
		इति १९	मयूख:	२६४	२	मवि	मन्नि
				२६५	४	कोटम	कोटेस
२४६	३	वसु	बसु	२६५	१५	ज्ञाय	ज्ञाय
२४६	६	सव	सब	२६६	१५	वैन	बैन
२४७	२	विंटन	बिंटन	२७३	४	तव	तब
२४७	२	विप्र	बिप्र	२७३	६	वढ्यो	बढ्यो
२४७	१	हरबल्लु	हरवल्लु	२७५	१०	वंचि	बंचि
२४७	१	वढिग	बढिग	२७९	१५	मूपहि	भूपहि
२४७	१५	वल	बल	२८७	१६	अव	अब
२४८	२	वनिकवैन	बनिकबैन	२८७	१६	स०	सतु
२५०	१६	लगाय	लगाय	२८८	६	वर	बर

		अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ		अशुद्ध	शुद्ध
२८९	४	वैठिहे	बैठिहे	३२०	१	लंव	लंब
२८९	५	वीर	बीर	२१	१०	म॰मृ॰	
२८९	६	अव	अब	२१	११	वीर	बीर
२९९	१	सव	सब	३२१	१२	वढावैं	बढावें
२९१	१५	लरब	लरन	३२१	१४	जुज्कै	जुज्कैं
		श्रु	ख:	३२२	७	सेरु	सेर
				३२२	२	विच	बिच
२९३	७	वीज	बीज	३२३	१६	वारिद्	वारिद
२९३	७	वसुधा	बसुधा	३२३	१६	विलास	
२९३	७	वेर्	बेर	२६	१०	वीर	बीर
२९७	२५	जैसे	जैसैं	३२६	११	वचन	बचन
२९७	४	वर	वर	३२७	८	विनु	बिनु
२९७	१६	अव्भ	अच्भ	३२७	१३	सवहि	सबहि
२९८	४	वकु	वक्र	३२७	१४	मय	भय
२९९	३	उटै		२८	७	वेह	वेकु
२९९	१६	तव	तब	२९	१	वर	बर
३०४	८	।त्वरित	त्वरित	३२	१५	कंवल	केवल
३०९	७	मीर	भीर	३२	१	वीच	वीच
३१०	१३	भिची	भिचीभिची	३३३	१	विष	बिष
३१४	८	वीरन	बीरन	३३३	१६	वकुरि	बकुरि
३१४	९	वज्जत	बज्जत	३३४	१	वुलावत	
३१६	१	वीर	बीर	३३४	४	अव	अब
३१७	६	वेसु	वेसु	३४	४	वरजत	बरज
३१७	१०	खंडव	खांडव	३३५		वाडव	बाडव
३१७	१६	घसि	धसि	३३५	३	वकुरि	बकुरि
३१८	७	विच	बिच	३५	१६	वीच	वीच
३१९	७	गरिमारे	मारे	३३७	५	तव	तब
३१९	१६	रसवा	रसना	३७	९	विहसि	बिहसि
३२०	१	अव	अब	३३७	१०	वसु	बसु
३२०	२	घरनि	धरनि	३७	१२	वधन	बाधन

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३३८	३	कुलकरन	कुलकरडेर	३५२	१४	तव	तब
		''जाय	''नजाय	३५२	१५	बहै	वह
३३८	७	———	देहा	३५२	१६	लवार	लबार
		इति २४	मयूख:	३५३	१	तव	तब
				३५३	२	वीर	बीर
३४१	१२	वगरू	बगरू	३५३	१०	सवन	सबन
३४२	१४	जबनन	जवनन	३५३	१६	वारसि	बारसि
३४३	२	विच	बिच	३५४	४	वनिक	बनिक
३४३	१५	सव	सब	३५४	६	वरस	बरस
३४५	४	पडविंशो	षडविंशो			इति २६	मयूख:
		इति २५	मयूख:	३५५	१०	वहोरि	बहोरि
३४५	८	विसद	बिसद	३५८	१२	वीजा	बीजा
३४५	९	प०प०	ष०प०	३५९	१४	प्रा०सं०मी०	प्रायःसंस्कृत
३४५	११	वालन	बालन	”		”	शब्दमात्रा
३४५	११	विनु	बिनु	”		”	मिश्रितभाषा
३४५	१४	विप्र	बिप्र	३६१	१	वपु	बपु
३४६	४	वैठैं	बैठैं	३६१	९	वाला	बाला
३४७	५	वर	बर	३६१	११	वधू	बधू
३४८	१६	विडार्यो	बिडार्यो	३६४	८	मृगव्या।ध	मृगव्याध
३४९	५	लैवो	लैबो	३६४	१४	धांन	धान्
३४९	८	तव	तब	३६७	१	पर्लीशा	पल्लीशा
३४९	८	वनिक	बनिक	३७०	१५	सुवर्णां	सुबर्णां
३४९	१४	वीरन	बीरन	३७३	१	पुरुप	पुरुष
३५१	१	वाम	बाम	३७३	८	शाल्मलीद्रु	शाल्मलीद्रु
३५२	७	वाउला	बाउला	३७४	८	व्याकर्ण	व्याकरण
३५२	८	वुल्लै	बुल्लै	३७५	४	सव	सब
३५२	८	विचार	बिचार	३७५	७	अवयजिम	अवयवजिम
३५२	१०	जव	जब	३७७	१	ऋपि	ऋषि
३५२	११	तव	तब	३७७	९	विंदुसर	बिंदुसर

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३७७	१६	दीविका	दिविका	४०१	४	नखिलद्दल ९म्	नखिलद्दल ९म्
३७९	५	वाकुदा	बाकुदा				
३७९	१६	जंवू	जंबू			इति ३०	मयूखः
३७९	१६	रुजंवू	रुजंबू				
३८३	९	वितरि	बितरि	४०७	१२	सववुल्ले	सबबुल्ले
३८४	९	रवहि	सबहि	४०८	१२	वुल्यो	बुल्यो
३८४	१०	पुरोहित	पुरोहित	४१०	१६	वुलि	बुलि
३८४	११	वारन	बारन	४११	३	पठायो	पठायो
		इति २७	मयूखः	४११	१०	वढावे	बढावे
						इति ३१	मयूखः
३८९	१०	दम्म	दम्म				
३८९	१६	देवेको	देबेको	४१३	५	उपवास	उपवास
३९१	२	वुंदीस	बुंदीस	४१४	२	वसु	बसु
३९३	१	सवक	सेवक	४१४	१६	वकु	बकु
३९३	१	साम	धाम	४१५	७	तव	तब
		इति २८	मयूखः	४१६	३	कांफर	काफर
				४१६	५	विना	बिना
३९४	१	वेर	बेर	४१६	१२	अव	अब
३९४	२	वखत	बखत			इति ३२	मयूखः
३९४	२	वकुरि	बकुरि				
३९६	८	गोटि	गोटि	४१८	८	टीप	दीप
३९८	७	वकुरि	बकुरि	४१८	११	विसवास	बिसवास
३९८	६	धरावर	धराबर	४१९	१४	किीन	कीन
३९८	८	बुंदिय	बुंदि	४२१	५	मरुराजकी	मरुराजको
		इति २९	मयूखः	४२२	१६	हंत	हेत
				४२२	१६	नाहि	नाहि
४००	१	संधिनिग्रहा ९म्	सधिविग्रहा ९म्	४२२	१६	निवाह्यो	निबाह्यो
				४२२	१६	सुनाय	सुनाय
४००	२	वैभवाम्	वैभवाम्	४२३	८	वत्त	बत्त
४००	९	दुस्फोद	दुस्फोट	४२३	९	विवेक	बिबेक

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४२३	१४	बिनय	बिनय	४४४	११	तव	तब
४२४	१६	सैंसव	सैसब	४४४	१६	दोहू	दोहू
४२५	११	रूटिगये	रूठिगये			इति ३६	मयूख:
४२५	१२	स्वामिधर्मी	स्वामिधर्मी				
		इति ३३	मयूख:	४४५	१५		बिलंब
				४४७	८	बाबरज्यो	बरज्यो
४२७	८	जोस्लो	जोलौं	४४७	१३	टिवा कीर्ति	दिवाकीर्ति
४२७	१४	देरनकिष	देरनकिय	४४७	१५	लोकअनक	लोकअनेक
४२७	१५	दालेलि	दालेलि	४४७	१६	रक्खं	रक्खे
४२७	१५	भीरुक	भीरुक	४४८	३	वेल	बेल
४२७	१५	डेगन	डेरन			इति ३७	मयूख:
४२८	३	बत्न	बल				
४३०	२	स्थीन	रवीन	४५८	१०	स व	सचिव
४३०	८	जव	जब	४५८	१०	संमर	संमर
४३०	१०	विरन्चि	बिरन्चि			इति ३८	मयूख:
४३२	१२	मनावन	मनावन				
		इति ३४	मयूख:	४६१	४	लिब	लिय
				४६१	६	कायथहन्यो	कायत्थहन्यो
४३५	१०	घर्म्म	धर्म्म	४६३	२	हूसहि	हूसहि
४३६	१०	मेजनकहि	सेजनकहि	४६३	११	वाजि	बाजि
४३६	११	मोरानहि	सोरानहि	४६५	१	मोहित	सोहित
४३७	१	बेउभय	लेउभय	४६६	३	दसन	दसन
४३७	१०	चरहिं	रचहिं	४६७	१	साबधान	सावधान
४३८	१	नग	नय	४६७	३	घीरता	धीरता
४३८	८	निश्रशाणी	निश्रणाणी	४६७	११	फेबत	फबत
४३९	१४	कयर	कगर	४६८	७	अव	अब
४४०	३	बलतै	बलतै	४६८	१६	मारत	भारत
४४१	९	जव	जब	४६९	१४	जदज्जुत	जवज्जुत
४४३	५	वदि	बदि			इति ३९	मयूख:
४४४	१०	दखनआया	देखनआया				

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४७२	१३	वरवतेस	बरवतेस	४८७	१३	जंठ	जेठ
४७३	१	इकमिजल	इकमिजल	४८७	१६	नामतास	नामतास
४७३	४	वरवतेस	बरवतेस	४८८	१	वृत्त	वृत्त
		इति ४०	मयूखः	४८८	१३	वकु	बकु
				४८९	१	कलिन	कठिन
४७६	६	बुंदीस	बुंदीस	४९२	११	सवकोहि	सबकोहि
४७८	६	सचिव	सचिव	४९२	१६	गिनाव	गिनाय
४८१	५	पंजाव	पंजाब	४९२	१६	कडिछरिन	कढ्ढिछुरिन
		इति ४१	मयूखः	४९३	१६	चलाय	रचार
						इति ४३	मयूखः
४८२	३	जव	जब				
४८२	८	विपत्ति	बिपत्ति	४९४	५	विंटि	बिंटि
४८३	७	मेंड्यो	मेंड्यो	४९५	५	सम्मह	सम्मुह
४८३	१५	बढ्योंधूम	बढ्योधूम	४९५	१३	विहायो	बिहायो
४८४	५	सेह	मेह	४९६	१६	बद	बाद
४८४	१०	धाय	धार	४९७	१०	विलियम	बिलियम
४८५	१२	जोधकं	जोधके	४९७	१६	करनेल	कर्नेल
४८५	१३	गादके	गोदके	४९९	१५	कंजरं	कंजरे
४८५	१४	तत्त	तत्त			इति ४४	मयूखः
४८५	१६	तुहिं	तुहिं				
४८६	१	वजे	बजे	५०२	१३	मली	भली
४८६	२	झुलेफिरें८	झुलेफिरें८			इति ४५	मयूखः
४८६	२	निट्ठिक	निट्ठिके				
४८६	३	काक	काकु	५०७	१६	जनकें	जनकू
४८६	४	माठतं	मारते	५०७	१६	तव	तब
४८६	४	संकुलंमत्य	संकुलेमत्य			इति ४६	मयूखः
४८६	९	दंमार	देमार				
		इति ४२	मयूखः	५१३	६	वकुरि	बकुरि
				५१३	८	रहि	रहे
४८७	१२	श्रीरंगकां	श्रीरंगको	५१५	८	पठासन	पठानसन

पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	उद्दत	उद्धत	५५०	१२	दिवाय	दिखाय
५	कोदंड	कोदंड	५५१	९	सवन	सबन
५	भाहिर	बाहिर	५५४	२	तव	तब
	इति ४७	मयूखः			इति ५१	मयूखः
१३	कल्या	कल्या	५५६	२	सिखत	सिखवत
१६	अकूमार	अकूपार	५५८	१	सभर	संभर
११	वढी	बढी	५५९	५	बढि	बेढि
१६	नवाव	नबाब	५५९	७	संकिवन	लकिवन
१६	सव	सब	५५९	१२	वीररसवाह (त)	वीररसबाढ (त)
	इति ४८	मयूखः	५६१	६	सिद्ध	गिद्ध
			५६५	३	तव	तब
२	नव्य	मान्य	५६५	११	बजि	भजि
१	गयउ	गयउमुनि			इति ५२	मयूखः
१२	धृति१८२७	धृतिग१८२७				
१३	भरे	भरे	५७०	५	बजात	बजात
५	केतुरत्त	केतुरत्त	५७३	५	जव	जब
१६	रह्यां	रह्यो	५७४	८	वनावन	बनावन
१५	लहिंवे	लहिबे	५७५	१४	साना	राना
१०	वीर	बीर			इति ५३	मयूखः
	इति ४९	मयूखः				
			५७६	१३	लख्यो	लग्यो
१६	रस्वत	रखवत	५८१	१६	तस्वत	तरवत
२	कहुवत्त	कटुवत्त			इति ५४	मयूखः
११	वीर	बीर				
१४	वार	वार	५८६	१३	स्ववासि	स्ववासि
१५	वधायउ	बधायउ			इति ५५	मयूखः
	इति ५०	मयूखः	५९३	१	१८ सुनत	१८॥दोहा॥
			९	९		सुनत

पृष्ठ		अशुद्ध	शुद्ध
५९५	८	पेखदेतव	तब
		इति ५६	:
५९६	८	मज्जयो	ज्जयो
५९९	१२	मोगपे	भोगपे
६००	१२	मट	
६०४	१०	मनमति	मरनमति
६०४	१२	सरफ	सफर
		इति ५७	मयूखः
६१५	१४	तिकट	निकट

॥ समाप्तमि ॥

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३३८	३	कुलकरन	कुलकरडेर	३५२	१४	तव	तब
		((जाय	((नजाय	३५२	१५	बहै	वह
३३८	७	———	दोहा	३५२	१६	लवार	लबार
		इति २४	मयूखः	३५३	१	तव	तब
				३५३	२	वीर	बीर
३४१	१२	वगरू	बगरू	३५३	१०	सवन	सबन
३४२	१४	जबनन	जवनन	३५३	१६	वारसि	बारसि
३४३	२	विच	बिच	३५४	४	वनिक	बनिक
३४३	१५	सव	सब	३५४	६	वरस	बरस
३४५	४	षडविंशो	षडविंशो			इति २६	मयूखः
		इति २५	मयूखः				
				३५५	१०	वहोरि	बहोरि
३४५	८	विसद	बिसद	३५८	१२	वीजा	बीजा
३४५	९	प०प०	ष०प०	३५९	१४	प्रा०सं०मी०	प्रायःसंस्कृत
३४५	११	वालन	बालन	,,		,,	((शब्दमात्रा
३४५	११	विनु	बिनु	,,		,,	((मिश्रितभाषा
३४५	१४	विप्र	बिप्र	३६१	१	वपु	बपु
३४६	४	वड़ैं	बड़ैं	३६१	९	वाला	बाला
३४७	५	वर	बर	३६१	११	वधू	बधू
३४८	१६	विडारयो	बिडारयो	३६४	८	मृगव्या।ध	मृगव्याध
३४९	५	लैवो	लैबो	३६४	१४	धांन	धान्
३४९	८	तव	तब	३६७	१	पलोशा	पलाशा
३४९	८	वनिक	बनिक	३७०	१५	सुवर्ठां	सुबर्ठां
३४९	१४	वीरन	बीरन	३७३	१	पुरुप	पुरुष
३५१	१	वाम	बाम	३७३	८	शाल्मलीद्रु	शाल्मलीद्रु
३५२	७	वाउला	बाउला	३७४	८	व्याकर्ण	व्याकरण
३५२	८	बुल्लै	बुल्लै	३७५	४	सव	सब
३५२	८	विचार	बिचार	३७५	७	अवयजिम	अबयजिम
३५२	१०	जव	जब	३७७	१	रुणि	रुणि
३५२	११	तव	तब	३७७	९	विंदुसर	बिंदुसर

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३७७	१६	दीविका	दिविका	४०१	४	नखिलद्दल	नखिलद्दल
३७९	५	वांकुदा	बांकुदा			९म्	९म्
३७९	१६	जंवू	जंबू			इति ३०	मयूख:
३७९	१६	रुजंवू	रुजंबू				
३८३	९	वितरि	बितरि	४०७	१२	सवबुलें	सबबुले
३८४	९	रवहि	सबहि	४०८	१२	वुल्यो	बुल्यो
३८४	१०	पुरोहित	पुरोहित	४१०	१६	वुलि	बुलि
३८४	११	वारन	बारन	४११	२	पठायो	पठायो
		इति २७	मयूख:	४११	१०	वढावे	बढावे
						इति ३१	मयूख:
३८९	१०	दम्म	दम्म				
३८९	१६	दैवेकों	दैबेको	४१३	५	उपवास	उपवास
३९१	२	वुंदीस	बुंदीस	४१४	२	वसु	बसु
३९३	१	सवक	सेवक	४१४	१६	वकु	बकु
३९३	१	दाम	धाम	४१५	७	तव	तब
		इति २८	मयूख:	४१६	३	कांफर	काफर
				४१६	५	विना	बिना
३९४	१	वेर	बेर	४१६	१२	अव	अब
३९४	२	वखत	बखत			इति ३२	मयूख:
३९४	२	वकुरि	बकुरि				
३९६	८	गोटि	गोटि	४१८	८	टीप	दीप
३९८	७	वकुरि	बकुरि	४१८	११	विसवास	बिसवास
३९८	६	धरावर	धराबर	४१९	१४	किीन	कीन
३९०	८	वुंदिय	बुंदि	४२१	५	मरुराजकी	मरुराजको
		इति २९	मयूख:	४२२	१६	हंत	हेत
				४२२	१६	नाहि	नाहि
४००	१	संधिनिग्रहा	सधिविग्रहा	४२२	१६	निवाह्यो	निबाह्यो
		९म	९म्	४२२	१६	सुनाय	सुनाय
४००	२	वैभवाम्	वैभवाम्	४२३	८	वत्त	बत्त
४००	९	दुस्फोद	दुस्फोट	४२३	९	विवेक	बिबेक

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४२३	१४	बिनय	बिनय	४४४	११	तव	तब
४२४	१६	सैंसव	सोसब	४४४	१६	टोहू	दोहू
४२५	११	रूटिगये	रूठिगये			इति ३६	मयूख:
४२५	१२	स्वामिधर्म्मी	स्वामिधर्मी				
		इति ३३	मयूख:	४४५	१५		बिलंब
				४४७	८	बाबरज्यो	बरज्यो
४२७	८	जोस्लं	जोलौं	४४७	१३	टिवा कीर्त्ति	दिवाकीर्ति
४२७	१४	देरनकिष	देरनकिय	४४७	१५	लोकअनेक	लोकअनेक
४२७	१५	दालेलि	दालेलि	४४७	१६	रक्वं	रक्खे
४२७	१५	भीरुक	भीरुक	४४८	३	वेल	बेल
४२७	१५	डेयान	डेरन			इति ३७	मयूख:
४२८	३	बत्न	बल				
४३०	२	स्वीन	रवीन	४५८	१०	स व	सचिव
४३०	८	जव	जब	४५८	१०	संमर	संमर
४३०	१०	विरन्चि	बिरन्चि			इति ३८	मयूख:
४३२	१२	मनावन	मनावन				
		इति ३४	मयूख:	४६१	४	लिब	लिय
				४६१	६	कायथहन्यो	कायत्थहन्यो
४३५	१०	घर्म्म	धर्म्म	४६३	३	हूसहि	हूसहि
४३६	१०	मेजनकहि	मेजनकहि	४६३	११	वाजि	बाजि
४३६	११	मोरानहि	सोरानहि	४६५	१	मोहित	सोहित
४३७	१	बेउभय	लेउभय	४६६	३	दसन	दसन
४३७	१०	चरहिं	रचहिं	४६७	१	सावधान	सावधान
४३८	१	नग	नय	४६७	३	धीरता	धीरता
४३८	८	निश्रशाणी	निश्रशाणी	४६७	११	फेबत	फबत
४३९	१४	कयर	कगर	४६८	७	अव	अब
४४०	३	वलतै	बलतै	४६८	१६	मारत	भारत
४४१	९	जव	जब	४६९	१४	जदजुत	जवजुत
४४३	५	वदि	बदि			इति ३९	मयूख:
४४४	१०	दस्वनआया	देखनआया				

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४७२	१३	वरवतेस	बरवतेस
४७३	१	इक्कमिजल	इक्कमिजल
४७३	४	वरवतेस	बरवतेस
		इति ४०	मयूख:
४७६	६	बुंदीस	बुंदीस
४७८	६	मचिव	सचिव
४८१	५	पंजाव	पंजाब
		इति ४१	मयूख:
४८२	३	जव	जब
४८२	८	विपत्ति	बिपत्ति
४८३	७	मंड्यो	मंड्यो
४८३	१५	बढ्योंधूम	बढ्योधूम
४८४	५	सेह	मेह
४८४	१०	धाय	धार
४८५	१२	ओधकं	ओधके
४८५	१३	गादके	गोदके
४८५	१४	तत्त	तत्त
४८५	१६	तुहि	तुहि
४८६	१	वजै	बजै
४८६	२	झल्लेफिरैं	झल्लेफिरैं
४८६	२	निढ्कं	निढ्के
४८६	३	काक	काक
४८६	४	माठतं	मारते
४८६	४	संकुलंमत्य	संकुलेमत्य
४८६	९	दंमार	देमार
		इति ४२	मयूख:
४८७	१२	श्रीरंगकां	श्रीरंगको
४८७	१३	जंठ	जेठ
४८७	१६	नामतास	नामतास
४८८	१	वृत्त	वृत्त
४८८	१३	वक्र	बक्र
४८९	१	कलिन	कठिन
४९२	११	सवकोहि	सबकोहि
४९२	१६	गिनाव	गिनाय
४९२	१६	कडिछुरिन	कढ्ढिछुरिन
४९३	१६	चलाय	रचार
		इति ४३	मयूख:
४९४	५	विंटि	बिंटि
४९५	५	सम्मह	सम्मुह
४९५	१३	विहायो	बिहायो
४९६	१६	बद	बाद
४९७	१०	विलियम	बिलियम
४९७	१६	करनेल	कर्नेल
४९९	१५	कंजरं	कंजरे
		इति ४४	मयूख:
५०२	१३	मली	भली
		इति ४५	मयूख:
५०७	१६	जनकूं	जनकू
५०७	१६	तव	तब
		इति ४६	मयूख:
५१३	६	वक्रि	बक्रि
५१३	८	रहि	रहे
५१५	८	पठासन	पठानसन

पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	उद्दत	उद्धत	५५०	१२	दिवाय	दिखाय
५	कीदंड	कोदंड	५५१	९	सवन	सबन
५	भाहिर	बाहिर	५५४	२	तव	तब
	इति ४७	मयूख:			इति ५१	मयूख:
१३	कल्या	कल्या	५५६	२	सिखत	सिखवत
१६	अकूमार	अकूपार	५५८	१	सभर	संभर
११	वही	बही	५५९	५	वहि	बेहि
१६	नवाव	नवाब	५५९	७	संकिवन	लकिवन
१६	सव	सब	५५९	१२	वीररसवाढ (त	वीररसबाढ (त
	इति ४८	मयूख:	५६१	६	सिद्ध	गिद्ध
			५६५	३	तव	तब
२	मध्य	माध्य	५६५	११	बन्नि	भजि
१	गयउ	गयउधुनि			इति ५२	मयूख:
१२	धृति१८१७	धृतिग१८१७				
१३	भरे	भरे	५७०	५	वजात	बजात
५	केतुरत्त	केतुरत्त	५७३	५	जव	जब
१६	रह्यां	रह्यो	५७४	८	वनावन	बनावन
१५	लहिवे	लहिबे	५७५	१४	साना	राना
१०	वीर	वीर			इति ५३	मयूख:
	इति ४९	मयूख:				
			५७६	१३	लस्यो	लग्यो
१६	रस्वत	रखवत	५८१	१६	लस्वत	लखत
२	कडुवत्त	कट्टुबत्त			इति ५४	मयूख:
११	वीर	बीर				
१४	वा र	वार	५८६	१३	स्ववासि	स्वबासि
१५	वधायउ	बधायउ			इति ५५	मयूख:
	इति ५०	मयूख:	५९३	१	१८ सुनत	१८॥दोहा॥ (सुनत
			९	९		

पृष्ठ		अशुद्ध	शुद्ध
५९५	८	ेस्वदेतव	ेतब
		इति ५६	:
५९६	८	मञ्ज्ञयो	ज्ज्ञयो
५९९	१२	सोगपे	भोगपे
६००	१२	मट	
६०४	१०	मनमति	मरनमति
६०४	१२	सरफ	सफर
		इति ५७ मयूखः	
६१५	१४	तिकट	निकट

॥ समाप्तम् ॥